17वीं वार्षिक रिपोर्ट
SEVENTEEN ANNUAL REPORT

2012-2013

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड
Technology Development Board

Hkkjr ljdkj
foKku ,oa izkS|ksfxdh foHkkx

foax&,] xzkmaM ¶yksj] fo'odekZHkou]
'kghn thr flag ekxZ
ubZ fnYyh&110016

सत्यमेव जयते

GOVERNMENT OF INDIA
DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY

WING-A, GROUND FLOOR, VISHWAKARMA BHAWAN,
SHAHEED JEET SINGH MARG,
NEW DELHI-110016

विषय सूची

पूर्वावलोकन	14
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का गठन	28
प्रस्तावना	32
परियोजनाएं और उत्पाद	40
परियोजना प्रस्तावों को संशोधित करना	80
सकारात्मक - सक्रिय भूमिका	92
प्रोन्नति संबंधी गतिविधियां	100
अनुसंधान एवं विकास उपकर	108
प्रशासन	110
प्रारंभिक जांच समिति के सदस्य	112
परियोजना मूल्यांकन एवं परियोजना अनुविक्षण समितियों के विशेषज्ञों के नाम	118
उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति (एच एल ई सी) के विशेषज्ञों के नाम	124

CONTENTS

An Overview	15
Composition of the Technology Development Board	29
Introduction	33
Projects and Products	41
Processing of Project Proposals	81
Pro-active Role	93
Promotional Activities	101
Research and Development Cess	109
Administration	111
Members of the Initial Screeing Committees	113
Experts for the Project Evaluation Committees and Project Monitoring Committees	119
Experts for the High Level Expert Committees (HLEC)	125

एक यादगार वर्ष

वर्ष 2012–13 के दौरान, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने विभिन्न औद्योगिक संगठनों और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमि पार्को (एसटीईपीएस) / प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टीबीआईएस) के साथ वित्तीय सहायता हेतु 25 करारों को सम्पन्न किया और 760.48 करोड़ रु. के कुल परियोजना परिव्यय में से 197.80 करोड़ रु. की प्रतिबद्धता दी। टीडीबी की सहायता में स्वास्थ्य देख रेख, इंजीनियरिंग, कृषि, उर्जा एवं अपशिष्ट उपयोगिता, दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी आदि जैसे विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं। यह परियोजनाएं 7 राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों में फैली है।

चालू नई परियोजनाओं और स्कीमों के लिए 116.21 करोड़ रु. की राशि का संवितरण किया गया है। इस राशि में ऋण के रुप में 61.64 करोड़ रु., औद्योगिक संगठन और प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स को अनुदान के रुप में 16.25 करोड़ रु., इक्विटी भागीदारी हेतु 2.09 करोड़ रु. तथा निवेश के लिए उद्यम पूंजी निधि (वीसीएफ) हेतु 36.23 करोड़ रु. शामिल हैं।

उद्यम पूंजी निधि में भागीदारी

स्वदेशी प्रौद्योगिकीयों के वाणिज्यीकरण हेतु उद्योगों के लिए प्रत्यक्ष सहायता के अतिरिक्त, टीडीबी ने प्रौद्योगिकीय रुप से नवोन्मो व्यवहार्य उद्यमों को सहायता प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी केन्द्रित उद्यम पूंजी निधि (वीसीएफ) के साथ नेटवर्किंग करना जारी रखा है। नवोन्मो और नवोन्मेषी उत्पाद/सेवाएं रखने वाले एस एम ई कि लिए आरंभिक स्तर के उद्यमों को सहायता प्रदान करके स्वयं के कार्य क्षेत्र का विस्तार करना इसका मुख्य उद्देश्य रहा है। टीडीबी की इस पहल ने भारतीय अर्थव्यवस्था की संवृद्धि को प्रेरित करने वाले क्षेत्रों में मुख्य बल के साथ प्रौद्योगिकी आधारित परियोजनाओं को व्यापक रुप से सहायता प्रदान करने हेतु आगे आने के लिए वेन्चर कैपिटलिस्ट / निजी इक्विटी फंड्स का आत्मविश्वास बढ़ाया है।

अब तक टीडीबी ने 10 (दस) वीसीएफ नामत: एपीआईडीसी, यूटीआई–एआईएफ, यूटीआई–आईटीवीयूएस, वेंचर ईस्ट, जीवीएफएल, आरवीसीएफ, सीआईआईई–आईएफएसई, आईईएचएसएमइ–आईईएफ, सिडबी–आईओएफ एवं सीफ–सीफ आईएएफ में भागीदारी की है और 260.00 करोड़ रु. के निवेश की प्रतिबद्धता/भागीदारी की है तथा इसमें से चार वीसीएफ में निवेश से लाभ पहले ही शुरु हो गया है।

उपरोक्त के अतिरिक्त, इस वर्ष टीडीबी ने 2 नये वेंचर कैपिटल फंड्स के साथ बाँकी इन्वेस्टर्स की कुल मिलाकर 300.00 करोड़ रु. की सहभागिता के साथ 50.00 करोड़ रु. के कमिटमेंट /सहभागिता के करार पर हस्ताक्षर किए है।

इस वर्ष, टीडीबी को, मेसर्स वेंचर फंड मैनेजमेंट कम्पनी प्रा. लि., बैंगलोर के यूटीआई–एसेंट इंडिया फंड से 2.74 करोड़ रु. एवं मेसर्स राजस्थान ऐसेट मेनेजमेंट कंपनी लि., जयपुर के एसएमई टेक्नोलॉजी वेंचर फंड से 0.09 करोड़ रु., यूनिटों के मोचन से प्राप्त हुए।

इन्क्यूबेटर्स में शुरुआतकत्ताओं के लिए सीड सहायता स्कीम

वर्ष 2005 में, टी डी बी ने डी एस टी के राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड (एन एस टी ई डी बी) द्वारा प्रशासित इन्क्यूबेटरों (एस टी ई पी – टी बी आई) को आरंभिक स्तर पर वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए सीड सहायता स्कीम शुरु करके संवृद्धि – उन्मुखी अग्रसक्रिय पहल अपनाई है और वर्ष 2011–12 तक 3600 लाख रु. की प्रतिबद्धता के साथ 36 प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई एस) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्को (एस टी ई पी एस) (जिनमे कि दुबारा सहायता प्राप्त करने वाले 4 टी बी आई एस/ एस टी ई पी एस सम्मिलित हैं) को सहायता प्रदान की है।

The Year That Was

During the year 2012-13, Technology Development Board (TDB) concluded 25 agreements for financial assistance with various industrial concerns and Venture Capital Funds (VCFs)and committed Rs. 197.80 crore out of total project outlay of Rs. 760.48 crore. TDB's support covers various sectors such as Healthcare, Engineering, Agriculture, Energy & Waste Utilization, Telecommunication and Information Technology etc. The projects are spread over 7 States/Union Territories.

An amount of Rs. 116.21 crore has been disbursed towards on-going, new projects and schemes. This included Rs. 61.64 crore as loan, Rs. 16.25 crore as grant to industrial concerns and Technology Business Incubators, Rs. 2.09 crore as equity participation and Rs. 36.23 crore to Venture Capital Fund (VCF) for investment.

Participation in Venture Capital Funds

In addition to the direct support to industries for commercialization of indigenous technologies, TDB continued networking with technology focused Venture Capital Fund (VCF) to support technologically innovative viable ventures. The objective behind this exercise is to spread itself by providing support to early stage ventures for SMEs having innovation and innovative products /services. This initiative of TDB has given confidence to Venture Capitalist/Private equity funds to come up in big way to support the technology based projects with a pronounced emphasis on sectors which are the growth drivers of Indian economy.

So far TDB has participated in 10 (ten) VCFs namely APIDC, UTI-AIF, UTI-ITVUS, Ventureast, GVFL, RVCF, CIIE-IFSE, IEHSME-IEF, SIDBI-IOF and SEAF-SEAFIAF and committed investment of Rs. 260.00 crore,and out of which the return on investment in four VCFs has already started.

Besides above, this year TDB signed agreements with 2 new Venture Capital Funds with a commitment / participation of Rs. 50.00 crores leveraging total fund aggregating to Rs. 300.00 crores from other investors.

This year, TDB has received Rs. 2.74 crore from UTI – Ascent India Fund of M/s Venture Fund Management Company Pvt. Ltd., Bangalore and Rs. 0.09 crore from SME Technology Venture Fund of M/s Rajsthan Asset Management Company Ltd., Jaipur towards redemption of units.

Seed Support Scheme for Start-ups in Incubators

In 2005, Technology Development Board (TDB) took a growth-oriented proactive initiative by starting the Seed Support System for providing financial assistance for Start-ups in Incubators (STEP/TBI) administered by the National Science & Technology Entrepreneurship Development Board (NSTEDB) of DST and has supported 36 (which includes two times financial assistance to 4 TBIs/STEPs) Technology Business Incubators (TBIs) and Science and Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) involving TDB's commitment of Rs. 3600 lakhs till 2011-12.

इस स्कीम ने अच्छी प्रगति की है और विभिन्न क्षेत्रों में बहुत से उद्यमियों को लाभान्वित किया है। इन्क्यूबेटीज के लिए जारी की गई वित्तीय सहायता विकास, स्तरोन्नयन और संबंधित कार्य की आवश्यकता रखने वाली प्रौद्योगिकीयों के लिए आरंभिक स्तर सहायता में मदद करेगी। यह इन्क्यूबेटर्स द्वारा इन्क्यूबेसन निधि का सृजन करने में भी सुविधा प्रदान करेगी।

31 मार्च, 2013 तक टीडीबी ने 36 (जिनमें दोबारा सहायता प्राप्त 4 टीबीआइएस /एसटीइपीएस शामिल है) टीबीआइएस/एसटीइपीएस में प्रत्येक को 1 करोड़ की अनुदान सहायता को जारी रखा।

विदेशी संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने 'सेंटर फॉर इ डेवलपमेंट ऑफ इंडस्ट्रीयल टेक्नोलॉजी (सी डी टी आई), स्पेन के साथ पूर्व में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन 3.07.2006 के अनुसार अपना तकनीकी सहयोग जारी रखा। 31 मार्च, 2013 तक (वित्तीय वर्ष 2012-13) सीडीटीआई, स्पेन और टीडीबी के बीच इंडिया स्पेन इनोवेशन प्रोग्राम (आईएसआईपी) के तहत कुल 8 (आठ) नामतः 'एफ एक्सइनटेरेक्टिव', 'इन्टीग्रेसन सिक्यूरीटि सिस्टम', 'एससीयूटीयूएम', 'सीओडब्ल्यूबीयूएलएल', 'बीटीईएनएसआईओएन', 'बीईएनजीएएलए', 'एसकेआईडीएस' एवं 'एसएईसीएलआईएमबीईआर इंडिया' को अनुमोदित किया गया।

प्रौद्योगिकी दिवस

11 मई, 2012 को नई दिल्ली में प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे।

पुरस्कारों की श्रेणी में, श्री विलासराव देशमुख, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्री एवं डॉ अश्विनी कुमार, माननीय राज्य मंत्री, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, की उपस्थिति में मुख्य अतिथि ने 10 लाख रु. एवं ट्राफी का राष्ट्रीय पुरस्कार स्पेस आलाकेशन सेंटर, इसरो, सेटेलाइट, अहमदाबाद के सहयोग से विकसित ''समाकलित जीआईएस और इमेज प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर : आईजीआईएस'' के स्वदेशी विकास व वाणिज्यीकरण के लिए मैसर्स स्कैनप्वाइंट जर्मेटिक्स लिमिटेड, अहमदाबाद को प्रदान किया।

विविध अनुप्रयोग के लिए व्यापक लागत-प्रभावी सिम्यूलेटर्स के वाणिज्यीकरण खास तौर से विदेशी बाजार के लिए जेन ड्राइविंग सिम्यूलेटर (जेन डीटीएस) के लिए मैसर्स जेन टेक्नोलॉजिज लिमिटेड, हैदराबाद तथा डायोन : स्वतः धुंधला हाने की सुविधा की विशिष्टता युक्त ताररहित लाइटिंग मैनेजमेंट मॉनिटरिंग स्टेशन के साथ ऊर्जा बचत करने वाली एमएजी संयोजित प्रेरण प्रकाश के वाणिज्यीकरण के लिए मैसर्स डायोनिक्स ऑटोमेशन (आई) प्राइवेट लिमिटेड, नासिक, महाराष्ट्र जैसे दो एसएसआई इकाईयों में से प्रत्येक को 5 लाख रु. एवं ट्राफी भी प्रदान किया।

समारोह में मुख्य अतिथि, डा. एपीजे अब्दुल कलाम ने सार्वजनिक व निजी साझेदारी (पीपीपी) पद्धति में दो नये कार्यक्रमों की भी शुरुआत की। वैश्विक नवोन्मेषण व प्रौद्योगिकी सहयोग ''ग्लोबल सूचना एवं तकनीकी सहयोग (जीआईटीए)'' डीएसटी और सीआईआई के संयुक्त प्रयास से सृजित कार्यक्रम है जिसका मकसद भारतीय उद्योग और संस्थानों की प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और संयुक्त उद्यम के माध्यम से बढ़ाकर दुनिया भर में हो रहे नवोन्मेषण को बढ़ावा देने का प्रयत्न करना है। जबकि ''सहस्राब्दि संधि'' कार्यक्रम का सृजन भारत और यू.एस. द्वारा संयुक्त रुप के किया गया है विवेचित विकास परक चुनौतियों के लागत-प्रभावी और सख्ती से परखे हुए समाधान, जिसमें स्थाई वैश्विक प्रभाव बनाए रखने की क्षमता है, को बढ़ावा देने के लिए डीएसटी, यूएसएआइडी एवं फिक्की के साथ साझेदार की भूमिका निभा रहा है।

This scheme has progressed well and benefited a number of entrepreneurs in various fields. The financial assistance released to the incubatees would cater to early stage support for technologies requiring development, up-scaling and related work. It will also facilitate in the building up of an Incubation Fund by the Incubators.

Upto 31st March, 2013, TDB continued its support to 36(which includes two times financial assistance to 4 TBIs/STEPs)TBIs/STEPs with a financial assistance of Rs. 1.00 crore each.

MoUs with Foreign Institutions

TDB continued its technical collaboration with “Centre for the Development of Industrial Technology” (CDTI), Spain as per the MoU signed with it on 3.07.2006 and upto31stMarch, 2013 (FY 2012-13), total eight (8) bilateral projects namely ‘FXINTERACTIVE, Integration Security System, SCUTUM, COWBULL, BTENSION, BENGALA, SKIDS and SAECLIMBER INDIA were approved under India Spain Innovating Program (ISIP) between CDTI, Spain and TDB.

Technology Day

Technology day was celebrated on 11th May, 2012 in New Delhi and the Former President of India, Dr. A.P.J. Abdul Kalam, was the Chief Guest on this occasion.

In the awards category, the Chief Guest in the presence of Shri VilasraoDeshmukh, Minister of Science and Technology and Earth Sciences and Dr.Ashwani Kumar, Minister of State for Science and Technology and Earth Sciences, presented the National Award of Rs. 10 lakhs and a trophy to M/s ScanpointGermatics Limited, Ahmedabad for indigenous development and commercialization of Integrated GIS and Image Processing Software: IGiS developed jointly in collaboration with Space Application Centre, ISRO, Sastellite, Ahmedabad.

He also presented Rs. 5 lakh and a trophy each to two SSI units, M/s Zen Technologies Limited, Hyderabad for commercializing a range of cost-effective Simulators for various applications, especially the Zen Driving Training Simulator (Zen DTS) for Overseas market and M/s Diaonics Automation (I) Pvt. Ltd., Nasik, Maharashtra for commercialization of DIAON: Energy Saving MAG Coupled Induction lights with Wirefree Lighting Management Monitoring Station with inbuilt intelligent feature of Auto Dimming facility.

In the function, the Chief Guest, Dr. A. P. J. Abdul Kalam also launched two new programmes in Public Private Partnership (PPP) mode. The “Global Innovation and Technology Alliance (GITA)” is a programme jointly created by DST and CII which seeks to leverage innovations taking place around the world by enhancing technology competitiveness of Indian Industry & Institutions through joint development, technology transfer and joint ventures. Whereas “Millennium Alliance” programme is jointly created by India and U.S. and here DST is partnering with USAID & FICCI to promote cost-effective and rigorously tested solutions for critical development challenges that have the potential for sustained global impact.

पारस्परिक अन्तरक्रिया पद्धति

प्रदर्शनियां / संगोष्ठियां

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के पास उपलब्ध वित्तीय सहायता के बारे में उद्योग, उद्यमियों एवं आर एण्ड डी संस्थानों के बीच जागरुकता का सृजन करने के लिए अन्य संगठनों के सहयोग से विचार - विमर्शी बैठकें /प्रदर्शनियों में भागीदारी जैसे विभिन्न कार्यकलापों को संचालित किया गया।

वर्ष के दौरान, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने बैंगलोर, कोयम्बटूर, हैदराबाद, कोची, कोलकाता, लखनऊ, नई दिल्ली एवं पिलानी में प्रदर्शनियों में भाग लेकर अपनी स्कीमों के बारे में जागरुकता पैदा की है।

भुवनेश्वर में भारतीय विज्ञान कांग्रेस का 100वां सत्र

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने भुवनेश्वर में 3-7 जनवरी, 2013 के दौरान 100वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस (आईएससी) 'भारत का गौरव (पीओआई) एक्सपो, जेनेसिस एवं विज्ञान ज्योत' में भाग लिया। भारत के माननीय प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह द्वारा 'भारत का भविष्य बनाने के लिए विज्ञान' के मुख्य विषय के साथ आईएससी का उद्घाटन किया गया।

विज्ञान कांग्रेस एक ही मंच पर अपने अनुभवों को आपस में बताने वाले विश्व भर के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, नोबेल पुरस्कार विजेताओं, नीति निर्माताओं, प्रशासकों, प्रोफेसरों और विद्यार्थियों की उपस्थिति की गवाह रही। टी डी बी ने अपने कार्यकलापों के बारे में जानकारियां दी और अपने स्कीमों के बारे में आगन्तुकों को अवगत कराया। विज्ञान कांग्रेस में बड़ी संख्या में राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

वर्ष 2012-13 में नए उत्पाद एवं सेवाएं

वर्ष के दौरान, टी डी बी ने नवोन्मेषी प्रौद्योगिकीयों के विकास और वाणिज्यीकरण हेतु निम्नलिखित परियोजनाओं को सहायता प्रदान करने के लिए नये करारों पर हस्ताक्षर किए :-

- मैसर्स यशराज बायोटेक्नोलॉजिज लिमिटेड, नवी मुम्बई द्वारा पुनर्सयोजक प्रतिजन का विकास एवं वाणिज्यीकरण, मोनोक्लोनल रोग प्रतिकारक और कोशिका व्यपन्न प्रतिजन।
- मैसर्स आई2आई टेलीसॉल्यूशंस एवं टेलीमेडिसीन प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलोर द्वारा टेलीपैक्स^{टीएम} आधारित हेल्थकेयर एक्सचेंज और इन्टरनेट और मोबाइल आधारित हेल्थकेयर एक्सेस के लिए प्रौद्योगिकी का विकास एवं वाणिज्यीकरण
- मैसर्स अल्फा कॉर्पसकल्स प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा देशी निम्न लागत डिस्पोजेबल लेपरोस्कोपी ट्रोकर्स का विकास एवं वाणिज्यीकरण
- मैसर्स केवीबी एग्रो फार्म्स प्राईवेट लिमिटेड, बारामूला, जम्मू कश्मीर द्वारा स्ट्रॉबेरी, अंग्रेली/विदेशागत सब्जियों व सेबों के निर्जलीकरण के हाइड्रोपोनिक मल्टीटायर कल्टीवेशन व प्रोसेसिंग का वाणिज्यीकरण
- मैसर्स एक्सपोनेन्सियल टेक्नोलॉजिज एस एंड एच प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद एक्सपोनेन्सियल इ डिक्सवरी का विकास एवं वाणिज्यीकरण
- मैसर्स संजय टेक्नोप्लास्ट प्राईवेट लिमिटेड, पूने द्वारा कार्यकुशल कुकिंग सिस्टम का विकास एवं वाणिज्यीकरण
- मैसर्स वैल्यूपिच इटेक्नोलॉजिज प्राईवेट लिमिटेड, मुम्बई द्वारा लिगल मैटर्स (हाजिरहो) के ऑटोमेटेड डिस्कवरी रिसर्च टूल्स एवं मैनेजमेंट के लिए एडवांस्ड सिस्टम का विकास एवं वाणिज्यीकरण

Interactive Mode

Exhibitions/ Seminars

To create awareness in the industry, entrepreneurs and R&D institutions about the available financial support from TDB, various activities were undertaken such as interactive meetings / participation inexhibitions in collaborationwith other organizations.

During the year, TDB created awareness about its scheme by participating in exhibitions at Bangalore, Coimbatore, Hyderabad, Kochi, Kolkata, Lucknow, New Delhi and Pilani.

100th session of Indian Science Congress at Kolkata

TDB participated in the 100th Indian Science Congress (ISC) 'Pride of India (PoI) Expo, Genesis and VigyanJyot' during January 3-7, 2013 at Kolkata. The ISC with the focal theme "Science for shaping the future of India" was inaugurated by Dr. Manmohan Singh, Hon'ble Prime Minister of India.

The Science Congress witnessed the presence of eminent scientists, Nobel laureates, policy makers, administrators, professors and students from across the nation sharing their experiences and views over a common platform. TDB displayed information about its activities and the visitors were appraised about the schemes of TDB. A large number of national and international delegates participated in the Science Congress.

New Products and Services

During the year, TDB signed new agreements for financial assistance to support the following projects for development and commercialization of innovative technologies:-

- Development and commercialization of Recombinant Antigens, Recombinant Monoclonal anti-bodies and cell derived antigens by M/s Yashraj Biotechnologies Ltd., Navi Mumbai
- Development and commercialization of technologies for a TelePACS^{TM} based Healthcare Exchange for internet and mobile based healthcare access by M/s i2i Telesolutions & Telemedicine Pvt. Ltd., Bangalore
- Development and commercialization of indigenous low cost disposable laparoscopy trocars by M/s Alfa Corpuscles Pvt. Ltd., New Delhi
- Commercialization of novel hydroponic multitier cultivation & processing of strawberries, dehydration of English/Exotic vegetables & apples by M/s KVB Agro Farms Pvt. Ltd., Baramullah, J&K
- Development and commercialization of Exponential eDiscovery by M/s Exponential Technologies S&H Pvt. Ltd., Hyderabad
- Development and commercialization of efficient cooking system by M/s Sanjay Techno Plast Pvt. Ltd., Pune
- Development and commercialization of an advanced system for automated discovery, research tools and management of legal matters (Haazirho) by M/s Valuepitch eTechnologies Pvt. Ltd., Mumbai

- मैसर्स इको इंडिया फायनेंशियल सर्विसेज प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा बैंक की सुविधा रहित और अल्प सुविधा वालों के लिए शाखारहित बैंकिंग व वित्तीय सेवाएं
- मैसर्स वायव्या लैब्स प्राईवेट लिमिटेड, बेलगाम द्वारा सिस्टम युक्त मार्केट के लिए डिवायस ड्राइवर सिन्थेसिस और सिस्टम लेवल वैंलिडेशन टूल्स का वाणिज्यीकरण
- मैसर्स मायमो वायरलेस टेक्नोलॉजी प्राईवेट लिमिटेड, बैंगलोर द्वारा 4जी वायरलेस 3जीपीपी एलटीई उत्पाद : आधार केन्द्र (इनोडबी) यूजर उपकरण (यूई) और एलटीई एम्यूलेटर्स का वाणिज्यीकरण
- मैसर्स इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्ज संेटर फॉर पाउडर मेटालर्जी एंड न्यू मैटेरियल्स (एआरसीआई), हैदराबाद द्वारा इस्पात और प्लास्टिक के साथ एल्युमिनियम मिलाने एवं संगति की तकनीकी
- मैसर्स ऑरिजिनेट टेक्नोलॉजिक लिमिटेड, मुम्बई द्वारा नाभिकीय विकिरण को मॉनिटर करने के तंत्र का विकास, वाणिज्यीकरण व देशीकरण
- मैसर्स पैनेसिया बायोटेक लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा उन्नत औषधि वितरण आधारित कैंसररोधी उत्पाद पैक्लीऑल (पैसीटेक्सेल) के वाणिज्यीकरण के लिए उत्पादन की सुविधा
- मैसर्स वर्चुअल लॉलिक सिस्टम प्राईवेट लिमिटेड, बैंगलोर द्वारा सम्पूर्ण इंडस्ट्री के मैंटेनेन्स इंजीनियर्स के स्किल डेवलपमेंट को लक्ष्य करके विकसित किया गया वर्चुअल रियलिटी बेस्ड स्किल ट्रेनिंग सिम्यूलेटर(कोमेट सिम्यूलेटर) का विकास व वाणिज्यीकरण
- मैसर्स रत्नम फार्मास्युलिकल्स प्राईवेट लिमिटेड, तिरुपति द्वारा आर्टिमेथर और ल्यूमिफैट्रीन की ओर से निकाले गए 150मिलिग्राम व 300मिलिग्राम के टैबलेट्स का विकास व वाणिज्यीकरण
- मैसर्स पावा सॉफ्टवेयर प्राईवेट लिमिटेड, बैंगलोर द्वारा कॉरपोरेट सिक्योरिटी पालिसी युक्त ग्रुप बक्से के जरिए इलेक्ट्रॉनिक फाइल / डाटा की सुरक्षा के लिए नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी का विकास व वाणिज्यीकरण
- मैसर्स काविया कार्बन्स (चेन्नई) प्राईवेट लिमिटेड, तिरुपुर, तमिलनाडु द्वारा ऑटोकैनिस्टर कार्बन का विकास व वाणिज्यीकरण
- मैसर्स नोशन इंक डिजाइन लैब्स प्राईवेट लिमिटेड, बैंगलोर द्वारा मल्टी एप्लीकेशन टच कम्प्यूटिंग हैंडहेल्ड डिवाइस
- मैसर्स ख्याथा अभिजीत फार्मा एंड हेल्थकेयर सिस्टम्स प्राईवेट लिमिटेड, विशाखापत्तनम द्वारा ''डिया-सेंस'' (मधुमेह ग्रसित तंत्रिकारोग का पता लगाने वाला उपकरण) का विकास व वाणिज्यीकरण
- मैसर्स सेन्जाइम लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा नैनो डोसेज फॉर्म्स में नॉवेल गोनाडो-ट्रॉपिन का विकास व वाणिज्यीकरण
- मैसर्स सैमिक्स रिसर्च मैटेरियल प्राईवेट लिमिटेड, बरेली, उत्तर प्रदेश द्वारा फ्यूल सेल्स और थर्मल बैरियर कोटिंग्स जैसे उपयोग के लिए उच्च व उच्चतर कोटि (>99.99%) की शुद्धता वाले उन्नत सेरामिक ऑक्साइड का विनिर्माण
- मैसर्स वेम टेक्नोलॉजिज प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा आरएफ सीकर्स का विकास व वाणिज्यीकरण

वर्ष के दौरान टी डी बी ने निम्नलिखित 2 (दो) नये वेन्चन केपिटल फण्डस (वीसीएफएस) में भाग लिया।

- ब्ल्यूम वेंचर एडवाईजर्स प्राईवेट लिमिटेड, मुम्बई का मल्टी सेक्टर सीड कैपिटल फंड
- आइवी कैप वेंचर्स एडवाईजर्स प्राईवेट लिमिटेड, मुम्बई का आइवी कैप वेंचर्स ट्रस्ट - फंड 1

- Branchless Banking & Financial Services for the Unbanked and Underbanked by M/s EKO India Financial Services Pvt. Ltd., New Delhi
- Commercialiation of device driver sysnthesis and system level validation tools for embedded systems market by M/s Vayavya Labs Pvt. Ltd., Belgaum
- Commercialization of 4G wireless 3GPP LTE Products: Base Station (eNodeB), User Equipment (UE) and LTE Emulators by M/s Mymo Wireless Technology Pvt. Ltd., Bangalore
- Technology for joining & compatibility of Aluminium with steel and plastic by M/s International Advanced Research Centre for Power Mettalurgy and New Materails (ARCI), Hyderbad
- Development, commercialization and indigenization of Nuclear Radiation Monitoring Systems by M/s Originet Technologies Ltd., Mumbai
- Manufacturing facility for commercialization of Advanced Drug Delivery based Anticancer Product PacliALL (Pacitaxel) by M/s Panacea Biotec Ltd., New Delhi
- Development and commercialization of Virtual Reality Comet Simulator for Different Industries by M/s Virtual Logic Systems Pvt. Ltd., Bangalore
- Development and commercialization of Artemether and Lumifatrine extended release tablets 150 mg / 300 mg by M/s RathnamPharmaceuticasl Pvt. Ltd., Tirupathi
- Development and commercialization of innovative technologies for electronic file / data security through encrypted container with embedded corporate securities policies by M/s Pawaa Software Pvt. Ltd., Bangalore
- Development and commercialization of Autocanister carbon by M/s Kavia Carbons (Chennai) Pvt. Ltd., Tirupur, Tamilnadu
- Multi-Application touch computing Handheld device by M/s Notion Ink Design Labs Pvt. Ltd., Bangalore
- Development and commercialization of “Dia-Sense” (an instrument for Diagnosing Diabetic Neuropathy) by M/s KhyathaAbhijith Pharma & Health-care Systems Pvt. Ltd., Visakhapatnam
- Development and commercialization of Novel Gonadotropin in Nano-Dosage Forms by M/s Sanzyme Ltd., Hyderabad
- Manufacturing of advanced ceramic oxides in high and ultra high purity grade (>99.99%) for applications such as fuel cells and thermal barrier coatings by M/s Samics Research Materials Pvt. Ltd., Bareilly, UP
- Development and commercialization of RF Seekers by M/s VEM Technologies Pvt. Ltd., Hyderabad

TDB participated in the following 2 (Two) new Venture Capital Funds (VCFs) during this year:

- Multi Sector Seed Capital Fund by Blume Venture Advisors Pvt. Ltd., Mumbai
- IvyCap Ventures Trust – Fund 1 by IvyCap Ventures Advisors Pvt. Ltd., Mumbai

वर्ष 2012 - 13 के दौरान टीडीबी ने निम्न में भी भाग लिया:

1. फिक्की और यूएसएआईडी की साझेदारी में सहस्त्राब्दि संधि (एमए)

जारी उत्पाद / पूरी की गई परियोजनाएं

वर्ष के दौरान टीडीबी से सहायता के साथ जारी उत्पादों / पूरी की गई परियोजनाओं में निम्नलिखत शामिल है:-

- मैसर्स स्योरवेव्स मीडिया टेक प्राईवेट लिमिटेड, बैंगलोर द्वारा स्योरवेव्स मीडिया कंवरजेंस सॉल्यूशंस का वाणिज्यीकरण
- मैसर्स सांख्या टेक्नोलॉजिज प्राईवेट लिमिटेड, चेन्नई द्वारा सांख्या टैरैप्टरटीएम का उपयोग करके ऑटोमेटिव इलेक्ट्रॉनिक्स, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्यूनिकेशन व नेटवर्किंग डिवाइसेस के लिए सिस्टम डिजायन सॉल्यूशंस का विकास व वाणिज्यीकरण
- मैसर्स वर्चुअल लॉजिक सिस्टम्स प्राईवेट लिमिटेड, बैंगलोर द्वारा वर्चुअल रियलिटी आधारित कौशल प्रशिक्षण अनुरुपक (कॉमेट सिम्यूलेटर) का विकास व वाणिज्यीकरण
- मैसर्स ग्लैंड केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा रॉक्यूरोनियम ब्रोमइड का विनिर्माण
- मैसर्स सिल्वान इनोवेशन लैब्स प्राईवेट लिमिटेड, बंगलुरु द्वारा वायरलेस आईपी वीडियो सर्विलांस कैमरा सिस्टम पर रियल टाईम एनालिटिक्स का विनिर्माण

ऋण चुकौती का निपटान

इस वर्ष, टीडीबी द्वारा सहायता प्राप्त 9 (नौ) कम्पनियों ने अपनी ऋण राशि का भुगतान कर दिया है और टीडीबी के द्वारा सन्तोषप्रद पाए जाने पर करार के अनुसार अपनी ऋण लेखाओं का निपटान कर दिया है।

वर्ष में प्राप्त आवेदन

वर्ष के दौरान टी डी बी ने विभिन्न औद्योगिक संस्थानों से वित्तीय सहायता के लिए कुल 65 आवेदन प्राप्त किए जिसमें 1358.87 करोड़ रु. की कुल परियोजना लागत और 492.46 करोड़ रु. की टी डी बी से मांगी गई सहायता शामिल है। इनमें से टी डी बी के द्वारा वित्तीय सहायता के लिए 31 आवेदनों को उचित पाया गया। कई वेन्चर कैपिटल फण्ड्स ने भी अपने फंड में भागीदारी के लिए टी डी बी को संपर्क किया।

During the year 2012-13, TDB also participated in:

1. Millanium Alliance (MA) in association with FICCI and USAID

Product Released/Projects completed

The products released / projects completed with assistance from TDB during the year include:-

- Commercialization of SureWaves Media Convergence Solutions by M/s Surewaves Media Tech Private Limited, Bangalore
- Development and commercialization of System Design Solutions for automotive electronics, consumer electronics and communication and networking devices using Sankhya Teraptor™ by M/s Sankhya Technologies Private Ltd., Chennai
- Development and commercialization of virtual reality based skills training SIMULATOR (COMET SIMULATOR) by M/s Virtual Logic Systems Private Limited, Bangalore
- Manufacture of Rocuronium Bromide by M/s Gland Chemicals Private Limited, Hyderabad
- Manufacture of Real Time video analytics over wireless IP video surveillance camera system by M/s Silvan Innovation Labs Pvt. Ltd., Bengaluru

Settlement of Repayment of Loan

This year, Nine (9) companies assisted by TDB have repaid their loan amount and settled their loan account as per the agreement to the satisfaction of TDB.

Applications received

During the year, TDB received total 65 applications for financial assistance from various industrial concerns with total project cost of Rs. 1358.87 crore and TDB's assistance of Rs. 492.46 crore. Out of that, 31 applications were found suitable for further processing for financial assistance by TDB. Several Venture Capital Funds also approached TDB for participation in their fund.

पूर्वावलोकन

भारत सरकार द्वारा प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 के प्रावधानों के अंतर्गत सितम्बर, 1996 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का गठन किया गया।

इस अधिनियम में टी डी बी द्वारा संचालित प्रौद्योगिकी विकास तथा अनुप्रयोग के लिए फंड सृजन का प्रावधान है। इस फंड द्वारा सरकार से अनुसंधान एवं विकास उपकर अधिनियम, 1986 यथा संशोधित 1995 के प्रावधानों के तहत औघोगिक इकाइयों से एकत्रित उपकर में से भारत सरकार से अनुदान प्राप्त किया जाता है। फंड की राशि के निवेश से प्राप्त आय और फंड द्वारा दिए गए अनुदानों की वसूली को फंड में जमा कर दिया जाता है। वित्त अधिनियम, 1999 द्वारा आयकर संबंधी उद्देश्यों के लिए फंड को दिए गए अनुदानों में पूर्ण कटौती करने हेतु सक्षम बनाया गया।

वर्ष 1996-97 से 2012-13 की अवधि के दौरान आर एंड डी उपकर से सरकार द्वारा कुल 4227.95 करोड़ रु. एकत्र किए गए। इसमें से टी डी बी को 17 वर्षों की अवधि में 528.92 करोड़ रु. की संचित राशि उपलब्ध कराई गई।

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टी डी बी) का दायित्व स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास एवं वाणिज्यिक अनुप्रयोग का प्रयास करना अथवा व्यापक घरेलु अनुप्रयोग हेतु आयातित प्रौद्योगिकी को अपनानें वाली औद्योगिक इकाईयों तथा एजेंसियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है।

टी डी बी द्वारा वित्तीय सहायता ऋण या इक्विटी के रुप में तथा आपवादिक मामलों में अनुदान के रुप में उपलब्ध है। ऋण सहायता अनुमोदित परियोजना लागत के 50 प्रतिशत तक दी जाती है और इस पर प्रतिवर्ष 5 प्रतिशत साधारण ब्याज लिया जाता है। ऋण अवधि के दौरान टी डी बी की सहायता से उत्पादित उत्पाद की बिक्री पर रॉयल्टी भी देय है। विकल्प के रुप में टी डी बी किसी कंपनी को इक्विटी पूंजी भी प्रदान कर सकता है बशर्ते यह अनुमोदित परियोजना लागत का अधिकतम 25 प्रतिशत तक हो। वित्तीय सहायता किसी औद्योगिक इकाई के शुरुआत, स्टार्ट अप अथवा विकास के चरणों में उपलब्ध कराई जा सकती है।

टी डी बी को अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों सें वित्तीय सहायता हेतु आवेदन वर्ष भर प्राप्त होते रहते हैं। टी डी बी से वित्तीय सहायता प्राप्त करने हेतु इच्छुक औद्योगिक इकाई को विहित पत्र में आवेदन करना होता है। परियोजना वित्त पोषण संबंधी दिशानिर्देशों सहित आवेदन के प्रारुप की प्रति टी डी बी से नि:शुल्क या टी डी बी की बेबसाईट (www.tdb.gov.in) से प्राप्त किया जा सकती है।

टी डी बी ने अपनी योजनाओं को प्रौद्योगिकी अभिमुखी परियोजनाओं तक और अधिक विस्तारित करने के लिए उद्यम पूंजी निधि में भी भाग लिया है। इसके अतिरिक्त, यह इन्क्यूबेटर्स को सीड सहायता स्कीम के माध्यम से सहायता भी प्रदान करता है और इसने अपनी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए चयनित विदेशी संस्थानों के साथ पारस्परिक विचार-विमर्श भी किया है।

31 मार्च, 2013 की स्थिति के अनुसार, टी डी बी द्वारा (1996 में इसके अस्तित्व में आने के बाद से) 5853.44 करोड़ रु. की कुल परियोजना लागत युक्त कुल 299 करारों पर हस्ताक्षर किया है जिसमें से टी डी बी की बचनवद्धता 1421.01 करोड़ रु. की है जिसके विरुद्ध टी डी बी ने सरकार द्वारा दिए गए फंड और आंतरिक प्राप्तियों में से 1119.32 करोड़ रु. का संवितरण किया है।

टी डी बी ने अन्य निवेशकों से कुल 2408.00 करोड़ रु. के निधियों तक पहुंच बनाते हुए 310.00 करोड़ रु. की प्रतिबद्धता/भागीदारी के साथ अब तक कुल 12 उद्यम पूंजी निधियों को सहायता प्रदान किया है। टी डी बी ने सीड सहायता स्कीम के अंतर्गत छत्तीस (जिनमें दोबारा सहायता प्राप्त 4 टीबीआइएस/एसटीइपीएस शामिल है) इन्क्यूबेटर्स में प्रत्येक को 1 करोड़ की अनुदान सहायता अनुमोदित की है।

AN OVERVIEW

The Government of India constituted the Technology Development Board (TDB) in September 1996, as per the provisions of the Technology Development Board Act, 1995.

The Act enabled the creation of a Fund for Technology Development and Application to be administered by TDB. The Fund receives grants from the Government of India out of the Cess collected by the Government from the industrial concerns under the provisions of the Research and Development Cess Act, 1986, as amended in 1995. Any income from investment of the amount of the Fund and the recoveries made of the amounts granted from the Fund are credited to the Fund. The Finance Act, 1999, enabled full deductions to donations made to the Fund for income tax purposes.

During the period of 1996-97 to 2012-13, a total amount of Rs.4227.95 crore R&D cess has been collected by the Government. Out of this, TDB has received a cumulative sum of Rs. 528.92 crore over the period of 17 years.

The mandate of the TDB is to provide financial assistance to the industrial concerns and other agencies attempting development and commercial application of indigenous technology or adapting imported technology for wider domestic application.

The financial assistance from TDB is available in the form of loan or equity and/or in exceptional cases, grant. The loan assistance is provided up to 50 percent of the approved project cost and carries 5 percent simple rate of interest per annum. Royalty is also payable on sales of products under TDB's project during currency of loan. In exceptional cases, TDB may also subscribe by way of equity capital in a company, subject to maximum of 25 percent of the approved project cost. The financial assistance is provided during the commencement, start-up or growth stages of industrial concerns.

TDB accepts applications for financial assistance from all sectors of economy throughout the year. An industrial concern desirous of seeking financial assistance from TDB applies in a prescribed format. A copy of the Project Funding Guidelines including the format of application can be obtained free of cost from TDB or by accessing TDB website (www.tdb.gov.in).

TDB has also participated in Venture Capital Funds for spreading its support to technology oriented projects. Further, it also provides support to incubators through its Seed Support Scheme and has also interacted with select foreign institutions to promote its activities.

As on 31st March 2013, TDB has signed a total of 299 agreements (since its inception in 1996) with a total project cost of Rs. 5853.44 crore involving TDB's commitment of Rs. 1421.01 crore against which TDB has disbursed Rs. 1119.32 crore from the grants provided by the government and through internal accruals.

TDB has so far supported 12 Venture Capital funds with a commitment / participation of Rs. 310.00 crores leveraging total funds aggregating to Rs. 2408.00 crores from other investors. TDB has approved grant assistance of Rs. 1.00 crore each to the thirty six (which includes two times financial assistance to 4 TBIs/STEPs) incubators under the Seed Support Scheme.

वित्तीय सहायता का तरीका

टीडीबी द्वारा 31 मार्च, 2013 तक दी गई वित्तीय सहायता के तरीकों को निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है:-

(करोड़ रु. में)

साधन	टीडीबी द्वारा स्वीकृत *	टीडीबी द्वारा वितरीत
लोन	935.29	792.22
इक्विटी	25.71	**29.39
ग्रांट	150.01	116.23
वेन्चर फंड	310.00	181.48
कुल	**1421.01**	**1119.32**

* **31 मार्च, 2013 तक टी डी बी द्वारा वास्तविक रुप से अनुमोदित राशि वित्तीय सहायता की मात्रा में संशोधन, परिसमापन और निरसन के कारण पश्चातवर्ती वर्षों में परिवर्तित हो सकती है।**

** **इसमें मार्च, 2004 में एन आई सी सी ओ को संवितरित 18.46 करोड़ रु. (वर्ष 1999-2000 में 12.46 करोड़ रु. और वर्ष 2001-02 में 06.00 करोड़ रु.) के लोन के ऋण का संचित मोचन योग्य वरीयता शेयरों में परिवर्तन (तथापि ऋण में कमी), मैसर्स फंटियर लाईफलाईन प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई को संवितरित 5.00 करोड़ रु. के लोन के ऋण का संचित मोचन में परिवर्तन एवं टी डी बी की एक सेक्सन 25 कम्पनी, ग्लोबल इनोवेशन एण्ड टेक्नोलॉजी एलायन्स (जीआईटीए) में 1.94 करोड़ रु. की भागीदारी शामिल है।**

क्षेत्रवार कवरेज

टी डी बी की वित्तीय सहायता ने अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों को कवर कर लिया है। निम्नलिखित तालिका में टी डी बी द्वारा 1996-97 में इसके गठन से 31 मार्च, 2013 तक क्षेत्रवार स्वीकृत की गई परियोजनाओं को दिखाया गया है:-

(करोड़ रु. में)

	सेक्टर	करारों की संख्या	कुल लागत	टीडीबी द्वारा स्वीकृत
1	स्वास्थ्य एवं चिकित्सा	72	1067.02	320.73
2	इंजिनियरिंग	57	522.00	189.80
3	इलेक्ट्रोनिक्स	4	100.36	37.15
4	केमिकल	23	206.07	71.99
5	कृषि	20	130.83	42.90
6	ऊर्जा और अपशिष्ट उपयोगिता	8	132.36	55.98
7	दूरसंचार	11	90.04	33.85
8	रक्षा एवं नागर विमानन	1	8.00	2.20
9	सड़क यातायात	10	527.04	81.2
10	हवाई यातायात	2	142.10	67.8
11	सूचना प्रौद्योगिकी	41	370.79	145.91
12	अन्य			
	(क) वेन्चर फंड सहित	12	2408.00	310.00
	(ख) एसटीईपी - टीबीआई	36	36.00	36.00
	(ग) सीआईआई	1	0.83	0.5
	(घ) मिलेनियम अलायंस (एमए)	1	112.00	25.00
	कुल	**299**	**5853.44**	**1421.01**

* **(टी डी बी द्वारा बिना राशि जारी वाले 13 रद्द किए गए करारों को शामिल नही किया गया है)**

Modes of Financial Assistance

The following table indicates the modes of financial assistance provided by TDB till 31st March 2013.

Rs. In Crore

Instrument	Sanctioned by TDB*	Disbursement by TDB
Loan	935.29	792.22
Equity	25.71	**29.39
Grant	150.01	116.23
Venture Funds	310.00	181.48
Total	**1421.01**	**1119.32**

* *The actual sanctioned amount by TDB as on 31st March 2013 may vary in subsequent years due to revision in the quantum of financial assistance, foreclosure and cancellations.*

** *Includes conversion of loan of Rs. 18.46 crore (Rs. 12.46 crore in 1999-2000 and Rs. 6 crore in 2001-2002) disbursed to NICCO Corporation into Cumulative Redeemable Preference Shares in March 2004 (thereby reducing the loan), conversion of loan of Rs. 5.00 crore disbursed to M/s Frontier Lifeline Pvt. Ltd., Chennai into equity and Rs. 1.94 crore disbursed towards equity participation of TDB in Global Innovation and Technology Alliance (GITA) a Section 25 company.*

Sector-wise Coverage of Agreements

TDB's financial assistance has covered almost all sectors of the economy. The following table gives sector-wise projects sanctioned by TDB upto 31st March, 2013, since inception in 1996-97.

(Rs. in Crore)

	Sector	Number of Agreements	Total cost	Sanctioned by TDB
1	Health & Medical	72	1067.02	320.73
2	Engineering	57	522.00	189.80
3	Electronics	4	100.36	37.15
4	Chemical	23	206.07	71.99
5	Agriculture	20	130.83	42.90
6	Energy & Waste Utilization	8	132.36	55.98
7	Tele-communications	11	90.04	33.85
8	Defence and Civil Aviation	1	8.00	2.20
9	Road Transport	10	527.04	81.20
10	Air Transport	2	142.10	67.80
11	Information Technology	41	370.79	145.91
12	Others			
	a) Venture Funds	12	2408.00	310.00
	b) STEP-TBI	36	36.00	36.00
	c) CII	1	0.83	0.50
	d) Millaneum Alliance (MA)	1	112.00	25.00
Total		**299**	**5853.44**	**1421.01**

* *(Excludes 13 agreements cancelled by TDB without any release)*

इसमें अन्य क्षेत्रों की तुलना में हेल्थकेयर एवं इंजीनियरिंग क्षेत्रों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। टीडीबी द्वारा दी गई सहायता विस्तृत रुप से नए वेन्चरों और विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में बाजार संचालित और प्रौद्योगिकी उन्मुखी है।

वर्ष 1996-2013 के दौरान हस्ताक्षर किए गए करारों का राज्यवार वितरण

वर्ष 1996-2013 के दौरान हस्ताक्षर किए गए करारों (कम्पनी के रजिस्टर्ड कार्यालय के आधार पर) का राज्यवार वितरण :-

(करोड़ रु. में)

सं.	राज्य, केन्द्र शासित	करारों की संख्या	उद्यमों की संख्या	कुल	टीडीबी द्वारा स्वीकृत की गई ऋण, अनुदान/इक्विटी
1	आन्ध्र प्रदेश	76	63	1137.82	382.94
2	चंडीगढ़	4	4	42.75	16.50
3	दिल्ली	18	17	219.08	70.15
4	गुजरात	11	10	120.04	37.79
5	हरियाणा	6	5	44.15	18.00
6	हिमाचल प्रदेश	1	1	6.24	1.90
7	जम्मू एवं कश्मीर	1	1	5.65	2.38
8	कर्नाटक	33	31	444.14	177.24
9	केरल	3	3	19.03	7.15
10	मध्य प्रदेश	6	5	156.23	41.50
11	महाराष्ट्र	35	32	570.79	111.95
12	मणिपुर	1	1	7.94	2.70
13	पांडीचेरी	1	1	5.83	1.90
14	पंजाब	5	5	52.20	14.46
15	राजस्थान	1	1	35.77	3.00
16	तमिलनाडु	32	31	270.59	79.81
17	उत्तर प्रदेश	7	6	53.03	33.88
18	पश्चिम बंगाल	8	6	105.33	46.26
19	अन्य सहित				
	वेन्चर फंड	12	12	2408.00	310.00
	एसटीईपी - टीबीआई	36	32	36.00	36.00
	सीआईआई	1	1	0.83	0.50
	मिलेनियम अलायंस(एमए)	1	1	112.00	25.00
	कुल योग	**299**	**269**	**5853.44**	**1421.01**

टी डी बी द्वारा वित्तीय भागीदारी बाजार की परिस्थितियों पर निर्भर करती है और एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में भिन्न होती है। इसकी वित्तीय सहायता में हेल्थकेयर एवं इंजीनियरिंग क्षेत्रों की महत्वपूर्ण भागीदारी होती है।

Healthcare and Engineering sectors have a significant share in comparison to other sectors. The support by TDB is largely market driven and technology oriented in new ventures and also in various industrial sectors.

State-wise Distribution of Agreements 1996-2013

The State-wise distribution (based on registered office of the company) of agreements signed during the years 1996-2013 is given below:

(Rs. in Crore)

Sl No.	State, Union Territory	Number of Agreements	Number of Enterprises	Total cost	Loan/Grant / Equity Sanctioned by TDB
1	Andhra Pradesh	76	63	1137.82	382.94
2	Chandigarh	4	4	42.75	16.50
3	Delhi	18	17	219.08	70.15
4	Gujrat	11	10	120.04	37.79
5	Haryana	6	5	44.15	18.00
6	Himachal Pradesh	1	1	6.24	1.90
7	Jammu & Kashmir	1	1	5.65	2.38
8	Karnnataka	33	31	444.14	177.24
9	Kerala	3	3	19.03	7.15
10	Madhya Pradesh	6	5	156.23	41.50
11	Maharashtra	35	32	570.79	111.95
12	Manipur	1	1	7.94	2.70
13	Pondicherry	1	1	5.83	1.90
14	Punjab	5	5	52.20	14.46
15	Rajasthan	1	1	35.77	3.00
16	Tamil Nadu	32	31	270.59	79.81
17	Uttar Pradesh	7	6	53.03	33.88
18	West Bengal	8	6	105.33	46.26
19	Others - Including				
	Venture Funds	12	12	2408.00	310.00
	STEP-TBIs	36	32	36.00	36.00
	CII	1	1	0.83	0.50
	Millaneum Alliance (MA)	1	1	112.00	25.00
	Grand Total	**299**	**269**	**5853.44**	**1421.01**

Financial participation by TDB depends largely on market driven conditions and varies considerably from one sector to another. Healthcare along with the engineering sector have a significant share in its financial assistance.

सकारात्मक सक्रिय भूमिका

पिछले कुछ समय से टीडीबी ने विभिन्न वेंचर कैपिटल फंड्स के साथ भागीदारी की है ताकि विभिन्न नवीन परियोजनाओं के उत्तोलन निवेश की संभावनाओं का विस्तृत किया जा सके और सीड सहायता स्कीम के माध्यम से इन्क्यूबेटर्स द्वारा आर एंड डी पहलों को सहायता दी है। टीडीबी देश में प्रौद्योगिकी उन्मुख पहलों को एक प्लेटफॉर्म प्रदान करने के लिए विदेशी संस्थानों के साथ जुड़ा है।

उद्यम पूंजी निधि में भागीदारी

टीडीबी ने 31 मार्च, 2013 तक अन्य निवेशकों से 2408.00 करोड़ रु. की कुल जमा निधियों के साथ 310.00 करोड़ रु. की कुल प्रतिबद्धता / भागीदारी के साथ 12 वेंचर फंड्स नामत: यूटीआई - आईटीवीयूएस, यूटीआई-एआईएफ, एपीआईडीसी, वेंचरईस्ट, जीवीएफएल, आरवीसीएफ, सीआईआईई, एसआईडीबीआई, आईआईएच-एमएसएमई, एसईएफ, ब्ल्यूम एवं आइवीकैप ग्रुप जैसे प्रतिष्ठित और बेहतर अनुभव रखने वाले उद्यम पूंजी निधि कम्पनियों के साथ भागीदारी की है। नवोन्मेषी परियोजनाओं में निवेश को बढ़ाने के अपने उद्देश्य के साथ इस निधि का उद्देश्य आई टी/आई टी ई एस, जैव प्रौद्यागिकी, स्वास्थ्य, दूरसंचार, नैनो प्रौद्योगिकी आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी उन्मुख उद्यमों को सहायता प्रदान करने पर लक्षित है।

एसटीईपीएस / टीबीआईएस के लिए सीड सहायता

टी डी बी ने नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी उद्यम विचारों का प्रोत्साहित करने के लिए युवा उद्यमियों हेतु प्रारंभिक वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए सीड सहायता स्कीम शुरु की है। टी डी बी इस बात को मान्यता देता है कि इन्क्यूबेशन स्तर पर प्रौद्योगिकीय नवोन्मो और विकास अत्यंत महत्वपूर्ण घटक हैं जिसके फलस्वरुप प्रौद्योगिकी वाणिज्यीकरण होता है। विगत वर्षों में इन्क्यूबेटर्स में शुरुआतकर्ताओं के लिए सीड सहायता में भागीदारी करने का निर्णय लेकर टी डी बी ने एक संवृद्धि-उन्मुखी पहल की है।

वर्ष 2005-06 के दौरान प्रौद्योगिकीय विचारों का संवर्धन करने के लिए इन्क्यूबेटर्स में शुरुआतकर्ताओं के लिए सीड सहायता प्रणाली के अन्तर्गत टी डी बी ने पांच प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई एस) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्को (एस टी ई पी एस) को वित्तीय सहायता प्रदान की है। इस स्कीम ने अच्छी प्रगति की है। टी डी बी ने इस स्कीम का विस्तार किया और 2007-08 में दूसरे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सहित अन्य 5 (पांच) इन्क्यूबेटर्स, 2009-10 में तीसरे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सहित 5 (पांच) इन्क्यूबेटर्स, 2010-11 में चौथे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सहित 9 (नौ) एवं 2011-12 में पांचवे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक के साथ 12 (बारह) इन्क्यूबेटर्स को सहायता प्रदान की है।

31 मार्च, 2013 तक टीडीबी ने 36 (जिनमें दोबारा वित्तीय सहायाता प्राप्त 4 टीबीआईएस /एसटीईपीएस शामिल है) टीबीआईएस/एसटीईपीएस को सहायता प्रदान की है। इन इन्क्यूबेटर्स ने बहुत सी इन्क्यूबेटीज कम्पनियों को उनकी दूरसंचार, सॉफ्टवेयर, रोबोटिक्स, कृषि, यंत्रीकरण, इंजीनियरिंग, पर्यावरण, फार्मा, खाद्य, सौर, वस्त्र एवं जैव प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्रों से जूड़ी परियोजनाओं के लिए सहायता प्रदान की है।

विदेशी संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन

संयुक्त प्रौद्योगिकी सहयोग / हस्तांतरण परियोजनाओं को प्रोत्साहित, सहायित एवं वित्त पोषित करने तथा आर्थिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, औद्योगिक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और नवोन्मो के द्वारा एसएमई संवृद्धि को सहायता प्रदान करने के लिए टी डी बी ने चुनिंदा विदेशी संस्थानों नामत: एजेंस नेशनले डी वेलोराइजेशन डी ला रेकरेक (एएनवीएआर), फ्रांस, सेंटर फॉर दी डेवलपमेंट ऑफ इन्डस्ट्रीयल टेक्नोलॉजी (सीडीटीआई), स्पेन और कॉमनवेल्थ बिजनेस काउंसिल (सीबीसी), यू. के. के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके द्विपक्षीय सहयोग को जारी रखा।

Pro-active Role

In the recent past, TDB has partnered with various Venture Capital Funds to widen its scope with a view to leverage investment in innovative projects. TDB has also supported R&D initiatives by incubators through its Seed Support Scheme. TDB has also associated with select foreign institutions with the aim of providing a platform for developing technology oriented enterprises in the country.

Participation in Venture Capital Funds

As on 31st March, 2013, TDB has participated in 12 Venture Funds, with reputed and well experienced Venture Capital Fund companies mainly UTI-ITVUS, UTI-AIF, APIDC, Ventureast, GVFL, RVCF, CIIE, SIDBI, IIH MSME, SEAF, Blume and IvyCap group with a total commitment/participation of Rs. 310.00 crore leveraging total funds aggregating to Rs. 2408.00 crore from other investors. These funds are targeted to support technology oriented ventures in various sectors such as IT / ITES, Biotechnology, Health, Telecommunications, Nano-technology, Cleantech Energy and Agribusiness etc. to widen its scope with a view to leverage investment in innovative projects.

Seed Support for STEP/TBIs

TDB has instituted the Seed Support Scheme to provide early stage financial assistance to young entrepreneurs for innovative technology venture ideas to fruition. TDB recognizes that technological innovation and development at incubation stage are critical components resulting in the commercialization of technology. TDB has taken a growth-oriented initiative by deciding to participate in the Seed Support Scheme for Start-ups in Incubators in previous years.

TDB provided financial assistance to five Technology Business Incubators (TBI's) and Science & Technology Entrepreneurs Parks (STEP's) under Seed Support System for Start-ups in Incubators to incubate technological ideas during 2005-06. This scheme has progressed well. TDB extended the scheme and supported another five incubators for Rs.100.00 lakh each in the second round in 2007-08, five incubators forRs.100.00 lakh each in the third round in the year 2009-10, nine incubators for Rs.100.00 lakh each in the fourth round in the year 2010-11 and twelve incubators for Rs.100.00 lakh each in the fifth round in 2011-12.

As on 31st March, 2013, TDB has supported 36(which includes two times financial assistance to 4 TBIs/STEPs) TBIs/STEPs. These Incubators have provided assistance to several Incubatee companies for their projects which are in the areas of telecom, software, robotics, agriculture, instrumentation, engineering, environment, pharma, food, solar, textile and biotechnology etc.

MoUs with Foreign Institutions

TDB has continued its bilateral cooperations with foreign countries by signingMoUs with selected foreign institutions, namely, AgenceNationale De Valorisation de la Recherche (ANVAR), France, Centre for the Development of Industrial Technology (CDTI), Spain and Commonwealth Business Council (CBC), UK to promote, assist and fund the development of joint technology cooperation / transfer projects and for supporting SME growth via technology transfer, industrial research, technology development and innovation for the purpose of generating economic benefits.

रोजगार के अवसर

टी डी बी ने नए उद्यमों द्वारा परियोजनाओं के कार्यान्वयन तथा मौजूदा उद्यमों द्वारा नई परियोजनाओं के कार्यान्वयन के माध्यम से रोजगार के नए अवसर का सृजन करके मूल्यवर्धन किया है।

प्रौद्योगिकी दिवस एवं राष्ट्रीय पुरस्कारों का वितरण

11 मई, 2012 को प्रौद्योगिकी दिवस समारोह-2012 मनाया गया और मुख्य अतिथि के रुप में भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल वाणिज्यीकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार-2012

(i) मैसर्स स्कैनप्वाइंट ज्योमैटिक्स लिमिटेड, अहमदाबाद ने 'जीआइएस और इमेज प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर आईजीआईएस' विकास व वाणिज्यीकरण के लिए 10 लाख रु. एवं ट्राफी का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया।

11 मई, 2012 को मैसर्स स्कैनप्वाइंट ज्योमैटिक्स लिमिटेड, अहमदाबाद को 10 लाख रु. एवं ट्राफी का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करते हुए डा. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

स्वदेशी प्रौद्योगिकी आधारित उत्पादों के सफल वाणिज्यीकरण हेतु एस एस आई यूनिट पुरस्कार-2012

(ii) मैसर्स जेन टेक्नोलौजिज लिमिटेड, हैदराबाद ने 'विविध अनुप्रयोगो के लिए कई प्रकार के लागत प्रभावी सिम्यूलेटर्स खास तौर से विदेशी बाजार के लिए जेन ड्राइविंग ट्रेनिंग सिम्यूलेटर (जेन डीटीएस)' के वाणिज्यीकरण के लिए एस. एस. आई. यूनिट 2012 के रुप में 5 लाख रु. एवं ट्राफी का पुरस्कार प्राप्त किया।

Job Opportunity

TDB has added value by creating new job opportunities through implementation of projects by new enterprises as well as through new projects implemented by ongoing enterprises.

Technology Day and Presentation of National Awards

The Technology Day Function 2012 celebrated on 11th May 2012 was presided over by former President of India Dr. A.P.J. Abdul Kalam as the Chief Guest.

National Award- 2012 for successful commercialization of Indigenous Technology

(i) **M/s Scanpoint Geomatics Limited, Ahmedabad** received a cash Award of Rs. 10.00 Lakh and a Trophy for "Development and commercialization of Integrated GIS and Image Processing Software: IGiS".

Dr. A.P.J. Abdul Kalam presenting the trophy for the National Award 2012 to M/s Scanpoint Geomatics Limited, Ahmedabad, Gujrat on 11th May 2012.

Awards for SSI Unit – 2012 for successful commercialization of indigenous technology based product to:

(i) **M/s Zen Technologies Limited, Hyderabad** received a cash award of Rs. 5.00 lakh and a Trophy for "Commercializing a range of cost-effective Simulators for various applications, especially the Zen Driving Training Simulator (Zen DTS) for overseas market".

11 मई, 2012 को मैसर्स जेन टेक्नोलॉजिज लिमिटेड, हैदराबाद को एस एस आई यूनिट 2012 का ट्राफी प्रदान करते हुए डा. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

(ii) मैसर्स डायोनिक्स ऑटोमेशन (आई) प्राईवेट लिमिटेड, नासिक, महाराष्ट्र ने ' डायोन : स्वतः धुंधला हाने की सुविधा की विशिष्टता युक्त ताररहित लाइटिंग मैनेजमेंट मॉनिटरिंग स्टेशन के साथ ऊर्जा बचत करने वाली एमएजी संयोजित प्रेरण प्रकाश' के वाणिज्यीकरण के लिए एस. एस. आई. यूनिट 2012 के रुप में 5 लाख रु. एवं ट्राफी का पुरस्कार प्राप्त किया।

11 मई, 2012 को मैसर्स डायोनिक्स ऑटोमेशन (आई) प्राईवेट लिमिटेड, नासिक, महाराष्ट्र को एस एस आई यूनिट 2012 का ट्राफी प्रदान करते हुए डा. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

Dr. A.P.J. Abdul Kalam presenting the trophy for the SSI unit 2012 to M/s Zen Technologies Limited, Hyderabad on 11th May 2012.

(ii) **M/s Diaonics Automation (I) Pvt. Ltd., Nasik, Maharashtra** received a cash Award of Rs. 5.00 lakh and a Trophyfor "commercialization of DIAON: Energy Saving MAG Coupled Induction lights with Wirefree Lighting Management Monitoring Station with inbuilt intelligent feature of Auto Dimming facility".

Dr. A.P.J. Abdul Kalam presenting the trophy for the SSI unit 2012 to M/s Diaonics Automation (I) Pvt. Ltd., Nasik, Maharashtra on 11th May 2012

बोर्ड के सदस्य

श्री सौरभ चन्द्रा ने 17 अप्रैल, 2012 से सचिव, औद्योगिक नीति एवं प्रोन्नयन विभाग, वाणिज्य मंत्रालय का कार्यभार, श्री पी. के. चौधरी के स्थान पर संभाला जो कि अप्रैल, 2012 को सेवानिवृत हो गए एवं श्री आर. एस. गुजराल ने 6 अगस्त, 2012 से सचिव, व्यय विभाग का कार्यभार, श्री सुमित बोस के स्थान पर संभाला जो कि अगस्त, 2012 को सेवानिवृत हो गए।

आभार

बोर्ड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को टीडीबी के लिए उनके अधिकारियों की सेवाएं प्रदान करने के लिए अपना आभार प्रकट करता है।

(डॉ. टी. रामासामी)

दिनांक: प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

स्थान: नई दिल्ली अध्यक्ष

Board Members

Shri Saurabh Chandra has taken charge as Secretary, Department of Industrial Policy and Promotion, Ministry of Commerce with effect from 17th April, 2012 in place of Shri P. K. Chaudherywho superannuated in April, 2012 and Shri R. S. Gujralhas taken charge as Secretary, Department of Expenditure with effect from 6th August, 2012 in place of Shri Sumit Bose who superannuated in August, 2012.

Acknowledgment

The Board is grateful to the Department of Science and Technology for sparing the services of their officers for TDB.

(Dr. T. Ramasami)

Place: New Delhi **Chairperson**

Date: **Technology Development Board**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का गठन

(31 मार्च, 2013)

1.	डॉ. टी. रामासामी सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	पदेन अध्यक्ष
2.	डॉ. समीर के. ब्रह्मचारी सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग	पदेन सदस्य
3.	श्री वी. के. सारस्वत सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग	पदेन सदस्य
4.	श्री आर. एस. गुजराल सचिव, व्यय विभाग	पदेन सदस्य
5.	श्री सौरभ चन्द्रा सचिव, औद्योगिक नीति एवं प्रोन्नयन विभाग	पदेन सदस्य
6.	श्री एस. विजय कुमार सचिव, ग्रामीण विकास विभाग	पदेन सदस्य
7.	श्री सुबोध भार्गव अध्यक्ष, विदेश संचार निगम लिमिटेड (वीएसएनएल)	सदस्य
8.	डॉ. वेणु श्रीनिवासन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मैसर्स टी वी एस मोटर कम्पनी लिमिटेड	सदस्य
9.	श्री रवि पंडित अध्यक्ष, मैसर्स के पी आई टी क्यूमिंस इन्फोसिस्टम लिमिटेड	सदस्य
10.	डॉ. साइरस एस. पूनावाला अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मैसर्स सिरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया लिमिटेड	सदस्य
11.	श्री हरकेश मित्तल सचिव, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड	पदेन सदस्य (सदस्य सचिव)

COMPOSITION OF THE TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

(As on 31st March 2013)

1.	Dr. T. Ramasami Secretary, Department of Science & Technology	ex-officio Chairperson
2.	Dr. Samir Brahmachari Secretary, Department of Scientific & Industrial Research	ex-officio Member
3.	Shri V.K. Saraswat Secretary, Department of Defence Research & Development Organization	ex-officio Member
4.	Shri R. S. Gujral Secretary, Department of Expenditure	ex-officio Member
5.	Shri Saurabh Chandra Secretary, Department of Industrial Policy and Promotion	ex-officio Member
6.	Sh. S. Vijay Kumar Secretary, Department of Rural Development	ex-officio Member
7.	Shri Subodh Bhargava Chairman, Videsh Sanchar Nigam Limited (VSNL)	Member
8.	Dr. Venu Srinivasan Chairman & Managing Director, M/s TVS Motor Company Ltd.	Member
9.	Sh. Ravi Pandit Chairman, M/s KPIT Cummins Infosystems Ltd.	Member
10.	Dr. Cyrus S. Poonawalla Chairman & Managing Director, M/s Serum Institute of India Ltd.	Member
11.	Shri Harkesh Mittal Secretary, Technology Development Board (Member Secretary)	ex-officio Member

बोर्ड के सदस्यों की फोटोग्राफ

(31 मार्च, 2013)

डॉ. टी रामासामी, अध्यक्ष

डॉ. समीर के. ब्रह्मचारी

श्री वी. के. सारस्वत

श्री आर. एस. गुजराल

श्री सौरभ चन्द्रा

श्री एस. विजय कुमार

श्री सुबोध भार्गव

डॉ. वेणु श्रीनिवासन

श्री रवि पंडित

डॉ. साइरस एस. पूनावाला

श्री हरकेश मित्तल

Photographs of the Board Members

(As on 31st March, 2013)

Dr. T. Ramasami
Chairperson

Dr. Samir Brahmachari

Shri V.K. Saraswat

Shri R. S. Gujral

Shri Saurabh Chandra

Sh. S. Vijay Kumar

Shri Subodh Bhargava

Dr. Venu Srinivasan

Sh. Ravi Pandit

Dr. Cyrus S. Poonawalla

Shri Harkesh Mittal

प्रस्तावना

व्यापक घरेलू अनुप्रयोग के लिए विकास को प्रोन्नत करने और सभी स्वदेशी प्रौद्योगिकी के वाणिज्यीकरण तथा आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए भारत सरकार ने सितम्बर, 1996 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) का गठन किया।

टीडीबी, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 के तहत सृजित प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग के लिए कोष को शासित करता है, कोष भारत सरकार से अनुदान प्राप्त करता है। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम भी टीडीबी को किसी अन्य स्त्रोत से टीडीबी द्वारा प्राप्त सभी धनराशियों को कोष के खाते में डालते हुए कोष के प्रदान धनराशियों से की गयी वसूलियों और कोष की धनराशि के निवेश से किसी आय द्वारा निधि बनाने का अधिकार देता है वित्त अधिनियम, 1999 आयकर के प्रयोजनार्थ कोष के लिए दिये गये दानों हेतु पूर्ण कटौतियों का अधिकार देता है।

भारत सरकार टीडीबी को अनुसंधान और विकास उपकर अधिनियम, 1986 (1995 में यथा संशोधित) के प्रावधानों के तहत औद्योगिक कंपनियों से किये गये उपकर समाहरणों में से निधियां मुहैया कराती है। वर्ष 1996-97 से 2012 -13 की अवधि के दौरान सरकार द्वारा 4227.95 करोड़ रु. का अनुसंधान एवं विकास उपकर एकत्रित किया गया। इसमें से, टीडीबी ने 17 वर्ष के भीतर 528.92 करोड़ रु. की संचयी प्राप्त की।

टी डी बी वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए पूरे वर्ष आवेदन प्राप्त करता रहता है। टीडीबी को औद्योगिक कंपनियों के लिए ऋण सहायता मुहैया कराने का अधिदेश प्राप्त है। ऋण के लिए 5 प्रतिशत प्रति वर्ष का साधारण ब्याज होता है (13 मई, 2002 से प्रभावी)। ऋण अवधि के दौरान टीडीबी की परियोजनाओं के तहत उत्पादन की बिक्री होने पर रॉयल्टी का भी भुगतान करना होता है। टीडीबी आवेदकों से प्रशासनिक, संसाधन अथवा वचनबद्धता प्रभार वसूल नहीं करता। टी डी बी किश्तों में धनराशि मुहैया कराती है जो ऋण करार की शर्तों और निबन्धनों के अनुसार सम्बद्ध मानकों से जुड़े होते हैं। कुछ मामलों में टी डी बी सहायता प्रदत्त औद्योगिक कंपनियों के निदेशक बोर्ड में निदेशक (कों) को नामित कर सकता है। किसी परियोजना की कार्यान्वयन अवधि साधारणतया तीन वर्षों से अधिक नहीं होती है।

ऋण की मात्रा सामान्यत: स्वीकृत परियोजना लागत के 50 प्रतिशत तक सीमित है। ऋण और ब्याज को ऋणाधारों और गारंटियों के माध्यम से सुरक्षित किया जाता है।

सामान्यत: ऋण वापसी और ब्याज भुगतान परियोजना पूरी होने के पश्चात आरंभ होता है और अधिस्थगन काल एक वर्ष से अधिक नहीं होता। तत्पश्चात् ऋण धनराशि नौ अर्धवार्षिक किश्तों में वसूलीयोग्य होती है। पहली किश्त के पुन: भुगतान (वापसी) तक ही संचयी ब्याज की धनराशि को तीन वर्ष की अवधि में बांट दिया जाना चाहिए।

टीडीबी स्वदेशी रुप से प्रौद्योगिकी को विकसित करने में लगे औद्योगिक कंपनीयों और आर एण्ड डी संस्थानों को अनुदानों और / अथवा ऋण के रुप में भी वित्तीय सहायता मुहैया कराता है। अनुदानों की स्वीकृति का निर्णय टीडीबी बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे विशेष मामलों में ही मुहैया किया जाता है। प्राप्तकर्ताओं को इनके द्वारा प्राप्त रॉयल्टी में से टीडीबी को (अनुदान के समतुल्य) अथवा सहभागी एजेंसियों द्वारा किये गये निवेशों के लाभांश में से आनुपातिक रुप से टीडीबी को भुगतान करना अपेक्षित होता है।

INTRODUCTION

To promote development and commercialization of indigenous technology and adaptation of imported technology for wider domestic applications, the Government of India constituted the Technology Development Board (TDB) in September 1996.

TDB administers the Fund for Technology Development and Application, created under the Technology Development Board Act, 1995. The Fund has been receiving grants from the Government of India. The Technology Development Board Act also enables TDB to build up Fund by crediting all sums received by TDB from any other source, recoveries made of the amounts granted from the Fund, and any income from investment of the amount of the Fund. The Finance Act, 1999, enabled full deductions to donations to the Fund for income tax purposes.

The Government of India provides funds to TDB out of the Cess collections made from the industrial concerns under the provisions of the Research and Development Cess Act, 1986 (as amended in 1995). During the period of 1996-97 to 2012-13, a total amount ofRs. 4227.95 crore R&D cess has been collected by the Government. Out of this, TDB has received a cumulative sum of Rs. 528.92 crore over the period of 17 years.

TDB receives applications seeking financial assistance throughout the year. The TDB mandate provides for loan assistance to the industrial concerns. The loan carries a simple interest of five percent per annum (w.e.f. 13th May 2002). Royalty would also be payable on sale of products under TDB project during the concurrency of loan. TDB does not collect administrative, processing or commitment charges from the applicants. TDB provides the loan amount in instalments that are linked to implementation associated milestones in accordance with the terms and conditions of the loan agreement. In some cases, TDB may have nominee director(s) on the Board of Directors of the assisted industrial concern. The implementation period of a project should generally not exceed three years.

The quantum of loan is, normally, limited upto 50 percent of the approved project cost for the expenditure to be incurred for completion of project. The loan and interest is secured through collaterals and guarantees.

Normally, the repayment of the loan and payment of interest commences after the project is completed and moratorium period not exceeding one year. The loan amount is generally recoverable in nine, half yearly instalments thereafter. The accumulated interest up to the repayment of the first instalment may be distributed over a period of three years.

TDB also provides financial assistance by way of grants and/or loans to industrial concerns and R&D institutions engaged in developing indigenous technologies. The sanction of grants is decided by the Board of TDB and is provided in exceptional cases having importance towards fulfilling national interest. The recipient may be required to pay TDB (equivalent to grant) royalty received by it or share the profit with TDB proportionate to the investments made by participating agencies.

टीडीबी किसी औद्योगिक कंपनी (कंपनी अधिनियम 1956 के अधीन) में इसके आरंभ होने, चलाने और / अथवा टीडीबी द्वारा अपेक्षाओं के यथा मूल्यांकित किये गये जरुरतों अनुसार और संवृद्धि स्तरों पर ऋण - इक्विटी अनुपात को ध्यान में रखते हुए इक्विटी पूंजी के रुप में अंशदान कर सकता है। इक्विटी अंशदान टीडीबी के पूरे बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाता है। यह स्वीकृत परियोजना लागत का 25 प्रतिशत तक होता है बशर्ते यह प्रोत्साहकों द्वारा चुकता पूंजी से अधिक न हो। औद्योगिक कंपनी को टीडीबी द्वारा अंशदान की धनराशि के समतुल्य अपने शेयर प्रमाण पत्र टीडीबी को जारी करने होंगे। अंशदान पूर्व स्थितियों में यह शामिल होगा कि प्रोत्साहकों का अंशदान होना चाहिए और अपने हिस्से की शेयर पूंजी को पूर्ण रुप से चुकता किया जाना चाहिए। प्रोत्साहकों को टीडीबी के अंशदान के बराबर अपने शेयन टीडीबी को गिरवी रखना चाहिए। टीडीबी को ऐसी कंपनियों के निदेशक मंडल में नामित निदेशक (को) को रखने का अधिकार है। टीडीबी का यह विवेकाधिकार है कि वह (इक्विटी पूंजी) विनियमों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार परियोजना पूरी हो जाने के तीन वर्षों के पश्चात् अथवा अंशदान की तिथि से पांच वर्षों के पश्चात् कंपनी में अपनी शेयर होल्डिंगस को समाप्त कर सकती है। तथापि, शेयरों को वापस खरीदने का पहला विकल्प संस्थापकों के पास होगा।

टी डी बी औद्योगिक कंपनीयों के विद्यमान ऋण अथवा इक्विटी के प्रतिस्थापन पर विचार नहीं करता जिन्होंने इस प्रकार का ऋण अन्य संस्थानों से लिया है।

वर्ष 2012-13 के दौरान बोर्ड ने दो बैठकों अर्थात् 3 सितम्बर, 2012 (50वीं)एवं 5 नवम्बर, 2012 (51वीं) को सम्पन्न किया।

प्रौद्योगिकी दिवस पर राष्ट्रीय पुरस्कार

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने औद्योगिक संगठनों के लिए 'स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल वाणिज्यीकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार' को शुरु किया है। इस पुरस्कार के दो घटक हैं: (i) उन औद्योगिक संगठनों के लिए जिन्होंने स्वदेशी प्रौद्योगिकी का सफल वाणिज्यीकरण किया है और (ii) इन प्रौद्योगिकी के विकासकर्ताओं / प्रदाताओं के लिए। इसके प्रत्येक घटक में दस लाख रु.का नकद पुरस्कार और एक ट्राफी प्रदान की जाती है। पहली बार यह राष्ट्रीय पुरस्कार 11 मई, 1999 को प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर प्रदान किए गए थे।

एस एस आई इकाई के लिए पुरस्कार

अगस्त, 2000 में टी डी बी ने प्रौद्योगिकी आधारित उत्पाद को सफलतापूर्वक वाणिज्यीकृत करने वाली लघु उद्योग इकाई (एस एस आई यूनिट) के लिए एक ट्राफी और 2 लाख रु. (वर्ष 2011 में 5 लाख रु. में परिवर्तित) के नकद पुरस्कार को शुरु किया था। प्रथम एस एस आई यूनिट पुरस्कार 11 मई, 2001 को प्रदान किया गया।

प्रौद्योगिकी दिवस और राष्ट्रीय पुरस्कारों का वितरण

11 मई, 2012 को मनाए गए प्रौद्योगिकी दिवस समारोह 2012 की अध्यक्षता मुख्य अतिथि के रुप में भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने श्री विलासराव देशमुख, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्री एवं डॉ अश्विनी कुमार, माननीय राज्य मंत्री, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, की उपस्थिति में की।

TDB may subscribe by way of equity capital in an industrial concern (incorporated under the Companies Act, 1956), on its commencement, start-up and/or growth stages according to the requirements as assessed by TDB and keeping in view the debt-equity ratio.

The equity subscription is decided by the full Board of TDB. It is up to 25 percent of the approved project cost, provided such investment does not exceed the capital paid-up by the promoters. The industrial concern is to issue, at par, its share certificates to TDB equivalent to the amount subscribed by TDB. The pre-subscription conditions include that the promoters should have subscribed and fully paid up their portion of the share capital. The promoters shall pledge their shares to TDB of a value equal to the equity subscription by TDB. TDB has a right to have nominee director(s) on the Board of Directors of such companies. TDB, in its discretion, may divest its shareholdings in the company after three years of completion of the project or after five years from the date of subscription in accordance with the procedure prescribed in the TDB (equity capital) Regulations. However, the first option to buy back the shares is given to the promoters.

TDB does not consider substituting the existing loan or equity of the industrial concerns which have obtained such finances from other institutions.

During the year 2012-13, the Board held 2 meetings i.e. on 3rd September, 2012 (50th) and 5th November, 2012 (51st).

National Awards on Technology Day

The Technology Development Board instituted a 'National Award for Successful Commercialization of Indigenous Technology' by an industrial concern. The National Award consists of two components: (i) to the industrial concern that has successfully commercialized the indigenous technology and (ii) to the developer/provider of such technology. Each component carries a cash award of Rs. 10 lakhs and a trophy. The National Award was given for the first time on the occasion of the Technology Day on 11th May 1999.

Award for SSI unit

In August 2000, TDB introduced a cash award of Rs. 2 lakh (Revised to Rs. 5 lakh in the year 2011) and a trophy to a SSI unit that has successfully commercialised a technology-based product. The first SSI award was given on 11thMay, 2001.

Technology Day and Presentation of National Awards

The Technology Day Function 2012 celebrated on 11th May 2012 was presided over by former President of India Dr. A.P.J. Abdul Kalam as the Chief Guestin the presence of Shri Vilasrao Deshmukh, Minister of Science and Technology and Earth Sciences and Dr. Ashwani Kumar, Minister of State for Science and Technology and Earth Sciences.

समारोह को सम्बोधित करते हुए श्री विलासराव देशमुख, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्री ने कहा "11 मई, 1998 को भारत ने दुनिया के सामने प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कुछ युगान्तकारी छाप छोड़ी। उनमें से एक के साथ हमारे सम्मानित मुख्य अतिथि का गहरा संबंध रहा है। दूसरे के साथ वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान परिषद जुड़ी हुई है, तभी से हम 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के रुप मे मना रहे हैं। मुझे अतीव प्रसन्नता हो रही है कि मैं, पूर्व राष्ट्रपति डा. अब्दुल कलाम व आप सभी के साथ प्रौद्योगिकी दिवस समारोह में हिस्सा ले रहा हूँ।

कुछ मायने में राष्ट्रीय तकनीकी दिवस मनाने का मतलब, तकनीक के नित वृद्धि की राह खोजने की दिशा में भारत का बयान है। सीमित संसाधनों वाला भारत कुछ रणनीतिक क्षेत्रों में तकनीकि मनाही की चुनौतियों का सामना कर चुका है। देश को अपने वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की उपलब्धियों पर गर्व है जिनके कारण हम ऐसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में तकनीक के मामले में आत्मनिर्भर हो पाए हैं।

आधुनिक विश्व की चुनौतियों को संबोधित करने के लिए हमें सही तकनीक चुनने की क्षमता विकसित करनी चाहिए। हमें शोध और उत्पाद विकास के बीच तारतम्य सुनिश्चित करने की जरुरत है। हमें भविष्य के लिए जरुरी महत्वपूर्ण तकनीक पर ध्यान देना चाहिए जो किसी न किसी रुप में हमारे काम आए। भारत इस समय ज्ञान आधारित उद्योग की राह पर अग्रसर है। नवीनीकरण नित निर्माण के क्षेत्र की जरुरतों को पूरा करने के लिए हमें अपनी संसाधनों और ताकत का दोहन करना चाहिए।

आज के हमारे मुख्य अतिथि कहते रहें हैं कि भारत, वर्ष 2020 तक एक विकसित देश बन जाएगा। यह एक सपना नहीं है। यह राष्ट्रीय और सामाजिक संकल्प होना चाहिए। यह दिवस तकनीक और नवीनीकरण के क्षेत्र में हमें तीन उद्देश्यों के लिए आगे कदम बढ़ाने की याद दिलाता है। वे हैं तकनीक के क्षेत्र में स्वावलंबन, महत्वपूर्ण तकनीक के क्षेत्र में नवीनीकरण और प्रतिस्पर्द्धा। इन तीन उद्देश्यों को साकार करने के लिए हमें मोड़ से आगे जाना होगा और नए विचारों के लिए दरवाजे खोलने होंगे। बिना तैनातगी के तकनीकी विकास, बिना पायलट के हवाई जहाज जैसी बात है। उत्पादन प्रणाली में आवश्यक रुप से तकनीक का प्रयोग होना चाहिए। ऐसे में उद्योग तकनीक खींचाव के बड़े स्त्रोत हैं। हमें बड़ी तकनीक के लिए बड़े पैमाने पर मांग खींचाव पैदा करना चाहिए।

विज्ञान और प्रैद्योगिकी मंत्रालय, फिक्की और सीआईआई जैसे औद्योगिक संगठनों के साथ पब्लिक प्राइवेट भागीदारी के जरिये तकनीक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ हासिल करने के लिए भागीदारी कर रहा है। इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर डीएसटी ने इस दिवस पर दो कार्यक्रम शुरु करने की पहल की है, एक भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सहयोग से "जीआईटीए" (ग्लोबल इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी एलायंस) और दूसरा यूएसएसआईडी और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स (फिक्की) के साथ मिलेनियम एलायंस।

जीआईटीए पूरे विश्व में नवीनीकरण का पता लगा कर ऐसे नवीनीकरण का लाभ भारतीय उद्योग और संस्थानों में तकनीकी प्रतिस्पर्द्धा को बढ़ाने के लिए करेगा। जीआईटीए भारतीय संस्थानों और विदेशी कंपनियों के बीच संयुक्त तकनीकी विकास, तकनीकी हस्तांतरण और संयुक्त उपक्रम का समर्थन करेगा।

जबकि, मिलेनियम एलायंस, जो कि वैश्विक विकास के लिए भारत और अमेरिका का नवीनीकरण के क्षेत्र में भागीदारी है का विकास महत्वपूर्ण चुनौतियों, जिनका प्रभाव विश्व पर निरंतर पड़ने की संभावना हो, के लागत प्रभावी और कड़ी जांच किए गए समाधान का बढ़ावा देने के लिए किया गया है।

Addressing the occasion, Shri Vilasrao Deshmukh, Minister of Science and Technology and Earth Sciences said that "On the 11thMay 1998, India showcased for the world some technology landmarks. With one of them, our distinguished chief guest was closely associated. With another, Council of Scientific and Industrial Research was associated. Since then we observe, 11th May as National Technology Day. It gives me great pleasure to participate in the Technology Day celebrations in the company of our former president, Dr Abdul Kalam and all of you.

Celebration of National Technology Day, in some sense, is a statement of India in search of technology-led growth path. India with limited resources had been able to counter challenges of technology denial in some key strategic areas in the past. The nation is proud of the achievements of our scientists and engineers, who gained technology self reliance in such key areas.

We should develop the capacity of making the right choices of technologies for addressing the challenges of the modern world. We need to ensure synergy between research and product development. We should focus on gaining access to critical technology needs of the future one way or the other. India is now marching towards establishment of knowledge based industries. We should harness our resources and strengths to meet our requirements in the area of innovation-led manufacturing.

Our chief guest of the day has always spoken about India becoming a developed Nation by 2020. It is not a dream. It should become a national and social commitment. This day reminds us that we should strive to achieve three objectives in technology and innovation space. They are technological self reliance, affordable innovations and global competitiveness in critical technology areas. To realize these three objectives, we need to stay ahead of the curve, remain open to new ideas. Technology development without deployment is like owning an aircraft without a pilot. Deployment of technologies would necessarily have to take place in the production systems. Therefore industries become the major sources of technology pull. We need to create a large demand pull for technologies.

The Ministry of Science & Technology has also been partnering with industry associations such as FICCI and CII to achieve excellence in technology development through public private partnership. With this objective, DST has taken initiative to launch two new programs on this day, one in collaboration with Confederation of Indian Industries (CII) named "GITA" (Global Innovation & Technology Alliance) and the other in collaboration with USAID and Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry (FICCI) named "Millennium Alliance".

GITA will scout for innovations around the world and leverage such innovations for enhancing technology competitiveness of Indian Industry & Institutions. GITA will support joint technology development, technology transfer and joint ventures between Indian entities and companies overseas.

Whereas "Millennium Alliance", an India - U.S. Innovation Partnership for Global Development, is designed to promote cost-effective and rigorously tested solutions for critical development challenges that have the potential for sustained global impact. During an interaction event with U.S. Secretary of State Hillary Clinton on May 8th, 2012 at New Delhi, I have committed a contribution of $5 million through Technology Development Board, Department of Science & Technology, Govt. of India for this joint initiative.

मै, हमारे अनुसंधान एवं विकास संस्थानों एवं प्रयोगशालाओं को शिक्षा जगत के साथ एक पारस्परिक सहयोग विकसित करने के लिए भी प्रोत्साहित करुंगा। यह जरुरी है कि हम अपने युवको को शोध गतिविधियों के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करें। अग्रिम तकनीक का विकास कोई एक आदमी का काम नहीं है और ना हीं यह एक दिन में हासिल किया जा सकता है। वैज्ञानिक प्रतिभा का व्यापक आधार बनाने के लिए एकीकृत सोच, उत्पादन क्षमता और दीर्घकालीन दृष्टिकोण, इसकी सफलता की मुख्य कुंजी हैं। मुझे खुशी है कि मेरा मंत्रालय देश को तकनीकी भविष्य के स्वागत करने के लिए तैयार करने में लगा हुआ है।

मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे वैज्ञानिक और तकनीशियन मौके से ऊपर उठेंगे और सृजनात्मक प्रयासों के लिए चुनौतियों को अवसर में बदलने में सझम होंगे।

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मेरे मंत्रालय के सभी विभाग सामूहिक रुप से नवीनीकरण और नए विचारों का समर्थन करते हैं। मै आपको कुछ उदाहरण देना चाहूंगा। वे हैं डीएसआईआर का तकनीक उद्यम विकास कार्यक्रम (टीईपीपी), डीबीटी का एसआईबीआरआई, सीएसआईआर का एनआईएमआईटीएलआई के साथ डीएसटी का उष्मायन कार्यक्रम। मै प्रवर्तकों और उद्योग को इस पहल के प्रयोग करने के लिए आमंत्रित करता हूं।

मैं, पुरस्कार विजेताओं को बधाई देता हूं और आशा करता हूं कि समाज के लाभ के लिए ज्ञान आधारित नवीन उत्पाद के विकास में सर्वश्रेष्ठता प्राप्त करने में मदद करने वाले और ऐसे उपक्रम सामने आएंगे। मैं आईआईटी कानपुर को भी वर्ष 2011 के लिए सर्वश्रेष्ठ टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेटर स्थापित करने के लिए बधाई देता हूं। मैं आप सब को भारत के तकनीक नीत आर्थिक विकास की रोमांचक यात्रा, जिसमें हस सभी का व्यक्तिगत और सामूहिक भूमिका है पर चलने के आमंत्रण के साथ अपनी बात समाप्त करता हूं।

I would also encourage our research and development organizations and laboratories to develop a closer interface with the academic world. It is essential that we motivate and incentivize our youth to focus on research activities. The development of advanced technology is not a one-off event, nor can it be achieved in a day. An integrated approach to building a broad base of scientific talent, production capacities and a long-term vision are key elements to success. I am happy that my ministry is engaged in preparing the country for welcome technological future.

I am confident that our scientists and technologists will rise to the occasion and be able to convert the challenges into new opportunities for creative endeavors. Your efforts will help in building a strong and self-reliant India.

I am happy to share that all departments of my Ministry collectively support innovations and new ideas. Let me give you some examples. They are Techno-entrepreneurship Promotion Programme (TePP) of DSIR, SIBRI programme of DBT, Incubation programme of DST along with NIMITLI of CSIR. I invite the innovators and the industry to make use of these initiatives.

I congratulate the award winners and hope that many more such ventures will come forward to help the country in achieving excellence in knowledge based innovative product development for the benefit of the society. I also congratulate IIT Kanpur for the award for establishing the Best Technology Business Incubator for the year 2011. I would conclude by inviting you all, to an exciting journey of Technology Led Economic Growth of India, in which we all individually as well as collectively have an important and critical role to play."

वर्ष 2012-13 में परियोजनाएं और उत्पाद

स्वीकृति

वर्ष 2012-13 के दौरान टीडीबी ने 197.80 करोड़ रु. की प्रतिबद्धता और 760.48 करोड़ रु. की कुल परियोजना परिव्यय के साथ विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के साथ 25 करारों पर हस्ताक्षर किए जिसमें कि एआरसीआई एवे मिलेनियम एलायंस के साथ 2 अनुदान करार एवं औद्योगिक पूंजी निधियों के साथ 2 करार भी शामिल हैं।

संवितरण

वर्ष 2012-13 के दौरान टीडीबी ने चालू और नई परियोजनाओं के लिए 116.20 करोड़ रु. का संवितरण किया है। इसमें औद्योगिक इकाइयों के लिए ऋण के रुप में 61.64 करोड़ रु; औद्योगिक इकाई एवं प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स के लिए अनुदान के रुप में 16.25 करोड़ रु; इक्विटी भागीदारी के लिए 2.09 करोड़ रु. तथा निवेश हेतु उद्यम पूंजी निधि (वीसीएफ) के लिए 36.22 करोड़ रु. शामिल है।

क्षेत्रवार कवरेज

टीडीबी ने इस बात को पूरा अनुभव करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में परियोजनाओं को सहायता दी है कि सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण दक्षता के विकास के लिए प्रौद्योगिकी अति अनिवार्य है। निम्नलिखित सारणी टीडीबी द्वारा 2012-13 के दौरान संपन्न करारों के क्षेत्रवार कवरेज को दर्शाती है :-

क्षेत्रवार कवरेज

(करोड़ रु. में)

	सेक्टर	करारों की संख्या	कुल लागत	टीडीबी की बचनबद्धता
1	स्वास्थ एवं चिकित्सा	6	130.11	28.26
2	इंजिनियरिंग	4	38.49	24.00
3	इलेक्ट्रोनिक्स	2	64.85	27.40
4	केमिकल	3	41.78	16.11
5	कृषि	1	5.65	2.38
6	सूचना प्रौद्योगिकी	6	67.20	24.65
7	अन्य			
	वीसीएफ	2	300.00	50.00
	मिलेनियम एलायंस (एमए)	1	112.00	25.00
	कुल	**25**	**760.48**	**197.80**

करारों का राज्य-वार वितरण

2012-13 के दौरान टी डी बी द्वारा सहायता का विस्तार सात राज्यों / केन्द्र शासित प्रदेशों में हुआ।

वर्ष के दौरान टी डी बी द्वारा हस्ताक्षर किए गए 25 करारों का राज्य-वार वितरण को निम्नलिखित सारणी में दर्शाया गया है :-

PROJECTS AND PRODUCTS IN 2012-13

Sanctions

During the year 2012-13, TDB signed 25 agreements with various industrial concerns, including 2grant agreements with ARCI and Millanium Alliance and 2 agreements with Venture Capital Funds, with a commitment of Rs. 197.80 crore out of total project outlay of Rs. 760.48 crore.

Disbursements

During the year 2012-13, TDB disbursed Rs. 116.20 crore towards on-going and new projects. This included Rs. 61.64 crore as loan to industrial concerns, Rs. 16.25 crore as grant to an industrial concern and Technology Business Incubators, Rs. 2.09 crore towards equity participation and Rs. 36.22crore to Venture Capital Fund (VCF) for investment.

Sector-wise Coverage

TDB provides support to projects in various sectors fully recognizing that technology is the key to develop core competency in all sectors. The table below indicates sector-wise coverage of the agreements concluded by TDB during 2012-13.

Sector-wise Coverage

(Rs. in Crore)

	Sector	Number of Agreements	Total cost	TDB's Commitment
1	Health & Medical	6	130.11	28.26
2	Engineering	4	38.89	24.00
3	Electronics	2	64.85	27.40
4	Chemical	3	41.78	16.11
5	Agriculture	1	5.65	2.38
6	Information Technology	6	67.2	24.65
7	Others			
	VCFs	2	300.00	50.00
	Millaneum Alliance (MA)	1	112.00	25.00
	Total	**25**	**760.48**	**197.80**

State-wise Distribution of Agreements

During 2012-13, the assistance by TDB is spread over seven states/ union territories.

The table below indicates State-wise distribution of the 25 agreements signed by TDB during the year.

(करोड़ रु. में)

	सेक्टर	करारों की संख्या	कुल लागत	टीडीबी की बचनबद्धता
1	आन्ध्र प्रदेश	6	149.47	59.12
2	दिल्ली	3	76.10	15.64
3	जम्मू एवं कश्मीर	1	5.65	2.38
4	कर्नाटक	6	50.77	18.85
5	महाराष्ट्र	4	45.56	20.20
6	तमिलनाडू	1	19.76	6.15
7	उत्तर प्रदेश	1	1.17	0.46
8	अन्य सहित			
	(क) वीसीएफ	2	300.00	50.00
	(ख) मिलेनियम एलायंस (एमए)	1	112.00	25.00
	कुल	**25**	**760.48**	**197.80**

प्रौद्योगिकी प्रदानकर्त्ता

टी डी बी औद्योगिक इकाइयों को प्रौद्योगिकीयों के वाणिज्यीकरण के लिए इस बात को नजरअंदाज करते हुए कि उद्योग की प्रौद्योगिकी, राष्ट्रीय संस्थान द्वारा अथवा स्वदेशी आर एंड डी यूनिट द्वारा विकसित की गई है, वित्तीय सहायता उपलब्ध कराता है। यदि परियोजना सूचना एवं प्रौद्योगिकी से संबंधित होती है तो प्रौद्योगिकी सामान्यता संबंधित उद्योग द्वारा ही विकसित की गई होती है। वर्ष 2012-13 में हस्ताक्षर किए गए करारों के प्रौद्योगिकी प्रदानकर्त्ताओं को निम्नलिखित सारणी में दर्शाया गया है :-

(करोड़ रु. में)

प्रौद्योगिकी प्रदानकर्त्ता	संख्या	कुल लागत	टी डी बी द्वारा स्वीकृत
आन्तरिक आर एण्ड डी यूनिट	25	760.48	197.80
कुल	**25**	**760.48**	**197.80**

सम्पन्न करार

वर्ष 2012-13 के दौरान टीडीबी ने एआरसीआई एवं मिलेनियम एलायंस के साथ 2 करारों एवं उद्यम पूंजी निधि (वीसीएफ) के साथ 2 सहभागिता करारों समेत विभिन्न औद्योगिक संगठनों के साथ 25 करारों पर हस्ताक्षर किए, जिनके ब्यौरे नीचे दिए गए हैं :-

1. मैसर्स यशराज बायोटेक्नोलॉजिज लिमिटेड, नवी मुम्बई

मैसर्स यशराज बायोटेक्नोलॉजिज लिमिटेड, नवी मुम्बई ने अपनी परियोजना 'रिकॉम्बीनेन्ट एंटिजेंस, रिकॉम्बीनेन्ट मोनोक्लोनल एन्टीबॉडीज एवं सेल डिराइव्ड एंटिजेंस' के विकास एवं वाणिज्यीकरण हेतु वित्तीय सहायता के लिए टीडीबी से सहायता मांगा।

(Rs. in Crore)

	State / Union Territory	Number of Agreements	Total cost	TDB's Commitment
1	Andhra Pradesh	6	149.47	59.12
2	Delhi	3	76.1	15.64
3	Jammu & Kashmir	1	5.65	2.38
4	Karnataka	6	50.77	18.85
5	Maharashtra	4	45.56	20.20
6	Tamil Nadu	1	19.76	6.15
7	Uttar Pradesh	1	1.17	0.46
8	Other Including			
	a) VCFs	2	300.00	50.00
	b) Millaneum Alliance (MA)	1	112.00	25.00
	Total	**25**	**760.48**	**197.80**

Technology Providers

TDB provides financial assistance to industrial concerns for commercialization of technologies irrespective of the fact whether the technology has been developed by the national institution or in-house R&D unit of the industry. In the case of projects pertaining to Information Technology, the technology may generally be developed by the industrial concerns enterprises themselves. The technology providers in respect of agreements signed during the year 2012-13 are indicated in the following table:

(Rs. in crore)

Technology Providers	Number	Total Cost	Sanctioned by TDB
In-house R&D units	25	760.48	197.80
Total	25	760.48	197.80

Agreements concluded

During the year 2012-13, TDB signed 25 agreements with various industrial concerns, including 2 grant agreements with ARCI and Millanium Alliance and 2 agreements with Venture Capital Funds for participation in their funds; the details are given below:-

1. M/s Yashraj Biotechnologies Ltd., Navi Mumbai

M/s Yashraj Biotechnology Ltd., Navi Mumbai approached TDB for financial assistance for its project titled “Development and Commercialization of Recombinant Antiges, Recombinant Monoclonal Antibodies and Cell Derived Antigens”.

कम्पनी ने इन-विट्रो निदान जांच निर्माण में प्रयोग होने वाले रिकॉम्बीनेन्ट एंटिजेंस, रिकॉम्बीनेन्ट मोनोक्लोनल एन्टीबॉडीज एवं सेल डिराइव्ड एंटिजेंस का उत्पादन करने के लिए अति आधुनिक उद्योग लगाया है। ये निदान जांच विभिन्न कैंसर (प्रोस्टेट, स्तन, गर्भाशयी और गैस्ट्रिक), संक्रामक रोग (हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस ए), जीवन शैली के कारण पैदा हुए विकार (मधुमेह) और स्व-प्रतिरक्षा विकास के लिए हो सकते हैं। पुन: संयोजित रास्ते से पैदा हुए एंटीबॉडीज रोगी के मानव सीरम नमूने की जरुरत का निदान करता है और पुन:संयोजी प्रतिजन भी सहज प्रतिजन की शुद्धिकरण के लिए जरुरी उच्च बायो हजार्डस मानव बायोमेडिकल द्रव की जरुरत का भी निदान करता है। कैंसर सेल लाइन्स तकनीकी प्रोटीन्स प्रदान करता है जो मानव शरीर में उपलब्ध प्रोटीन जैसा ही होता है। प्रतिजन से सेल बनने की उच्च क्षमता वाली प्रक्रिया का विकास आईवीडी जांच का अभिष्ट प्रयोग है।

प्रारंभ में निम्न पर जोर दिया जाएगा 1. क्लोनिंग, पुन: संयोजन प्रोटीन के प्रकटीकरण और उत्पादन के लिए 2. हाइब्रिडोमा तकनीक और पुन:संयोजन के जरिये वांडित चरित्रवाले मोनोक्लोनल एंटिबॉडिज को पैदा करना एवं 3. सेल से व्युत्पन्न प्रतिजन के निर्माण के लिए सेल कल्चर सुविधाओं की स्थापना एवं प्रमाणीकरण।

ऋण करार का आदान प्रदान करते मैसर्स यशराज टेक्नोलॉजिज लिमिटेड,
नवी मुम्बई के निदेशक (तकनीक), श्री परेश बी. भानुशाली

टीडीबी ने दिनांक 23 अप्रैल, 2012 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 1200.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 600.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 30 जून, 2014 को पूर्ण हो जायेगी।

2. मैसर्स आई2आई टेलीसॉल्यूसन्स एवं टेलीमेडिसीन प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलोर

मैसर्स आई2आई टेलीसॉल्यूसन्स एवं टेलीमेडिसीन प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलोर ने अपनी घरेलू विकसित तकनीक पर आधारित परियोजना 'टेलीपाक्स[टीएम] आधारित हेल्थकेयर एक्सचेंज फॉर इंटरनेट एण्ड मोबाईल बेस्ड हेल्थकेयर एक्सेस तकनीक' के विकास एवं वाणिज्यीकरण हेतु वित्तीय सहायता के लिए टीडीबी से सहायता मांगा।

यह उत्पाद कमजोर कनेक्टिविटी के लिए पिक्चर संग्रहण और संचार प्रणाली पर बना है। यह मोबाईल और इंटरनेट नेटवर्क के आधार पर नेटवर्क अस्पतालों और दूर-दराज के पीएससी के बीच मूल्य वर्धित सेवाओं और स्वास्थ्य स्त्रोतों की हिस्सेदारी और पहुंच प्रदान करता है। यह उपलब्ध कराता है :

The company has ventured in to setting up a state-of-the-art infrastructure for Production of Recombinant Antigens, Recombinant monoclonal Antibodies and cell derived antigens for their use in manufacturing of in-vitro diagnostic assays. These diagnostic assays may be for various cancer (prostate, breast, ovarian and gastric), infectious disease (Hepatitis B, Hepatitis A), life style disorders (diabetes) and auto-immune disorder. The monoclonal antibodies raised through recombinant approach obviates the need of human serum samples from patients and also the recombinant antigens obviate the need of highly bio hazardous human biomedical fluids for purification of native antigens as well. The technology of using cancer cell lines offers proteins which are similar to those in the human body and the development of high capacity processes for cell derived antigens have intended use of IVD assays.

Initially emphasis would be placed on i) development of molecular biology tools for cloning , expression and production of recombinant proteins, ii) raising of monoclonal antibodies of desired characteristics through recombinant and hybridoma technologies and iii) establishing and validation of cell culture facilities to manufacture cell derived antigens.

"Exchanging the Loan Agreement with Shri Paresh B. Bhanushali, Director (Technical), M/s Yashraj Biotechnology Ltd., Navi Mumbai"

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 600.00 lakh out of the project cost is Rs. 1200.00 lakh under an agreement signed on 23rd April 2012. The project is due for completion by 30th June 2014.

2. M/s i2i Telesolutions& Telemedicine Pvt. Ltd., Bangalore

M/s i2i TeleSolutions and TeleMedicine Private Limited, Bangaloreapproached TDB for financial assistance for its project titled "Development and commercialization of technologies for a TelePACS™based Healthcare Exchange for internet and mobile based healthcare access" based on technology developed in-house by the company.

The product is built on picture archiving and communication system technology optimized for remote connectivity, and facilitates internet and mobile network based exchange for accessing and sharing healthcare resources and value added services between networked hospitals, remote PHC's, mobile units etc. It provides:

- ग्रामीण क्षेत्रों तक जहां सेवा उपलब्ध नहीं है या जहां कम सेवा उपलब्ध है निदान विशेषज्ञों की पहुंच
- शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए खासतौर पर लक्षित स्वास्थ्य अंतर्वस्तु की पहुंच
- प्रति उपयोग चार्जआउट मॉडल्स के लिए निर्मित भुगतान गेटवे
- शोध और रोग प्रबंधन रुपरेखा और योजित स्वास्थ्य वितरण के विश्लेषण के लिए सुरक्षित डाटाबेस
- व्यक्तिगत ईएमआर के लिए मूल्य वर्धित सेवाएं
- दूसरी राय के लिए सहयोग इंजन और रोगी भार संतुलन

बोर्ड ने दिनांक 25 अप्रैल, 2012 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 751.17 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 250.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 दिसम्बर, 2012 को पूर्ण होना था।

3. मैसर्स अल्फा कोरपस्कल्स प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली

मैसर्स अल्फा कोरपस्कल्स प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली ने अपनी परियोजना 'स्वदेशी कम लागत डिस्पोजेबल लेपेरोस्कोपी ट्रोकर्स' के विकास एवं वाणिज्यीकरण हेतु वित्तीय सहायता के लिए टीडीबी से सहायता मांगा।

यह कम्पनी अपेन ब्रांड नाम इंडोएक्सएसटीएम डिस्पोजेबल लेपेरोस्कोपी एक्सेस सिस्टम के तहत ''पहला भारतीय डिस्पोजेबल लेपेरोस्कोपी ट्रोकर्स'' के नवीनीकरण और विकास में लगी है। विकसित डिस्पोजेबल लेपेरोस्कोपी ट्रोकर्स ब्लेड रहित टिप ट्रोकर्स से चेहरे के पेंच के सहारे समकोणी प्रवेशनी को साफ कर देता है और दुर्बल सील की व्यवस्था सुनिश्चित करता है।

बोर्ड ने दिनांक 1 मई, 2012 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 248.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 114.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 30 जून, 2013 को पूर्ण हो जायेगी।

इन्क्यूबेसन सेंटर- टीबीआईएस/एसटीईपीएस को सीड सहायता

बोर्ड ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमवृत्ति विकास बोर्ड (एनएसटीईडीबी) द्वारा प्रचालित विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों (एसटीईपीएस) / प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टीबीआईएस) में शुरुआतकर्ताओं के लिए सीड सहायता स्कीम में टीडीबी की भागीदारी को मंजूरी दी थी।

एसटीईपी / टीबीआई, व्यक्तियों को बाजार तक पहुंच बनाने में सक्षम करने के लिए उनके विचारों का विकास करके प्रौद्योगिकी उद्यम वृत्ति को बढ़ावा देने और इसका विकास करने के लिए एक सुविधा प्रदान करता है। तथापि एसटीईपी / टीबीआई टैक्नो - उद्यमियों द्वारा योग्य विचारों एवं प्रौद्योगिकीयों को आरंभिक अवस्थाओं में सर्वाधिक आवश्यक वित्तीय सहायता देने के लिए सुसज्जित नहीं हैं। इसका समाधान करने के लिए टी डी बी ने युवा उद्यमियों को उनकी नवोन्मों प्रौद्योगिकी विचारों को फलीभूत करने के लिए आरंभिक स्तर पर वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए सीड सहायता स्कीम शुरु की है। टीडीबी ने पिछले वर्षो में इन्क्यूबेटर्स में शुरुआतकर्ताओं हेतु सीड सहायता स्कीम में भाग लेने का निर्णय लेकर एक विकास उन्मुख पहल की है। टीडीबी ने 36 (जिनमें कि दोबारा सहायता प्राप्त 4 टीबीआईएस /एसटीईपीएस शामिल हैं) प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टीबीआईएस) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों (एसटीईपीएस) को सहायता दी जिसमें पांच चरणों में टी डी बी की वचनबद्धता 3600 लाख रु. की है।

- Access to expert diagnosis to rural un-served and under-served areas.
- Access to targeted healthcare content by specialty for education and training.
- Built-in payment gateway for pay per use charge-out models.
- Secure on-line database for disease management, profiling, analysis for planned healthcare delivery, and research.
- Value added services for personal EMR.
- Collaboration engine for second opinion, and patient load balancing.

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 250.00 lakh out of total project cost of Rs. 751.17 lakh under an agreement signed on 25th April 2012. The project was to complete by 31st December 2012.

3. M/s Alfa Corpuscles Pvt. Ltd., New Delhi

M/s Alfa Corpuscles Private Limited, New Delhi approached TDB for financial assistance for its project titled"Development and commercialization of indigenous low cost disposable laparoscopy trocars".

The company has been involved in innovation and development of the "First Indian Disposable Laparoscopy Trocar" under the brand name of endoXSTM Disposable Laparoscopy Access System. Developed Disposable Laparoscopy Trocar with a bladeless tip trocar, clear beveled cannula with fascial screws and patented reducer seal arrangement.

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 114.00 lakh out of total project cost of Rs. 248 lakh under an agreement signed on 1st May, 2012. The project is due for completion on 30th June, 2013.

Incubation Centres - Seed Support to TBIs/STEPs

The Board had approved TDB's participation in the Seed Support Scheme for start-ups in Technology Business Incubators/ STEPs administered by the National Science & Technology Entrepreneurship Development Board (NSTEDB) of Department of Science &Technology.

The STEPs/TBIs are a facility to encourage and foster technological entrepreneurship by individuals by incubating their ideas to enable them to reach the market. However, STEPs /TBIs are not equipped with the most needed early stage financial assistance to deserving ideas / technologies by techno-entrepreneurs. In order to address this, TDB has instituted the Seed Support Scheme to provide early stage financial assistance to the young entrepreneurs for bringing their innovative technology venture ideas to fruition. TDB has taken a growth-oriented initiative by deciding to participate in the Seed Support Scheme for Start-ups in Incubators in previous years. TDB supported 36 (which includes two times financial support to four TBIs/STEPs) Technology Business Incubators (TBIs) and Science and Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) involving TDB's commitment of Rs. 3600 lakh in five phases.

उद्यम पूंजी निधि में भागीदारी

स्वदेशी प्रौद्योगिकीयों के वाणिज्यीकरण हेतु उद्योगों के लिए प्रत्यक्ष सहायता के अतिरिक्त, टी डी बी ने प्रौद्योगिकीय रुप से नवोन्मो व्यवहार्य उद्यमों को सहायता प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी केन्द्रित उद्यम पूंजी निधि (वी सी एफ) के साथ नेटवर्किंग करना जारी रखा है। नवोन्मो और नवोन्मेषी उत्पाद/सेवाएं रखने वाले एस एम ई कि लिए आरंभिक स्तर के उद्यमों को सहायता प्रदान करके स्वयं के कार्य क्षेत्र का विस्तार करना इसका मुख्य उद्देश्य रहा है। टी डी बी की इस पहल ने भारतीय अर्थव्यवस्था की संवृद्धि को प्रेरित करने वाले क्षेत्रों में मुख्य बल के साथ प्रौद्योगिकी आधारित परियोजनाओं को व्यापक रुप से सहायता प्रदान करने हेतु आगे आने के लिए वेन्चर कैपिटलिस्ट / निजी इक्विटी फंड्स का आत्मविश्वास बढ़ाया है। अब तक टी डी बी ने 6 (छः) वी सी एफ नामतः ए पी आई डी सी, यू टी आई-ए आई एफ, यू टी आई-आई टी वी यू एस, वेंचर ईस्ट, जी वी एफ एल और आर वी सी एफ में भागीदारी की है और 175.00 करोड़ रु. के निवेश की प्रतिबद्धता/भागीदारी की है तथा इसमें से दो वी सी एफ में निवेश से लाभ पहले ही शुरु हो गया है।

टीडीबी ने 18.02.2012 को हुई अपनी 49वीं बैठक मे टी डी बी की 2 नए उद्यम पूंजी निधियों में भागीदारी को मंजूरी दी। इस वर्ष टीडीबी ने निम्नलिखित 2 नये उद्यम पूंजी निधियों के साथ 50.00 करोड़ रु. के वचन /सहभागिता के करार पर हस्ताक्षर किए है जिसमें कि अन्य निवेशकर्ताओं की कुल निधि 300.00 करोड रु. है।

4. **ब्ल्यूम वेंचर एडवाईजर्स प्राईवेट लिमिटेड, मुम्बई का मल्टी सेक्टर सीड कैपिटल फंड**

टीडीबी ने ब्ल्यूम वेंचर एडवाईजर्स प्राईवेट लिमिटेड, मुम्बई के साथ 'मल्टी सेक्टर सीड कैपिटल फंड' में भागीदारी के लिए, 25.00 करोड़ रु. के वचन /सहभागिता, जिसमें कि अन्य निवेशकर्ताओं की कुल निधि 100.00 करोड रु. है, के साथ दिनांक 3 मई, 2012 को एक करार पर हस्ताक्षर किया।

5. **आईवीकैप वेंचर्स एडवाईजर्स प्राईवेट लिमिटेड, मुम्बई का आईवी कैप वेंचर्स ट्रस्ट फंड 1**

टीडीबी ने आईवीकैप वेंचर्स एडवाईजर्स प्राईवेट लिमिटेड, मुम्बई के साथ 'आईवी कैप वेंचर्स ट्रस्ट फंड 1' में भागीदारी के लिए, 25.00 करोड़ रु. के वचन /सहभागिता, जिसमें कि अन्य निवेशकर्ताओं की कुल निधि 200.00 करोड रु. है, के साथ दिनांक 3 मई, 2012 को एक करार पर हस्ताक्षर किया।

6. **मिलेनियम एलायंस (एमए)**

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स (फिक्की) ने टीडीबी से मिलेनियम एलायंस मे भाग लेने का आग्रह किया है जो कि वैश्विक विकास के लिए इंडो-यूएस नवीनीकरण भागीदारी है जिसकी स्थापनी यूनाईटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) की साक्षेदारी के साथ फिक्की द्वारा किया गया है जिसमें यूएसएआईडी ने 7.70 मिलियन डॉलर निवेश का वचन इन लक्ष्य के साथ दिया कि इस कोष को अन्य धारक हिस्सेदारों के अंशदान से 50 मिलियन डॉलर तक पहुंचाया जाएगा एवं जिसका लक्ष्य भारतीय सृजनात्मकता, विशेषज्ञता और संसाधनों के स्त्रोत और स्केल नवीनीकरण को सहायता पहुंचाना है जो भारत में विकसित और जांच की जा रही उसका लाभ भारत की पूरी जनसंख्या और विश्व को मिले।

वैसे समाधान की पहचान और जांच कर यह भारत की भूमिका को विश्व नवीनीकरण प्रयोगशाला के रुप मे मान्यता प्रदान करने का संयुक्त संकल्प है, जो भारत और विश्व में निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों के संसाधनों और विशेषज्ञता की लागत कम कर विकास व सुधार की पहुंच का लाभ पहुंचाती है।

Participation in Venture Capital Funds (VCFs)

In addition to the direct support to industries for commercialization of indigenous technologies, TDB continued networking with technology focused Venture Capital Fund (VCF) to support technologically innovative viable ventures. The objective behind this exercise is to spread itself by providing support to early stage ventures for SMEs having innovation and innovative products /services. This initiative of TDB has given confidence to Venture Capitalist/Private equity funds to come up in big way to support the technology based projects with a pronounced emphasis on sectors which are the growth drivers of Indian economy. So far TDB has participated in 6 (six) VCFs namely APIDC, UTI-AIF, UTI-ITVUS, Ventureast, GVFL and RCVF and committed investment of Rs. 175.00 crore and out of which the return on investment in two VCFs has already started.

The Board in its 49th meeting held on 18.02.2012 recommended participation of TDB in 2 new Venture Capital Funds. This year TDB signed agreement with following2 new Venture Capital Funds with a commitment / participation of Rs. 50.00 crores leveraging total funds aggregating to Rs. 300.00 crores from other investors.

4. Multi Sector Seed Capital Fund by Blume Venture Advisors Pvt. Ltd., Mumbai

TDB signed an agreement with Blume Venture Advisors Pvt. Ltd., Mumbai on 3rd May, 2012 to participate in the Multi Sector Seed Capital Fundwith a commitment / participation of Rs. 25.00 crores leveraging total funds aggregating to Rs. 100.00 crores from other investors.

5. Ivy Cap Ventures Trust – Fund 1 by IvyCap Ventures Advisors Pvt. Ltd., Mumbai

TDB signed an agreement with IvyCap Ventures Advisors Pvt. Ltd., Mumbai on3rd May, 2012 to participate in the Ivy Cap Ventures Trust – Fund 1 with a commitment / participation of Rs. 25.00 crores leveraging total funds aggregating to Rs. 200.00 crores from other investors.

6. Millennium Alliance (MA)

The Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry (FICCI) has approached TDB to participate in Millennium Alliance (MA) an India-US Innovation Partnership for Global Development which was established by FICCI in collaboration with Uniterd States Agency for International Development (USAID) wherein USAID has committed $ 7.70 million with the aim to make it a $ 50.00 million fund from contributions from other stake holders which aimed at leveraging Indian creativity, expertise and resources to source and scale innovation being developed and tested in India that will benefit vulnerable populations across India and the World.

This is a joint commitment to recognize India's role as a global innovation laboratory, by identifying, testing and scaling solutions that leverage private and public sector resources and expertise to reduce the cost and increase the reach of development improvements in India and around the world.

अध्यक्ष ने, टीडीबी बोर्ड की ओर से (जैसा कि बोर्ड की 18.02.2012 को आयोजित 49वीं बैठक में निर्णय लिया गया), मिलेनियम एलायंस में टीडीबी की भागीदारी को अनुमोदन प्रदान किया एवं टीडीबी ने दिनांक 24.05.2012 को हस्ताक्षर किए गए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत 5 वर्षो तक 500 लाख रु. प्रतिवर्ष के हिसाब से 2500 लाख रु. की टीडीबी की भागीदारी स्वीकृत की।

7. मैसर्स केवीबी एग्रो फॉर्म्स प्राईवेट लिमिटेड, बारामुला, जम्मू कश्मीर

मैसर्स केवीबी एग्रो फॉर्म्स प्राईवेट लिमिटेड, बारामुला, जम्मू कश्मीर ने अपनी परियोजना 'स्ट्रॉवेरी, इंगलिस / विदेशागत सब्जियों व सेवों के नॉवेल हाइड्रोपोनिक मल्टीटायर कल्टीवेशन व प्रोसेसिंग' के वाणिज्यीकरण हेतु वित्तीय सहायता के लिए टीडीबी से सहायता मांगा।

इस परियोजना का लक्ष्य ऐसी प्रक्रिया के विकास की है जिससे सेवों, स्ट्रॉबेरिज और अन्य सब्जियों का अद्रवीकरण में आधुनिक तकनीक और प्रक्रिया का प्रयोग किया जाए ताकि अंतिम उपभोक्ता तक स्वास्थ्यवर्द्धक पूर्वक अद्रवित उत्पाद पहुंचे। कश्मीर घाटी में स्ट्रॉबेरी उत्पादन की भारी संभावना है, इससे वहां प्रत्यक्ष (खेती में) और अप्रत्यक्ष (पैकेजिंग व अन्य प्रक्रिया में) दोनो तरह से रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे जिससे घाटी में स्थिर आर्थिक चक्र का निर्माण भी हो सकेगा। हाइड्रोपॉनिकली रुप से तैयार नियंत्रित माध्यम में स्ट्रॉबेरी की खेती साल भर की जा सकती है। बिना मौसम स्ट्रॉबेरी की बिक्री भारी मुनाफा दे सकती है। कुछ यूरोपीय देशों और संयुक्त अरब अमिरात (यूएई) में इसके निर्यात की बड़ी संभावना है।

टीडीबी ने दिनांक 5 जून, 2012 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 564.65 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 238.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 30 जून, 2013 को पूर्ण होगा।

8. मैसर्स एक्सपोनेन्सियल टेक्नोलॉजिज एस एण्ड एच प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद

मैसर्स एक्सपोनेन्सियल टेक्नोलॉजिज एस एण्ड एच प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद ने अपनी परियोजना 'डिस्कवरी मैनेजमेंट टूल - एक्सपोनेन्सियल ईडिस्कवरी' के विकास एवं वाणिज्यीकरण हेतु वित्तीय सहायता के लिए टीडीबी से सहायता मांगा।

एक्सपोनेन्सियल ईडिस्कवरी® जरुरी खोज प्रबंधन उपकरणों से सुसज्जित है। यह दक्ष, बौद्धिक आंकलन और समीक्षा के लिए पूर्ण जीवन चक्र प्रबंधन की व्यवस्था करती है। मापनीय और लचीला एक्सपोनेन्सियल ईडिस्कवरी बहुत जटिल मामलों में भी भारी संख्या में दस्तावेजों का त्रुटिरहित प्रबंधन करता है।

ऋण करार का आदान प्रदान करते मैसर्स एक्सपोनेन्सियल टेक्नोलॉजिज एस एण्ड एच प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद के प्रबंध निदेशक, श्री जी. वी. सतीश कुमार

Chairperson on behalf of the TDB Board (as decided in its 49th meeting held on 18.02.2012) approved TDB's participation in Millennium Alliance (MA) and TDB has sanctioned a grant of Rs. 500.00 lakh per year for a period of 5 yearstotalling toRs. 2500.00 lakh towards TDB's commitment in the MA under Memorandum of Understanding (MoU) signed on 24.05.2012.

7. M/s KVB Agro Farms Pvt. Ltd., Baramullah, Jammu &Kashmir

M/s KVB Agro Farms Private Limited, Baramulla, (J&K) approached TDB for financial assistance for its project titled"Commercialization of novel hydroponic multitier cultivation & processing of Strawberries, dehydration of English/Exotic Vegetables & Apples" based on technology development .

The project also aims to development the process of dehydration of apples, strawberry and vegetables using the latest technologies and methods so that hygienically dehydrated items are made available to the end user. There is high potential for strawberry cultivation in Kashmir Valley which can in return lead to a potentially stable economic cycle and generate employment, directly (cultivation) and indirectly (post harvest, processing, marketing, packaging, etc). These Strawberries can be cultivated round the year in controlled conditions particularly in hydroponically growing media. The off-season sales can fetch much higher returns. The crop has great export potential due to its appeal in certain European Countries and in UAE.

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 238.00 lakh out of total project cost of Rs. 564.65 lakh under an agreement signed on 5thJune, 2012. The project is due for completion on 30thJune, 2013.

8. M/s Exponential Technologies S&H Pvt. Ltd., Hyderabad

M/s Exponential Technologies S&H Private Limited, Hyderabad approached TDB for financial assistance for its project titled"Development & Commercialization of Discovery Management Tool - EXPONENTIAL eDiscovery" based on technology developed in-house by the company.

EXPONENTIAL eDiscovery® equipped with essential discovery management tools provides full life-cycle discovery management to achieve an efficient, intelligent assessment and review. Scalable and flexible, EXPONENTIAL eDiscovery® seamlessly manages large volumes of documents for even the most complex cases.

"Exchanging the Loan Agreement with Shri G. V. Satish Kumar, Managing Director, M/s Exponential Technologies S&H Private Limited, Hyderabad"

टीडीबी ने दिनांक 5 जून, 2012 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 1231.80 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 600.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 30 सितम्बर, 2012 को पूर्ण होना था।

9. मैसर्स संजय टेक्नोप्लास्ट प्राईवेट लिमिटेड, पूने

मैसर्स संजय टेक्नोप्लास्ट प्राईवेट लिमिटेड, पूने ने अपनी परियोजना 'एफिसिएंट कूकिंग सिस्टम' के विकास एवं वाणिज्यीकरण हेतु वित्तीय सहायता के लिए टीडीबी से सहायता मांगा।

कंपनी इस परियोजना के माध्यम से 4 लीटर, 40 लीटर एवं 120 लीटर क्षमता के इको कूकर के विकास और वाणिज्यीकरण का प्रस्ताव करता है। इस उत्पाद का प्रयोग विभिन्न इंधनो जैसे एलपीजी, केरोसिन, कोयला, लकड़ी और बायो गैस के साथ किया जा सकता है। कंपनी ने एलपीजी और बायोगैस जैसे इंधन विकल्प के साथ इस उत्पाद के प्रयोग की तकनीक का विकास किया है और विभिन्न चरणों में इसे जारी करेगी। पहले चरण में 40 लीटर क्षमता वाले इको कूकर को व्यवसायिक रुप से जारी किया जाएगा जिसके लिए नमूना तैयार कर लिया गया है एवं परिक्षण किया जा चुका है।

ऋण करार का आदान प्रदान करते मैसर्स संजय टेक्नोप्लास्ट प्राईवेट लिमिटेड,
पूने के निदेशक, श्री प्रसाद एल. कोकिल

टीडीबी ने दिनांक 5 जून, 2012 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 640.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 300.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 30 जून, 2013 को पूर्ण होगा।

10. मैसर्स वैल्यूपिच ईटेक्नोलॉजिज प्राईवेट लिमिटेड, मुम्बई

मैसर्स वैल्यूपिच ईटेक्नोलॉजिज प्राईवेट लिमिटेड, मुम्बई ने अपनी परियोजना 'एडवांस्ड सिस्टम फॉर ऑटोमेटेड डिस्कवरी, रिसर्च टूल्स एंड मैनेजमेंट ऑफ लीगल मैटर्स (''हाजिरहो'')' के विकास एवं वाणिज्यीकरण हेतु वित्तीय सहायता के लिए टीडीबी से सहायता मांगा।

प्रस्तावित उत्पाद हाजिरहो महाराष्ट्र के पोबई, मुम्बई में स्थित है, 'हाजिरहो' एक वैधानिक प्रबंधन प्रणाली है जिसके तीन मॉड्यूल्स हैं :

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 600.00 lakh out of total project cost ofRs. 1231.80 lakh under an agreement signed on 5th June 2012. The project was to completeby 30th September 2012.

9. M/s Sanjay Techno Plast Pvt. Ltd., Pune

M/s Sanjay Techno Plast Private Limited, Pune approached TDB for financial assistance for its project titled "Development and commercialization of Efficient Cooking System" based on technology developed in-house by the company.

The company proposes to develop and commercialize Eco Cookers of 4 Ltrs, 40 Ltrs, and 120 Ltrs capacity. The products can have an option of using multiple fuels such as gas (LPG), kerosene, coal, wood or even biogas. The company has completed the development with LPG & Biomass as the fuel options, and products will be launched in phases with these two fuel options. In the first phase, the company will start with commercialization of 40 Ltrs Eco Cookers for which the prototypes have been developed and trials have been conducted.

"Exchanging the Loan Agreement with Shri Prasad L. Kokil, Director, M/s Sanjay Techno Plast Private Limited, Pune"

TDB sanctioned a loan assistance of Rs. 300.00 lakh out of total project cost of Rs. 640.00 lakh under an agreement signed on 5thJune, 2012. The project is due for completion by 30thJune 2013.

10. M/s Valuepitch eTechnologies Pvt. Ltd., Mumbai

M/s Valuepitch eTechnologies Private Limited, Mumbai approached TDB for financial assistance for its project titled "Development and Commercialization of an advanced system for automated discovery, research tools and management of legal matters ("Haazirho")".

The proposed product is Haazirho at Powai, Mumbai in the state of Maharashtra, the Haazirho is a litigation management system consisting of three modules:

i. काउज लिस्ट एलर्ट्स

ii. लॉशूट ट्रेकिंग सिस्टम

iii. लिगल रिसर्च टूल

'हाजिरहो' अपने इन तीनों उपर्युक्त विशेषताओं के साथ उपभोक्ताओं को एक ही जगह एक अनुपम विकल्प प्रदान करता है। इस प्रणाली में मुकदमें की खोज ऑनलाइन की जा सकती है जिससे हाथों से खोजने की तुलना में समय और धन दोनो की बचत होती है, साथ ही बचाव के काम में आने वाले शोध हेतु प्रासंगिक सूचना और प्रबंधन उपकरण भी एक ही प्रणाली के तहत उपलब्ध कराता है।

टीडीबी ने दिनांक 5 जून, 2012 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 630.73 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 170.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 अक्टूबर, 2012 को पूर्ण होना था।

11. मैसर्स ईको इंडिया फिनांसियल सर्विसेज प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली

मैसर्स ईको इंडिया फिनांसियल सर्विसेज प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली ने अपनी परियोजना 'बैंक की सुविधा रहित एवं अल्प सुविधा वालों के लिए शाखारहित बैंकिंग व वित्तीय सेवाएं' हेतु वित्तीय सहायता के लिए टीडीबी से सहायता मांगा।

कम्पनी ने बैंकों के लिए शाखा रहित बैंकिंग एजेंटों के वितरण और तैनातगी हेतु कम लागत वाली तकनीक पर आधारित प्रबंधन उपकरण किट विकसित की है, यह बैंकों और अधिक ग्राहको को लागत दक्षता से स्थानीय वित्तीय संस्थानों और भागीदारों के जरिए सेवा प्रदान करता है। इस तकनीक में शामिल है : हेंडसेट एग्नॉस्टिक, नंबर डायलिंग मौजूदा उपयोगकर्ता के मिस्ड कॉल जैसे व्यवहार का लाभ देता है। ओकेईडी- अत्यंत ही कम लागत पर कागज आधारित सिस्टम के समतुल्य दूर संवेदी प्रमाणीकरण (आरएसए) टोकन डिवाइस है जो किसी भी मोबाइल फोन के जरिए सुरक्षित वित्तीय कारोबार की सुविधा प्रदान करता है। ईको सूचना वितरण केन्द्र - वेब आधारित उपकरण है जो यूएसएसडी (अनस्ट्रक्चर्ड सप्लीमेंटरी सर्विसेज डाटा) के जरिये एजेंटों तक धन और उसके प्रबंधन में मदद करता है, उच्च अनुभव के लिए एसएमएस बैकअप व एन्ड्रॉईड संप्रयोग के साथ, कोर बैंकिंग और रियल टाइम कारोबार के लिए भारतीय स्टेट बैंक, यस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के साथ एकीकरण। यह फ्रेमवर्क एजेंटों के स्व नामांकन और क्षेत्रीय स्तर पर सही एजेंटों का चयन करने में भी सक्षम है।

ऋण करार का आदान प्रदान करते मैसर्स ईको इंडिया फिनांसियल सर्विसेज प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के प्रबंध निदेशक, श्री अभिषेक सिन्हा

i. Cause List Alerts

ii. Lawsuit Tracking System

iii. Legal research tool

Haazirho offers a unique proposition to the user, combining the above three features in a single view. The system carries out discovery of lawsuits online saving costs of manual efforts, offers a management tool, and provides relevant information required for research to defend the lawsuit within one single system.

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 170.00 lakh out of the total project cost of Rs. 630.73 lakh under an agreement signed on 5th June, 2012. The project was due for completion on 31st October, 2012.

11. M/s EKO India Financial Services Pvt. Ltd., New Delhi

M/s Eko India Financial Services Private Limited, New Delhi approached TDB for financial assistance for its project titled“Branchless Banking & Financial Services for the Unbanked and Under-banked”.

The company has developed a low cost technology led banking platform and an agent management tool kit to distribute and deploy branchless banking agents, service them & serve more customers cost effectively through local financial institutions and partners. Eko's technology consists of: Handset agnostic, number dialing user interface leveraging existing customer behavior like missed calls; OkeKey - Extremely low-cost paper equivalent solution to Remote Secure Authentication (RSA) token device that facilitates secure financial transactions through any mobile phone; Eko Distribution Information Center - Web based tool that helps manage & supply digital money to agents; Process transactions through USSD (Unstructured Supplementary Services Data) with SMS as backup and android application for higher order experience; Integration with State Bank of India's (SBI) Core Banking System for real-time transactions into SBI accounts and Yes Bank & ICICI Bank's systems enabling near real-time transactions into any bank account. Framework enabling self-enrollment of agents and selection of correct banking agents on a region basis local data is also being included.

"Exchanging the Loan Agreement with Shri Abhishek Sinha, Managing Director, M/s Eko India Financial Services Private Limited, New Delhi"

टीडीबी ने दिनांक 5 जून, 2012 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 2413.87 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 950.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 मार्च, 2014 को पूर्ण होगा।

12. मैसर्स वायव्या लैब्स प्राईवेट लिमिटेड, बेलगाम, कर्नाटक

मैसर्स वायव्या लैब्स प्राईवेट लिमिटेड, बेलगाम, कर्नाटक ने अपनी परियोजना 'सिस्टम युक्त मार्केट के लिए डिवाइस ड्राइवर सिन्थेसिस और सिस्टम लेवल वैलिडेशन टूल्स' के वाणिज्यीकरण हेतु वित्तीय सहायता के लिए टीडीबी से सहायता मांगा।

यह कंपनी इम्बेडेड डिजाइन और सेमीकंडक्टर सर्विस कंपनियों के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम लेवल (ईएसएल) बनाती है। इसका 'वीटूल्स' जो डीडीजीइएन के प्रमुख उत्पाद का विस्तार है, ईएसएल डिजायन सिस्टम प्लेटफॉर्म पर पूरा ईएसएल डिजायन है। यह कई सिस्टम डिजायन के विकास के दौरान स्वचालित रुप से कई तरह के काम करता है (डिवाइस ड्राइवर सॉफ्टवेयर बनाने के अलावा), यह फ्रेमवर्क के तहत डिवाइस विकास व रनटाइम के पूर्ण विवरण के लिए उच्च अमूर्त की व्यवस्था कर सही विकास को लागू करता है। इससे डिवाइस ड्राइवर विकास के उत्पादकता में दो से तीन गुना लाभ होता है। यह एक हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर को एक साथ विकसित करने की एक सम्मिलित दृष्टिकोण है। यह इम्बेडेड डिवाइस के एकल सुनहरे ब्यौरे पर आधारित है जो हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर डिजायन के पार कार्यों को स्वचालित

कर हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर विकास की दूरी को पाटता है और यह इसलिए अपने आप में अनुपम है क्योंकि यह एकमात्र टूल-सूट है जो इस तरह की कोशिश करता है। यह उत्पाद 'वीटूल्स' एक सॉफ्टवेयर टूल सूट है जो सेमीकंडक्टर, सिलिकॉन आईपी प्रोवाईडर्स, इम्बेडेड डिजायन और इम्बेडेड टूल्स वेंडर्स को देखते हुए विकसित किया गया है।

ऋण करार का आदान प्रदान करते मैसर्स वायव्या लैब्स प्राईवेट लिमिटेड, बेलगाम, कर्नाटक के प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. पाटिल

बोर्ड ने दिनांक 21 जून, 2012 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 1005.75 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 245.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 दिसम्बर, 2013 को पूर्ण होगा।

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 950.00 lakh out of the project cost of Rs. 2413.87 lakh under an agreement signed on 5th June 2012. The project is due for completion by 31st March 2014.

12. M/s Vayavya Labs Pvt. Ltd., Belgaum, Karnataka

M/s Vayavya Labs Pvt. Ltd., Belgaum, Karnataka approached TDB for financial assistance for its project titled"Commercialization of Devise Driver Synthesis and System Level Validation Tools for Embedded System Market".

The company isengaged in building Electronic System Level (ESL) Design tools targeted for the Semiconductor and Embedded Design service firms. Its tool suit "VTools" is an extension of the flagship product DDGEN into a complete ESL Design platform consisting of several tools that automate multiple tasks (apart from the device driver software generation) typically carried out during system design and development.It enforces the right development frame-work across design flows by providing higher level of abstraction for device and runtime detail specifications. The productivity gain is two times to three times in device driver development. It is a unified approach to hardware/software co development based on a single golden specification of an Embedded Device and effectively bridges the hardware-software development gap by automating tasks across hardware-software design and is unique in the sense that it is the only tool-suit that attempts this. This product "VTools" is software tool suit targeted to semiconductor firms, Silicon IP providers, Embedded Design Firms and Embedded Tools vendors.

"Exchanging the Loan Agreement with Shri R.K. Patil, Managing Director, M/s Vayavya Labs Pvt. Ltd., Belgaum, Karnataka"

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 245.00 lakh out of the project cost of Rs.1005.75 lakh under an agreement signed on 21st June 2012. The project is due for completion by 31st December, 2013.

13. मैसर्स माईमो वायरलेस टेक्नोलॉजी प्राईवेट लिमिटेड, बैंगलोर

मैसर्स माईमो वायरलेस टेक्नोलॉजी प्राईवेट लिमिटेड, बैंगलोर ने अपनी परियोजना '4जी वायरलेस 3जीपीपी एलटीई प्रोडक्ट्स: बेस स्टेशन (इनोडबी), यूजर इक्यूपमेंट (यूई) एवं एलटीई इम्यूलेटर्स' के वाणिज्यीकरण हेतु वित्तीय सहायता के लिए टीडीबी से सहायता मांगा।

इस कंपनी ने देसी रुप से आधुनिक वायरलेस उत्पाद का विकास किया है। इनमें 3जीपीपी एलटीइ बेस स्टेशन, यूजर इक्विपमेंट (यूई) तथा एलटीई इम्यूलेटर्स जैसे उत्पाद शामिल है। इन्होंने विश्व और घरेलु ग्राहकों के समझ के लिए आईपीआर जैसी तकनीक का नमूना पेश किया है। इस उत्पाद की विशेषता यही है कि यह सॉफ्टवेयर मल्टी बैंड के 4जी वायरलेस, मल्टी मोड और मल्टी-फंक्शनल सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो के लिए पूरी और शीघ्रता से कनफिगर और प्रोग्राम होने वाला है। मजबूत आईपी और अग्रणी टेलीकॉम उत्पाद पोर्टफोलियो को नजर में रखते हुए, कंपनी स्थानीय कंपनीयां बीईएल और सी-डॉट, बैंगलोर के साथ सहयोग कर रही है। यह कंपनी अपनी सहयोगी कंपनियों के साथ मिलकर अति आधुनिक 4जी टेलीकॉम उत्पाद और मजबूत आर्थिक प्रणाली बना रही है जो इस क्षेत्र में चीन की कंपनी हुवई और जेडटीई के वर्चस्व का सामना करेगी। ये चीनी कंपनीयों का न सिर्फ तकनीक क्षेत्र में वर्चस्व है बल्कि ये राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी मुद्दा है। चिप्स बनाने वालों, इम्युलेटर्स डिजाइनरों और बेस स्टेशन वेंडर्स के लिए मायमो का आईपीआर 'गोल्डेन रेफरेंस कोड' बनाएगी।

टीडीबी ने दिनांक 2 जूलाई, 2012 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 585.33 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 240.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 30 जून, 2014 को पूर्ण होगा।

14. इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च सेन्टर फॉर पाउडर मेटालर्जी एंड न्यू मैटेरियल्स (एआरसीआई), हैदराबाद

इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च सेन्टर फॉर पाउडर मेटालर्जी एंड न्यू मैटेरियल्स (एआरसीआई), हैदराबाद ने इंडो जर्मन तकनीकी विकास परियोजना "इस्पात और प्लास्टिक के साथ एल्युमिनियम मिलाने एवं संगति की तकनीकी" के लिए वित्तीय सहायाता के लिए टीडीबी से सहायता मांगा।

इस प्रोजेक्ट का लक्ष्य मोटर वाहन ढ़ांचे में पांच चयनित जोड़ों में समुचित ज्वाइनिंग तकनीक को वितरित करना तथा उपकरण और औजारों की तकनीकी जानकारी और प्रक्रिया की तकनीकी जानकारी हासिल करना है। विभिन्न ज्वाइंट्स के लिए निरुपक हेतु अलग-अलग मैटेरियल्स या मोटाई के समान ज्वाइंट्स के लिए मार्गदर्शन तथा डिजायन / मॉडलिंग का मार्गदर्शन करना। नई ज्वाइंट्स तकनीक के अनुकूल बनाने तथा नई विकसित तकनीक का पूरी तरह दोहन करना।

टीडीबी ने दिनांक 5 जूलाई, 2012 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत पूरे परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 1200.00 लाख रु. की अनुदान सहायता स्वीकृत की।

15. मैसर्स ऑरिजिनेट टेक्नोलॉजिज लिमिटेड, मुम्बई

मैसर्स ऑरिजिनेट टेक्नोलॉजिज लिमिटेड, मुम्बई ने अपनी परियोजना 'न्यूक्लीयर रेडिएशन मॉनिटरिंग सिस्टम' के विकास, स्वदेशीकरण एवं वाणिज्यीकरण हेतु वित्तीय सहायता के लिए टीडीबी से सहायता मांगा।

यह कंपनी मुंबई में उच्च जरुरतों वाली नवीन इंजीनियरिंग उत्पादों और नाभिकीय विकिरण नियंत्रण प्रणाली (आरएमएस) के क्षेत्र में एकीकृत समाधान विकसित करने के लिए अति आधुनिक बुनियादी ढ़ांचा तैयार करने की परियोजना का क्रियान्वयन कर रही है जो अस्पतालों, नाभिकीय संयंत्रों और सार्वजनिक सुरक्षा सेक्टर के लिए कंपनी की अपनी शोध एवं विकास का प्रतिफल है। कंपनी ने अपने रणनीतिक एवं तकनीकी भागीदार के रुप में अमेरिकी कंपनी एपिएएनटीईसी, एलएलसी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके उत्पादों में आरएमएस जैसे कंटेनर स्कैनिंग और गैस किट, द्रव नियंत्रण प्रणाली, क्षेत्र आरएमएस, वातावरणीय आरएमएस, वातावरणीय मोबाईल प्रयोगशाला, पॉजिस्ट्रॉन उत्सर्जन टोमोग्राफी आरएमएस, वेब सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन आदि शामिल है।

13. M/s Mymo Wireless Technology Pvt. Ltd., Bangalore

M/s MYMO Wireless Technology Private Limited, Bangalore approached TDB for financial assistance for its project titled "Commercialization of 4G wireless 3GPP LTE Products: Base Station (eNodeB), User Equipment (UE) and LTE Emulators".

The company has developed the indigenous next generation wireless products such as 3GPP LTE Base Station, User Equipment and LTE Emulators. They have demonstrated the IPR, the technology and the prototype products to global and domestic customers. The uniqueness of the product is that it is fully and rapidly software configurable and reprogrammable 4G Wireless Radio for multi-band, multi-mode and multi-functional soft-ware-defined-radios. With the vision to have strong IP and cutting-edge telecom Product port-folios, company is collaborating with local partners like BEL and CDOT, Bangalore for building the state-of-the-art 4G telecom products and build a strong local eco-system to counter the domination of telecom companies from China like Huwaie and ZTE that are resulting not only in technology domination and also becoming a national security issue. Mymo's IPR will form the 'golden reference code' for chip makers, emulator designers and base station vendors.

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 240.00 lakh out of the total project cost of Rs. 585.33 lakh under an agreement signed on 2nd July 2012. The project is due for completion by 30th June 2014.

14. International Advanced Research Centre for Powder Mettalurgy and New Materials (ARCI), Hyderabad

International Advanced Research Centre for powder metallurgy and new materials (ARCI), Hyderabad approached TDB with a project proposal for Indo German Technology Development project titled "Joining of Aluminum, Steel and Plastics(Multi-Join)" Dissimilar Material Combinations".

The project aim to delivering suitable joining technologies for about 5 selected joints in automotive frame/body including equipment and tooling know-how and process knowhow. Design/modelling guideline for various joints along with a guideline for characterizing similar joints with different materials or thicknesses. Component designs for adaption the new joint technologies and to fully exploit the newly developed techniques.

TDB has sanctioned a Grant of Rs. 1200.00 lakhs for implementation of the said project under an agreement signed on 5th July, 2012.

15. M/s Originet Technologies Ltd., Mumbai

M/s Originet Technologies Limited, Mumbai approached TDB for financial assistance for its project titled "Development, commercialization and indigenization of Nuclear RadiationMonitoring Systems" based on technology developed in-house by the company.

The Company is implementing a project to set up a state-of-the-art engineering and infrastructure facilities in Mumbai with the objective of stimulating engineering excellence for production of high end innovative engineering products and integrated solutions in the field of Nuclear Radiation Monitoring Systems (RMS) for Nuclear Power Plants, Hospitals, and Public Safety Sector developed through in-house R&D efforts. The company has signed a MOU with APANTEC, LLC of USA as strategic / technology partner. The products include RMS such as Container Scanning, Gas Kid, Liquid Monitoring System, Area RMS, Environmental RMS, Environmental Mobile Laboratory, Positron Emission Tomography RMS, Web Software Solution etc.

इस उत्पाद द्वारा देश और विदेश में व्यापार की काफी संभावनाएं हैं। आयात का स्थानापन्न और निर्यातित किए जाने के कारण यह विदेशी विनिमय की कमाई एवं रक्षा करेगा।

टीडीबी ने दिनांक 18 जूलाई, 2012 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 2084.70 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 950.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 दिसम्बर, 2012 को पूर्ण होना था।

16. मैसर्स पैनेसिया बायोटेक लिमिटेड, नई दिल्ली

मैसर्स पैनेसिया बायोटेक लिमिटेड, नई दिल्ली ने अपनी परियोजना 'उन्नत औषधि वितरण आधारित कैंसररोधी उत्पाद पैक्लीऑल (पैसीटेक्सेल) के वाणिज्यीकरण के लिए उत्पादन की सुविधा हेतु वित्तीय सहायता के लिए टीडीबी से सहायता मांगा।

कंपनी उच्च दबाव होमोजेनाइजेशन द्वारा पॉलिमेरिक नैनोपार्टिकल बनाने में लगी है जो कि वर्धित परमिएशन एवं रिटेशन (ईपीआर) प्रभाव के कारण ट्यूमर को लक्ष्य करने की क्षमता रखता है एवं इससे कोई केमोफोर प्रेरित जहरीलापन एवं कोई पैक्लीटैक्सेल प्रेरित गंजापन भी नहीं होता। इन उच्च जलविरोधी दवाइयों के नैनोपार्टिकल बनने से घुलनशीलता की समस्या का भी निपटान हो जाएगा। पार्टिकल के सतह एरिया को बड़े पैमाने पर बढ़ाकर और विघटन में सुधार लाकर ऐसा किसा जा सकता है। नैनोपार्टिकल का विस्तार लायोफिजिलेशन द्वारा पुनर्गठन के लिए पाउडर के रुप मे तब्दील कर किया जा सकता है।

टीडीबी ने दिनांक 25 जूलाई, 2012 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 4947.57 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 500.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 दिसम्बर, 2013 को पूर्ण होगा।

17. मैसर्स वर्चुअल लॉजिक सिस्टम्स प्राईवेट लिमिटेड, बैंगलोर

मैसर्स वर्चुअल लॉजिक सिस्टम्स प्राईवेट लिमिटेड, बैंगलोर ने अपनी घरेलू विकसित परियोजना 'सम्पूर्ण इंडस्ट्री के मैंटेनेन्स इंजीनियर्स के स्किल डेवलपमेंट को लक्ष्य करके विकसित किया गया वर्चुअल रियलिटी बेस्ड स्किल ट्रेनिंग सिम्यूलेटर (कोमेट सिम्यूलेटर)' के विकास और वाणिज्यीकरण हेतु वित्तीय सहायता के लिए टीडीबी से सहायता मांगा।

इस कोमेट सिम्यूलेटर परियोजना का लक्ष्य कोमेट सिम्यूलेटर हार्डवेयर में तैनात किए जा सकने वाले एडिटर और इंजन के साथ कोमेट सिम्यूलेटर सॉफ्टवेयर विकसित करना है। कोमेट सिम्यूलेटर, जोड़ों के ऑपरेशन करने वाले कर्मचारियों के प्रशिक्षण और मशीनों तथा अलग-अलग उपकरणों की देशभाल और विघ्ननिवारण में प्रयोग होता है। सिम्यूलेटर का प्रयोग उपयोगकर्ता को विशिष्ट उद्देश्य, ज्ञान प्राप्ति और कौशल वर्धन के लिए पकड़ने और उसे काम में लगाने में होता है।

इस परियोजना मे एसआईएमएलिव प्लेटफॉर्म का विकास करना शामिल है, जो ग्राहक केन्द्रित एप्लिकेशन के विकास में मदद करता है और जिसका विकास डेस्कटॉप/ क्योस्क या वीआर हार्डवेयर सेटप पर किया जा सकता है। एसआईएमएलिव प्लेटफॉर्म को इस तरह सामान्य रुप से बनाया गया है कि इसे सभी कोमेट की कार्यक्षमताओं से सभी आभासी तर्क प्रणाली कार्यक्षेत्र (ड्राइविंग, रक्षा, दृश्यांकन और चिकित्सा) में मापा जा सकता है।

एसआईएमएलिव प्लेटफॉर्म दो नीवन सॉफ्टवेयर मॉड्यूल्स से बना है:

1) इंजन विभिन्न विशेषताओं : भौतिक, आईए, हार्डवेयर आगत की व्याख्या को लागू करने वाला सामान्य अनुकरण घटक का एक सेट है। प्रत्येक घटक एक निर्माण खंड है जिसका सभी कोमेट में एडिटर के दृश्यों को प्रयोग करते हुए पुन:प्रयोग किया जा सकता है। इंजन विशेषताओं और कार्यक्षमताओं के एक सेट का प्रस्ताव करता है। यह एक मुख्य अनुकरण प्रोग्राम द्वारा विकसित किया गया सॉफ्टवेयर मिड्लवेयर है।

The products, having high business potential both in India & abroad, will earn & save foreign exchange due to import substitution & exports.

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 950.00 lakh out of total project cost of Rs. 2084.70 lakh under an agreement signed on 18th July 2012. The project was to be completed by 31st December 2012.

16. M/s Panacea Biotec Ltd., New Delhi

M/s Panacea Biotec Limited, New Delhi approached TDB for financial assistance for its project titled "Manufacturing Facility for Commercialisation of Advanced Drug Delivery based Anti-Cancer Product PacliALL (Paclitaxel)".

Technology involves preparation of polymeric nanoparticles by high pressure homogenization, giving the product advantages of tumor targeting due to Enhanced permeation & retention (EPR) effect & no cremophor induced toxicity & no paclitaxel induced-alopecia in case of paclitaxel. Preparing nanoparticles of these highly hydrophobic drugs would solve solubility problems, thereby greatly increasing the surface area of the particles and improving dissolution. The stability of the nanoparticles can be extended by converting the suspension in to powder for reconstitution by lyophilization.

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 500.00 lakh out of total project cost of Rs. 4947.57 lakh under an agreement signed on 25th July, 2012. The project is due for completion on 31st December, 2013.

17. M/s Virtual Logic Systems Pvt. Ltd., Bangalore

M/s Virtual Logic Systems Pvt. Ltd**.**, Bangalore approached TDB for financial assistance for its project titled "Development and commercialization of Virtual Reality based skills training Simulator (COMET SIMULATOR), aimed at the skill development of maintenance technicians across industries" based on technology developed in-house by the company.

The intent of the COMET simulator project is to develop the COMET simulator software along with editor and engine which can be deployed on the COMET simulator hardware. The COMET Simulator is used for training personnel on the Construction, Operation, Maintenance and Troubleshooting aspects of different equipment or machinery. The Simulator is used to captivate and engage end users for specific purposes: acquire knowledge and/ or enhance skills.

The project includes development of SIMAlive platform which helps in development of customer specific applications that can be deployed on desktop / Kiosk or VR hardware setup. The SIMAlive platform is built in a generic way such that it can scale from Comet functionalities to all Virtual Logic Systems verticals (driving, defense, visualization and medical).

The SIM Alive platform is made of two innovative software modules:

1) The engine is a set of generic simulation components implementing various features: rendering, physics, AI, hardware input. Each component is a building block that can be reused in all COMET scenarios using the editor. The engine proposes a set of features and functionalities. It is a software middleware developed by core simulation programmers.

2) एडिटर एक संलेखन टूल है जो इंजन द्वारा दिखाए गए अनुकरण घटक को रुप देता है। यह एक इंजन विशेष फारमेट में 3डीएसमैक्स जैसे डीसीसी टूल के लिए अंर्तवस्तु को भेजने के लिए प्लगइन को शाामिल करता है। एडिटर एक साधारण उपयोगकर्ता के सहज ज्ञान के रुप में इस्तेमाल के लिए है। डब्ल्यूवाईएसआईडब्ल्यूआईजी अंतरफलक का प्रयोग कर प्रत्येक कोमेट अनुकरण दृश्य का निर्माण किसी निदेशक के मार्गदर्शन में किया जा सकता है। इसका प्रोग्रोमिंग भाग उच्च स्तरीय अंकन में घट जाएगा।

टीडीबी ने दिनांक 26 जुलाई, 2012 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 500.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 250.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 मार्च, 2013 तक पूर्ण होना था।

18. मैसर्स रत्नम फार्मास्यूटिकल्स प्राईवेट लिमिटेड, तिरुपति

मैसर्स रत्नम फार्मास्यूटिकल्स प्राईवेट लिमिटेड, तिरुपति ने अपनी परियोजना 'आर्टिमेथर और ल्यूमिफैट्रीन की ओर से निकाले गए 150 मिलिग्राम व 300 मिलिग्राम के टेबलेट्स' के विकास एवं वाणिज्यीकरण हेतु वित्तीय सहायता के लिए टीडीबी से सहायता मांगा।

प्रस्तावित परियोजना आर्टिमेथर और ल्यूमिफैट्रीन की ओर से निकाले गए 150 मिलिग्राम व 300 मिलिग्राम टेबलेट्स जिसमें भौतिक एवं रासायनिक स्थिरता संतोषप्रद है और इसकी पुनर्उत्पादकता समनुरुप है। इसका विकास घरेलु शोध एवं विकास केन्द्र में हुआ था। नया मलेरिया विरोधी इलाज आर्टिमेथर और ल्यूमिफैट्रीन की ओर से निकाले गए 150 मिलिग्राम व 300 मिलिग्राम के टेबलेट्स संयुक्त उत्पाद है। संशोधित जारी सूत्रीकरण रोगी को इलाज को पूरी तरह पालन करने में मदद करता है। इस तरह का सूत्रीकरण रोग के इलाज में नए औजार की तरह काम करता है। ईआर जारी फॉर्मुलेशन दो संयुक्त दवाओं के फार्माकोकिनेटिक्स को अनुकूल बना सकती है और वैश्विक बाजार में नए चिकित्सकीय उत्पाद के रुप में अग्रणी बन सकता है।

टीडीबी ने दिनांक 1 अगस्त, 2012 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 1730.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 865.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 30 अप्रैल, 2013 को पूर्ण होगा।

19. मैसर्स पावा सॉफ्टवेयर प्राईवेट लिमिटेड, बैंगलोर

मैसर्स पावा सॉफ्टवेयर प्राईवेट लिमिटेड, बैंगलोर ने अपनी परियोजना 'कॉरपोरेट सिक्योरिटी पॉलिसी युक्त गुप्त बक्से के जरिए इलेक्ट्रॉनिक फाईल/डाटा की सुरक्षा' के लिए नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी के विकास एवं वाणिज्यीकरण हेतु वित्तीय सहायता के लिए टीडीबी से सहायता मांगा।

कंपनी ने पावाफाईल पेश किया है। यह फाईल लेवल पर किसी भी तरह के मालिकाना और विरासत फाइल को समेट सकती है और इसमें खुफिया तरीके की अग्रिम सुरक्षा नत्थी है। यह इस बात को भी सुनिश्चित करती है कि फाईल पूरी तरह वैध मालिक के नियंत्रण में है और अगर कभी कोई खतरा पैदा होता है तो इसे जल्दी से समाप्त कर दिया जाता है और फाईल की भी बहाली कर दी जाती है। यह पूरी तरह सुरक्षा नीतियों को व्यापक स्तर पर लागू करती है। पावाफाईल नत्थी सूचना और खुफिया सुरक्षा वाला अपनी तरह का पहला और एकमात्र फाईल फॉरमेट है। यह किसी भी फाईल को सहजता से समेट लेता है जिसकी अंर्तनिहित सामग्री कूटदार होती है। यह अधिकृत उपभोक्ता के लिए ही एक सीमित समय के लिए निश्चित स्थान पर खुलता है। इसके लिए कोई कि मैनेजमेंट प्रोटोकॉल की जरुरत नहीं पड़ती। पावाफाईल का प्रारंभ में वाणिज्यीकरण इसकी प्रमुख तकनीकी नाम प्लसपावा से की जाएगी। प्लसपावा एक प्रमुख सूचना सुरक्षा समाधान प्रदान करने वाली, पावा की एक तकनीक है जो सुरक्षा बाजार में पारंपरिक सोच को फिर से परिभाषित करेगी। प्लसपावा को परिभाषित, उद्योग सूचना सुरक्षा मानक के रुप में की जा सकती है जो सुरक्षा प्रशासक द्वारा एक कंपनी में किसी भी तरह का डिजायन किए गए, तैनात और प्रबंधित सूचना सुरक्षा समाधान को सरल बनाती है।

2) The editor is an authoring tool configuring the simulation components exposed by the engine. It also includes plugins for DCC tool like 3DSMax to export content in an engine specific format. The editor is meant to be used in an intuitive manner by a non-expert. Under the guidance of an instructional designer, each COMET simulation scenario will be built using a WYSIWIG interface. The programming part will be reduced to high level scripting.

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 250.00 lakh out of total project cost of Rs. 500.00 lakh under an agreement signed on 26th July 2012. The project was to complete by 31st March 2013.

18. M/s Rathnam Pharmaceuticals Pvt. Ltd., Tirupathi

M/s Rathnam Pharmaceuticals Private Limited, Triupathi (A.P) approached TDB for financial assistance for its project titled "Development and Commercialization of ARTEMETHER and LUMIFATRINE EXTENDED RELEASE TABLESTS 150mg/300 mg".

The proposed product is ARTEMETHER and LUMIFATRINE EXTENDED RELEASE TABLETS 150 mg/ 300 mg tablets containing satisfactory physical and chemical stability and consistent reproducibility was developed by in-house R&D Centre.Novel anti-malarial therapy ARTEMETHER and LUMIFATRINE EXTENDED RELEASE TABLETS 150 mg/ 300 mg combined products. A modified release formulation could help the patients to strictly adhere to therapy such a formulation represent a novel tool for disease treatment.ER release formulation could optimize the pharmacokinetics of the two combined drugs and lead novel therapeutic products for the global market.

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 865.00 lakh out of the total project cost of Rs. 1730.00 lakh under an agreement signed on 1stAugust, 2012. The project is due for completion by 30th April, 2013.

19. M/s Pawaa Software Pvt. Ltd., Bangalore

M/s Pawaa Software Pvt. Ltd., Bangalore approached TDB for financial assistance for its project titled "Development and commercialization of innovative technologies for electronic file/data security through encrypted container with embedded corporate securities policies".

The company has introduced pawaaFILE – a file format that wraps around any, proprietary or legacy file format and embeds advanced security intelligence at the file level to enforce comprehensive security policies and ensures that the files are under the perpetual control of owner to protect against end user triggered threats and also rapidly recover and stop leaks. pawaaFILE is first of its kind and ONLY file format meant for embedding information security intelligence right into the file as a wrapper around any native file format, where the underlying content is encrypted. It opens only for authorized users at authorized locations for the permitted time period and without any 'Key Management' protocols. The primary vehicle for commercializing pawaaFILE will be through company's flagship technology abstraction called PLUSPawaa. PLUSPawaa is the flagship information security solution from Pawaa to redefine the conventional approach in the security marketplace. PLUSPawaa is defined as the enterprise information security standard that will simplify the way information security solutions are designed, deployed and managed by IT/Security administrators within enterprises.

स्वतंत्र रुप से सॉफ्टवेयर विकसित करने वाले उद्योग को जो समाधान पेश कर रहे हैं वे सीधे तौर पर उनकी सुरक्षा जरुरतों को संबोधित नही करते। प्लसपावा स्वतंत्र सॉफ्टवेयर में मौजूद सुरक्षा दरार को संबोधित करता है। यह डाटा की सुरक्षा करता है और उद्योग एप्लिकेशन के लिए स्वतंत्र रुप से सॉफ्टवेयर विकसित करने वालो को डाटा की रक्षा के लिए सूचना सुरक्षा समाधान का विशाल अवसर प्रदान करता है।

टीडीबी ने दिनांक 23 अगस्त, 2012 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 686.07 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 250.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 मार्च, 2013 को पूर्ण होना था।

20. मैसर्स काविया कार्बन्स (चेन्नई) प्राईवेट लिमिटेड, तिरुपुर, तमिलनाडु

मैसर्स काविया कार्बन्स (चेन्नई) प्राईवेट लिमिटेड, तिरुपुर, तमिलनाडु ने अपनी परियोजना 'ऑटो कैनिस्टर कार्बन' के विकास एवं वाणिज्यीकरण हेतु वित्तीय सहायता के लिए टीडीबी से सहायता मांगा।

ऑटो कैनिस्टर एक ऐसा डिवाइस है जो मोटर वाहनों के इंजन खंड में होता है। यह पेट्रोल वाष्प को पकड़कर इसे रीसाईकल करके पूरी दक्षतापूर्वक जलाता है। यह मोटर वाहन निर्माताओं को कठोर वातावरणीय नियमों की चुनौतियों का सामना करने में मदद करता है।

टीडीबी ने दिनांक 30 अक्टूबर, 2012 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 1976.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 615.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 1 अक्टूबर, 2013 को पूर्ण होगा।

21. मैसर्स नोशन इंक डिजायन लैब्स प्राईवेट लिमिटेड, बैंगलोर

मैसर्स नोशन इंक डिजायन लैब्स प्राईवेट लिमिटेड, बैंगलोर ने अपनी परियोजना 'मल्टी-एप्लिकेशन टच कम्प्यूटिंग हैंड हेल्ड डिवाइस' हेतु वित्तीय सहायता के लिए टीडीबी से सहायता मांगा।

एडम II एक उच्च क्षमता, एआरएम आधारित टच कम्प्यूटिंग टैबलेट है जिसे भारत में स्कैच से डिजाइन एवं विकसित किया गया है। दूसरे अन्य ओईएम की तरह इसका मुख्य इंजीनियरिंग न तो बाहर से मंगाया गया है और न ही व्हाईड लेबल्ड है, एडम II डिवाइस नोशन इंक द्वारा दो साल के प्रतिबद्ध शोध और इंजीनियरिंग प्रयास का प्रतिफल है जो भारत में उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के लिए जटिल बोर्ड डिजायन के लिए उच्च तकनीक वाला आईपी प्रदान करने का वचन देता है। एडम II अपने तरह का विश्व का पहला टच कम्प्यूटिंग हैंड हेल्ड डिवाइस है। एडम II का डिजाइन स्कैच से अत्यंत ही माड्यूलर तरीके से किया गया है। इसे कई तरह की विशेषताओं के साथ कन्फिगर किया जा सकता है। इस नवीन साच की प्रेरणा डेस्कटॉप मार्केट से मिली जहां उपभोक्ता तय करते हैं कि उन्हें उनके उत्पाद में कौन सी विशेषता चाहिए।

टीडीबी ने दिनांक 14 फरवरी, 2013 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 1549.31 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 650.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 30 सितम्बर, 2013 को पूर्ण होगा।

22. मैसर्स ख्याथाअभिजीत फार्मा एंड हेल्थकेयर सिस्टम्स प्राईवेट लिमिटेड, विशाखापत्तनम

मैसर्स ख्याथाअभिजीत फार्मा एंड हेल्थकेयर सिस्टम्स प्राईवेट लिमिटेड, विशाखापत्तनम ने अपनी परियोजना ''डियासेन्स' (मधुमेह स्नायु विकृति निदान)' के विकास एवं वाणिज्यीकरण हेतु वित्तीय सहायता के लिए टीडीबी से सहायता मांगा।

कंपनी विशाखापत्तनम में ''डियासेन्स'' नामक एक डिवाइस का विकास और निर्माण कर रही है जिससे मधुमेह स्नायु विकास का जल्द पता चल सकता है साथ ही पैरों में विकसित होने वाले अल्सर के बारे में भी पता लगाया जा सकता है। प्रस्तावित उत्पद स्नायु विकृति का पता सब-क्लिनिकल और पूर्व लक्ष्णित स्तर पर ही लगा लेता है, पैरो के अल्सर संभावित क्षेत्र के बारे में भविष्यवाणी करता है जिससे डॉक्टरर्स रोकथाम के उपाय की पहल करने में सक्षम होते हैं जिससे अल्सर बनने, पैरों के सड़न तथा बाद में इसके अंग भंग से बचा जा सकता है। इस डिवाइस के जरिये नियमित जांच से डॉक्टरों को रोग के विकास और निगरानी प्रगति के कारण दीर्घकालीन ग्लाइसेमिक नियंत्रण बना रहता है। स्नायु विकृति की निगरानी प्रगति से इंसुलिन के बदलाव या बढ़ोत्तरी के अनुसार दवा की खुराक में बदलाव किया जा सकता है या कोई दूसरी दवा देने की जरुरत का पता चलता है।

Independent Software developers offering enterprise solutions do not directly address the security requirements of an enterprise. PLUSPawaaadresses the security gaps that exists in these Independent Software to protect the data and enables Independent Software developers of enterprise applications to leverage the huge opportunity to build their products offering Information Security solutions to protect the data.

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 250.00 lakh out of the project cost is Rs. 686.07 lakh under an agreement signed on 23rdAugust, 2012. The project was due for completion by 31st March, 2013.

20. M/s Kavia Carbons (Chennai) Pvt. Ltd., Tirupur, Tamilnadu

M/s Kavia Carbons (Chennai) Private Limited, Tirupur, Tamilnadu approached TDB for financial assistance for its project titled "Development and Commercialization of Auto canister Carbon". The company used high BWC to control Evaporative Losses in Petrol Vehicles.

Auto canister is a device located in the engine compartment of an Automobile that captures and recycles the Petrol vapors and burns them efficiently. This will help Automobile manufacturers meet challenges of stricter environmental regulations.

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 615.00 lakh out of the total project cost of Rs. 1976.00 lakh under an agreement signed on 30th October, 2012. The project is due for completion on 1st October, 2013.

21. M/s Notion Ink Design Labs Pvt. Ltd., Bangalore

M/s Notion Ink Design Labs Pvt. Ltd., Bangalore approached TDB for financial assistance for its project titled "Multi-Application Touch Computing Hand held Device".

Adam II is a high end, ARM based touch computing tablet designed and developed from scratch in India. Unlike other OEMs where the core engineering is either outsourced or white-labeled, Notion Ink's Adam II device has had 2 years of dedicated research and engineering efforts which promises to catalyze and bring hi-tech IP for Complex Board Design for Consumer Electronic Products in India. Adam II is the first of its kind of touch computing hand held device in the world. Adam II is designed from scratch in an extremely modular fashion, where it can be configured to various specifications. This innovative approach was inspired from the desktop markets where consumers decided what features they wanted in the products.

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 650.00 lakh out of total project cost of Rs. 1549.31 lakh under an agreement signed on 14th February 2013. The project is due for completion by 30th September 2013.

22. M/s KhyathaAbhijith Pharma & Health-care Systems Pvt. Ltd., Visakhapatnam

M/s KhyathaAbhijith Pharma & Health-Care System Pvt. Ltd. Vishakhapatnam approached TDB for financial assistance for its project titled "Development and Commercialization of 'Dia-Sense' (an instrument for Diagnosing Diabetic Neuropathy)"

The company is setting up a facility for developing and manufacturing "Diasense", a device for early detection of diabetic neuropathy and predicting foot ulcer development, at Visakhapatnam. The proposed product detects the neuropathy at sub clinical and pre-symptomatic level, predicts ulcer prone zones on the feet which enables the physician to initiate preventive measures so as to avoid ulcer formation, gangrene development or amputation. Regular screening with this device enables a physician to understand the progression of the disease and also the long term glycemic control via monitoring progression of neuropathy which indicates poor glycemic control owing to inadequate medication or drug resistance indicating shift to insulin or increase in dosage of medication or addition of another drug.

ऋण करार का आदान प्रदान करते मैसर्स ख्याथाअभिजीत फार्मा एंड हेल्थकेयर सिस्टम्स प्राईवेट लिमिटेड, विशाखापत्तनम के प्रबंध निदेशक, श्री पी. एस. एन. राजू

टीडीबी ने दिनांक 4 मार्च, 2013 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 805.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 247.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 मार्च, 2014 को पूर्ण होगा।

23. मैसर्स सेन्जाईम लिमिटेड, हैदराबाद

मैसर्स सेन्जाईम लिमिटेड, हैदराबाद ने अपनी परियोजना 'नैनो डोसेज फॉर्म में नॉवेल गोनाडोट्रॉपिन' के विकास एवं वाणिज्यीकरण हेतु वित्तीय सहायता के लिए टीडीबी से सहायता मांगा।

नैनो डॉजेस में नॉवेल गोनाडोट्रॉपिन के उत्पाद प्राकृतिक मूल के हैं और इसमें लायोफिइजेशन तकनीक की जरुरत होती है। अंतरराष्ट्रीय और भारतीय बाजार के लिए कंपनी ने एकल खुराक और बाजार मिश्रण के निरुपण के लिए एक ट्रेडमार्क प्रक्रिया विकसित की है जो लाईगोटेक के नाम से जाना जाता है।

टीडीबी ने दिनांक 21 मार्च, 2013 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 4080.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 500.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 दिसम्बर, 2013 को पूर्ण होगा।

24. मैसर्स सैमिक्स रिसर्च मैटेरियल प्राईवेट लिमिटेड, बरेली, यूपी

मैसर्स सैमिक्स रिसर्च मैटेरियल प्राईवेट लिमिटेड, बरेली, यूपी ने अपनी परियोजना 'फ्यूल सेल्स और थर्मल बैरियर कोटिंग्स जैसे उपयोग के लिए उच्च व उच्चतर कोटि की शुद्धता वाले उन्नत सेरेमिक ऑक्साइड' के विर्निमाण हेतु वित्तीय सहायता के लिए टीडीबी से सहायता मांगा।

भारत में पहली बार अपने तरह की परियोजना लगाकर, कंपनी उच्च शुद्धता वाली एकल और बहुघटक धातु सेरेमिक ऑक्साइड का पाउडर बनाना चाहती है। (उदाहरण के तौर पर : एलएसएम, सीजीओ, एनआई-सीजीओ, वाईएसजेड, एएलटीआई, बीएटीआई, एमजीएआई, एमएनसीओ एवं कई अन्य ऑक्साइड) समाधान आधारित प्रक्रिया के जरिये कंपनी परा-उच्च शुद्धता वाले सेरेमिक ऑक्साइड बनाने के लिए अति आधुनिक सेटअप लगाना चाहती है।

"Exchanging the Loan Agreement with Shri P.S.N Raju, Managing Director, M/s KhyathaAbhijith Pharma & Health-Care System Pvt. Ltd. Vishakhapatnam"

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 247.00 lakh out of the total project cost of Rs. 805.00 lakh under an agreement signed on 4th March 2013. The project is due for completion by 31st March 2014.

23. M/s Sanzyme Ltd., Hyderabad

M/s Sanzyme Limited, Hyderabad approached TDB for financial assistance for its project titled**"**Development & Commercialization of Novel Gonadotropin in Nano-Dosage Forms".

Novel Gonadotropin in Nano dosages product are of natural origin and require specialized lyophilization techniques. The company has developed a trademarked process known as LYGOTECH for formulating single low dosages and market combination formulations catering to Indian as well as international fertility market.

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 500.00 lakh out of total project cost of Rs. 4080.00 lakh under an agreement signed on 21st March, 2013. The project is due for completion on 31st December, 2013.

24. M/s Samics Research Materials Pvt. Ltd., Bareilly, UP

M/s Samics Research Materials Pvt. Ltd., Bareilly, UP approached TDB for financial assistance for its project for setting up a facility for "Scale-Up Manufacturing of Advanced Ceramic Oxides in Ultra-High Purity Grade for Applications such as Fuel Cells, Thermal Barrier Coatings and Research".

The Company intends to manufacture high purity single and multi-component metal/ceramic oxide powders (e.g. LSM, CGO, Ni-CGO, YSZ, AlTi, BaTi, MgAl, MnCo and many other oxides) by setting up a first of its kind facility in India - a state-of-the-art manufacturing for ultra-high purity ceramic oxides via solution-based processing.

एडवांस्ड सेरेमिक वैसे पदार्थ हैं जिनके मैक्रो और स्टोइचोमेटरी संरचना को नियंत्रित कर इसके अपवाद गुण को बनाए रखने को अनुकूल बनाया जा सकता है। (सुपिरियर मैकेनिकल गुण, संक्षारण/ऑक्सीडेशन प्रतिरोधी, थर्मल, विद्युतीय, ऑप्टिकल एवं चुम्बकीय गुण) दूर संचार, ऊर्जा संरक्षण और भंडारण इलेक्ट्रॉनिक्स और मोटर वाहन प्रमुख तकनीक के लिए ये पदार्थ अभिन्न हैं।

ऋण करार का आदान प्रदान करते मैसर्स सैमिक्स रिसर्च मैटेरियल प्राईवेट लिमिटेड, बरेली, यूपी के प्रबंध निदेशक, श्री अनुभव जैन

टीडीबी ने दिनांक 22 मार्च, 2013 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 116.90 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 46.35 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 दिसम्बर, 2013 को पूर्ण होगा।

25. मैसर्स वेम टेक्नोलॉजिज प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद

मैसर्स वेम टेक्नोलॉजिज प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद ने अपनी घरेलु विकसित तकनीक पर आधारित परियोजना 'आरएफ सीकर्स' का विकास एवं वाणिज्यीकरण हेतु वित्तीय सहायता के लिए टीडीबी से सहायता मांगा।

आधुनिक वायुजनित प्रणाली को हर तरह के मौसम में अपने लक्ष्य को पता लगाने और उसका पीछा करने में सक्षम होना चाहिए। इस तरह के काम आरएफ सेंसर करते हैं, इनका ट्रेड नाम आरएफ अन्वेषक है। अन्वेषक मुख्य रुप से उच्च तकनीक वाला माइक्रोवेव रडार है जो वायुजनित प्रणाली की नोक पर लगा होता है। रैडोम इसको वातावरण के प्रभाव से बचाता है। ये आकार में छोटे और इनका वजन भी कम होता है। ये अन्वेषक जटिल होते हैं साथ ही अलग-अलग वायुजनित प्रणाली में जगह, वजन, गति संबंधी बाधा को देखते हुए बड़े ही विशिष्ट रुप से निर्मित होते हैं।

Advanced ceramics are materials tailored to possess exceptional properties (superior mechanical properties, corrosion/oxidation resistance, thermal, electrical, optical and magnetic properties) by controlling their stoichiometry and micro structure. These materials have become integral to key technologies such as communications, energy conversion and storage, electronics and automation.

"Exchanging the Loan Agreement with Shri Anubhav Jain, Managing Director, M/s Samics Research Materials Pvt. Ltd., Hyderabad"

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 46.35 lakh against the total project cost of Rs. 116.90 lakh, under an agreement signed on 22nd March, 2013. The project is due for completion by 31st December, 2013.

25. M/s VEM Technologies Pvt. Ltd., Hyderabad

M/s VEM Technologies Private Limited, Hyderabad approached TDB for financial assistance for its project for 'Development and commercialization of RF Seekers' based on technology developed in-house by the company.

Modern airborne systems need all weather, fire & forget capability in detecting and tracking a target. These functions are performed by RF sensor which is called by trade-name RF seeker. The Seeker is essentially a high-tech Microwave radar mounted on the nose of an air borne system with Radome providing environmental protection to it. These are compact in size and less in weight. These seekers are complex in nature and highly customized to meet the stringent space, weight and dynamic constraints of different air borne systems.

ऋण करार का आदान प्रदान करते मैसर्स वेम टेक्नोलॉजिज प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद के प्रबंध निदेशक, श्री वी. वेंकट राजू

टीडीबी ने दिनांक 22 मार्च, 2013 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 5900.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 2500.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 30 सितम्बर, 2014 को पूर्ण होगा।

Exchanging the Loan Agreement with Shri V. Venkata Raju, Managing Director, M/s VEM Technologies Pvt. Ltd, Hyderabad

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 2500.00 lakh out of total project cost of Rs. 5900.00 lakh under an agreement signed on 22nd March, 2013. The project is due for completion by 30th September, 2014.

वर्ष 2012-13 के दौरान जारी किए गए उत्पाद / सम्पन्न परियोजनाएं

वर्ष दौरान टी डी बी से वित्तीय सहायता के साथ जारी किए गए उत्पादों / सम्पन्न की गई परियोजनाओं का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है :-

स्योरवेव्स मीडिया कन्वर्जेंस सॉल्यूशन्स

मैसर्स स्योरवेव मीडिया टेक प्राईवेट लिमिटेड, बैंगलोर ने स्योरवेव्स मीडिया कन्वर्जेंस सॉल्यूशन्स के वाणिज्यीकरण की परियोजना का कार्यान्वयन किया।

परियोजना मीडिया संबंधी समाधान प्रदान करती है जिनसे विविध स्त्रोतों से डिजिटल कंटेंट्स के संकलन व उनके लोकल टीवी, डिजिटल स्क्रीन (घर के बाहर), डेस्कटॉप स्क्रीन आदि जैसे विभिन्न डिजिटल माध्यमों में उनके निर्धारित हस्तांतरण में सहायता मिलती है। विविध उत्पाद/समाधान जो कि कंपनी प्रदान करती है उनमें विभिन्न डिजिटल माध्यमों में विषय/संदेशों के लक्षित हस्तांतरण के लिए मीडिया ग्रिड व विविध उत्पाद शामिल है। ये उत्पाद/समाधान 39 भारतीय पेटेंट्स व 23 पीसीटी पेटेंट एप्लीकेशन के अंतर्गत आते हैं।

स्योरवेव्स मीडियास्टेशन - एक एज डिवाइस जोकि स्योरवेव्स मीडियाग्रिड से जोड़ता है।

स्योरवेव्स मैनेज्ड डिजिटल डिस्प्ले नेटवर्क

Products Released / Projects Completed During 2012-13

The brief profile of products released / projects completed during the year with the financial assistance from TDB is given below:

SureWaves Media Convergence Solutions

M/s Surewaves Media Tech Private Limited, Bangalore have implemented the project for commercialization of SureWaves Media Convergence Solutions.

Project offers media convergence solutions to support aggregation of digital contents from multiple sources and their deterministic delivery across different digital mediums like local TV, digital out of house screens, desktop screens, etc. The various convergence products/solutions being offered by the company include a 'Media Grid' and diverse products for targeted delivery of text/ messages etc across different digital mediums. These products/ solutions are covered by 39 Indian patents and 23 PCT patent applications.

SUREWAVES MEDIASTATION – AN EDGE DEVICE THAT CONNECTS TO SUREWAVES MEDIAGRID

SUREWAVES MANAGED DIGITAL DISPLAY NETWORK

टीडीबी ने दिनांक 22 जूलाई, 2010 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 2110.90 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 490.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया था। परियोजना 31 जुलाई, 2012 को पूर्ण हो गया।

सिस्टम डिजाइन सॉल्यूशन्स फॉर ऑटोमोटिव इलेक्ट्रोनिक्स, कंज्यूमर इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्यूनिकेशन एंड नेटवर्किंग डिवाईस

मैसर्स सांख्या टेक्नोलॉजिज प्राईवेट लिमिटेड, चेन्नई ने सांख्या टेरेप्टर[टीएम] का उपयोग कर अपनी परियोजना 'सिस्टम डिजाइन सॉल्यूशन्स फॉर ऑटोमोटिव इलेक्ट्रिोनिक्स, कंज्यूमर इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्यूनिकेशन एंड नेटवर्किंग डिवाईस' का कार्यान्वयन किया।

उत्पाद का उद्देश्य उपर्युक्त अनुप्रयोगों के लिए पूर्ण प्रकारीत गैर सतही व तैयार व अंतःस्थापि डिजाइन का उपयोग करना है। टैरेप्टर की खास विशेषता इसकी 'यूनिफाईड मॉलड ड्रिवेन' प्रोसेसर टेक्नोलॉजी है जो किसी कार्य की निरर्थकता व नकल को दूर कर प्रोसेसर की मौजूद मॉडल से तुलना, सभी डिजाइन के स्वतः कार्यकलापों के लिए एकल मॉडल के प्रयोग को सक्षम बनाता है। इसके विकास से अप्रतीम समाधान प्राप्त होता है जिससे सॉफ्टवेयर के विकास के साथ साथ नये प्रोसेसर को तुरंत डिजाइन करना आसान हो जाता है। इससे समय की बचत होती है और डिजाइन करने की सिस्टम लागत घट जाती है।

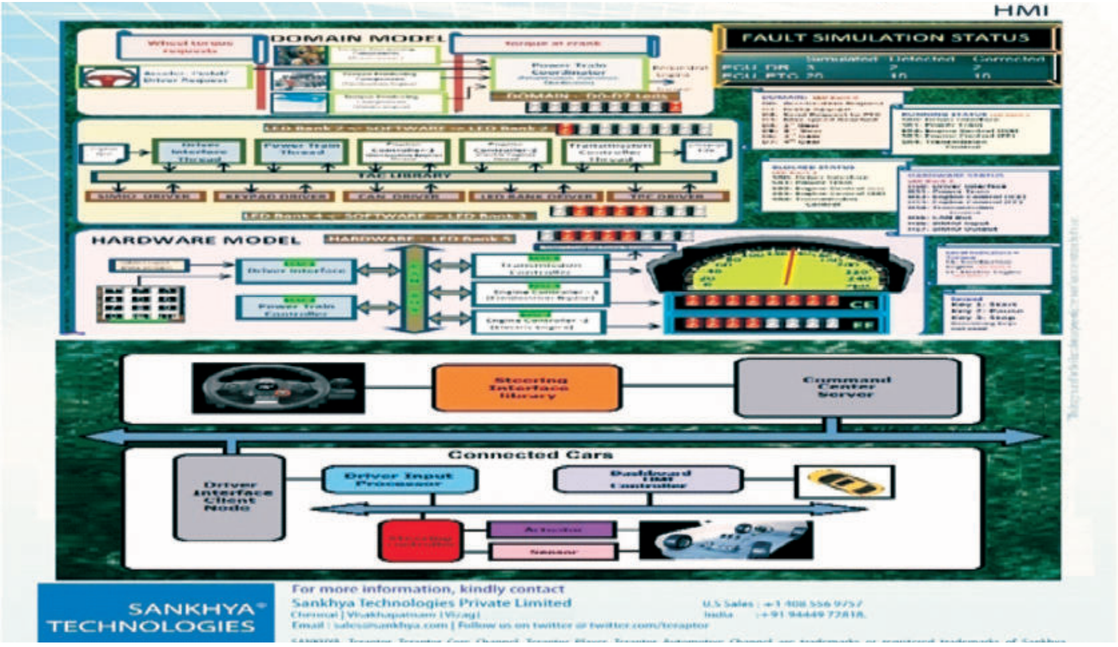

सांख्या टेरेप्टर

टीडीबी ने दिनांक 27 नवम्बर, 2009 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 754.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 238.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया था। परियोजना 30 जून, 2012 को पूर्ण हो गया।

वर्चुअल रिएलिटी बेस्ड स्किल ट्रेनिंग सिम्यूलेटर (कोमेट सिम्यूलेटर)

मैसर्स वर्चुअल लॉजिक सिस्टम्स प्राईवेट लिमिटेड, बैंगलोर ने 'सम्पूर्ण इंडस्ट्री के मैंटेनेन्स इंजीनियर्स के स्किल डेवलपमेंट को लक्ष्य करके विकसित किया गया वर्चुअल रियलिटी बेस्ड स्किल ट्रेनिंग सिम्यूलेटर (कोमेट सिम्यूलेटर)' के विकास और वाणिज्यीकरण की परियोजना का कार्यान्वयन किया।

TDB had sanctioned a loan assistance of Rs. 490.00 lakh out of total project cost of Rs. 2110.90 lakh under an agreement signed on 22nd July, 2010. The project was completed on 31st July 2012.

System Design Solutions for automotive electronics, consumer electronics and communication and networking devices

M/s Sankhya Technologies Private Ltd., Chennai have implemented the project for “development and commercialization of System Design Solutions for automotive electronics, consumer electronics and communication and networking devices using Sankhya Teraptor™”.

The product is intended to create fully functional, non-trivial ready to use embedded designs for above applications. The specific feature of Teraptor is its ‘Unified Model Driven’ processor technology which enables the use of single set of model for all design automation activities, eliminating redundancy and duplication of work as compared to the existing model of a processor. The development provides unique solution which allows new processors to be designed quickly alongwith software development. This saves time and reduces cost of designing systems.

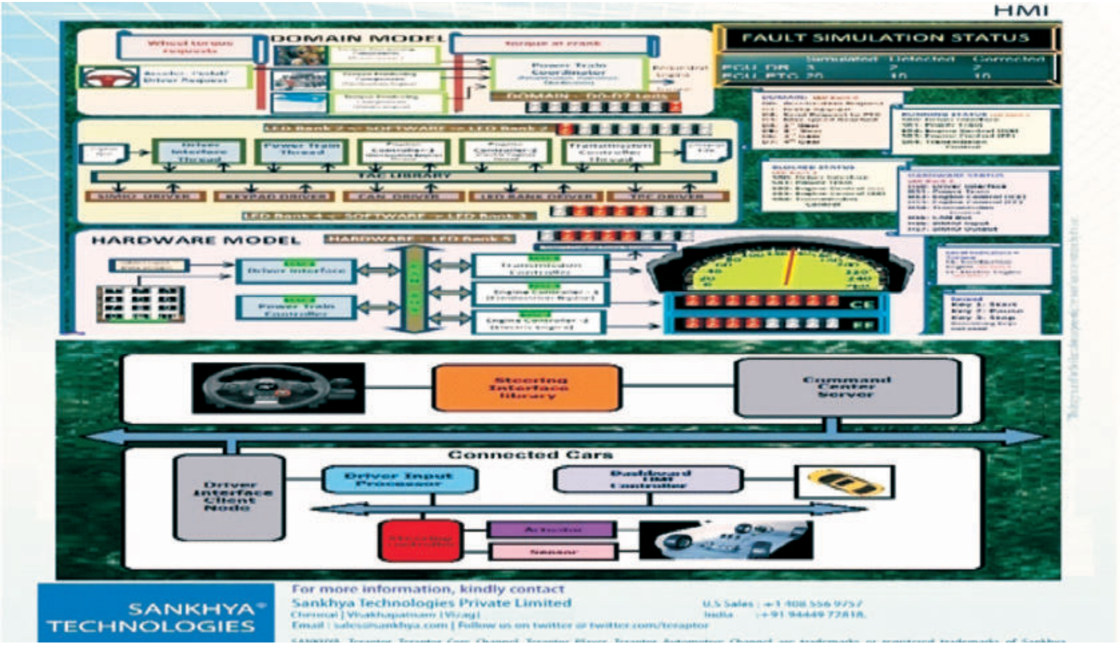

SANKHYA TERAPTOR

TDB sanctioned a loan assistance of Rs. 238.00 lakh out of the total project cost of Rs. 754.00 lakh under an agreement signed on 27th November, 2009. The project was completed on 30th June, 2012.

Virtual reality based skills training SIMULATOR (COMET SIMULATOR)

M/s Virtual Logic Systems Private Limited, Bangalore have implemented the project for development and commercialization of virtual reality based skills training SIMULATOR (COMET SIMULATOR), aimed at the skill development of maintenance technicians across industries.

कंपनी ने कोमेट सिम्यूलेटर हार्डवेयर में तैनात किए जा सकने वाले एडिटर और इंजन के साथ कोमेट सिम्यूलेटर सॉफ्टवेयर विकास एवं वाणिज्यीकरण किया। कोमेट सिम्यूलेटर, जोड़ों के ऑपरेशन करने वाले कर्मचारियों के प्रशिक्षण और मशीनों तथा अलग-अलग उपकरणों की देशभाल और विघ्ननिवारण में प्रयोग होता है। सिम्यूलेटर का प्रयोग उपयोगकर्ता को विशिष्ट उद्देश्य, ज्ञान प्राप्ति और कौशल वर्धन के लिए पकड़ने और उसे काम में लगाने में होता है। इस परियोजना मे एसआईएमएलिव प्लेटफॉर्म का विकास शामिल था, जो ग्राहक केन्द्रित एप्लिकेशन के विकास में मदद करता है और जिसका विकास डेस्कटॉप/ क्योस्क या वीआर हार्डवेयर सेटप पर किया जा सकता है। एसआईएमएलिव प्लेटफॉर्म को इस तरह सामान्य रुप से बनाया गया है कि इसे सभी कोमेट की कार्यक्षमताओं से सभी आभासी तर्क प्रणाली कार्यक्षेत्र (ड्राइविंग, रक्षा, दृश्यांकन और चिकित्सा) में मापा जा सकता है।

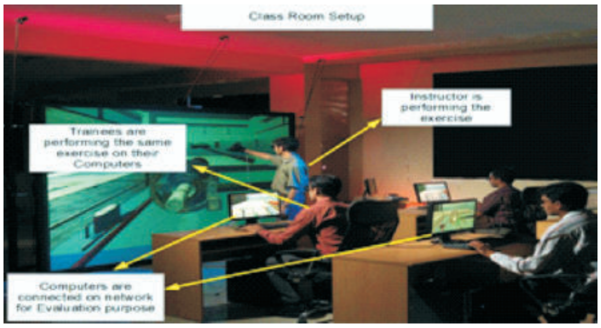

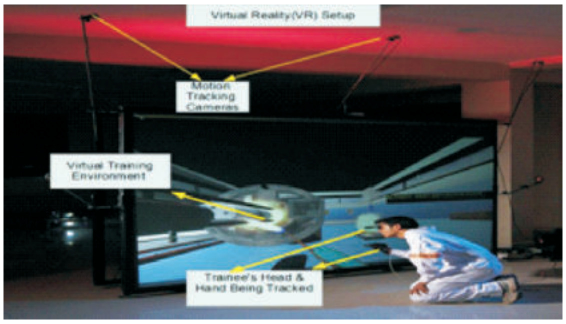

कोमेट सिम्यूलेटर - वर्चुअल लॉजिक

टीडीबी ने दिनांक 26 जूलाई, 2012 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 557.63 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 250.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया था। परियोजना 31 मार्च, 2013 को पूर्ण हो गया।

रोक्यूरोनियम ब्रोमाईड

मैसर्स ग्लैंड केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद ने 'रेक्यूरोनियम ब्रोमाईड निर्माण' के तकनीक के वाणिज्यीकरण की परियोजना का कार्यान्वयन किया।

इस परियोजना का उद्देश्य 30ए, मालूर में जो कि बैंगलोर से 40 किलोमीटर की दूरी पर है में रोक्यूरोनियम ब्रोमाईड के निर्माण हेतु केन्द्र स्थापित करना था। यह उत्पाद इंजेक्टेबल निर्माणों में एनेस्थीसिया उत्पादों से जुड़ा उपकरण है, इसे प्रमुखता से सभी सर्जरी कार्यों में प्रयोग किया जाता है। रोक्यूरोनियम ब्रोमाईड, एपीआई के उत्पादन तकनीक का विकास इसकी समूह कम्पनी मैसर्स ग्लैंड फार्मा लिमिटेड ने किया है। कंपनी ने इस उत्पाद का निर्माण देश में पहली बार करने का दावा किया है। रोक्यूरोनियम ब्रोमाईड, वेक्यूरोनियम ब्रोमाईड, पैनक्यूरोनियम ब्रोमाईड, पईपक्यूरोनियम ब्रोमाईड इत्यादि जैसे न्यूरो-मस्क्यूलर ब्लॉकिंग एजेंट्स की श्रेणी से संबंधित है। सर्जरी से लेकर ट्रॉमा केयर तक में अस्पताल में न्यूरोमस्क्यूलर ब्लॉकर्स का इस्तेमाल किया जाता है।

टीडीबी ने दिनांक 9 दिसम्बर, 2011 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 1893.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 860.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया था। परियोजना 31 मार्च, 2013 को पूर्ण हो गया।

रियल टाईम वीडियो एनालीटिक्स ओवर वायरलेस आईपी वीडियो सरविलेंस कैमरा सिस्टम

मैसर्स सिल्वन इनोवेशन लैब्स प्राईवेट लिमिटेड, बैंगलोर ने 'वायरलेस आईपी वीडियो सर्विलांस कैमरा सिस्टम पर रियल टाईम वीडियो एनालिटिक्स के निर्माण' के तकनीक के वाणिज्यीकरण की अपनी परियोजना को कार्यान्वित किया।

The company developed & commercialized the COMET simulator software along with editor and engine which can be deployed on the COMET simulator hardware. The COMET Simulator is used for training personnel on the Construction, Operation, Maintenance and Troubleshooting aspects of different equipment or machinery. The Simulator is used to captivate and engage end users for specific purposes: acquire knowledge and/ or enhance skills. The project included development of SIMAlive platform which helps in development of customer specific applications that can be deployed on desktop / Kiosk or VR hardware setup. The SIMAlive platform is built in a generic way such that it can scale from Comet functionalities to all Virtual Logic Systems verticals (driving, defense, visualization and medical).

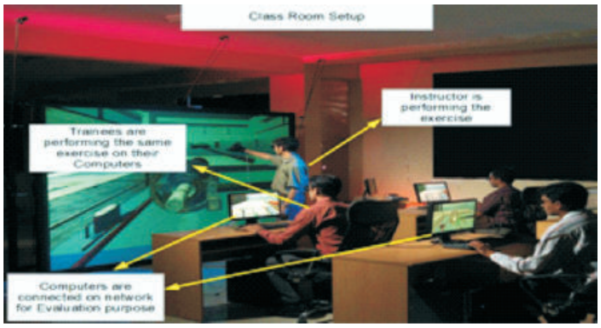

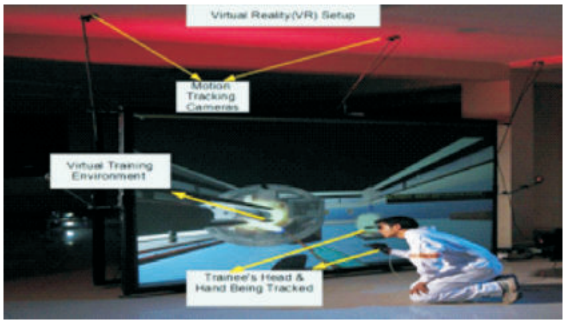

COMET SIMULATOR -VIRTUAL LOGIC

TDB had sanctioned a loan assistance of Rs. 250.00 lakh out of total project cost of Rs. 557.63 lakh under an agreement signed on 26th July, 2012. The project was completed by 31st March 2013.

Rocuronium Bromide

M/s Gland Chemicals Private Limited, Hyderabad have implementd the project for commercialization of technology for "Manufacture of Rocuronium Bromide".

The project envisaged for setting-up a facility at Malur (about 40 km from Bangalore) for production of Rocuronium Bromide API. The product is an adjunct to anesthesia products in injectable formulations and extensively used in all surgeries. The technology for the production of Rocuronium Bromide, API has been developed by its group company M/s Gland Pharma Ltd. The company proposed to manufacture the product for the first time in the country. Rocuronium Bromide belongs to steroid class ofneuro-muscular blocking agents like Vecuronium bromide, Pancuronium bromide, Pipecuronium bromide, etc. Neuromuscular blockers are used in hospitals, from surgery to trauma care.

TDB had sanctioned a loan assistance of Rs. 860.00 lakh out of the total project cost of Rs. 1893.00 lakh vide Loan Agreement dated 9th December, 2011. The project completed on 31st March, 2013.

Real Time video analytics over wireless IP video surveillance camera system

M/s Silvan Innovation Labs Pvt. Ltd., Bangalore have implemented the project for "commercialize technology for manufacture of Real Time video analytics over wireless IP video surveillance camera system".

कंपनी ने 2012-13 में गृह सुरक्षा और ऑटोमेशन मार्केट में काफी ज्यादा अतिक्रमण किया है। वे अब इस क्षेत्र में बैंगलोर और मुम्बई के बाजार में प्रमुख बिल्डरों को समाधान कर रहे हैं और उनके ग्राहकों में टाटा हाउसिंग, लोधा शोभा, ब्रिगेड और टोटल इनवायरनमेंट शामिल हैं। ध्रुव कैमराज अपने फंक्शनल व स्मार्ट डिजायन के साथ-साथ उच्च गुणवत्ता प्रदान करता है फिर भी किफायती वीडियो सर्विलांस है। प्रोग्रेसिव स्कैन तकनीक का इस्तेमाल होने पर कैमरों से गतिमान वस्तुओं के प्रतिबिंब धुंधला रहित अर्थात स्पष्ट प्राप्त होते हैं। जरुरत के अनुसार विविध गुणवत्ता के लिए व्यक्तिगत पसंद के अनुसार एक साथ कई कम्प्रेस्ड स्ट्रीम्स प्रदान किये जा सकते हैं। ध्रुव कैमराज इसके अतिरिक्त मोशन डिटेक्शन की क्षमता दर्शाता है जो कि अंधेरे में भी काम करता है। सभी सर्विलांस कैमरे अलग किए जाने वाले मेमोरी एसडी कार्ड पर लोकली रिकॉर्ड होता है। मोशन डिटेक्शन और एप्रोप्रिएट फ्रेम रेट्स, रिजोल्यूशन ओर कंप्रेशन फॉर्मेट्स के संयोजन का इस्तेमाल कर कई सप्ताह के वीडियो कैमरे में रख सकते हैं।

शिव कैमरा के पास रात में फुटेज कैप्चर करने के लिए इन्टिग्रेटेड पैसिव इन्फ्रारेट (पीआईआर) सेंसर साथ में एलईडी लाइटिंग और स्टैंडर्ड सीएमओएस सेंसर है। जैसे ही पीआईआर सेंसर मानव की गति की पहचान करता है, कैमरा चलने लगता है। एलईडी से दृश्य प्रकाशित हो जाता है। इससे स्पष्ट व पूरा रंगीन प्रतिबिंब प्राप्त होता है। शिव की कुछ उपयोगी विशेषताओं में इसका सघन रुप है जो किसी भी उपकरण में लग जाता है, जिसकी रक्षा करना हो, जैसे - तिजौरी, तहखाना, आलमारी आदि अथवा समान गुंबदनुमा घेराव में। ऑपरेशन एनालिटिक्स स्टैक को कार्यान्वित करने पर उससे निम्न शक्ति वाला ऑपरेशन होता है जब मानव की किसी प्रकार के गति की पहचान नही होती है। कैमरा तभी चलता है जब उसे उसके पास में मानव की गति की पहचान होती है। इस दौरान यह बैटरी पर चलता है।

ध्रुव कैमरा - सिलवान इनोवेशन

शिव कैमरा - सिलवान इनोवेशन

टीडीबी ने दिनांक 1 मार्च, 2011 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 1100.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 400.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया था। परियोजना 31 मार्च, 2013 को पूर्ण हो गया।

The company has made tremendous inroads in to the home security and automation market in 2012-13. They are now providing solutions in this space to leading builders in the Bangalore and Mumbai market and their customers include Tata Housing, LodhaSobha, Brigade and Total Environment. The Dhruv Cameras with their functional and smart design offer a high quality yet affordable video surveillance solution. Using progressive scan technology, the cameras provide images of moving objects without motion blur. Multiple compressed streams can be provided simultaneously, individually optimized for different quality needs. The Dhruv cameras additionally feature the ability for motion detection which works well even in the dark. All surveillance is recorded locally on the camera on a removable Memory SD card. Using the combination of motion detection and appropriate frame rates, resolutions and compression formats, weeks of video can be stored on the camera.

The Shiv Camera has an integrated Passive Infrared (PIR) sensor along with LED lighting, and a standard CMOS sensor, to capture footage at night. As soon as the PIR sensor detects human motion, the camera is triggered into operation. The LED lights the scene. This produces clear, full-colour images. Some of Shiv's useful features include a compact form to fit into any equipment to be protected – such as, safes, vaults, wardrobes, etc. – or into an analogue dome enclosure. Operation analytics stack implemented that enables low-power operation when no human motion is detected. The camera wakes up only when it detects human movement within its range. This lets it run on batteries.

DHRUV CAMERA

SHIV CAMERA

TDB had sanctioned a loan assistance of Rs. 400.00 lakh out of the total project cost of Rs. 1100.00 lakh vide Loan Agreement dated 1st March, 2011. The project completed on 31st March, 2013

परियोजना प्रस्तावों को संशोधित करना

टीडीबी से ऋण सहायता की अपेक्षा रखने वाली औद्योगिक इकाई को एक निर्धारित प्रपत्र में आवेदन जमा करना होता है। टीडीबी वर्ष भर आवेदन प्राप्त करता है। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की वित्तीय सहायता के लिए निर्धारित और अन्य विवरण 'परियोजना वित्त व्यवस्था दिशा निर्देश' पुस्तिका में उपलब्ध कराया गया है जो कि टीडीबी द्वारा नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाता है। संबंधित उद्योग अथवा उद्यमी / प्रोत्साहक आवेदन का प्रपत्र टीडीबी की वेबसाईट www.tdb.gov.in से प्राप्त कर सकता है।

वर्ष 2012-13 में प्राप्त आवेदन

टीडीबी ने वर्ष 2012-13 के दौरान औद्योगिक संस्थानों से 65 आवेदन प्राप्त किया।

राज्य-वार प्राप्त आवेदन

65 आवेदनों का राज्यवार वितरण निम्नलिखित है:-

(करोड़ रु. में)

	राज्य/संघ शासित प्रदेश	आवेदनों की संख्या	कुल लागत	टीडीबी से मांगी गई सहायता
1	आंध्र प्रदेश	12	320.30	103.30
2	दिल्ली	5	90.80	28.38
3	गुजरात	2	122.31	19.33
4	हरियाणा	2	24.75	20.14
5	कर्नाटक	14	174.91	72.82
6	केरल	1	4.09	2.00
7	महाराष्ट्र	11	400.81	139.53
8	उड़ीसा	1	20.00	14.00
9	पंजाब	1	30.00	2.25
10	राजस्थान	2	2.97	1.48
11	तमिलनाडु	10	149.06	80.15
12	उत्तर प्रदेश	3	13.67	6.61
13	पश्चिम बंगाल	1	5.20	2.47
	कुल	**65**	**1358.87**	**492.46**

PROCESSING OF PROJECT PROPOSALS

An industrial concern seeking financial assistance from the Technology Development Board should submit the application in a prescribed format. The format of application seeking financial assistance from Technology Development Board and other details are available in a brochure titled 'Project Funding Guidelines' which is made available free of cost by TDB. TDB receives the applications throughout the year. The industrial concern or the entrepreneur/promoter can also obtain the format of application from the website of TDB i.e. www.tdb.gov.in.

Applications Received in 2012-13

TDB received 65 applications during the year from industrial concerns.

Application Received State-wise

The state-wise distribution of 65 applications is as under:

(Rs. in Crore)

	State / Union Territory	Number of Applications	Total cost	Assistance sounght from TDB
1	Andhra Pradesh	12	320.30	103.30
2	Delhi	5	90.80	28.38
3	Gujrat	2	122.31	19.33
4	Haryana	2	24.75	20.14
5	Karnataka	14	174.91	72.82
6	Kerala	1	4.09	2.00
7	Maharashtra	11	400.81	139.53
8	Orissa	1	20.00	14.00
9	Punjab	1	30.00	2.25
10	Rajasthan	2	2.97	1.48
11	Tamilnadu	10	149.06	80.15
12	Uttar Pradesh	3	13.67	6.61
13	West Bengal	1	5.20	2.47
	Total	**65**	**1358.87**	**492.46**

क्षेत्र-वार प्राप्त आवेदन

टीडीबी द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त किए जाने कि लिए सभी आर्थिक क्षेत्रों से आवेदन प्राप्त होते हैं। क्षेत्र-वार प्राप्त आवेदनों का वितरण नीचे दिया गया है:-

(करोड़ रु. में)

	सेक्टर	आवेदनों की संख्या	कुल लागत	टीडीबी से मांगी गई सहायता
1	कृषि	2	20.22	10.08
2	केमिकल	8	115.92	53.49
3	इलेक्ट्रिकल	6	183.60	53.35
4	ऊर्जा और अपशिष्ट उपयोगिता	4	69.56	14.70
5	इंजीनियरिंग	20	525.23	206.78
6	स्वास्थ एवं चिकित्सा	14	312.10	89.53
7	सूचना प्रौद्योगिकी	10	118.84	59.33
8	टेलीकॉम	1	13.40	5.00
	कुल	**65**	**1358.87**	**492.46**

आवेदकों के प्रकार

वर्ष के दौरान टी डी बी द्वारा प्राइवेट लिमिटेड एवं पब्लिक लिमिटेड कंपनियों इत्यादि से प्राप्त आवेदनों को नीचे की तालिका में देखा जा सकता है:-

(करोड़ रु.में)

श्रेणी	आवेदनों की संख्या	अनुमानित कुल लागत	टीडीबी से मांगी गई सहायता
प्राइवेट लिमिटेड कम्पनियां	54	967.55	377.45
पब्लिक लिमिटेड कम्पनियां	10	365.17	105.06
वैयक्तिक	0	0	0
अन्य	1	26.15	9.95
कुल	**65**	**1358.87**	**492.46**

आवेदनों की प्रारंभिक जांच

प्रारंभिक जांच समिति (आई एस सी) वित्तीय सहायता के लिए प्राप्त आवेदनों को उसके पूर्णता, परियोजना का उद्देश्य एवं प्रौद्योगिकी की स्थिति आदि की दृष्टि से जांच करती है। ऐसी जांच में आवेदक और प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता के साथ विचार विमर्श के साथ - साथ अतिरिक्त जानकारी / विस्तृत विवरण अथवा परियोजना के बारे में संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण शामिल होता है। यदि आवेदक, टी डी बी द्वारा वित्तीय सहायता के लिए निर्धारित मानदण्डों को पूरा नहीं करता है तो उसे तद्नुसार सलाह दी जाती है।

आवेदनों की प्रारंभिक जांच में सहयोग देने वाले वैज्ञानिको की सूची को इस रिपोर्ट के परिशिष्ट में लगाया गया है। टी डी बी उनके प्रति अपना आभार प्रकट करता है।

Applications Received Sector-wise

TDB receives applications seeking financial assistance in all the sectors of the economy. The sector-wise details of receipt of applications are given in the table below:-

(Rs. in Crore)

	Sector	Number of Applications	Total cost	Assistance sounght from TDB
1	Agriculture	2	20.22	10.08
2	Chemical	8	115.92	53.49
3	Electrical	6	183.60	53.35
4	Energy and Waste Utilization	4	69.56	14.70
5	Engineering	20	525.23	206.78
6	Health & Pharma	14	312.10	89.53
7	Information Technology	10	118.84	59.53
8	Telecom	1	13.40	5.00
	Total	**65**	**1358.87**	**492.46**

Profile of Applicants

TDB mainly received applications from private limited companies and public limited companies etc., during the year, as may be seen from the table given below.

(Rs. in Crore)

Category	Number of Applications	Estimated Total Cost	Assistance Sought from TDB
Private Limited Company	54	967.55	377.45
Public Limited Company	10	365.17	105.06
Individuals	0	0	0
Others	1	26.15	9.95
Total	**65**	**1358.87**	**492.46**

Initial Screening of Applications

The Initial Screening Committee (ISC) examines the application received for financial assistance, from the point of view of completeness of the application, objective of the project and status of the technology, etc. Such screening may include preliminary discussions with the applicant and technology provider besides calling for additional information/details or a brief presentation covering the project. If the application does not meet the criteria prescribed for TDB's financial assistance, the applicant is advised accordingly.

The list of experts, who assisted in the Initial Screening of applications, is appended to this report. TDB is thankful to them.

परियोजना मूल्यांकन

परियोजना मूल्यांकन समिति (पीईसी)

आईएससी की सिफारिशों के आधार पर आवेदनों को परियोजना मूल्यांकन समिति (पीईसी) को भेजा जाता है। प्रत्येक परियोजना के लिए उसकी प्रकृति और उत्पादन को ध्यान में रखते हुए पीईसी का गठन किया जाता है और परियोजना के स्वतंत्र मूल्यांकन के लिए टीडीबी के बाहर से संबंधित क्षेत्रों (विज्ञान, तकनीकी एवं वित्तीय) के विशेषज्ञों को इस समिति में शामिल किया जाता है।

विशेषज्ञ (सेवारत अथवा सेवानिवृत्त) सरकारी विभागों, आर एंड डी संगठनों, शैक्षिक संस्थानों, उद्योग संघों, वित्तीय संस्थानों और व्यावसायिक बैंकों के हो सकते हैं। पी ई सी परियोजना स्थल का दौरा करती है। आवेदन को प्रौद्योगिकी प्रदानकर्त्ता सहित वैज्ञानिकी, तकनीक, मार्केटिंग, वाणिज्यिक तथा वित्तीय प्रस्तुतीकरण की विस्तृत जानकारी देने एवं परियोजना एवं कम्पनी से जुड़े मुद्दों पर जानकारी देने का पूरा अवसर दिया जाता है।

उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति (एचएलईसी)

टीडीबी में आर्थिक सहायता हेतु प्राप्त परियोजना प्रस्ताव एक लंबे समय तक लंबित पड़ा रहता है। आईएससी एवं पीईसी से कमेंट्स / इनपुट्स प्राप्त होने में देरी और टीडीबी परियोजना वित्त व्यवस्था दिशा निर्देश पुस्तिका में उद्धृत निर्देशों का सख्ती से पालन करना इसका देरी का मुख्य कारण है।

लंबित एवं आगामी परियोजना प्रस्तावों के मूल्यांकन में तेजी लाने के क्रम में, अध्यक्ष, टीडीबी ने (वर्ष 2011-12 में) इन परियोजना प्रस्तावों के स्वतंत्र मूल्यांकन के लिए एक नामचीन व्यक्तित्व की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति (एचएलईसी), जिसमें कि टी डी बी के बाहर के उस क्षेत्र के ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ (वैज्ञानिक, तकनीकि, शिक्षा, मार्केटिंग एवं वित्तीय) शामिल हैं, का गठन किया।

इस उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति (एचएलईसी) की पहली बैठक डॉ. अनिल काकोदकर, पूर्व-सचिव, भारत सरकार की अध्यक्षता में 23 - 24 जनवरी, 2012 के दौरान मुम्बई में हुई जिसमें कि विशेषज्ञ ग्रुप द्वारा एक साथ 48 परियोजना प्रस्तावों का मूल्यांकन किया गया।

बोर्ड ने 18 फरवरी, 2012 को आयोजित अपनी 49वीं बैठक में उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिती (एचएलईसी) द्वारा परियोजना प्रस्तावों के मूल्यांकन की नई प्रक्रिया पर काफी विचार विमर्श किया। बोर्ड ने प्रस्तावों पर कार्य करने के समय लागत को घटाने के लिए उठाए गए कदमों की सराहना व अनुमादन किया। बोर्ड ने प्रथम एचएलईसी की सिफारिशों को स्वीकार किया और एचएलईसी द्वारा सिफारिश किए गए सभी छब्बीस (26) मामलों को मंजूरी प्रदान की।

बोर्ड ने भविष्य के लिए निम्नलिखित मूल्यांकन प्रक्रिया का अनुमोदन किया।

क) बोर्ड ने इस तरह मूल्यांकन करने के प्रस्ताव के संकल्पना की सराहना की और सलाह दी कि इसे 4 तकनीकी विशेषज्ञों व 1 से 2 वित्तीय विशेषज्ञों से कई क्षेत्र विशेषज्ञ की समिती बनाई जाए। ये समितियां मामलों की जांच के लिए हर तिमाही बैंठक करेंगी और उपयुक्त सिफारिशें प्रदान करेंगी।

ख) बोर्ड ने अध्यक्ष को विभिन्न डोमेन की 8-10 समितियों के लिए 7 से 10 विशेषज्ञों का विशेष पैनल बनाने के लिए अधिकृत किया। किसी दिए हुए समय पर मूल्यांकन के मकसद से 3 से 4 सदस्यों जिसमें वित्तीय विशेषज्ञ भी शामिल है को किसी खास बैठक के लिए लिया जा सकता है। कमेटी बैठक के दौरान एक अध्यक्ष का चयन करेगी और वह बैठक के मिनट्स पर हस्ताक्षर करने के लिए अधिकृत होंगे।

ग) इन समूहों का कार्यकाल लगभग 2 साल का होगा और 31 मार्च 2014 तक अपने स्थान पर बने रहेंगे।

Project Evaluation

Project Evaluation Committee (PEC)

Based on the recommendations of the ISC, the application is referred to the Project Evaluation Committee (PEC). For each project, a PEC is constituted keeping in view the nature of the project and the product. PEC consists of experts (scientific, technical and financial) in the relevant fields from outside TDB for an independent evaluation of the project.

The experts (serving or retired) may belong to government departments, R&D organizations, academic institutions, industry, industry associations, financial institutions and commercial banks. The PEC visits the project site. The applicant along with the technology provider is given full opportunity to give a detailed brief on the scientific, technical, marketing, commercial and financial aspects and to provide in-depth information on various issues related to the project &the company.

High Level Expert Committee (HLEC)

The project proposal received in TDB for financial assistance kept pending for relatively long period of time. This is due to delay in receiving comments/ inputs from ISC & PEC members and strictly adhering to the procedures laid in the TDB guidelines.

In order to expedite the process of evaluation for pending and upcoming project proposals, Chairperson, TDB (from the year 2011-12) constituted a High Level Expert Committee which consists of eminent experts (scientific, technical, academia, marketing and financial) in the relevant fields from outside TDB under the Chairmanship of a renowned personality for an independent evaluation of the projects.

The first meeting of this High Level Expert Committee (HLEC) took place during 23rd& 24thJanuary, 2012 at Mumbai under the Chairmanship of Dr. Anil Kakodkar, Ex-Secretary, Government of India in which 48 project proposals were evaluated simultaneously by the group of experts.

The Board in its 49th Meeting dated 18.02.2012 deliberated at length the new process of evaluation of project proposals by High Level Expert Committee (HLEC). The Board appreciated and endorsed the steps taken to reduce the time to process proposals. The Board accepted the recommendations of the first HLEC and approved all the twenty six (26) cases recommended by the HLEC.

The Board recommended the following process of evaluation for the future:

a) The Board appreciated the concept to evaluate proposals in this manner and suggested that several domain specific committees should be formed with 3 to 4 technical experts and 1 to 2 financial experts. These committees would meet once in a quarter to review the cases and make suitable recommnedations.

b) The Board authorized the Chairperson to constitute 7 to 10 member expert panel for 8-10 committees in different domains. For the purpose of evaluation at any given point of time, 3 to 4 members can be drawn up for a particular meeting, including a finance expert. The committee will select a Chairperson during the meeting and he will be authorized to sign the minutes.

c) These groups will have a tenure of approximately 2 years and would be in position till 31st March, 2014.

घ) अध्यक्ष, विशेषज्ञता की जरुरतों के आधार पर इन समितियों में अतिरिक्त सदस्यों को मनोनीत कर सकता है।

ड) यह प्रक्रिया टीडीबी के साथ पहले से मौजूद मूल्यांकन के उपकरणों के अतिरिक्त है और दोनो तंत्र साथ-साथ रहेंगे।

बोर्ड की, दिनांक 18.02.2012 को आयोजित 49वीं बैठक के इच्छानुसार, निम्नलिखित प्रक्रिया एचएलईसी की आगे की बैठकों के लिए लागू की गई।

- योजनाओं को 4 क्षेत्रों नामतः कृषि / स्वास्थ्य सेवा, इंजीनियरिंग / इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी / टेलीकॉम और केमिकल / एनर्जी एवं वेस्ट में बांटा गया।
- दो क्षेत्रविशेष के विशेषज्ञ और एक वित्त विशेषज्ञ वाली चार अलग-अलग सेक्टर विशेष की समितियां बनाई जाएंगी जोकि प्रत्यक सेक्टर में आने वाली परियोजना प्रस्तावों का मूल्यांकन करेगी।
- मूल्यांकन पैरामीटर का निर्णय वैटेज से लिया जाएगा और समिती के सदस्यों से अनुरोध किया गया कि वे प्रत्येक प्रस्ताव का इन पैरामीटर पर 1-10 के स्केल पर मूल्यांकन करें।

वर्ष 2012-13 के दौरान, एचएलईसी की दो बैठकें, डॉ. एन. के. गांगुली, पूर्व महानिदेशक, आईसीएमआर, नई दिल्ली की अध्यक्षता में आयोजित की गई जैसे दूसरी बैठक दिनांक 30-31 अगस्त, 2012 को हैदराबाद में हुई जिसमें 37 परियोजना प्रस्तावों का मूल्यांकन किया गया और 18 प्रस्तावों की सिफारिश टीडीबी द्वारा वित्तीय सहायता के लिए किया गया और तीसरी बैठक दिनांक 18-19 जनवरी, 2013 को जयपुर में हुई जिसमें 11 परियोजना प्रस्तावों का मूल्यांकन किया गया और 7 प्रस्तावों की सिफारिश टीडीबी द्वारा वित्तीय सहायता के लिए किया गया।

मूल्यांकन मानदण्ड

आवेदनों को वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीय, वाणिज्यिक एवं वित्तीय प्राथमिकता के आधार पर मूल्यांकित किया जाता है। मूल्यांकन प्रक्रिया में निम्नलिखित शामिल है :-

- प्रस्ताव के विषयों का अनूठा एवं नवीनात्मक होना
- सुदृढ़ता, वैज्ञानिक गुणवत्ता और प्रौद्योगिकीय प्राथमिकता
- वृहत रुप से लागू करने के लिए और वाणिज्यीकरण से लाभप्रद संभावना
- प्रस्तावित प्रयास की पर्याप्तता
- प्रस्तावित कार्यवाई नेटवर्क में आर एंड डी संस्थानों की क्षमता
- आंतरिक प्राप्ति सहित एंटरप्राइज की संगठनात्मक एवं वाणिज्यिक योग्यता
- प्रस्तावित लागत और वित्त पोषण के तरीके की औचित्यपूर्णता
- मापयोग्य उद्देश्य, लक्ष्य और निर्धारित लक्ष्य
- उद्यमी का पिछला रिकॉर्ड

d) The Chairperson can nominate, depending upon the specialized need, additional members to these committees.

e) This procedure is in addition to the instruments of evaluation already available with TDB and both the mechanisms would co-exist.

As desired by the Board in its 49th Meeting dated 18.02.2012, the following procedure was adopted for subsequent meetings of HLEC.

- Projects were segregated in 4 sectors namely Agriculture / Healthcare, Engineering / Electronics, IT / Telecom and Chemical / Energy & Waste.
- Four different sector specific committees consisting of two domain experts and one financial expert were made to evaluate project proposals falling in each of that sector.
- The evaluation parameters were decided with weightage and committee members were requested to evaluate each proposal on these parameters in the scale of 1-10.

During the year 2012-13, two meetings of HLEC were held under the Chairmanship of Dr. N. K. Ganguly, Ex-DG, ICMR, New Delhi i.e. 2nd meeting dated 30th – 31st August, 2012 at Hyderabad in which 37 project proposals were evaluated and 18 proposals were recommended for financial assistnance by TDBand 3rd meeting dated 18th -19th January, 2013 at Jaipur in which 11 project proposal were evaluated and 7 proposals were recommended for financial assistnance by TDB.

Evaluation Criteria

The application is evaluated for its scientific, technological, commercial and financial merits. The evaluation criteria include:

– The uniqueness and innovative content of the proposal
– Soundness, scientific quality and technological merit
– Potential for wide application and the benefits expected to accrue from commercialization
– Adequacy of the proposed effort
– Capability of the R&D institution(s) in the proposed action network
– Organizational and commercial capability of the enterprise including its internal accruals
– Reasonableness of the proposed cost and financing pattern
– Measurable objectives, targets and milestones.
– Track record of the entrepreneur

गोपनीयता एवं पारदर्शिता

टी डी बी में यह मान्यता है कि गोपनीयता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रत्येक प्रस्ताव एह वाणिज्यिक प्रस्ताव है जिसमें एक नया उत्पादन अथवा प्रक्रिया शामिल है। आवेदक द्वारा यह बताया जाता है कि टी डी बी को उपलब्ध कराई जाने वाली कुछ जानकारी को सख्ती से गोपनीय रखा जाएगा और इसे परियोजना मूल्यांकन समिति एवं उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति के विशेषज्ञों को परिचालित नही किया जाएगा। पी ई सी या एच एल ई सी प्रक्रिया में कुछ महत्वपूर्ण जानकारियों का खुलासा न करने की आवेदकों की आशंकाओं की संवेदनशीलता को ध्यान में रखा जाता है।

आवेदकों के साथ पूर्ण रुप से विचार विमर्श करने के पश्चात् पी ई सी / एच एल ई सी के विशेषज्ञों द्वारा टिप्पणियों और सिफारिशों को अंतिम रुप दिया जाता है। बैठक समाप्ति पर पी ई सी / एच एल ई सी की टिप्पणीयों और सुझावों को आवेदक (कों) को मौखिक रुप से बताया जाता है। यदि परियोजना प्रस्ताव की पी ई सी / एच एल ई सी द्वारा सिफारिश नहीं की जाती तक आवेदन को टी डी बी द्वारा बंद कर दिया जाता है और आवेदक को सूचित कर दिया जाता है।

वर्ष 2012-13 में परियोजना प्रस्ताव का मूल्यांकन करने के लिए परियोजना मूल्यांकन समिति (पीईसी) की एक (1) बैठक और उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति (एचएलईसी) की दो (2) बैठकें आयोजित की गई।

वित्तीय सहायता का अनुमोदन

पीईसी / एचएलईसी द्वारा वित्तीय सहायता के लिए प्रस्तावित परियोजना प्रस्तावों को आर्थिक सहायता पर विचार एवं अनुमोदन के लिए बोर्ड के समक्ष भेजने से पहले उसे टेक्नो-इकोनॉमिक वायविलिटी / ड्यू - डिलिजेन्स प्रकिया से गुजरना होता है।

अनुविक्षण एवं समीक्षा

टी डी बी अनुमोदित सहायता लाभअर्जको को किस्तों में उपलब्ध कराता है जो कि जोखिम सम्बंधित लक्ष्यों पर आधारित होता है। दूसरी और अगली किश्तों को प्रत्येक अनुमोदित परियोजना के लिए गठित की गई परियोजना अनुविक्षण समिति (पी एम सी) की सिफारिशों के आधार पर जारी किया जाता है। परियोजना अनुविक्षण समिति मे उन वैज्ञानिक / तकनीकी एंव वित्तीय विशेषज्ञों को शामिल किया जाता है जो कि परियोजना मूल्यांकन के समय पीईसी / एचएलईसी के सदस्य थे।

टीडीबी ने वर्ष 2012-13 के दौरान परियोजना अनुविक्षण समिति / परियोजना मूल्यांकन एवं अनुविक्षण समिति, समीक्षा बैठकों और निरीक्षणों के माध्यम से अट्ठाईस (28) बैठके आयोजित की।

पी ई सी, एच एल ई सी एवं पी एम सी को सहयोग देने वाले विशेषज्ञ

वर्ष 2012-13 के दौरान परियोजना प्रस्तावों के मूल्यांकन, अनुविक्षण और समीक्षा से संबंधित क्षेत्रों से अस्सी (80) विशेषज्ञों ने टीडीबी को अपनी विशेषज्ञता प्रदान की। विशेषज्ञों की सूची को इस रिपोर्ट के परिशिष्ट में लगाया गया है। टीडीबी उनके बहुमूल्य योगदान के लिए उनका आभार प्रकट करता है।

आवेदनों के सारांश की स्थिति

वर्ष 2012-13 के दौरान टी डी बी को प्राप्त हुए आवेदनों की जानकारी और 31 मार्च, 2013 तक आवेदनों की स्थिति को निम्नलिखित सारणी में दर्शाया गया है:-

Confidentiality and Transparency

TDB recognizes that it is important to maintain confidentiality, as each proposal is a commercial proposal involving a new product or process. Where the applicant mentions that some of the information provided to TDB has to be treated as strictly confidential, it is not circulated to the experts of the Project Evaluation Committee or High Level Expert Committee. The PEC or HLEC respects the sensibility of the applicant's apprehensions in disclosing certain vital information on the processes.

After a comprehensive discussion with the applicant, the observations and recommendations are finalised by the experts constituting the PEC or HLEC. The observations and suggestions of the PEC or HLEC are communicated orally to the applicant at the end of the meeting. If the project proposal is not recommended by PEC or HLEC, the application is closed by TDB under intimation to the applicant.

During the year 2012-13, one (1) meeting of the Project Evaluation Committee (PEC) and two (2) meeting of High Level Expert Committee (HLEC) were held to evaluate the project proposals.

Approval of Financial Assistance

The project proposals recommended by PEC or HLEC for financial assistance are further gone through a Techno-Economic Viability / Due-diligence process by the independent agency/agencies before the proposal is referred to the Board for its consideration and approval for financial assistance.

Monitoring and Review

TDB releases the approved assistance to the beneficiaries in instalments, based on risk associated milestones. The second and subsequent release of instalments depends on the recommendations of a Project Monitoring Committee (PMC) constituted for each of the approved projects. The PMC invariably consists of a scientific/technical and financial expert who was a member of the PEC or HLEC at the time of evaluation of the project.

TDB conducted twenty eight (28) meetings through Project Monitoring Committees / Project Evaluation & Monitoring Committees, review meetings and inspections during 2012-13.

List of Experts who assisted thePEC, HLEC and PMC

Eighty (80) experts from the relevant fields have provided their expertise to TDB in evaluating the project proposals, monitoring and reviewing the projects during 2012-13. The list of experts is appended to this report. TDB gratefully acknowledges the valuable contributions made by them.

Summary Status of Applications

The information regarding the number of applications received by TDB during 2012-13 and the status of applications as on 31st March, 2013 are indicated in the table given below:

(करोड़ रु. में)

स्थिति	संख्या	अनुमानित कुल लागत	टीडीबी से मांगी गई सहायता
प्राप्त आवेदन	**65**	**1358.87**	**492.46**
31.03.2013 को बंद आवेदन	34	638.63	227.92
2012.13 में हस्ताक्षरित करार	2	16.50	6.96
पी ई सी को भेजे गये अथवा पी ई सी के पश्चात् की गई कार्रवाई	0	0	0
विचार / प्रारंभिक जांच के अधीन आवेदन	29	703.74	257.58

* वर्ष 2012-13 के दौरान, चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 में प्राप्त 4 आवेदनों, वर्ष 2011-12 में प्राप्त 18 आवेदनों एवं वर्ष 2010-11 में प्राप्त 3 आवेदनों सहित कुल 25 करारों पर हस्ताक्षर किए गए।

(Rs. In Crore)

Status	Number	Estimated Total Cost	Assistance Sought from TDB.
Application Received	**65**	**1358.87**	**492.46**
Colsed as on 31.03.2013	34	638.63	227.92
Agreements signed in 2012-13	2	16.50	6.96
Referred to PEC or Processed after PEC	0	0	0
Application under Consideration / under Initial Screening	29	703.74	257.58

* *During the year 2012-13, 25 agreements were signed including 4 applications received in the current financial year 2012-13, 18 applications from 2011-12 and 3 applications from 2010-11.*

सकारात्मक - सक्रिय भूमिका

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड औद्योगिक इकाईयों और अन्य एजेंसियों से प्राप्त आवेदनों पर विचार करने के अलावा सकारात्मक - सक्रिय भूमिका अदा करता है। विचार यह है कि प्रौद्योगिकी के विकास और वाणिज्यीकरण के लिए टी डी बी की सहायता व्यापक होनी चाहिए। सकारात्मक-सक्रिय भूमिका के तौर पर टीडीबी ने नवीनता और नवीन उत्पाद / सेवाओं वाले एसएमई के माध्यम से शुरुआती चरण वाले वेन्चर को सहायता देकर अपना विस्तार करने के लिए वेन्चर कैपिटल फंड में भी भागीदारी की है। टीडीबी की प्रेरणा और भागीदारी के परिणामस्वरुप वेन्चर लाने वाले पूंजीपतियों ने टीडीबी मिशन को अपना सहयोग दिया है। पूर्ववर्ती वर्षों में इन्क्यूबेटर में शुरुआत करने वाले युवा उद्यमीयों को शुरुआती आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर उनके नवीन विचारों को फलीभूत करने के लिए सीड सहायता स्कीम में भागीदारी का निर्णय करके टीडीबी ने विकासोन्मुख पहल की है। टीडीबी ने आर्थिक लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, औद्योगिक खोज, प्रौद्योगिकी विकास एवं नवीन खोज के क्षेत्र में संयुक्त प्रौद्योगिकी सहयोग को बढ़ाने, सहायता करने और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए कुछ चुनिंदा विदेशी संस्थानों नामतः एजेंस नेशनले डी वेलोराइजेशन डी ला रेकरेक (एएनवीएआर), फ्रांस, सेंटर फॉर दी डेवलपमेंट ऑफ इन्डस्ट्रीयल टेक्नोलॉजी (सीडीटीआई), स्पेन और कॉमनवेल्थ बिजनेस काउंसिल (सीबीसी), यू. के. के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

टीडीबी ने दायित्व के निर्वहन के लिए उपरोक्त पहल के माध्यम से स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास और वाणिज्यीकरण को प्रोत्साहित किया है। बोर्ड ने वर्ष 2012-13 के दौरान निम्नलिखित पहलों का अनुमोदन किया है :-

क. वेंचर कैपिटल फंड (वीसीएफ) में भागीदारी

स्वदेशी प्रौद्योगिकीयों के विकास और वाणिज्यीकरण अथवा व्यापक घरेलु उपयोग के लिए आयातित प्रौद्योगिकीयों के अनुकूलन का प्रयास करने वाली औद्योगिक इकाईयों को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता के अतिरिक्त, टीडीबी ने नवोन्मो और नवोन्मेषी उत्पादों / सेवाएं रखने वाले प्रारंभिक अवस्था उद्यमों के लिए सहायता प्रदान करके अपने कार्य क्षेत्र को विस्तारित करने के उद्देश्य के साथ प्रौद्योगिकीय रुप से नवोन्मेषी व्यवहार्य उद्यमों को सहायता प्रदान करने हेतु प्रौद्योगिकी केन्द्रित उद्यम पूंजी निधि (वीसीएफ) में भाग लेता है

टीडीबी द्वारा उद्यम पूंजी निधि (वीसीएफ) में भागीदारी करने के मुद्दे पर बोर्ड की बैठकों में बहुत से अवसरों पर विचार किया जाता है। बोर्ड ने वी सी एफ में टीडीबी की भागीदारी को भौगोलिक एवं प्रौद्योगिकीय रुप से विस्तार करने के लिए एक उत्कृष्ट माध्यम माना और यह निर्णय लिया कि टी डी बी उच्च जोखिम, उच्च रिटर्न प्रौद्योगिकी उन्मुख परियोजनाओं में चयनात्मक आधार पर वीसीएफ में गहनता से सहायता प्रदान करना जारी रखे चूंकि वीसीएफ के माध्यम से प्रौद्योगिकी उन्मुख परियोजनाओं के वित्तपोषण ने बड़ी अच्छी सफलता दर्शाई है और काफी संख्या में परियोजनाओं को सहायता प्रदान की है।

बोर्ड ने दिनांक 17 मार्च, 2010 को उपनी 44वीं बैठक में उद्यम पूंजी निधि हेतू टीडीबी द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता पर विचार और समीक्षा करने तथा टी डी बी द्वारा वीसीएफ का सहायता प्रदान करने में अपनाई जाने वाली कार्य पद्धति पर सुझाव देने के लिए एक समिति का गठन करने का निर्णय लिया। बोर्ड ने 10 मई, 2010 की अपनी 45वीं बैठक के दौरान उद्यम पूंजी निधि में टीडीबी की भागीदारी हेतु निम्नलिखित व्यापक दिशा-निर्देश को भी अंतिम रुप प्रदान किया।

- टीडीबी की निधियां मुख्य रुप से उन वीसीएफ में लगाई जाएंगी जो नवोन्मेषी और / अथवा प्रौद्योगिकी उन्मुख क्षेत्रों में निवेश करने की नीति रखते हों
- लघु से मध्यम आकार की निधि में योगदान को वरीयता दी जायेगी
- वीसीएफ के लाभार्थियों को मुख्य रुप से एसएमई क्षेत्र से होना चाहिए

PRO-ACTIVE ROLE

The Technology Development Board takes a pro-active role besides responding to the applications received from industrial concerns and other agencies. The idea is that TDB's support for technology development and commercialization should be comprehensive. In a proactive role, TDB has also participated in Venture Capital Funds to spread itself by providing support to early stage ventures through SMEs having innovation and innovative products / services. TDB's motivation and participation has resulted in the venture capitalists contouring their assistance to TDB's mission. TDB took a growth-oriented initiative by instituting the Seed Support Scheme for start-ups in Incubators in previous years to provide early stage financial assistance to the young entrepreneurs for bringing their innovative technology venture ideas to fruition. TDB has signed Memoranda of Understanding (MoUs) with select foreign institutions, namely, AgenceNationale De Valorisation de la Recherche (ANVAR), France, Centre for the Development of Industrial Technology (CDTI), Spain and Commonwealth Business Council (CBC), UK to promote, assist and fund the development of joint technology cooperation for technology transfer, industrial research, technology development and innovation for the purpose of generating economic benefits.

Under the aegis of its mandate, TDB has encouraged development and commercialization of indigenous technologies through the above initiatives. The Board continued its association with the following initiatives during the year 2012-13.

(a) Participation in Venture Capital Funds (VCFs)

In addition to the direct financial assistance to industrial concern attempting development and commercialization of indigenous technologies or adapting imported technology for wider domestic application, TDB participates in the technology focused Venture Capital Fund (VCF) to support technologically innovative viable ventures with the objective to spread itself by providing support to early stage ventures having innovation and innovative products / services.

The issue of participation in Venture Capital Funds (VCFs) by TDB was discussed on several occasions in Board Meetings. The Board considered TDB's participation in VCFs as an excellent tool for increasing geographical and technological spread and decided that TDB may continue to support the VCFs rigorously on the selective basis in high risk, high return technology oriented projects, as funding to technology oriented projects through VCF route has shown remarkable success and supported large number of projects.

The Board in its 44th meeting dated 17th March, 2010 decided to constitute a committee to consider and review the support provided by the TDB to Venture Capital Funds and suggest the methodology to be adopted for supporting the VCFs by TDB. The Board also finalized the following broad guidelines for participation of TDB in Venture Capital Funds during its 45th meeting dated 10th May, 2010:

- TDB funds will primarily be deployed in VCFs which have policy to invest in innovative and/or technology oriented portfolio.
- Contribution in small to medium size fund would be preferred.
- The beneficiaries of the VCFs should be primarily from SMEs sector.

- वी सी एफ में टीडीबी द्वारा योगदान सामान्यत: निधि के आकार के 15% तक होगा। समावेशी विकास / औद्योगिक रुप से पिछड़े क्षेत्रों अथवा प्रथम पीढ़ी के लिए नवोन्मो प्रदान करने वाले वी सी एफ के मामलों में 25% तक के उच्च योगदान के विषय पर विचार किया जा सकता है। कार्य क्षेत्र के 100% प्रौद्योगिकी उन्मुख होने के मामले में बोर्ड के अनुमोदन के आधार पर टी डी बी द्वारा उच्च योगदान पर भी विचार किया जा सकता है

- निगरानी कार्य तंत्र के रुप में, प्रौद्योगिकी विषय वस्तु पर आधारित प्रस्तावों में सहयोग हेतु वीसीएफ की निवेश समिति में सदस्य के रुप में टीडीबी का एक प्रतिनिधि होगा

- प्रतिनिधि को कार्य क्षेत्र सन्तुलन हेतु आपत्ति दर्ज करने का प्राधिकार होगा

- निधि प्रबंधक के पृष्ठभूमि कार्य निष्पादन (ट्रेक रिकॉर्ड) पर विचार किया जाएगा

- वित्तीय सेवाओं को वरीयता नहीं दी जाएगी

वर्ष 2012-13 के दौरान टीडीबी ने निम्नलिखित 2 नये उद्यम पूंजी निधियों (वीसीएफएस) में, 50.00 करोड़ रु. के कमिटमेंट /सहभागिता के साथ भागीदारी की जिसमें अन्य निवेशकर्ताओं की कुल भागीदारी 300.00 करोड़ रु. की है।

1. मल्टी सेक्टर सीड कैपिटल फंड

बोर्ड ने 18 फरवरी, 2012 को आयोजित अपनी 49वीं बैठक में, मैसर्स ब्ल्यूम वेंजर्स एडवाईजर्स प्राईवेट लिमिटेड, मुम्बई द्वारा स्थापित ''मल्टी सेक्टर सीड कैपिटल फंड'' में 25 करोड़ रु. के अंशदान को मंजूरी प्रदान की।

फंड का मुख्य उद्देश्य है - क) शुरुआत में वीसीएफ (किसी यूनिट का ग्राहक बनकर) में निवेश जिसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से विकास कर रही कंपनियों के डायवर्सिफाईड पोर्टफोलियो में निवेश के जरिये लंबी अवधि में पूंजी में वृद्धि करना है। एफवीसीआई नियमन के अनुसार इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए फंड किसी दूसरे वेंचर कैपिटल फंड्स में निवेश करने या सीधे इंडिया स्टार्ट-अप बिजनेसेज में निवेश करने पर विचार कर सकता है जिससे सत्त वृद्धि की संभावना होती है; ख) लगभग 20 से 25 तीव्र संवृद्धि वाली भारतीय कंपनियों के पोर्टफोलियो पर आकर्षक निवेश प्रतिफल प्राप्त करने के लिए, बोर्ड और उसके सलाहकारों तथा उसके डोमेन में अपने विशेषज्ञों की जानकारी, अनुभव, संचालन क्षमता समुच्चय और नेटवर्किंग का फायदा उठाए।

टीडीबी ने मैसर्स ब्ल्यूम वेंजर्स एडवाईजर्स प्राईवेट लिमिटेड, मुम्बई के साथ ''मल्टी सेक्टर सीड कैपिटल फंड'' में भागीदारी के लिए 25.00 करोड़ रु. के वचन /सहभागिता जिसमें कि अन्य निवेशकर्ताओं की कुल निधि 100.00 करोड़ रु. है, के साथ दिनांक 3 मई, 2012 को एक योगदान/सहभागिता करार पर हस्ताक्षर किया।

2. आइवी कैप वेंचर ट्रस्ट - फंड 1

बोर्ड ने 18 फरवरी, 2012 को आयोजित अपनी 49वीं बैठक में, मैसर्स आईवीकैप वेंचर एडवाईजर्स प्राईवेट लिमिटेड, मुम्बई द्वारा प्रबंधित ''आइवी कैप वेंचर ट्रस्ट - फंड 1'' में 25 करोड़ रु. के अंशदान को मंजूरी प्रदान की।

फंड का मुख्य उद्देश्य भारत के प्रमुख संस्थानों के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त पेशेवर उद्यमियों द्वारा निवेश पर ध्यान केन्द्रित करना है जिससे स्वास्थ्य सेवा, जीव विज्ञान व शिक्षा का क्षेत्र, खाद्यान्न आधारित उद्योग व प्रौद्योगिकी तथा नवाचारी व्यवसाय की तलाश की जाएगी।

टीडीबी ने मैसर्स आईवीकैप वेंचर एडवाईजर्स प्राईवेट लिमिटेड, मुम्बई के साथ 'आइवी कैप वेंचर ट्रस्ट - फंड 1' में भागीदारी के लिए, 25.00 करोड़ रु. के वचन /सहभागिता जिसमें कि अन्य निवेशकर्ताओं की कुल निधि 200.00 करोड रु. है के साथ, दिनांक 3 मई, 2012 को एक करार पर हस्ताक्षर किया।

- The contribution by TDB in the VCF will normally be upto 15% of the fund size. Higher contribution can be considered in case of VCFs serving innovation for inclusive growth / industrially backward regions or first generation entrepreneur's upto 25%. In case the portfolio is 100% technology oriented even higher contribution by TDB can be considered based on Board approval.
- As an over sight mechanism, TDB representative will be a member of the Investment Committee of the VCF, to concur in proposals based on technology content.
- The representative will be authorized to make exceptions to balance the portfolio.
- Track record of the Fund Manager to be considered.
- Financial services are not preferred.

During the year 2012-13, TDB has participated in the following two (2) new Venture Capital Funds (VCFs) with a commitment / contribution of Rs. 50.00 crores leveraging total fund aggregating to Rs. 300.00 crores from other investors.

1. Multi Sector Seed Capital Fund

The Board in the 49th Meeting dated 18th February, 2012 approved contribution of Rs. 25.00 Cr. in "Multi Sector Seed Capital Fund" floated by M/s Blume Venture Advisors Pvt. Ltd., Mumbai.

The main objective of the Fund is to a) primarily make investments in the VCF (by subscribing to A Units) whose main objective is to focus on long term capital appreciation through investments in a diversified portfolio of fast growing companies across multiple sectors. The Fund may consider investing in other venture capital funds or may otherwise directly invest in India start-up businesses that have exponential growth potential, in accordance with the FVCI Regulations to achieve these objectives; b) leverage the knowledge, experience, operation skills sets and networking of the Board and also that of their advisors and domain experts to earn attractive investment returns over a portfolio of about 20 to 25 fast growing Indian companies.

TDB has signed contribution agreement with M/s Blume Ventures Advisors Pvt. Ltd., Mumbai on 3rd May, 2012 for contribution of Rs. 25.00 crores in the fund leveraging total fund size to Rs. 100.00 crores from other investors.

2. Ivy Cap Venture Trust – Fund 1

The Board in the 49th Meeting dated 18th February, 2012 approved contribution of Rs. 25.00 crores in "Ivy Cap Venture Trust – Fund 1" managed by M/s IvyCap Venture Advisors Pvt. Ltd., Mumbai.

The main objective of the fund is to focus on investingin professional entrepreneurs with quality education from premier institutions in India and shall seek opportunities in healthcare and life sciences, education sector, food based industries, technology and innovation driven businesses.

TDB signed contribution agreement with M/s Ivy Cap Venture Advisors Pvt. Ltd., Mumbai on 3rd May, 2012 for contribution of Rs. 25.00 crores in the fundleveragingtotal fund size of Rs. 200.00 crores from other investors.

ख. भारत - स्पेन नवोन्मो कार्यक्रम (आई एस आई पी) के अंतर्गत अनुमोदित पर्योजनाएं

31 मार्च, 2013 तक (वित्तीय वर्ष 2012-13) सी डी टी आई, स्पेन और टी डी बी के बीच इंडिया स्पेन इनोवेशन प्रोग्राम (आई एस आई पी) के तहत दोनो देशों के लिए आर्थिक लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से संयुक्त प्रौद्योगिकी सहयोग के विकास / परियोजना हस्तांतरण एवं एसएमई विकास को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एवं नवीन खोज के क्षेत्र में सहायता करने और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए कुल 8 (आठ) द्विपक्षीय परियोजनाओं के साथ अपना गठबंधन जारी रखा। परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नलिखित है:

1. **एफएक्सइंटेरेक्टिव** - स्टेकधारकों और फोरेक्स बाजार के बीच सम्पर्क के लिए उच्च प्रौद्योगिकी उपकरणों हेतु अन्तर्राष्ट्रीय परियोजना। इससे सम्बद्ध कंपनियां स्पेन की एफ एक्सट्रीट और मेडिकल वीएम तथा भारत की आई-नो इंडिसेज है।

2. **इन्टीग्रेसन सिक्यूरीटि सिस्टम** - यह एक इलेक्ट्रिोनिक निगरानी तंत्र है। इससे सम्बद्ध कंपनियां; स्पेन की रैनट्रिंग्स एस. एल. और भारत की रैनट्रिंग सॉफ्टवेयन इंजीनियर्स प्रा. लि. हैं।

3. **एससीयूटीयूएम** - इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य, माइक्रोकैप्सूलेड फेब्रिक्स, बेड शीट और कपड़ों, जिनमें मच्छर से बचा जा सके, की प्राप्ति के लिए विष रहित कीटनाशक माइक्रोकैप्सूल्स से सिंथेटिक और प्राकृति कपड़ा उद्योग के विकास एवं अनुप्रयोग में अनुसंधान है।

4. **सीओडब्ल्यूबीयूएलएल** - प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड और स्पेन तथा भारत के बीच फ्रेमवर्क के अन्तरण के द्वारा भारतीय और अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों में केन्द्ररहित ग्राइंडिंग निर्माण प्रतिद्वन्द्विता को बढ़ाना।

5. **बीटेन्सन** - यह दो स्पेनिश और दो भारतीय भागीदारों के 36 महीनों की अवधि की सहयोगी परियोजना है जो कि डिस्ट्रीब्यूशन बोर्डो और इलेक्ट्रोमैकेनिकल उपकरणों से प्रयुक्त किये जाने के लिए उन्नत एवं पर्यावरण-मित्र नई कम वोल्टेज की प्रौद्योगिकीयों का विकास है। इसे भविष्य में राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों में उतारा जायेगा।

6. **बेंगाला** - यह 22 महीनों की अवधि की एक सहयोगी परियोजना है जिसमें एक स्पेनिश भागीदार, जो मुख्य भागीदार है और दूसरा अन्य भागीदार के रुप में भारतीय भागीदार है। इस परियोजना का उद्देश्य गंधों और सुगंधों के क्षेत्र में, भारत जैसे देश में व्यापक संभावनाओं का परीक्षण और दोहन है।

7. **स्कीड्स** - एक स्पेनिश भगीदार एवं एक भारतीय भगीदार के साथ एक 60 महीनों की अवधि वाली एक सहयोगात्मक परियोजना जो उन क्षेत्रों के लिए नए स्किड्स के विकास के लक्ष्य के साथ सहयोग करेगी जिनमें इन दोनों कम्पनियों की मुख्य उपस्थिति मौजूद है ताकि टर्नकी मिनी प्लांट की तरह एकल इकाई में विभिन्न प्रक्रिया को समेकित करके ये व्यापक समाधान बन सकें।

8. **एसएईक्लीम्बर इंडिया** - एक स्पेनिश भगीदार एवं एक भारतीय भगीदार के साथ एक 18 महीनों की अवधि वाली एक सहयोगात्मक परियोजना जो विकासशील देशों की निर्माण कार्य आवश्यकताओं के अनुकूल उत्पादों की एक श्रृंखला के विकास करने के उद्देश्य से सहयोग करेगी जहां उच्च आयतन उपकरणों और अधिक ऊंचाई वाली इमारतों की मांग अधिक हो।

ग. इन्क्यूबेटर्स में शुरुआतकर्ताओं के लिए सीड सहायता स्कीम

टीडीबी ने युवा उद्यमियों का संवर्धन करने तथा अपने नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी उद्यम संबंधी विचारों का फलदायक स्थिति तक लाने और अंततः बाजार तक उन्हें पहुंचाने के लिए अत्यंत आवश्यक शुरुआती / आरंभिक स्तर की पूंजी प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टीबीआईएस) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों (एसटीईपीएस) के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना जारी रखा। इससे कुछ नवोन्मेषी विचारों / प्रौद्योगिकीयों को उस स्तर तक ले जाने में सहायता करेंगे जहां ये सफल वाणिज्यीकरण के अपने मार्ग पर टीडीबी / एफआईएस माध्यमों के द्वारा सामान्य ऋण प्राप्त करने के लिए उपयुक्त होंगे। अतः प्रस्तावित सहायता को प्रौद्योगिकीयों के विकास एवं वाणिज्यीकरण के बीच एक सेतु के रुप में कार्य करने के लिए तैयार किया गया है।

(b) Projects Approved under India Spain Innovating Program (ISIP)

Upto 31st March, 2013 (FY 2012-13), TDB continued its association with total eight (8) bilateral projects under India Spain Innovating Program (ISIP) between CDTI, Spain and TDB to promote, assist and fund the development of joint technology cooperation / transfer projects and for supporting SME growth via technology transfer and innovation for the purpose of generating economic benefits to both the countries. The details of the projects are as follows:-

1. **FXINTERACTIVE** – International Project for the high technology tools for the interaction between the stakeholders of the forex market. The companies involved were Fxtreet and Medical VM from Spain and I-Know Indices from India.

2. **Integration Security System** – An Electronic Surveillance System. The companies involved were RANTRING S. L. from Spain and RANTRING Software Engineers Pvt. Ltd., India.

3. **SCUTUM** – The main aim of this project is to research in the development and application of non-toxic insecticide microcapsules to synthetic and natural textiles, in order to obtain microencapsulated fabrics, bed sheet and clothes that avoid the mosquito bites.

4. **COWBULL**–Increase of Centerless Grinding Manufacturing Competitiveness in Indian and International Markets due to a technology development and transfer framework between Spain and India.

5. **BTENSION** – It is a collaborative 36 months duration project with two Spanish partners and two Indian partners that will collaborate with the aim of developing advanced and eco-friendly new low voltage technologies to be applied to distribution boards and electromechanical devices that in future will be commercialized in national and international markets.

6. **BENGALA** – It is a collaborative 22 months duration project with one Spanish partner as main participant and one Indian partner as other partner. The aim of the project is to test and exploit the vast possibilities that a country like India offers in the Flavors and Fragrances field.

7. **SKIDS**- A collaborative 60months duration project with one Spanish partner and one Indian partner that will collaborate with the aim of development of new skids for the sectors in which these companies have major presence, so that they could become comprehensive solutions integrating various process stages into a single unit like a turnkey mini plant.

8. **SAECLIMBER INDIA**- A collaborative 18 months duration project with one Spanish partner and one Indian partner that will collaborate with the aim to develop a product line to fit the needs on construction on the developing countries, where the needs are on high volume equipment and high rise buildings.

(c) Seed Support Scheme for Start-Up in Incubators

TDB continued to provide financial support to Technology Business Incubators (TBIs) and Science & Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) to extend much needed early stage /start-up capital to young entrepreneurs to incubate and to bring their innovative technology venture ideas under development to fruition and finally to reach the market place. This would enable some of these innovative ideas/ technologies to graduate to a level where they can then be fit for seeking normal lending through TDB/ FI's route on their way to successful commercialization. Thus the proposed assistance is positioned to act as a bridge between development & commercialization of the technologies.

टी डी बी ने वर्ष 2005–06 के दौरान प्रौद्योगिकीय विचारों का संवर्धन करने के लिए इन्क्यूबेटर्स में शुरुआतकर्ताओं के लिए सीड सहायता स्कीम के अंतर्गत पांच प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई एस) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों (एस टी ई पी एस) को वित्तीय सहायता प्रदान की है। इस स्कीम ने अच्छी प्रगति की है। टी डी बी ने इस स्कीम का विस्तार किया और 2007–08 में दूसरे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सहित अन्य 5 (पांच) इन्क्यूबेटर्स, 2009–10 में तीसरे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सहित 5 (पांच) इन्क्यूबेटर्स, 2010–11 में चौथे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सहित 9 (नौ) इन्क्यूबेटर्स एवं पांचवे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सहित 12 (बारह) इन्क्यूबेटर्स को सहायता प्रदान की है।

31 मार्च, 2013 तक टीडीबी ने 36 (जिसमें दोबारा वित्तीय सहायता प्राप्त 4 टीबीआईएस/एसटीईपीएस शामिल है) प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों को सहायता प्रदान की है।

प्रौद्योगिकीय विचारों, प्रयोगशाला स्तर की प्रौद्योगिकीयों और प्रौद्योगिकीय उद्यमिता के संवर्धन का पोषण करने के लिए टीडीबी ने 36 टीबीआईएस/एसटीईपीएस को सहायता प्रदान की है। इन इन्क्यूबेटर्स ने 150 से अधिक इन्क्यूबेटीज कम्पनियों को उनकी दूरसंचार, सॉफ्टवेयर, रोबोटिक्स, कृषि, यंत्रीकरण, इंजीनियरिंग, पर्यावरण, फार्मा, खाद्य, सौर, वस्त्र एवं जैव प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं के लिए सहायता प्रदान की है।

TDB provided financial assistance to five Technology Business Incubators (TBI's) and Science & Technology Entrepreneurs Parks (STEP's) under Seed Support Scheme for Start-up in Incubators to incubate technological ideas during 2005-06. This scheme has progressed well and TDB extended the scheme and supported another five incubators for Rs.100.00 lakh each in the second round in 2007-08, five incubators forRs.100.00 lakh each in the third round in the year 2009-10, nine incubators for Rs.100.00 lakh each in the fourth round in the year 2010-11 and twelve incubators for Rs.100.00 lakh each in the fifth round in 2011-12.

As on 31st March, 2013, TDB has supported 36 (which includes two times financial support to 4 TBIs/ STEPs) Technology Business Incubators (TBIs) and Science and Technology Entrepreneurship Parks (STEPs).

To nurture the incubation of technological ideas, lab scale technologies and technological entrepreneurship, TDB has extended support to 36TBIs/STEPs. These Incubators have provided assistance to more than 150 Incubatee companies for their projects which are in the areas of telecom, software, robotics, agriculture, instrumentation, engineering, environment, pharma, food, solar, textile and biotechnology etc.

प्रोन्नति संबंधी गतिविधियां

प्रौद्योगिकी दिवस पर राष्ट्रीय पुरस्कार

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने किसी औद्योगिक कंपनी द्वारा 'स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल वाणिज्यीकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार' स्थापित करने का निर्णय लिया। राष्ट्रीय पुरस्कार में दो प्रकार घटक शामिल हैं: (i) वे औद्योगिक इकाईयां जिन्होंने स्वदेशी प्रौद्योगिकी का सफलतापूर्वक वाणिज्यीकरण किया है और (ii) ऐसी प्रौद्योगिकीयों के विकासकर्ता / प्रदाता। प्रत्येक में 10 लाख रु. का नकद पुरस्कार और एक ट्राफी होती है। पहली बार यह राष्ट्रीय पुरस्कार 11 मई, 1999 को प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर प्रदान किए गए थे तत्पश्चात् प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर अर्थात् 11 मई को प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

एस एस आई इकाई के लिए पुरस्कार

अगस्त, 2000 में टी डी बी ने इन एस एस आई इकाई, जिन्होनें सफलतापूर्वक प्रौद्योगिकी आधारित उत्पाद का वाणिज्यीकरण किया, को 2 लाख रु. और एक ट्राफी का पुरस्कार आरंभ किया। प्रथम एस एस आई यूनिट पुरस्कार 11 मई, 2001 को प्रदान किया गया तत्पश्चात् प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर अर्थात् 11 मई को प्रत्येक वर्ष एस एव आई यूनिट के लिए पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय लिया गया। वर्ष 2011 में नकद पुरस्कार को 5 लाख रु. में परिवर्तित कर दिया गया।

राष्ट्रीय पुरस्कार 2012

वे औद्योगिक इकाईयां जिन्होने अप्रैल, 2007 के बाद स्वदेशी प्रौद्योगिकी का वाणिज्यीकरण किया वे राष्ट्रीय पुरस्कार 2012 के लिए आवेदन करने के पात्र होते हैं। विज्ञापन के प्रतिउत्तर में टीडीबी को 42 आवेदन प्राप्त हुए - 14 आवेदन 10 लाख रु. के पुरस्कार के लिए, 13 आवेदन 5 लाख रु. के पुरस्कार के लिए एवं 15 आवेदन दोनो पुरस्कारों के लिए प्राप्त हुए।

प्रोफेसर एस. के जोशी, भूत पूर्व महानिदेशक, सी एस आई आर, नई दिल्ली ने राष्ट्रीय पुरस्कार 2012 के लिए गठित की गई चयन समिति की अध्यक्षता की एवं इस समिति के सदस्यों में प्रोफेसर आर. कुमार, ऑनरेरी प्रोफेसर, आई. आई. एस सी, बैंगलोर, श्री सुबोध भार्गव, अध्यक्ष, टाटा कम्यूनिकेशन लिमिटेड, श्री निरंकार सक्सेना, निदेशक, फिक्की, नई दिल्ली एवं श्रीमती पद्‌मजा रुपारेल, अध्यक्ष, इंडियन एंजल नेटवक शामिल हैं।

चयन समिति ने स्पेस अलोकेशन सेंटर, इसरो, सेटेलाइट, अहमदाबाद के संयुक्त साक्षेदारी में विकसित 'समाकलित जीआईएस और इमेज प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर : आईजीआईएस के देशी विकास एवं वाणिज्यीकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार 2012 के लिए मैसर्स स्कैनप्वाइंट जियोमेटिक्स लिमिटेड, अहमदाबाद का चयन किया।

आईजीआईएस पहला ओजीसी कम्पलाएंट भारतीय सॉफ्टवेयर है जो कि एक ही इंटरफेस के अंदर जीआईएस एवं इमेज प्रोसेसिंग योग्यता के साथ उन्नत मॉड्यूल्स उपलब्ध कराता है। यह सभी जीओमेटिक्स जरुरतों के लिए एक कम लागत वाणिज्यीक समाधान है जो कि विदेशी सेटेलाईट्स से प्राप्त एक्जिस्टिंग एवं भविष्यगत डाटा दोनो को समर्थन करता है।

एस एस आई यूनिट पुरस्कार-2012

चयन समिति ने एस एस आई श्रेणी में पुरस्कार हेतु 'मैसर्स जेन टेक्नोलॉजिज लिमिटेड, हैदराबाद' एवं 'मैसर्स डायोनिक्स ऑटोमेशन (आई) प्राईवेट लिमिटेड, नासिक, महाराष्ट्र' का चयन किया।

PROMOTIONAL ACTIVITIES

National Awards on Technology Day

The Technology Development Board instituted a 'National Award for Successful Commercialization of Indigenous Technology' by an industrial concern. The National Award consists of two components: (i) to the industrial concern that has successfully commercialized the indigenous technology and (ii) to the developer/provider of such technology. Each component carries a cash award of ten lakh Rs. and a trophy. The National Award was given for the first time on the occasion of the Technology Day on 11th May 1999 and thereafter, it has been decided to give the National Awards every year on the Occasion of Technology Day i.e. 11th May.

Award for SSI unit

In August 2000, TDB introduced a cash award of Rs. 2 lakh and a trophy to a SSI unit that has successfully commercialised a technology-based product. The first SSI award was given on 11th May, 2001 and thereafter it has been decided to give the Award for SSI Unit every year on the Occasion of Technology Day i.e. 11thMay. The cash awards were later revised to Rs. 5 lakh in the year 2011-12.

National Award 2012

The industrial concerns that have commercialized indigenous technologies after April 2007 were eligible to apply for the National Award 2012. In response to the advertisements, TDB received 42 applications – 14 applications for the award of Rs. 10 lakh; 13 applications for the award of Rs. 5lakh and15 applications for the both awards.

The Selection Committee, constituted for the National Award 2012, chaired by Prof. S. K. Joshi, Ex-DG, CSIR, New Delhi, consisted of Prof. R. Kumar, Honorary Professor, IISc Bangalore, Shri Subodh Bhargava, Chairman, Tata Communication Ltd., Shri Nirankar Saxena, Director, FICCI, New Delhi and Ms. Padmaja Ruparel, President, Indian Angel Network as members.

The Selection Committee selected 'M/s Scanpoint Geomatics Limted, Ahmedabad, Gujarat' for National Award 2012 for indigenous development and commercialization of Integrated GIS and Image Processing Software: IGiS developed jointly in collaboration with Space Applications Center, ISRO, Satellite, Ahmedabad.

IGiS is the 1st Indian OGC Complaint software that provides GIS and Image Processing capabilities along with advanced modules within a single interface. This is a low cost commercial solution for all geomatics needs supporting both, the existing as well as futuristic data which will be received from foreign satellites.

Award for SSI Unit – 2012

The Selection Committee selected 'M/s Zen Technologies Ltd., Hyderabad' and 'M/s Diaonics Automation (I) Pvt. Ltd., Nasik, Maharashtra' for the award in SSI category.

मैसर्स जेन टेक्नोलॉजिज लिमिटेड, हैदराबाद

कम्पनी ने यह पुरस्कार विविध अनुप्रयोग के लिए व्यापक लागत-प्रभावी सिम्यूलेटर्स, खास तौर से विदेशी बाजार (छः डिग्री का फ्रिडम प्रदान करने वाली गति प्लेटफॉर्म) के लिए जेन ड्राइविंग सिम्यूलेटर (जेन डीटीएस) जो कठिन सीर्अ स्टैंडर्ड को प्राप्त करता है एवे जो अंतराष्ट्रीय स्टैंडर्ड के लिए स्वदेशी विकसित तकनीक का उपयोग करता है के वाणिज्यीकरण के लिए प्राप्त किया। कम्पैक्ट जेन डीटीएस का एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर में कई लेवल के ट्रेनिंग समाधान शामिल हैं जो एक नौशिखुआ के साथ साथ एक ट्रेंड ड्राइवर को भी संतुष्ट करेगा।

मैसर्स डायोनिक्स ऑटोमेशन (आई) प्राईवेट लिमिटेड, नासिक, महाराष्ट्र

कम्पनी ने यह पुरस्कार डायोन : स्वत: धुंधला होन की सुविधा की विशिष्टता युक्त ताररहित लाइटिंग मैनेजमेंट मॉनिटरिंग स्टेशन के साथ ऊर्जा बचत करने वाली एमएजी संयोजित प्रेरण प्रकाश जो कि एक रियल टाईम क्लॉक माइक्रोकंट्रोलर आधारित तकनीक है के वाणिज्यीकरण के लिए प्राप्त किया। यह उत्पाद कन्वेंशनल लाईटिंग सिस्टम की अपेक्षा आश्चर्यजनक रुप से ऊर्जा की बचत करता है।

बोर्ड, पुरस्कार विजेताओं के चयन के लिए, चयन समिति के सदस्यों का आभार प्रकट करता है।

पुरस्कारों का वितरण

प्रौद्योगिकी दिवस समारोह-2012, 11 मई, 2012 को मनाया गया और मुख्य अतिथि के रुप में भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। श्री विलासराव देशमुख, मंत्री, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान ने इस अवसर पर भागीदारों का सम्बोधित किया।

उद्योगों के साथ पारस्परिक बैठकें

टी डी बी ने उद्योगों, संभावित उद्यमियों और प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ताओं के साथ उद्योग संघों और आर एंड डी संगठनों इत्यादि के साथ बहुत सी बैठकें आयोजित की। टी डी बी ने विभिन्न प्रदर्शनियों में भी भाग लिया।

इन बहुविध प्लेटफॉर्मो के माध्म से टी डी बी ने उद्योगों, आर एंड डी संगठनों, अकादमी संस्थानों, वैज्ञानिक और औद्योगिक शोध संगठनों इत्यादि में विशेषकर देश में विकसित प्रौद्योगिकी के लिए उनके वाणिज्यीकरण प्रयासों के लिए आसान शर्तो पर वित्तीय सहायता की उपलब्धता के बारे में जागरुकता फैलाती है।

इस प्रकार की बैठकें सितम्बर, 1996 से भारत और विदेशों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत अहमदाबाद, बैंगलोर, बेईजिंग (चीन), ब्रुसेल्स (बेल्जियम), भोपाल, भुवनेश्वर, बिकानेर, बुडापेस्ट (हंगरी), काईरो (मिस्त्र), चंडीगढ़, चेन्नई, चिदम्बरम, कोयम्बटूर, देहरादून, दिल्ली, देवानगेरे, गुजरात, गुड़गांव, गुवाहाटी, ग्रेटर नोएडा, हनोवर (जर्मनी), हैदराबाद, हुबली, इम्फाल, इंदौर, इस्ताम्बूल (टर्की), जयपुर, झुनझुनु, जम्मू, जोहान्सवर्ग (दक्षिण अफ्रिका), कानपुर, केरल, कोची, कोलकाता, लखनऊ, लुधियाना, मैड्रिड (स्पैन), मदुरई, मुम्बई, मैसूर, नई दिल्ली, नोएडा, नागपुर, नैनीताल, ऑक्सफोर्ड (यू. के.), पुने, राजामुन्द्री, राजापलायम, राजकोट, रुरकी, रुद्रपुर, साओ पाउलो (ब्राजील), शिलोंग, शिमला, तमिलनाडु, थेस्सालोनिकी (ग्रीस), तिरुवनन्तपुरम, तिरुचिरापल्ली, उदयपुर, वापी, वेल्लोर, विजयवाडा में आयोजित की गई।

टीडीबी द्वारा अब तक हस्ताक्षर किए गए करारों का राज्यवार वितरण का विश्लेषण यह दर्शाता है कि वाणिज्यीक उद्यमियों को देशीय प्रौद्योगिकीयों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए और अधिक प्रयास करने की जरुरत है एवं अब तक कवर नहीं किए गए अन्य राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में प्लांट लगाए जाने चाहिए।

M/s Zen Technologies Ltd., Hyderabad

The company has received this award for commercializing a range of cost-effective Simulators for various applications, especially the Zen Driving Training Simulator (Zen DTS) for overseas market (with motion platform that offers six degrees of freedom) meeting the stringent CE standard, utilizing indigenously developed technologies for international standards. The application software of the compact Zen DTS contains various levels of training solutions that would satisfy a novice as well as a trained driver.

M/s Diaonics Automation (I) Pvt. Ltd., Nasik, Maharashtra

The company has received this award for commercialization of DIAON: Energy Saving MAG Coupled Induction lights with Wirefree Lighting Management Monitoring Station with inbuilt intelligent feature of Auto Dimming facility, which is Real Time Clock Microcontroller based technology. The product saves on account of energy consumption substantially as compared to conventional lighting system.

The Board expresses its grateful appreciation to the members of the Selection Committee for selecting the award winners.

Presentation of the Awards

The Technology Day Function 2012 celebrated on 11th May 2012 was presided over by former President of India Dr. A.P.J. Abdul Kalam as Chief Guest. Shri Vilasrao Deshmukh, Minister for Science and Technology & Earth Sciences addressed the participants on the occassion.

Interactive Meetings with Industry

TDB organised a series of interactive meetings with industry, potential entrepreneurs and technology providers through the industry associations and R&D organizations, etc. TDB also participates in various exhibitions.

Through these multifunctional platforms, TDB aims at creating an awareness amongst the Industries, R&D Organisations, Academic Institutions, Scientific and Industrial Research Organisations, etc., on the availability of financial assistance on soft terms for their commercialization efforts especially for indigenously developed technologies.

Such meetings have been held in India and abroad under the Ministry of Science & Technology at Ahmedabad, Bangalore, Beijing (China) Brushells (Belgium), Bhopal, Bhubaneswar, Bikaner, Budapest (Hungary), Cairo (Egypt), Chandigarh, Chennai, Chidambaram, Coimbatore, Dehradun, Delhi, Devangere, Gujarat, Gurgaon, Guwahati, Greater Noida, Hannover (Germany), Hyderabad, Hubli, Imphal, Indore, Istanbul (Turkey), Jaipur, Jhunjhunu, Jammu, Johannesburg (South Africa), Kanpur, Kerala, Kochi, Kolkata, Lucknow, Ludhiana, Madrid (Spain), Madurai, Mumbai, Mysore, New Delhi, Noida, Nagpur, Nainital, Oxford (UK), Pilani, Pune, Rajahmundry, Rajapalayam, Rajkot, Roorkee, Rudrapur, Sao Paulo (Brazil), Shillong, Shimla, Tamilnadu, Thessaloniki (Greece), Thiruvananthapuram, Tiruchirappalli, Udaipur, Vapi, Vellore,Vijayawada, since September 1996.

An analysis of the state-wise distribution of agreements signed so far by TDB indicates that more efforts are needed to encourage commercial enterprises to adopt indigenous technologies and set up plants in other States and Union Territories that have not been covered so far.

टीडीबी ने देश भर में फैले चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स, ट्रेड संघों एवं संस्थानों के घनिष्ठ समन्वय में कार्यशालाएं आयोजित की और भागीदारी की। टी डी बी के अधिकारियों ने वर्ष 2012-13 के दौरान प्रदर्शनियों में भाग लिया और उद्योगों एवं संस्थानों के साथ पारस्परिक बैठकें आयोजित की जिनकी सूची निम्नलिखित है :-

जून 6 - 8, 2012

टीडीबी ने एम एम एक्टिव साइंस-टेक कम्यूनिकेशन, नई दिल्ली की ओर से बैंगलोर इन्टरनेशनल एक्जीबिशन सेंटर (बीआईईसी), बैंगलोर में 6-8 जून, 2012 को आयोजित ''ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट-2012'' सेमिनार में हिस्सा लिया। इस अवसर पर भारत व दूसरे देशों के प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनियों के संचालक, नीतिकारों, अनुसंधान प्रमुखों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, निवेश प्रोत्साहन एजेंसियों, उद्यमियों एवं विद्वत्परिषद का समागम हुआ।

जूलाई 6 - 8, 2012

टीडीबी ने उद्यमिता विकास संस्थान, उत्तर प्रदेश (आईइडीयूपी) की ओर से 6-8 जूलाई, 2012 के दौरान इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान (आईजीपी), गोमती नगर, लखनऊ में आयोजित ''एमएसएमई एक्जिविशन व सेमिनार 2012'' प्रदर्शनी को प्रायोजित किया व उसमें हिस्सा लिया। इस प्रदर्शनी का मकसद उद्योगों, मंत्रालयों, सरकारी विभागों, अनुसंधाान व विकास संस्थानों एवं लोगों को संबंधित मुद्दों के साथ-साथ मौजूदा परिस्थिति पर विचार करने, जीएपी'एस एक्सचेंज विचारों की पहचान करने और एक दूसरे से कुछ सीखने का एकल प्लेटफॉर्म प्रदान करना था।

अगस्त 18 - 19, 2012

टीडीबी ने बिट्स, पिलानी द्वारा बिरला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, पिलानी राजस्थान में 18-19 अगस्त, 2012 के दौरान आयोजित ''टेक बाजार 2012'' प्रदर्शनी को प्रायोजित किया और उसमें भाग लिया। दो दिनों की इस प्रदर्शनी में राष्ट्रीय स्तर की प्रौद्योगिकी आधारित नवाचारी स्पर्धा व उद्योगों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों जिसमें कुछ कामयाब उद्यमी, वेंचन कैपिटलिस्ट व बैंकर्स शामिल थे, का आयोजन किया गया था। इस प्रदर्शनी में विद्यार्थियों, पेशेवरों, वैज्ञानिकों व शिक्षा जगत के लोगों ने अपने नवाचारी विचार व प्रौद्योगिकी को प्रदर्शित करने व व्यापारकि दृष्टि से व्यवहारिक जन समस्याओं का समाधान करने का मौका मिला और इस प्रकार प्रौद्योगिकी आधारित उद्यमिता का प्रोत्साहन प्राप्त हुआ।

सितम्बर 12 - 15, 2012

टीडीबी ने केरल सरकार की ओर से 12-15 सितम्बर, 2012 के दौरान कोच्चि, केरल में ''इमर्जिंग केरल 2012'' प्रदर्शनी में भाग लिया।

अक्टूबर 26 - 27, 2012

टीडीबी ने आईकेपी नॉलेज पार्क, हैदराबाद की ओर से 26-27 अक्टूबर, 2012 के दौरान हैदराबाद इंटरनेशनल कवेंशन सेंटर, हैदराबाद में ग्लोबल इनोवेशन एक्सचेंज पर आधारित आयोजित ''छठे इन्टरनेशनल नॉलेज मिलेनियम कॉन्फ्रेंस आइकेएमसी 2012'' को प्रायोजित किया व उसमें हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य देखभाल, अक्षय ऊर्जा व मोबाईल मीडिया जैसे तीन तेजी से विकास करने वाले क्षेत्र, जिसमें समाज को प्रभावित करने की काफी क्षमता है में नये नवोन्मो एसएमईएस को नेटवर्किंग एवं अनुभाव बांटने के लिए प्लेटफॉर्म प्रदान करना था।

नवम्बर 14 - 27, 2012

टीडीबी ने इंडिया ट्रेड प्रमोशन आर्गेनाइजेशन, नई दिल्ली की ओर से 14-27 नवम्बर, 2012 के दौरान नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित ''32वें इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर-2012'' में भाग लिया।

TDB has participated and organized workshops in close co-ordination with chambers of commerce, trade associations and institutions spread all over the country. TDB officers participated in exhibitions and interactive meetings held with industry and institutions during 2012-13. These are listed below:

June 6 – 8, 2012

TDB participated in "Global Investors Meet-2012" seminar held during 6th – 8th June, 2012 at Balgalore International Exhibition Centre (BIEC), Bangalore, organized by MM Active Sci-Tech Communications, New Delhi. The event was a confluence of Leading Multinationals, Industry Leaders from India & overseas, Policy Makers, Research Heads, Trade Bodies, Investment Promotion Agencies, Entrepreneurs and Academia.

July 6-8, 2012

TDB sponsored & participated in the"MSME Exhibition & Seminar 2012" exhibition held during 6th – 8th July, 2012 at Indira Gandhi Pratishthan (IGP), Gomati Nagar, Lucknow, organized by Institute of Entrepreneurship Development, Uttar Pradesh (IEDUP). The objective of the event was to provide a single platform to Industries, Ministries, Govt. Departments, R&D Institutions and people to discuss pertinent issues vis-à-vis current scenario, identify the GAP's exchange ideas, learn lessons from each other.

August 18 – 19, 2012

TDB sponsored & participated in the "Tech Bazar 2012" exhibition held during 18th – 19th August, 2012 at Birla Institute of Technology and Science, Pilani, Rajasthan organized by BITS Pilani. The two days event has included a national level technology based innovations competition and lecture sessions by eminent experts from industry including some successful entrepreneurs, venture capitalists and bankers. The envent had provided an opportunity to students, professionals, scientists and members fo the academic world to show case their innovative ideas and technologies developed to solve the problems of masses, which are commercially viable and thus foster the spirit of technology based entrepreneurship.

September 12 – 15, 2012

TDB participated in "Emerging Kerala 2012" exhibition held during 12th – 15th September, 2012 at Kochi, Kerala, organized by Government of Kerala.

October 26 – 27, 2012

TDB sponsored &participated in the "6th International Knowledge Millennium Conference, IKMC 2012" on Global Innovation Exchange held during 26th – 27th October, 2012 at Hyderabad International Convention Centre, Hyderabad, organized by IKP Knowledge Park, Hyderabad. The event was aimed to provide a platform for networking and experience sharing to innovative SMEs in healthcare, renewable energy and mobile media, the three rapidly growing sectors with potential for high societal impact.

November 14 – 27, 2012

TDB participated in the "32nd India International Trade Fair- 2012" held during 14th – 27th November, 2012 at Pragati Maidan, New Delhi, organized by India Trade Promotion Organization, New Delhi.

नवम्बर 29 – दिसम्बर 1, 2012

टीडीबी ने टेलीमेडिसीन सोयायटी ऑफ इंडिया की ओर से कोयम्बटूर स्थित होटल जी मेरेडियन में 29 नवम्बर से 1 दिसम्बर, 2012 के दौरान आयोजित ''8वें वार्षिक कॉन्फ्रेंस – टेलीमेडिकॉम 12'' सेमिनार को प्रायोजित किया व उसमें हिस्सा लिया। टेलीमेडिकॉम, टेलीमेडिसीन सोयायटी ऑफ इंडिया द्वारा भारत में टेलीहेल्थ प्रैक्टिस को बढ़ावा देने व उसमें जागरुकता लाने की ओर एक पहल है। इसके माध्यम से दुनियाभर के टेलीमेडिसीन विशेषज्ञों व स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र के पेशेवरों को जोड़ा जाता है।

दिसम्बर 12 – 13, 2012

टीडीबी ने कॉन्फेरेन्श ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई), नई दिल्ली द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से 12-13 दिसम्बर, 2012 के दौरान नई दिल्ली स्थित होटल द ललित में आयोजित ''ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट एंड टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म'' में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में दक्षिण कोरिया भागीदार देश था। समिट में कोरिया गणतंत्र की सरकार में शिक्षा, विज्ञान व प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री जू-हो ली के नेतृत्व में दक्षिण कोरिया से अधिकारियों व व्यवसायियों का एक बड़ा दल हिस्सा लेने पहुंचा था।

जनवरी 22 – 24, 2013

टीडीबी ने सर्वे ऑफ इंडिया (एसओआई) एवं नेशलन रिमोट सेंसिंग एजेंसी (एनआरएसए), हैदराबाद के साथ मिलकर जियोस्पेसियल मीडिया एंड कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड, नोएडा द्वारा 22-24 जनवरी, 2013 के दौरान हैदराबाद में आयोजित ''इंडिया जियोस्पेसियल फोरम'' में हिस्सा लिया।

वेब साईट

टी डी बी के लिए वेबसाईट निम्नलिखित पते पर उपलब्ध है :-

i) www.tdb.gov.in

November 29 – December 1, 2012

TDB sponsored &participated in the "8th Annual Conference –Telemedicon 12" seminar held during November 29th – December 1st, 2012 at Hotel Le Medidien, Coimbatore organized by Telemedicine Society of India. Telemediconis an initiative of the Telemedicine Society of India to increase the awaresness and Practice of telehealth in India. It brings together telemedicine experts and healthcare professionals from around the world.

December 12 – 13, 2012

TDB participated in "Global Technology Summit & Technology Platform" held during 12th – 13th December, 2012 at Hotel TheLalit, New Delhi, organized by Confederation of Indian Industry (CII), New Delhi in association with the Department of Science & Technology (DST), Gov. of India, New Delhi. South Korea was the Partner Country of the event. A large official and business delegation from South Korea led by Mr. Ju-Ho Lee, Minister of Education, Science & Technology, Government of Republic of Korea participated the summit.

Januray 22 – 24, 2013

TDB participated in "India Geospatial Forum" held during 22nd – 24th January, 2013 at Hyderabad, organized by Geospatial Media and Communications Pvt. Ltd., Noida in association with Survey of India (SOI) and National Remote Sensing Agency (NRSA), Hyderabad.

Web site

The web-site for TDB is available on the following address:

i) www.tdb.gov.in

अनुसंधान एवं विकास उपकर

अनुसंधान एवं विकास उपकर अधिनियम 1986 यथा संशोधित 1995 को प्रौद्योगिकी के आयात के लिए सभी भुगतान पर उगाही और उपकर के समाहरण करने के लिए बनाया गया है। उपकर की दर 5 प्रतिशत है। औद्योगिक इकाईयां जो कि ऐसे आयातों के लिए भुगतान करने अथवा भुगतान किए जाने से पूर्व प्रौद्योगिकी आयात करती हैं, पर उपकर देय होता है। यह उपकर भारत के संचित निधि में जमा होता है। इसको देश में विकसित प्रौद्योगिकी के वाणिज्यीकरण और विदेशी प्रौद्योगिकी को वृहत रुप से घरेलू उपयोग के लिए अपनाए जाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एकत्र किया जाता है।

भारत सरकार, उपकर समाहरण विनियोजन के माध्यम से प्रौद्योगिकी विकास और उसके प्रयोग के लिए फंड का भुगतान करती है जिसे देश में विकसित प्रौद्योगिकी के विकास एवं वाणिज्यीकरण और आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाए जाने के लिए उपयोग किया जाता है। यह निधि प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड द्वारा प्रशासित की जाती है।

उपकर, समाहरण एवं भुगतान (1997 - 2013)

निम्नलिखित सारणी 1996-97 (जिस वर्ष प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, भारत सरकार द्वारा गठित किया गया) से वर्षवार उपकर समाहरण, टीडीबी को आवंटन तथा भुगतान को दर्शाती है:-

रिसर्च एंड डेवेलपमेंट सेस, कलेक्शन एंड डिस्बूरेसमेंटस

(करोड़ रु. में)

वर्ष	उपकर समाहरण (सी.ए.जी. के आंकड़े)	टीडीबी को आवंटन		सरकार द्वारा टीडीबी को किया गया वास्तविक भुगतान
		अनुमानित बजट	संशोधित बजट	
1996-97	80.13	30.00	30.00	29.97
1997-98	81.42	70.00	49.93	49.93
1998-99	81.10	50.00	20.00	28.00
1999-00	88.93	70.00	50.00	50.00
2000-01	98.91	70.00	63.00	62.79
2001-02	95.30	63.00	57.00	57.00
2002-03	99.47	58.00	56.00	56.00
2003-04	119.51	55.00	53.65	53.65
2004-05	156.99	54.00	48.10	48.10
2005-06	176.61	43.50	42.65	42.66
2006-07	186.56	33.50	4.90	4.32
2007-08	254.09	63.00	60.00	19.00
2008-09	310.33	20.80	4.67	-
2009-10	418.22	50.00	20.00	-
2010-11	592.22	50.00	50.00	5.00
2011-12	702.54	50.00	50.00	-
2012-13	685.62	50.00	50.00	22.50
कुल	**4227.95**	**880.80**	**709.90**	**528.92**

वर्ष 1996-2013 की अवधि के दौरान अनुसंधान एवं विकास उपकर समाहरण के कुल 4227.95 करोड़ रु. में से सरकार ने 17 वर्षो (1996-2013) के दौरान टीडीबी को 528.92 करोड़ रु. की संचित राशि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के गैर-योजना व्यय में से अनुदान सहायता के रुप में उपलब्ध कराया गया।

RESEARCH AND DEVELOPMENT CESS

The Research and Development Cess Act, 1986, as amended in 1995, provides for the levy and collection of cess on all payments made towards the import of technology. The rate of cess is 5 percent. The cess is payable by an industrial concern which imports technology on or before making any payments towards such import. The proceeds of the cess are credited to the Consolidated Fund of India. The cess is levied and collected for the purpose of encouraging the commercial application of indigenously developed technologies and for adapting imported technologies for wider domestic application.

Out of the cess collections, the Government of India, through appropriations made by Parliament, pay to the Fund for Technology Development and Application to be utilized for development and commercialization of indigenous technology and adaptation of imported technology. The Fund is administered by the Technology Development Board.

Cess Collections and Payments (1996-2013)

The following table indicates the year-wise cess collection from 1996-97 (the year in which the Technology Development Board was constituted by the Government) and allocations to TDB and payments to TDB.

Research and Development Cess, Collections and Disbursements

(Rs. in crore)

Year	Cess Collection (CAG's (Figures)	Allocation to TDB		Actual Payment to TDB by Govt.
		Budget Estimate (BE)	Revised Estimate (RE)	
1996-97	80.13	30.00	30.00	29.97
1997-98	81.42	70.00	49.93	49.93
1998-99	81.10	50.00	20.00	28.00
1999-00	88.93	70.00	50.00	50.00
2000-01	98.91	70.00	63.00	62.79
2001-02	95.30	63.00	57.00	57.00
2002-03	99.47	58.00	56.00	56.00
2003-04	119.51	55.00	53.65	53.65
2004-05	156.99	54.00	48.10	48.10
2005-06	176.61	43.50	42.65	42.66
2006-07	186.56	33.50	4.90	4.32
2007-08	254.09	63.00	60.00	19.00
2008-09	310.33	20.80	4.67	0.00
2009-10	418.22	50.00	20.00	0.00
2010-11	592.22	50.00	50.00	5.00
2011-12	702.54	50.00	50.00	0.00
2012-13	685.62	50.00	50.00	22.50
Total	**4227.95**	**880.80**	**709.90**	**528.92**

A total of Rs. 4227.95 crore was collected through R&D cess during the year1996-2013. The Government however has made available to TDB a cumulative sum of Rs. 528.92 crore over the period of 17 years (1996-2013) through Grant-in-aid from non-plan expenditure of Department of Science and Technology.

प्रशासन

वार्षिक रिपोर्ट और परीक्षित लेखे

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 के अध्याय 12 में यह उल्लेख है कि बोर्ड अपनी वार्षिक रिपोर्ट तैयार करेगा जिसमें पिछले वित्तीय वर्ष की गतिविधियों का पूरा वर्णन किया जाएगा। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम के धारा 13 (4) के अनुसार बोर्ड केन्द्र सरकार को लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ अपनी लेखाओं की लेखा परीक्षित प्रति प्रस्तुत करेगा।

टी डी बी की वर्ष 2011–12 की वार्षिक रिपोर्ट सहित वार्षिक लेखों की लेखा परीक्षित प्रति राज्य सभा एवं लोक सभा के पटल पर क्रमशः दिनांक 6 अगस्त, 2014 और 7 अगस्त, 2014 को रख दी गई है।

टी डी बी सचिवालय

नये पदधारक

(i) श्री जी. रवि कुमार ने दिनांक 1 मई, 2012 से अनुभाग अधिकारी के रुप में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड में कार्यभार ग्रहण किया।

(ii) श्री हेमंत कुलकर्णी ने दिनांक 1 अगस्त, 2012 से वैज्ञानिक 'एफ' के रुप में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड में कार्यभार ग्रहण किया।

आयकर छूट

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सी बी डी टी), नई दिल्ली ने टी डी बी को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10[23सी (iv)] के तहत आकलन वर्ष 2000–01 और आगे के लिए 18 मई, 2007 के एवं 21 मई, 2007 को जारी अधिसूचना सं. 173/2007 के तहत छूट प्रदान की है।

राजभाषा कार्यान्वयन

टी डी बी ने अपने गठन के समय से सरकार के राजभाषा संबंधी विभिन्न प्रावधानों को कार्यान्वित किया है और अधिसूचनाएं, वार्षिक रिपोर्ट, परियोजना वित्तपोषण दिशा निर्देश, ब्रोशर्स, वाउचर्स इत्यादि को द्विभाषी रुप में मुद्रित किया है। विभिन्न प्रदर्शनियों में दर्शाए जाने वाली प्रदर्शन संबंधी वस्तुओं / पैनलों को हिन्दी एवं अंग्रेजी में तैयार किया गया है।

ADMINISTRATION

Annual Report and Audited Accounts

Section 12 of the Technology Development Board Act, 1995, prescribes that the Board shall prepare its annual report, giving a full account of its activities during the previous financial year. As per section 13(4) of the Technology Development Board Act, the Board has to furnish to the Central Government, its audited copy of accounts together with auditor's report.

The Annual Report, including audited copy of the Annual Accounts of the Technology Development Board for the year 2011-12 was laid before Rajya Sabha and Lok Sabha on 6th August, 2014 and 7th August, 2014 respectively.

TDB Secretariat

New Incumbent

(i) Shri G. Ravi Kumar has joined the Technology Development Board as Section Officer with effect from 1st May, 2012.

(ii) Shri Hemant Kulkarni has joined the Technology Development Board as Scientist 'F' with effect from 1st August, 2012.

Income Tax exemption

The Central Board of Direct Taxes (CBDT), New Delhi has granted exemption to TDB - u/s 10[23C(iv)] of the Income Tax Act, 1961 for the further period i.e. Assessment Year 2000-01 and onwards vide notification no. 173/2007 dated 18th May, 2007 issued on 21st May 2007.

Implementation of Official Language

The Technology Development Board, since its inception, has implemented various provisions pertaining to the official language of the Union, and had printed Notifications, Annual Reports, Project Funding Guidelines, Brochures, Vouchers etc. in Hindi and English. The exhibits / panels are prepared in Hindi and English for display in various exhibitions.

प्रारंभिक जांच समिति के सदस्य

अगरवाल अनुराग डॉ.	वैज्ञानिक, आईजीआईबी, नई दिल्ली
अगरवाल अनिता डॉ.	वैज्ञानिक 'सी', डी एस टी
अगरवाल एस. पी.	पूर्व-जीएम, बैंक ऑफ बड़ौदा, नई दिल्ली
आहुजा ए. सी.	भूतपूर्व सीएमडी, आईवीसीएफ, नई दिल्ली
बैनर्जी सुजीत	वैज्ञानिक 'एफ', डी एस टी
भार्गव बी. डॉ.	पूर्व-निदेशक, एमएनआरई, नई दिल्ली
भट्टाचार्या आर. डॉ.	पूर्व-वैज्ञानिक 'जी', एनपीएल, नई दिल्ली
बिश्वास सौमित्र	सलाहकार / वैज्ञानिक 'जी', टीआईफएसी, नई दिल्ली
बुधिराजा रेणु	निदेशक एवं एचओडी, ई-गवर्नेंस ग्रुप, आईटी विभाग, नई दिल्ली
चन्द्रकांत एस. पांडव डॉ.	प्रोफ. एवं हेड, कम्यूनिटी मेडिसीन केन्द्र, एआईआईएमएस, नई दिल्ली
चौधरी शांतनु	वैज्ञानिक 'ई-1', आईजीआईबी, नई दिल्ली
धर वतल डॉली डॉ.	प्रोफेसर (मुख्य वैज्ञानिक), आईएआरआई, डीएमसीसीयूबीजीए, नई दिल्ली
धवन एस. के. डॉ.	वैज्ञानिक 'जी', राष्ट्रीय फिजिकल प्रयोगशाला, नई दिल्ली
धूमल जयसिंह	मुख्य संयोजक, तकनीकी वित्त समूह, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, मुम्बई
दिक्षित सौरभ डॉ.	सहायक प्रोफसर, भारतीय टूरिज्म एवं ट्रेवेल मैनेजमेंट संस्थान, ग्वालियर (एमपी)
गौतम गोस्वामी डॉ.	वैज्ञानिक 'ई', टीआईफएसी, नई दिल्ली
गोडसे विनय	निदेशक, डाटा सुरक्षा, भारतीय डाटा सिक्यूरिटी काउंसिल, नई दिल्ली
गोपाल बी हरि डॉ.	वैज्ञानिक 'जी', डीएसटी, नई दिल्ली
गुलाटी विक्रम	निदेशक, नेशनल ऑटोमोटिव टेस्टिंग एवं आर एण्ड डी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट, नई दिल्ली
गुप्ता अमित डॉ.	सहायक प्रोफेसर, मेकेनिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी दिल्ली
गुप्ता अनिता डॉ.	वैज्ञानिक, एनईबी डिविजन, डीएसटी
काकोदकर राहुल डॉ.	हेपेटोबिलियरी-पेनक्रिएटिक एवं लिवर ट्रांसप्लांट सर्जन, मेदान्ता लिवर ट्रांसप्लांटेसन एवं रिजेनेरेटिव मेडीसिन संस्थान, मेदान्ता, गुड़गॉव

MEMBERS FOR THE INITIAL SCREENING COMMITTEES

Agarwal Anurag Dr.	Scientist, IGIB, New Delhi
Aggarwal Anita Dr.	Scientist ‘C’, DST
Aggarwal S.P	Ex-GM, Bank of Baroda, New Delhi
Ahuja A.C	Former CMD, IVCF, New Delhi
Banerjee Sujit	Scientist ‘F’, DST
Bhargava B.Dr.	Ex–Director, MNRE, New Delhi
Bhattacharyya R. Dr.	Ex-Scientist ‘G’, NPL, New Delhi
Biswas Soumitra	Adviser/ Scientist ‘G’, TIFAC, New Delhi
Budhiraja Renu	Director & HOD, e-Governance Group, Dept. of IT, New Delhi
Chandrakant S. Pandav Dr.	Prof.& Head, Center for Community Medicine, AIIMS, New Delhi
Chowdhary Shantanu	Scientist ‘E-1’ IGIB, New Delhi
Dhar Wattal Dolly Dr.	Professor (Principal Scientist), IARI, DMCCUBGA, New Delhi
Dhawan S. K. Dr.	Scientist ‘G’, National Physical Laboratory, New Delhi
Dhumal Jaisingh	Chief Manager, Technology Finance Group, ICICI Bank Limited, Mumbai
Dixit Saurabh Dr.	Assistant Professor, Indian Institute of Tourism and Travel Management, Gwalior (MP)
Gautam Goswami Dr.	Scientist ‘E’, TIFAC, New Delhi
Godse Vinaya	Director, Data Protection, Data Security Council of India, New Delhi
Gopal B. Hari Dr.	Scientist ‘G’ DST, New Delhi
Gulati Vikram	Director, National Automotive Testing and R&D Infrastructure Project, New Delhi
Gupta Amit Dr.	Assistant Professor, Department of Mechanical Engg. IIT Delhi
Gupta Anita Dr.	Scientist, NEB Division, DST
Kakodkar Rahul Dr.	Hepatobiliary-Pancreatic & Liver Transplant Surgeon, Medanta Institute of Liver Transplantation and Regenerative Medicine, Medanta, Gurgaon

कर प्रेमाशीस डॉ.	प्रमुख, मेडीसिन विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली
कस्तूरा संगीता डॉ.	वैज्ञानिक 'डी', डीबीटी, नई दिल्ली
कौर सवनीत डॉ.	सहायक प्रोफेसर, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोयडा
खरे मुकेश डॉ.	एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईटी, दिल्ली
कृष्णन ए. एस. ए	वैज्ञानिक 'जी', एमसीआईटी, नई दिल्ली
कुलकर्णी एम. आर.	वैज्ञानिक 'एफ', डीएसटी, नई दिल्ली
कुमार सुदीप डॉ.	मुख्य, प्लानिंग एवं परफोर्मेंस डिवीजन (पीपीडी), साइंटिफिक एवं इंडस्ट्रियल रिसर्च काउंसिल (सीएसआईआर),
कुमार विनय	वैज्ञानिक 'डी', डीएसआईआर
मलिक एच. के. डॉ.	एसोसिएट प्रोफेसर, भौतिकी विभाग, आईआईटी दिल्ली
माथुर अजय डॉ.	डीजी, इनर्जी एफिसिएन्सी ब्युरो, दिल्ली
माथुर आर. एम. डॉ.	निदेशक, केन्द्रीय पल्प एवं पेपर अनुसंधान संस्थान, सहारनपुर (यूपी)
मिश्रा सुकुमार डॉ.	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी, दिल्ली
मित्तल अशोक	सीईओ, सिटीलाईफ हेल्थकेयर प्रा. लि., नई दिल्ली
मुबसीर साजिद	वैज्ञानिक 'एफ', टीआईफएसी
मुखोपाध्याय ए. डॉ.	वैज्ञानिक 'जी', एसईआरसी, डीएसटी
मुरली मोहन के. आर. डॉ.	वैज्ञानिक 'एफ', एनआरडीएमएस, डीएसटी
नन्दन वैशाली	वरिष्ठ सलाहकार, डियूस्चे जेसेलसाफ्ट फॉर इंटरनेशनाले जूसामेनरबेइट, जीएमबीएच, नई दिल्ली
निगम दिलीप डॉ.	वैज्ञानिक 'एफ', एमएनआरई, नई दिल्ली
नियोगी यू. के. डॉ.	संयुक्त निदेशक, श्रीराम औद्योगिक अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
पार्थप्रसाद चट्टोपाध्याय डॉ.	अतिरिक्त प्रोफेसर, जैवरासायन विभाग, एआईआईएमएस, नई दिल्ली
राव टी. एस. डॉ.	वैज्ञानिक 'जी', डीबीटी, नई दिल्ली
रेड्डी वंगा सिवा प्रोफे.	पीटीजी, आईसीजीईबी, नई दिल्ली
रॉय प्रवीण	वैज्ञानिक 'डी', एनईबी डिवीजन, डीएसटी, नई दिल्ली

Kar Premashis Dr.	Head, Department of Medicine, Maulana Azad Medical College, New Delhi
Kastura Sangita Dr.	Scientist 'D', DBT, New Delhi
Kaur Savneet Dr.	Assistant Professor, School of Biotechnology, Gautam Budh University, Greater Noida
Khare Mukesh Dr.	Associate Professor IIT , Delhi
Krishnan A. S. A.	Scientist 'G', MCIT, New Delhi
Kulkarni M. R.	Scientist 'F', DST, New Delhi
Kumar Sudip Dr.	Head Planning and Performance Division (PPD) Council of Scientific & Industrial Research (CSIR)
Kumar Vinay	Scientist 'D', DSIR
Malik H.K. Dr.	Associate Professor, Department of Physics, IIT-Delhi
Mathur Ajay Dr.	DG, Bureau of Energy Efficiency, Delhi
Mathur R. M Dr.	Director, Central Pulp & Paper Research Institute, Saharanpur (UP)
Mishra S. K Dr.	Prof.& Head, Department of Endocrine Surgery Sanjay Gandhi PG Institute of Medical Sciences, Lucknow
Mishra Sukumar Dr.	Dept. of Electrical Engg., IIT Delhi
Mittal Ashok	CEO, Citylife Healthcare Pvt. Ltd., New Delhi
Mubashir Sajid	Scientist 'F', TIFAC
Mukhopadhyay A. Dr.	Scientist 'G', SERC, DST
Murali Mohan K. R. Dr.	Scientist 'F', NRDMS, DST
Nandan Vaishali	Senior Advisor, Deutsche Gesellschaft Für Internationale Zusammenarbeit, GmbH, New Delhi
Nigam DilipDr.	Scientist 'F', MNRE, New Delhi
Niyogi U. K. Dr.	Joint Director Shriram Institute of Industrial Research, New Delhi
Parthaprasad Chattopadhyay Dr.	Additional Professor, Department of Biochemistry, AIIMS, New Delhi
Rao T.S. Dr.	Scientist 'G' DBT, New Delhi
Reddy Vanga Siva Prof.	PTG, ICGEB, New Delhi
Roy Praveen	Scientist 'D', NEB Division, DST, New Delhi

समाथानम जी. जे. डॉ.	वैज्ञानिक 'जी', डीएसटी
सरदार अर्घ्या	वैज्ञानिक 'ई', टाईफैक
शास्त्री ओ. एस. डॉ.	वैज्ञानिक 'एफ'/निदेशक–एसईसी, एमएनआरई
सरकार बी. एन.	वैज्ञानिक 'एफ', डीएसआइआर
शाहनी डी. टी.	आइडीडीसी, आईआईटी दिल्ली
सिंह हरपाल डॉ.	प्रोफेसर, जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग, एआईआईएमएस एवं आईआईटी दिल्ली
सिंह आर. पी.	वैज्ञानिक, पीपीडी विभाग, सीएसआईआर
ठुकराल अंजलि	एवीपी एवं सीएस, डीसीपीएल, गुड़गांव
तुली डी. के. डॉ.	इडी, आईओसी, आरएण्डडी केन्द्र
तुली सुनीत प्रोफे.	प्रोफेसर (प्रमुख), सेंटर फॉर अप्लाईड रिसर्च इन इलेक्ट्रॉनिक्स, आईआईटी दिल्ली
वार्सनेय के. सी.	भूतपूर्व ईडी, आईडीबीआई, नई दिल्ली
वरुण विमल कुमार	वैज्ञानिक 'एफ', डी एस आई आर

Samathanam G. J. Dr.	Scientist ‘G’ DST
Sardar Arghya	Scientist ‘E’ TIFAC
Sastry O.S. Dr.	Scientist ‘F’/Director-SEC, MNRE
Sarkar B. N.	Scientist ‘F’, DSIR
Shahani D. T.	IDDC IIT Delhi
Singh Harpal Dr.	Professor, Centre for Biomedical Engineering, AIIMS & IIT Delhi
Singh R. P.	Scientist, PPD Division, CSIR
Thukral Anjali	AVP & CS, DCPL, Gurgaon
Tuli D.K. Dr.	ED, IOC, R&D Centre,
TuliSuneet Prof.	Professor (Head), Centre for Applied Research in Electronics, IIT Delhi
Varshney K. C.	Former ED, IDBI, New Delhi
Varun Vimal Kumar	Scientist ‘F’, DSIR

परियोजना मूल्यांकन एवं परियोजना अनुविक्षण समितियों के विशेषज्ञों के नाम

अगरवाल अनुराग डॉ.	वैज्ञानिक, आईजीआईबी, नई दिल्ली
अगरवाल एस. पी.	पूर्व-जीएम, बैंक ऑफ बरौदा, नई दिल्ली
आर्या कवि प्रोफे.	एसोसिएट प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, आई आई टी मुम्बई
बेदी बी. एस.	सलाहकार, हेल्थ इन्फॉर्मेटिक्स, सीडैक एवं प्रेजीडेंट, टीएसआई एवं एग्जक्यूटिव मेम्बर, आईएएमआई, दिल्ली
बैनर्जी सुजीत	वैज्ञानिक, डी एस टी, नई दिल्ली
चट्टोपाध्याय पी. डॉ.	अतिरिक्त प्रोफेसर, जैवरासायन विभाग, एआईआईएमएस, नई दिल्ली
धुमल जयसिंह	मुख्य संयोजक, तकनीकी वित्त समुह, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, मुम्बई
घोष के. के.	भूतपूर्व निदेशक, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीमेडीसिन डिवीजन, आरडी ग्रुप इन इलेक्ट्रॉनिक्स, नई दिल्ली
गोमथीनायगम एस. डॉ.	एग्जीक्यूटिव निदेशक, वाइंड एनर्जी तकनीकी केन्द्र, चेन्नई
जैन के. के. डॉ.	पूर्व प्रमुख, फिजिको-मेडिकल स्टैंडर्ड्स, एनपीएल, नई दिल्ली
कौल वीणा डॉ.	एसोसिएट प्रोफेसर, जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी केन्द्र, आईआईटी दिल्ली
कोंगोलकर पी. के. डॉ.	पूर्व-निदेशक, सीपीआरआई, भोपाल
कोतवाल पी. पी. प्रोफे.	प्रोफेसर एवं प्रमुख, ऑर्थोपेडिक, एआईआईएमएस, नई दिल्ली
कृष्णा शास्त्री एम. वी. डॉ.	वरिष्ठ वैज्ञानिक, राष्ट्रीय सेल विज्ञान केन्द्र, पुने
कृष्णन एस. बी.	भूतपूर्व सचिव, टीडीबी, चेन्नई
कुमार एम. शेखर डॉ.	संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय शक्ति अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर
लेले एस. एस. प्रो.	प्रोफेसर, जैवतकनीकी अभियांत्रिकी एवं समन्वयक, रसायन तकनीकी संस्थान विश्वविद्यालय, मुम्बई
मलहोत्रा आर. के. डॉ.	निदेशक, आरएण्डडी केन्द्र, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, फरीदाबाद
मैथ्यूज एस. ए.	यूसी, टेस्टींग, सी-डब्ल्यूईटी, चेन्नई
मिश्रा दीपम	सीईओ, मैसर्स आई2इंडिया, बैंगलोर
मुबसीर साजिद	वैज्ञानिक 'एफ', टीआईएफएसी, नई दिल्ली

EXPERTS FOR THE PROJECT EVALUATION AND PROJECT MONITORING COMMITTEES

Agarwal Anurag Dr.	Scientist, IGIB, New Delhi
Aggarwal S.P.	Ex-GM, Bank of Baroda, New Delhi
Arya Kavi Prof.	Associate Professor, Computer Science & Engg. Dept., IIT Bombay
Bedi B. S.	Advisor, Health Informatics, CDAC & President, TSI & Executive Member, IAMI, Delhi
Banerjee Sujit	Scientist, DST, New Delhi
Chattopadhyay P Dr.	Additional Professor, Department of Biochemistry, AIIMS, New Delhi
Dhumal Jaisingh	Chief Manager, Technology Finance Group, ICICI Bank Limited, Mumbai
Ghosh K.K.	Former Director, Medical Electronics & Telemedicine Division, RD Group in Electronics, New Delhi
Gomathinayagam S. Dr.	Executive Director, Centre for Wind Energy Technology, Chennai
Jain K.K. Dr.	Former Head, Physico-Mechanical Standards, NPL, New Delhi
Kaul Veena Dr.	Associate Professor, Centre for Bio-Medical Engineering, IIT, Delhi
Kognolkar P. K. Dr.	Ex- Director, CPRI, Bhopal
Kotwal P. P. Prof.	Professor and Head, Orthopedic, AIIMS, New Delhi
Krishna Sastry M.V. Dr.	Senior Scientist, National Centre for Cell Science, Pune
Krishnan S.B.	Former Secretary, TDB, Chennai
Kumar M. Shekhar Dr.	Joint Director, Central Power Research Institute, Bangalore
Lele S.S. Prof.	Professor of Biotechnology Engg. & Coordinator, University Institute of Chemical Technology, Mumbai
Malhotra R. K. Dr.	Director, R&D Centre, Indian Oil Corporation, Faridabad
Mathew S. A.	UC, Testing, C-WET, Chennai
Mishra Deepam	CEO, M/s i2India, Bangalore
Mubashir Sajid	Scientist 'F', TIFAC, New Delhi

मुर्थी एस. एस. प्रोफे.	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी दिल्ली
मुर्थी वी. एस. आर.	समूह निदेशक, सुजाना ग्रुप ऑफ कम्पनीज, सिकन्दराबाद
मुथु एम. वी.	भूतपूर्व निदेशक-आईएफसीआई, बैंगलोर
नटराजन हरि प्रोफे.	इन्डो-जर्मन इनर्जी प्रोग्राम, रिन्यूवेवल इनर्जी कम्पोनेन्ट, नई दिल्ली
पाई एन. जी.	पूर्व-ईडी, सारस्वत को-ओप. बैंक, मुम्बई
प्रसाद डी. आई.	पूर्व में आईडीबीआई के साथ, हैदराबाद
प्रेमनाथ वी. डॉ.	वैज्ञानिक एवं प्रमुख, पॉलिमर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी डिवीजन, एनसीएल, पूने
पूलीमुड अन्ना बी. डॉ.	उप कुलपति, यूजी एवं पैथोलॉजी प्रोफेसर, क्रीस्चन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर
रघुनन्दन आर. डॉ.	चीफ एक्जक्यूटिव, जेएसएस तकनीकी शिक्षा अकादमी, नोयडा
रमैया वेन्कट ए. डॉ.	सेवानिवृत प्रोफेसर, पॉल्ट्री विज्ञान, परकाशम जिला (एपी)
राव बासुथ्कर जे. डॉ.	वरिष्ठ प्रोफेसर, बायोलॉजिकल विज्ञान विभाग, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, मुम्बई
राव चलपति एन. वी. डॉ.	मुख्य अनुसंधान वैज्ञानिक, सीईडीटी, आईआईएससी, बैंगलोर
राव एन. मधुसूदन डॉ.	सेल्यूलर एवं मोलीक्यूलर जीवविज्ञान केन्द्र, हैदराबाद
राव पी. जी. डॉ.	निदेशक, उत्तर पूर्वी विज्ञान एवं तकनीकी संस्थान, असम
सथाये साधना डॉ.	एसोसिएट प्रोफेसर, फार्मास्यूटिकल विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, आईसीटी, मुम्बई
सत्यमूर्थी एल. सी.	टेलीमेडिसीन / स्वासथ्य एवं अंतरिक्ष तकनीकी सलाहकार, बैंगलोर
सत्यनारायणा वी.	प्रमुख, टेलीकॉम डिवीजन, भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन लिमिटेड, हैदराबाद
सेल्वाकुमार के. प्रोफे.	प्रोफेसर न्यूरोसर्जरी एवं प्रमुख (टेलीमेडिसीन), श्री रामचन्द्र विश्वविद्यालय, चेन्नई
शर्मा आर. पी. डॉ.	भूतपूर्व निदेशक, पॉल्ट्री डिवीजन परियोजना, आईसीएआर, पटना
सिद्दीकी एम.ए.ए. डॉ.	प्रोफेसर, प्रमुख वैज्ञानिक एवं प्रमुख, फ्लोरीकल्चर डिवीजन, कश्मीर एसके कृषि विज्ञान एवं तकनीकी कॉलेज
सिवासुभ्रू श्रीधर	वैज्ञानिक, आईजीआईबी-सीएसआईआर, नई दिल्ली
सुब्रमनियन के. वी.	वैज्ञानिक,प्लानिंग एवं परफॉर्मेंस डिवीजन, सीएसआईआर, नई दिल्ली
सूरी अशिष डॉ.	अतिरिक्त प्रोफेसर, न्यूरोसर्जरी विभाग, एआईआईएमएस, नई दिल्ली
थंगाराज के. डॉ.	ग्रुप लीडर, सेल्यूलर एवं मोलिक्यूलर जीवविज्ञान केन्द्र, हैदराबाद

Murthy S.S. Prof.	Department of Electrical Engineering, IIT Delhi
Murthy V.S.R.	Group Director, Sujana Group of Companies, Secunderabad
Muthu M. V.	Former Director – IFCI, Bangalore
Natarajan Hari Prof.	Indo-German Energy Programme, Renewable Energy Component, New Delhi
Pai N.G.	Ex-ED, Saraswat Co-op. Bank, Mumbai
Prasad D. I.	Formerly with IDBI, Hyderabad
Premnath V. Dr.	Scientist& Head, Polymer Science & Engg. Division, NCL, Pune
Pulimood Anna B. Dr.	Vice Principal, UG & Professor of Pathology,Christian Medical College, Vellore
Raghunandan R. Dr.	Chief Executive, JSS Academy of Technical Education, Noida
RamaiahVenkat A. Dr.	Retd. Professor Poultry Sciences, Parkasham Distt. (AP)
Rao Basuthkar J. Dr.	Senior Professor, Department of Biological Sciences, Tata Institute of Fundamental Research, Mumbai
Rao Chalpathi N. V. Dr.	Principal Research Scientist, CEDT, IISc., Bangalore
Rao N. Madhusudhana Dr.	Centre for Cellular & Molecular Biology, Hyderabad
Rao P.G. Dr.	Director, North East Institute of Science & Technology, Assam
Sathaye Sadhana Dr.	Associate Professor, Department of Pharmaceutical Sciences & Technology, ICT, Mumbai
Satyamurthy L. S.	Telemedicine / Health & Space Technology Advisor, Bangalore
Satyanarayana V.	Head, Telecom Division, Electronics Corporation of India Limited, Hyderabad
Selvakumar K. Prof.	Professor of Neurosurgery and Chairman (Telemedicine), Sri Ramachandra University, Chennai
Sharma R. P. Dr.	Former Director, Poultry Division Project, ICAR , Patna
Siddique M. A. A. Dr.	Professor cum Chief Scientist and Head, Div. of Floriculture , SK University of Agricultural Sciences and Technology of Kashmir
Sivasubbu Sridhar	Scientist, IGIB- CSIR, New Delhi
Subramanian K. V.	Scientist, Planning and Performance Division, CSIR, New Delhi
Suri Ashish Dr.	Additional Professor Department of Neurosurgery, AIIMS, New Delhi

तिवारी एस. के. डॉ.	वैज्ञानिक ई-II, प्लानिंग एवं परफॉर्मेंस डिवीजन, सीएसआईआर, नई दिल्ली
तुली सूनीत प्रोफे.	प्रमुख, इलेक्ट्रॉनिक्स अप्लाईड अनुसंधान केन्द्र, आईआईटी दिल्ली
उपाध्याय कुणाल	सीईओ, सीआईआईइ इनिसिएटिव, आईआईएम अहमदाबाद
वार्सनेय के. सी.	भूतपूर्व ईडी, आईडीबीआई, नई दिल्ली
वरुण विमल कुमार	वैज्ञानिक 'एफ', डी एस आई आर
वर्मा वासुदेव डॉ.	आईआईटी हैदराबाद
विद्यासागर के डॉ.	भूतपूर्व वैज्ञानिक, डिफेंस फूड टेक्नोलॉजिकल रिसर्च लेबोरेटरी, मैसूर
यादव हरि ओम डॉ.	वैज्ञानिक,प्लानिंग एवं परफॉर्मेंस डिवीजन, सीएसआईआर, नई दिल्ली
यादव जे. एस. डॉ.	निदेशक, आईआईसीटी, हैदराबाद
यादव राजीव	संयुक्त निदेशक- (सी-डैक), नोएडा (यूपी)

Thangaraj K Dr.	Group Leader Center for Cellular & Molecular Biology, Hyderabad
Tiwari S. K Dr.	Scientist E-II, Planning and Performance Division, CSIR, New Delhi
Tuli Suneet Prof.	Head, Centre for Applied Research in Electronics, IIT Delhi
Upadhyay Kunal	CEO, CIIE Initiatives, IIM Ahmedabad
Varshney K. C.	Former ED, IDBI, New Delhi
Varun Kumar Vimal	Scientist 'F', DSIR, New Delhi
Verma Vasudev Dr.	IIIT, Hyderabad
Vidyasagar K. Dr.	Former Scientist, Defense Food Technological Research Laboratory, Mysore.
Yadav Hari Om Dr.	Scientist, Planning and Performance Division, CSIR, New Delhi
Yadav J.S. Dr.	Director, IICT, Hyderabad
Yadav Rajiv	Joint Director-(C-DAC), Noida (UP)

उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति (एच एल ई सी) के विशेषज्ञों के नाम

अगरवाल एस. पी	भूतपूर्व – जीएम, बैंक आफ बरौदा, नई दिल्ली
अमरनाथ सी. प्रोफ.	मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, आई आई टी बम्बई
बालासूब्रनियन डी. प्रोफे.	अनुसंधान निदेशक, एल वी प्रसाद नेत्र संस्थान, हैदराबाद
बावादेकर प्रदीप डॉ.	एमडी, मैसर्स एमआईटीसीओएन कन्सलटैन्सी एवं इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड, पूने
बेदी बी. एस.	सलाहकार, हेल्थ इन्फॉर्मेटिक्स, सीडैक एवं प्रेजीडेंट, टीएसआई एवं एग्जक्यूटिव मेम्बर, आईएएमआई, दिल्ली
विश्वास गौतम प्रोफे.(डॉ.)	निदेशक, सीएमईआरआई, दुर्गापूर
चट्‌टोपाध्याय दीपन्वीता	सीईओ, आईकेपी नॉलेज पार्क, हैदराबाद
दामोदरन रमेश	प्रिंसिपल वाइस प्रेजिडेंट, मैसर्स आईटीसीओटी कन्सलटैन्सी एवं इंजीनियरिंग लिमिटेड, पूने
दास अशोक डॉ.	सीईओ, मैसर्स सनमोक्षा पॉवर प्रा. लि., बैंगलोर
गांगुली एन. के. डॉ.	भूतपूर्व डी जी, आई सी एम आर, नई दिल्ली
घोष पी. के. डॉ.	निदेशक, केन्द्रीय साल्ट एवं मैरीन केमिकल्स रिसर्च संस्थान, गुजरात
गुहाथाकुर्ता सोमा डॉ.	एड्‌जूटेन्ट प्रोफेसर, इंजीनियरिंग डिजायन विभाग, आई आई टी मद्रास
माहेश्वरी एल. के. डॉ.	पूर्व–वीसी, बीआईटीएस, पिलानी
मुर्ति वी. एस. आर.	ग्रुप निदेशक, सुजाना ग्रुप ऑफ कम्पनीज, सिकन्दराबाद
मुथु एम. वी.	भूतपूर्व निदेशक–आईएफसीआई, बैंगलोर
पाई एन. जी.	पूर्व–ईडी, सारस्वत को–ओप. बैंक, मुम्बई
प्रधान बी. डी. डॉ.	पूर्व–सलाहकार, केआरइएसआईटी, आईआईटी बम्बई
काजी जी. एन. डॉ.	कुलपति, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली
रघुनन्दन आर. डॉ.	चीफ एक्जक्यूटिव, जेएसएस तकनीकी शिक्षा अकादमी, नोयडा
राव डी. योगेश्वरा डॉ.	सलाहकार, पीएसए कार्यालय, नई दिल्ली
राव टी. एस. डॉ.	वैज्ञानिक 'जी', जैवतकनीकी विभाग, नई दिल्ली
सिवाराम एस. डॉ.	सीएसआईआर भटनागर फेल्लोव, एनसीएल, पूने
श्रीवास्तव अजय	एमडी, मैसर्स डायमेंसन्स कन्सल्टिंग प्रा. लि., गुड़गांव
तिवारी एम. डी. डॉ.	निदेशक, आईआईआईटी, इलाहाबाद
उपाध्याय कुणाल	सीईओ, सीआईआईइ इनिसिएटिव, आईआईएम अहमदाबाद
वार्सनेय के. सी.	भूतपूर्व ईडी, आईडीबीआई, नई दिल्ली

EXPERTS FOR THE HIGH LEVEL EXPERT COMMITTEE (HLEC)

Agarwal S. P.	Ex-GM, Bank of Baroda, New Delhi
Amarnath C. Prof.	Dept. of Mech. Engg., IIT Bombay
Balasubramanian D. Prof.	Director of Research, L V Prasad Eye Institute, Hyderabad
Bavadekar Pradeep Dr.	MD, M/s MITCON Consultancy & Engineering Services Ltd., Pune
Bedi B. S.	Advisor, Health Informatics, CDAC & President, TSI & Executive Member, IAMI, Delhi
Biswas Gautam Prof. (Dr.)	Director, CMERI, Durgapur
Chattopadhyay Deepanwita	CEO, IKP Knowledge Park, Hyderabad
Damodharan Ramesh	Principal Vice President, M/s ITCOT Consultancy & Services Ltd., Chennai
Das Ashok Dr.	CEO, M/s SunMoksha Power Pvt. Ltd., Bangalore
Ganguly N. K. Dr.	Ex-DG, ICMR, New Delhi
Ghosh P. K. Dr.	Director, Central Salt & Marine Chemicals Research Institute, Gujarat
Guhathakurta Soma Dr.	Adjutant Professor, Dept. of Engg. Design, IIT Madras
Maheshwari L. K. Dr.	Ex-VC, BITS, Pilani
Murthy V. S. R.	Group Director, Sujana Group of Companies, Secunderabad
Muthu M. V.	Former Director-IFCI, Bangalore
Pai N.G.	Ex-ED, Saraswat Co-op. Bank, Mumbai
Pradhan B. D. Dr.	Ex-Advisor, KReSIT, IIT Bombay
Qazi G. N. Dr.	Vice Chancellor, Jamia Hardard, New Delhi
Raghunandan R. Dr.	Chief Executive, JSS Academy of Technical Education, Noida
Rao D. Yogeswara Dr.	Adviser, Office of the PSA, New Delhi
Rao T. S. Dr.	Scientist 'G', Department of Biotechnology, New Delhi
Sivaram S.Dr.	CSIR Bhatnagar Fellow, NCL, Pune
Srivastava Ajay	MD, M/s Dimensions Consulting Pvt. Ltd., Gurgaon
Tiwari M. D. Dr.	Director, IIIT, Allahabad
Upadhyay Kunal	CEO, CIIE Initiatives, IIM Ahmedabad
Varshney K. C.	Ex-ED, IDBI, New Delhi

वर्ष 2012–13 के लिए
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की लेखाओं
का
लेखा परीक्षित वार्षिक विवरण

AUDITED ANNUAL STATEMENT OF ACCOUNTS

OF THE
TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

FOR THE YEAR 2012-13

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2013 की स्थितिनुसार तुलन-पत्र

(राशि रु. में)

कॉरपस / कैपिटल फंड और दायित्व	**अनुसूची**	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
कॉरपस / कैपिटल फंड	1	7,86,01,03,384	7,12,90,29,301
रिजर्व और सरप्लस	2	-	-
निर्धारित / इनडॉवमेंट फंड	3	89,15,13,945	2,25,71,01,477
सुरक्षित ऋण और लेनदारी	4	-	-
असुरक्षित ऋण और लेनदारी	5	-	-
आस्थगित क्रेडिट दायित्व	**6**	-	-
वर्तमान दायित्व और प्रावधान	7	4,31,15,808	3,10,41,740
कुल		**8,79,47,33,137**	**9,41,71,72,518**
परिसम्पत्तियाँ			
निर्धारित परिसम्पत्तियाँ	8	65,03,199	62,55,859
निर्धारित इनडॉवमेंट फंड में निवेश	9	89,15,13,945	2,25,71,01,477
निवेश - अन्य	10	1,67,75,23,503	1,30,40,21,711
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम इत्यादि	11	6,21,91,92,490	5,84,97,93,471
विविध खर्चे (छूट न दिए जाने अथवा समायोजित न किए जाने की सीमा तक)		-	-
कुल		**8,79,47,33,137**	**9,41,71,72,518**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	**24**	-	-
आकस्मिक दायित्व और लेखों पर टिप्पणियाँ	**25**	-	-

(नीरज केला)
निदेशक
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डा. इन्द्रजीत सिंह)
सचिव
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(प्रो. के. विजयराघवन)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

BALANCE SHEET AS ON 31st March 2013

Amount in Rupees

Corpus/ Capital Fund And Liabilities	Schedule	Current Year	Previous Year
Corpus/Capital Fund	1	7,86,01,03,384	7,12,90,29,301
Reserves and Surplus	2	-	-
Earmarked / Endowment Funds	3	89,15,13,945	2,25,71,01,477
Secured Loans and Borrowings	4	-	-
Unsecured Loans and Borrowings	5	-	-
Deferred Credit Liabilities	6	-	-
Current Liabilities and Provisions	7	4,31,15,808	3,10,41,740
TOTAL		**8,79,47,33,137**	**9,41,71,72,518**
ASSETS			
Fixed Assets	8	65,03,199	62,55,859
Investments- From Earmarked/ Endowment Funds	9	89,15,13,945	2,25,71,01,477
Investments- Others	10	1,67,75,23,503	1,30,40,21,711
Current Assets, Loans, Advances etc.	11	6,21,91,92,490	5,84,97,93,471
Miscellaneous Expenditure (to the extent not written off or adjusted)		-	-
TOTAL		**8,79,47,33,137**	**9,41,71,72,518**
Significant Accounting Policies	24	-	-
Contingent Liabilities and Notes on Accounts	25	-	-

(Niraj Kela)
Director
Technology Development Board

(Dr. Inder Jit Singh)
Secretary
Technology Development Board

(Prof. K Vijayraghavan)
Chairperson
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष की प्राप्तियाँ एवं भुगतान का लेखा

(राशि रु. में)

आय	**अनुसूची**	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
बिक्री / सेवाओं से आय	**12**		
अनुदान / सब्सिडी	**13**	22,50,00,000	-
ीस / अंशदान	**14**		
निवेश से आय (ईयरमार्क्ड/इनडोव में निवेश पर आय)	**15**		
राजस्व, प्रकाशन आदि से आय	**16**	3,29,67,486	83,016
अर्जित ब्याज	**17**	50,27,42,304	31,22,66,144
अन्य आय	**18**	1,90,93,864	21,86,408
पूर्ण हो चुकी और चल रही मदों में वृद्धि/गिरावट	**19**		
कुल (क)		**77,98,03,654**	**31,45,35,568**
व्यय			
स्थापना व्यय	**20**	1,41,18,524	1,22,27,958
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**21**	25,23,22,515	5,41,69,059
अनुदान, सब्सिडी इत्यादि पर व्यय	**22**	16,25,00,000	10,40,00,000
ब्याज	**23**		
मूल्यह्रास (अनुसूची 8 के तदनुसार वर्ष के अंत तक सकल योग)		7,22,582	8,35,999
कुल (ख)		**42,96,63,621**	**17,12,33,016**
व्यय पर आय में अधिकता (क-ख)		35,01,40,033	14,40,51,552
पहले की अवधि का समायोजन		38,09,34,050	(5,52,46,084)
जनरल रिजर्व में स्थानांतरण		-	-
कॉरपस फंड में दिया गया अतिरिक्त शेष		**73,10,74,083**	**8,88,05,468**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	**24**		
आकस्मिक दायित्व और लेखों पर टिप्पणियाँ	**25**		

(नीरज केला)
निदेशक
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डा. इन्द्रजीत सिंह)
सचिव
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(प्रो. के. विजयराघवन)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Income and Expenditure Accounts
For The Year Ended 31st March, 2013

(Amount in Rupees)

INCOME	Schedule	Current Year	Previous Year
Income from Sales/ Services	12		
Grants / Subsidies	13	22,50,00,000	-
Fees/ Subscriptions	14	-	-
Income from Investments (Income on Invest. from earmarked/endow.	15	-	-
Income from Royalty, Publication etc.	16	3,29,67,486	83,016
Interest Earned	17	50,27,42,304	31,22,66,144
Other Income	18	1,90,93,864	21,86,408
Increase / (decrease) in stock of Finished goods and works-in-progress	19		
TOTAL (A)		**77,98,03,654**	**31,45,35,568**
EXPENDITURE			
Establishment Expenses	20	1,41,18,524	1,22,27,958
Other Administrative Expenses etc.	21	25,23,22,515	5,41,69,059
Expenditure on Grants, Subsidies etc.	22	16,25,00,000	10,40,00,000
Interest	23	-	-
Depreciation (Net Total at the year-end - corresponding to Schedule -8)		7,22,582	8,35,999
TOTAL (B)		**42,96,63,621**	**17,12,33,016**
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)		35,01,40,033	14,40,51,552
Prior Period Adjustments		38,09,34,050	(5,52,46,084)
Transfer to General Reserve		-	-
BALANCE BEING SURPLUS CARRIED TO CORPUS FUND		**73,10,74,083**	**8,88,05,468**
Significant Accounting Policies	24		
Contingent Liabilities and Notes on Accounts	25		

(Niraj Kela)
Director
Technology Development Board

(Dr. Inder Jit Singh)
Secretary
Technology Development Board

(Prof. K Vijayraghavan)
Chairperson
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष की प्राप्तियाँ एवं भुगतान का लेखा

(राशि रु. में)

प्राप्तियाँ		वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
आरंभिक शेष			
	लघु अवधि जमा में निवेश	1,00,00,00,000	87,95,00,000
	सुलभ नकद	97,126	32,103
	बैंक में नकद	8,20,49,756	11,41,67,847
	फ्लेक्सी अकाउंट	73,32,604	67,84,561
प्रौद्योगिकी विकास एवं आवेदन के लिए फंड			
i.	टी डी फंड	22,50,00,000	-
ii.	लघु अवधि जमा पर ब्याज	9,64,69,695	8,65,89,504
iii.	ऋण पर ब्याज	12,29,50,965	9,87,02,688
iv.	राजस्व पर ब्याज	19,44,275	1,868
v.	अनुदान पर ब्याज	11,55,516	44,08,060
vi.	ऋण की अदायगी	39,77,86,917	39,93,79,674
vii.	राजस्व	22,16,468	8,32,016
viii.	दान	-	9,999
xi.	आई डी बी आई के वी सी एफ का स्थानांतरण	-	-
x.	कर्मचारियों को अग्रिम	94,100	
xi.	विविध प्राप्तियां	73,867	18,493
xii.	सिक्यूरिटि जमा प्राप्ति / अग्रिम	12,41,270	50,000
xiii.	स्त्रोत पर आयकर वसूली की कटौती	4,43,118	18,78,662
xiv.	वेतन से वसूली	6,63,671	5,90,782
xv.	जीआईटीए	765	
xvi.	यू टी आई - एसेन्ट इंडिया फंड	2,74,11,203	3,30,74,290
xvii.	आर वी सी एफ	2,75,038	-
xviii.	लाभांश	1,19,262	4,385
xix.	वेंचर इस्ट टिनेट फंड	18,60,309	21,53,531
xx.	अन्य प्राप्तियाँ (वेंचर फंड से आय एवं लाभ)	1,89,00,735	21,53,532
xxi.	गैर-समायोजित वसूली	1,14,76,011	-
कुल		**1,99,95,62,671**	**1,62,81,78,463**

(नीरज केला)	**(डा. इन्द्रजीत सिंह)**	**(प्रो. के. विजयराघवन)**
निदेशक	**सचिव**	**अध्यक्ष**
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड	**प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड**	**प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड**

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Receipts and Payments Accounts
For The Year Ended 31st March, 2013

Amount in Rupees

	RECEIPTS	Current Year	Previous Year
Opening Balance :			
	Investment in short term deposits	1,00,00,00,000	87,95,00,000
	Cash in hand	97,126	32,103
	Cash at bank	8,20,49,756	11,41,67,847
	Flexi Account	73,32,604	67,84,561
Fund for Technology Development & Application			
i.	TD Fund	22,50,00,000	-
ii.	Interest on short term deposits	9,64,69,695	8,65,89,504
iii.	Interest on loans	12,29,50,965	9,87,02,688
iv.	Interest on royalty	19,44,275	1,868
v.	Interest on grants	11,55,516	44,08,060
vi.	Repayment of loans	39,77,86,917	39,93,79,674
vii.	Royalty	22,16,468	8,32,016
viii.	Donations	-	9,999
ix.	Transfer from VCF of IDBI	-	-
x.	Advance to staff members	94,100	-
xi.	Miscellaneous receipts	73,867	18,493
xii.	Security Deposit Received / Advance	12,41,270	50,000
xiii.	Recoveries towards Income Tax deducted at source	4,43,118	18,78,662
xiv.	Recoveries from salaries	6,63,671	5,90,782
xv.	GITA	765	-
xvi.	UTI_Ascent India Fund	2,74,11,203	3,30,74,290
xvii.	RVCF	2,75,038	-
xviii.	Dividend	1,19,262	4,385
xix.	Venture East Tenet Fund	18,60,309	21,53,531
xx.	Other Receipt (Income & Profit from venture fund)	1,89,00,735	21,53,532
xxi.	Recoveries pending adjustment	1,14,76,011	-
	TOTAL	**1,99,95,62,671**	**1,62,81,78,463**

(Niraj Kela)	(Dr. Inder Jit Singh)	(Prof. K Vijayraghavan)
Director	Secretary	Chairperson
Technology Development Board	Technology Development Board	Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष की प्राप्तियाँ एवं भुगतान

			(राशि रु. में)
भुगतान		वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
स्थापना व्यय			
i.	वेतन	1,35,83,689	1,16,77,219
ii.	यात्र व्यय (घरेलू)	37,34,402	29,66,699
iii.	यात्र व्यय (विदेश)	46,314	4,64,312
iv.	पारिश्रमिक	21,000	21,000
v.	समयोपरि भत्ता	9,365	16,229
vi.	चिकित्सा व्यय	60,830	1,40,614
vii.	प्रतिनियुक्ति के लिए पेंशन अंशदान	1,92,453	9,32,761
कार्यालय व्यय			
i.	टेलीफोन / टेलेक्स	4,04,396	3,69,175
ii.	डाक टिकट	1,02,131	1,11,779
iii.	पेट्रोल, तेल, लुब्रीकेन्टस	88,383	1,12,085
iv.	मरम्मत एवं रख-रखाव	4,04,543	3,75,934
v.	उपभोज्य स्टोर्स एवं छपाई	6,54,434	15,59,034
vi.	समाचार पत्र एवं पत्रिका	8,649	11,269
vii.	मनोरंजन एवं अतिथि सत्कार	1,52,767	30,55,550
viii.	बैठकों पर व्यय	31,52,873	-
ix.	विज्ञापन एवं प्रचार	11,44,341	1,04,96,049
x.	प्रौद्योगिकी दिवस व्यय	8,33,169	
xi.	विविध व्यय	19,29,838	13,02,923
xii.	राष्ट्रीय पुरस्कार	20,00,000	20,00,000
xiii.	पुस्तकालय किताबें एवं जरनल्स	10,420	10,922
xiv.	विधि प्रभार	20,25,350	32,43,693
xv.	परिसम्पत्ति प्रबंधन प्रभार	3,56,17,481	81,73,420
xvi.	लेखा परीक्षा शुल्क	-	73,945
xvii.	कर्मचारियों को अग्रिम	-	87,130
xviii.	वसूली की गई राशि	-	1,966
xix.	विशेषज्ञों को टी. ए. / डी. ए.	19,86,983	24,27,307
xx.	विशेषज्ञों को पारिश्रमिक	15,14,500	13,62,169
मौजूदा परिसंपत्तियों / दायित्वों में परिवर्तन			
(i)	विविध लेनदारों को भुगतान	50,576	-

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Receipts and Payments Accounts

For The Year Ended 31st March, 2013

			Amount in Rupees
Payments		**Current Year**	**Previous Year**
ESTABLISHMENT EXPENSES			
i.	Salaries	1,35,83,689	1,16,77,219
ii.	Travel Expenses (Domestic)	37,34,402	29,66,699
iii.	Travel Expenses (Abroad)	46,314	4,64,312
iv.	Honorarium	21,000	21,000
v.	Over Time Allowance	9,365	16,229
vi	Medical Expenses	60,830	1,40,614
vii.	Pension Contribution for Deputationists	1,92,453	9,32,761
OFFICE EXPENSES			
i.	Telephone / Telex	4,04,396	3,69,175
ii.	Postage stamps	1,02,131	1,11,779
iii.	Petrol, Oil, Lubricants	88,383	1,12,085
iv.	Repairs & Maintenance	4,04,543	3,75,934
v.	Consumable Stores & Printing	6,54,434	15,59,034
vi.	Newspapers & Magazines	8,649	11,269
vii.	Entertainment & Hospitality	1,52,767	30,55,550
viii.	Meeting Expenses	31,52,873	-
ix.	Advertisement & Publicity	11,44,341	1,04,96,049
x.	Technology Day Expenditure	8,33,169	-
xi.	Miscellaneous Expenses	19,29,838	13,02,923
xii.	National Award	20,00,000	20,00,000
xiii.	Library Books & Journals	10,420	10,922
xiv.	Legal Charges	20,25,350	32,43,693
xv.	Asset Management Charges	3,56,17,481	81,73,420
xvi.	Audit Fee	-	73,945
xvii.	Advance to staff members	-	87,130
xviii.	Amount recoverable	-	1,966
xix.	--------------	19,86,983	24,27,307
xx.	---------------------	15,14,500	13,62,169
CHANGE IN CURRENT ASSETS / LIABILITIES			
i.	-----------	50,576	-

बोर्ड व्यय			
i.	सदस्यों का टी. ए. / डी. ए.	1,576	3,200
ii.	बोर्ड की बैठक का व्यय	95,561	91,306
iii.	विशेषज्ञों का शुल्क	17,500	-
पूंजीगत व्यय			
i.	उपस्कर / उपकरण / मशीनरी	12,35,958	1,53,918
ii.	फर्नीचर एवं फ़िक्सचर	-	5,300
iii.	वहन	-	-
अन्य			
i.	**स्त्रोत से कटौती का प्रेशण**	1,25,672	20,17,287
ii.	**अन्य विभागों क रिकवरी का प्रेशण**	66,36,71	5,90,782
iii.	**टी. डी. एस. पर ब्याज**	31,743	
टी डी एफ से वितरण			
i.	ऋण	61,64,00,000	32,26,94,000
ii.	अनुदान	16,25,00,000	10,40,00,000
	ख) अन्य एजेंसियां		
iii.	इक्विटी	65,00,000	2,45,00,000
iv.	आई टी वी यू एस (यू टी आई)		
v.	एसेन्ट इंडिया फंड (यू टी आई वी एफ एम)		
vi.	ए पी आई डी सी वेंचर कैपिटल फंड		
vii.	वेंचर ईस्ट टीनेट फंड II	54,03,000	
viii.	जी वी एफ एल वेंचर फंड	2,73,75,000	1,87,50,000
ix.	आर वी सी एफ	4,50,00,000	
x.	जी आई टी ए	1,44,11,765	49,00,000
xi.	एस आई डी बी आई वी सी एफ	2,29,80,359	1,00,00,000
xii.	सीफ इंडिया अग्रीबिजनैस फंड	11,40,46,085	-
xiii.	मल्टी सेक्टर सीड केपिटल फंड	9,70,00,000	-
xiv.	आईवीकेप वेंचर ट्रस्ट फंड-1	5,00,00,000	-
अंतशेष			
i.	सुलभ नकद	38,378	97,126
ii.	बैंक में लघु अवधि जमा	54,75,00,000	1,00,00,00,000
iii.	बचत खाता में	21,05,74,406	8,20,49,756
iv.	फ्लेक्सी खाता में	79,33,110	73,32,604
कुल		**1,99,95,62,671**	**1,62,81,78,463**

(नीरज केला)
निदेशक
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डा. इन्द्रजीत सिंह)
सचिव
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(प्रो. के. विजयराघवन)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

BOARD EXPENSES			
i.	TA / DA to Members	1,576	3,200
ii.	Board Meeting Expenses	95,561	91,306
iii.	Fee to Board Members	17,500	-
CAPITAL EXPENDITURE			
i.	Equipment / Apparatus / Machinery	12,35,958	1,53,918
ii.	Furniture & Fixtures	-	5,300
iii.	Vehicle	-	-
OTHERS			
i.	**Remittance of Income Tax deducted at source**	1,25,672	20,17,287
ii.	**Remittance of recoveries to other deptts.**	6,63,671	5,90,782
iii.	**Interest on TDS**	31,743	-
DISBURSEMENTS FROM TDF			
i.	Loans	61,64,00,000	32,26,94,000
ii.	Grants	16,25,00,000	10,40,00,000
	(b) Other Agencies		
iii.	Equity	65,00,000	2,45,00,000
iv.	ITVUS (UTI)	-	-
v.	Ascent India Fund(UTI VFM)	-	-
vi.	APIDC Venture Capital Fund	-	-
vii.	Venture East TeNet Fund II	54,03,000	-
viii.	GVFL Venture Fund	2,73,75,000	1,87,50,000
ix.	RVCF	4,50,00,000	-
x.	GITA	1,44,11,765	49,00,000
xi.	SIDBI VCF	2,29,80,359	1,00,00,000
xii.	SEAF India Agribusiness Fund	11,40,46,085	-
xiii.	Multi Sector Seed Capital Fund	9,70,00,000	-
xiv.	IvyCap Venture Trust Fund-1	5,00,00,000	-
CLOSING BALANCE			
i.	Cash in hand	38,378	97,126
ii.	Short term deposits with banks	54,75,00,000	1,00,00,00,000
iii.	In Saving Account	21,05,74,406	8,20,49,756
iv.	In Flexi Account	79,33,110	73,32,604
TOTAL		**1,99,95,62,671**	**1,62,81,78,463**

(Niraj Kela)
Director

Technology Development Board

(Dr. Inder Jit Singh)
Secretary

Technology Development Board

(Prof. K Vijayraghavan)
Chairperson

Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

(राशि रु. में)

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची 1 - कॉरपस / कैपिटल फंड				
वर्ष के प्रारंभ में शेष	7,12,90,29,301		7,04,02,23,833	
जमा: कॉरपस / कैपिटल फंड में अंशदान	-			
जमा: आय और व्यय लेखे से स्थानांतरित सकल आय का शेष	73,10,74,083	7,86,01,03,384	8,88,05,468	7,12,90,29,301
वर्ष के अंत में शेष		**7,86,01,03,384**		**7,12,90,29,301**

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची 2 - रिजर्व और आपूर्ति				
1. कैपिटल रिजर्व:				
पिछले एकाउंट के अनुसार	-	-		-
वर्ष के दौरान जमा	-	-		-
घटा: वर्ष के दौरान कटौती	-	-		-
2. पूनर्मूल्यांकन रिजर्व:				
पिछले एकाउंट के अनुसार	-	-		-
वर्ष के दौरान जमा				
घटा: वर्ष के दौरान कटौती				
3. विशेष रिजर्व:				
पिछले एकाउंट के अनुसार	-	-		-
वर्ष के दौरान जमा				
घटा: वर्ष के दौरान कटौती				
4. सामान्य रिजर्व:				
पिछले एकाउंट के अनुसार	-	-		-
वर्ष के दौरान जमा				
घटा: वर्ष के दौरान कटौती				
कुल योग				

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule Forming Part of Balance Sheet
As on 31st March, 2013

(Amounts in Rupees)

	Current Year		Previous Year	
Schedule 1- Corpus/Capital Fund :				
Balance as at the beginning of the year	7,12,90,29,301		7,04,02,23,833	
Add: Contributions towards Corpus/Capital Fund	-			
Add : Balance of net income transferred from the Income and Expenditure Account	73,10,74,083	7,86,01,03,384	8,88,05,468	7,12,90,29,301
BALANCE AS AT THE YEAR-END		**7,86,01,03,384**		**7,12,90,29,301**

	Current Year		Previous Year	
SCHEDULE 2- RESERVES AND SURPLUS:				
1. Capital Reserve:			-	
As per last Account	-	-	-	-
Addition during the year	-	-	-	-
Less: Deduction during the year	-	-		-
2. Revaluation Reserve:			-	
As per last Account	-	-	-	-
Addition during the year	-	-	-	-
Less: Deduction during the year	-	-		-
3. Special Reserves:			-	
As per last Account	-	-	-	-
Addition during the year	-	-	-	-
Less: Deduction during the year	-	-		-
4. General Reserve:			-	
As per last Account	-	-	-	-
Addition during the year	-	-	-	-
Less: Deduction during the year	-	-		-
TOTAL				

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

(राशि रु. में)

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची 3 - निर्धारित / इनडोवमेंट फंड				
आई डी बी आई का वीसीएफ				
दायित्व				
भारत सरकार से आई डी बी आई द्वारा प्राप्त अंशदान		28,84,00,000		27,84,00,000
निवेश से आय				
क) ब्याज	13,08,52,144		13,08,52,144	
ख) राजस्व	5,51,97,900		5,51,97,900	
ग) लाभांस	8,623,794		83,05,794	
घ) उपार्जित आय	2,47,83,65,039		2,13,92,37,306	
ड) लम्बित प्राप्तियाँ			209,68,231	
	2,67,30,38,877		**2,35,45,61,375**	
घटा : टी डी बी को दी गई राशि	21,25,00,000		21,25,00,000	
	2,46,05,38,877		**2,14,20,61,375**	
घटा : पूर्व में वसूली गई राजस्व	1,12,50,000		1,12,50,000	
	2,44,92,88,877		**2,13,08,11,375**	
घटा : माफ किया गया ऋण	4,03,58,387		3,84,46,094	
घटा : निवेश की बिक्री से घाटा	36,76,250		36,76,250	
	2,40,52,54,240		**2,08,86,89,031**	
घटा : ब्याज एवं एफ आइ एल डी पर किये गये प्रावधान	1,68,50,02,439			
घटा : आई डी बी आई को प्रदान किया गया प्रबंधन शुल्क	11,54,20,000		10,84,60,000	
घटा : लेखा शुल्क एवं अन्य व्यय	17,17,856		15,27,554	
		60,31,13,945	**1,97,87,01,477**	**1,97,87,01,477**
कुल		**89,15,13,945**		**2,25,71,01,477**

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule Forming Part of Balance Sheet
As on 31st March, 2013

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 3- EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS				
	Current Year		**Previous Year**	
TDB's Assets managed by IDBI				
Liabilities				
Contribution received by IDBI from Government of India		28,84,00,000		27,84,00,000
Income from Investment				
a. Interest	13,08,52,144		13,08,52,144	
b. Royalty	5,51,97,900		5,51,97,900	
c. Dividend	86,23,794		83,05,794	
d. Accrued income Less waivers	2,47,83,65,039		2,13,92,37,306	
e. Receipt pending appropriation	-		2,09,68,231	
	2,67,30,38,877		**2,35,45,61,375**	
Less : Amount transferred to TDB	21,25,00,000		21,25,00,000	
	2,46,05,38,877		**2,14,20,61,375**	
Less: Excess Royalty recd. earlier	1,12,50,000		1,12,50,000	
	2,44,92,88,877		**2,13,08,11,375**	
Less : Loans provided / written off	4,03,58,387		3,84,46,094	
Less : Loss on sale of Investment	36,76,250		36,76,250	
	2,40,52,54,240		**2,08,86,89,031**	
Less : Provision made on interest & FILD	1,68,50,02,439		-	
Less : Paid to IDBI towards Management fees	11,54,20,000		10,84,60,000	
Less: Audit Fees & other Expenses	17,17,856		15,27,554	
		60,31,13,945	**1,97,87,01,477**	**1,97,87,01,477**
TOTAL		**89,15,13,945**		**2,25,71,01,477**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

(राशि रु. में)

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची 4 - प्रतिभूत ऋण एवं उधार				
1. केन्द्र सरकार	-	-	-	-
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
3. वित्तीय संस्थाएं				
क) आवधिक ऋण				
ख) प्राप्त ब्याज और देय	-	-	-	-
4. बैंक :				
क) आवधिक ऋण				
- प्राप्त ब्याज और देय	-	-	-	-
ख) अन्य ऋण				
- प्राप्त ब्याज और देय	-	-	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-	-	-
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्डस	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-

टिप्पणी : वर्ष के भीतर देय राशि

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule Forming Part of Balance Sheet

As on 31st March, 2013

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 4- SECURED LAONS AND BORROWINGS:				
	Current Year		Previous Year	
1. Central Government	-	-	-	-
2. State Government (Specify)	-	-	-	-
3. Financial Institutions				
a) Term Loans				
b) Interest accrued and due	-	-	-	-
4. Banks:				
a) Term Loans				
- Interest accrued and due	-	-	-	-
b) Other Loans (Specify)				
- Interest accrued and due	-	-	-	-
5. Other Institutions and Agencies	-	-	-	-
6. Debentures and Bonds	-	-	-	-
TOTAL	-	-	-	-

Note: Amounts due within one year

(राशि रु. में)

	वर्तमान वर्ष		**पिछला वर्ष**	
अनुसूची 5 - अप्रतिभूत ऋण एवं उधार				
1. केन्द्र सरकार	-	-	-	-
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)				
3. वित्तीय संस्थाएं	-	-	-	-
4. बैंक :				
क) आवधिक ऋण	-	-	-	-
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-	-	-
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्डस	-	-	-	-
7. अचल जमा	-	-	-	-
8. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-

टिप्पणी : वर्ष के भीतर देय राशि

(राशि रु. में)

	वर्तमान वर्ष		**पिछला वर्ष**	
अनुसूची 6 -आस्थगित ऋण देयताएं				
क. कैपिटल उपस्करों एवं अन्य परिसंपत्तियों के ऋण भार द्वारा सुरक्षित सहमति	-	-	-	-
ख. अन्य	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-

टिप्पणी : वर्ष के भीतर देय राशि

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 5- UNSECURED LOANS AND BORROWINGS				
	Current Year		Previous Year	
1. Central Government	-	-	-	-
2. State Government (Specify)				
3. Financial Institutions	-	-	-	-
4. Banks:				
a) Terms Loans	-	-	-	-
b) Other Loans (Specify)	-	-	-	-
5. Other Institutions and Agencies	-	-	-	-
6. Debentures and Bonds	-	-	-	-
7. Fixed Deposits	-	-	-	-
8. Others (Specify)	-	-	-	-
TOTAL	-	-	-	-

Note: Amounts due within one year

				(Amount in Rupees)
	Current Year		Previous Year	
SCHEDULE 6- DEFERRED CREDIT LIABILITIES				
a. Acceptances secured by hypothecation of capital equipment and other assets	-	-	-	-
b. Other -	-	-	-	-
TOTAL	-	-	-	-

Note: Amounts due within one year

				(राशि रु. में)
	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची 7 - चालू देयताएं एवं प्रावधान				
क. चालू देयताएं				
1. सहमति	-	-	-	-
2. विविध लेनदार				
क) माल के लिए				
ख) अन्य				50,576
3. प्राप्त प्रतिभूत	-	50,000		50,000
4. ब्याज प्राप्ति लेकिन इनपर देय नही:				
क) प्रतिभूत ऋण / उधार				
ख) अप्रतिभूत ऋण / उधार	-	-	-	-
5. सांविधिक देयताएं				
क) अतिदेय	-	4,43,118		1,25,672
ख) अन्य				
6. अन्य चालू देयताएं				
क) प्रतिनियुक्ति के लिए पेंशन अंशदान	3,94,965			1,87,612
ख) लेखा परीक्षा शुल्क	1,60,000			80,000
ग) पिछला समायोजन	4,14,76,011	4,20,30,976		3,00,00,000
कुल (क)		**4,25,24,094**		**3,04,93,860**
ख. प्रावधान				
1. टैक्स के लिए				
2. ग्रेच्यूटी		5,91,714		5,47,880
3. अधिविर्षता / पेंशन				
4. एकत्रित अवकाश का नकदीकरण				
5. ट्रेड वारंटीज / दावे				
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
		-		-
कुल (क + ख)		**4,31,15,808**	-	**3,10,41,740**

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 7- CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS				
	Current Year		Previous Year	
A. CURRENT LIABILITIES				
1. Acceptances	-	-	-	-
2. Sundry Creditors				
a) For Goods				
b) Others				50,576
3. Security Received	-	50,000		50,000
4. Interest accrued but not due on :				
a) Secured Loans /borrowings				
b) Unsecured Loans/borrowings	-	-	-	-
5. Statutory Liabilities				
a) Overdue	-	4,43,118		1,25,672
b) Others				
6. Other current Liabilities				
a) Pension contribution for deputations	3,94,965			1,87,612
b) Audit fee payable	1,60,000			80,000
c) Pending Adjustment	4,14,76,011	4,20,30,976		3,00,00,000
TOTAL (A)		**4,25,24,094**		**3,04,93,860**
B.PROVISIONS				
1. For Taxation				
2. Gratuity		5,91,714		5,47,880
3. Superannuation/Pension				
4. Accumulated Leave Encashment				
5. Trade Warranties/Claims				
6. Others (Specify)				
TOTAL (B)		-		-
TOTAL (A+B)		**4,31,15,808**	-	**3,10,41,740**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र

(राशि रु. में)

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	वर्ष के आरंभ में कीमत /मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जोड़े गए	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत तक कीमत/ मूल्यांकन	वर्ष के आ. रंभ में	वर्ष के दौरान जोड़े गए	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत तक कुल	चालू वर्ष के अंत तक	पिछले वर्ष के अंत तक
अनुसूची 8 : स्थायी परिसम्पत्ति										
1. जमीन										
क) फ्रीहोल्ड										
2. बिल्डिंग	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) फ्रीहोल्ड जमीन										
ख) लीजहोल्ड जमीन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग) स्वामित्वधारी "लैट / परिसर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घ) जमीन पर अधिरचना अस्तित्व से संब) नहीं	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. प्लांट एवं मशीनरी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4. वाहन	3,80,081	-	-	3,80,081	1,96,655	18,343	-	2,14,998	1,65,083	1,83,426
5. फर्नीचर / फिक्सचर	35,76,136	-	-	35,76,136	18,17,504	1,75,864		19,93,368	15,82,768	17,58,632
6. कार्यालय उपस्कर	45,77,818	10,90,958	5,23,175	51,45,601	19,29,639	3,46,112	2,45,139	20,30,612	31,14,989	26,48,179
7. कम्प्यूटर / पैरीफेरल्स	25,79,394	1,57,000	-	27,36,394	9,13,772	1,82,263		10,96,035	16,40,359	16,65,622
8. इलेक्ट्रिक अधिष्ठापन										
9. पुस्तकालय की किताबें	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10. ट्यूबवैल और वाटर सप्लाई	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11. अन्य अचल परिसम्पत्तियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
चालू वर्ष का कुल	**1,11,13,429**	**12,47,958**	**5,23,175**	**1,18,38,212**	**48,57,570**	**7,22,582**	**2,45,139**	**53,35,013**	**65,03,199**	**62,55,859**
पिछला वर्ष	**1,09,03,635**	**2,09,794**	-	**1,11,13,429**	**40,21,571**	**8,35,999**	-	**48,57,570**	**62,55,859**	**68,82,064**
ख. कैपिटल चल रहा कार्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल	**1,11,13,429**	**12,47,958**	**5,23,175**	**1,18,38,212**	**48,57,570**	**7,22,582**	**2,45,139**	**53,35,013**	**65,03,199**	**62,55,859**

(उपयुक्त को शमिल करते हुए किराए पर लिए गए परिसम्पत्तियों की लागत पर दी जाने वाली टिप्पणियां)

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule Forming Part of Balance Sheet as on 31st March, 2013

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 8 - FIXED ASSETS

DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
	Cost/ valuation As at beginning of the year	Additions during the year	Deductions during the year	Cost/ valuation at the year-end	As at the beginning of the year	On Additions during the year	On Deductions during the year	Total up to the year -end	As at the Current year-end	As at the Previous year-end
A. FIXED ASSETS:										
1. LAND:										
a) Freehold	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. BUILDING:										
a) On Freehold Land	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
b) On Leasehold Land	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
c) Ownership Flats/ Premises	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
d) Superstructures on Land not belonging to the entity	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. PLANT MACHINERY & EQUIPMENT	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4. Vehicles	3,80,081	-	-	3,80,081	1,96,655	18,343		2,14,998	1,65,083	1,83,426
5. Furniture, fixtures	35,76,136	-	-	35,76,136	18,17,504	1,75,864		19,93,368	15,82,768	17,58,632
6. Office equipment	45,77,818	10,90,958	5,23,175	51,45,601	19,29,639	3,46,112	2,45,139	20,30,612	31,14,989	26,48,179
7. Computer/ peripherals	25,79,394	1,57,000	-	27,36,394	9,13,772	1,82,263		10,96,035	16,40,359	16,65,622
8. Electric installations	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9. Library books	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10. Tubewells & w. Supply	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11. Other fixed assets	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
TOTAL OF CURRENT YEAR	**1,11,13,429**	**12,47,958**	**5,23,175**	**1,18,38,212**	**48,57,570**	**7,22,582**	**2,45,139**	**53,35,013**	**65,03,199**	**62,55,859**
PREVIOUS YEAR	**1,09,03,635**	**2,09,794**	**-**	**1,11,13,429**	**4,021,571**	**8,35,999**	**-**	**48,57,570**	**62,55,859**	**68,82,064**
B.CAPITAL WORK-IN-PROGRESS	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
TOTAL	**1,11,13,429**	**12,47,958**	**5,23,175**	**1,18,38,212**	**48,57,570**	**7,22,582**	**2,45,139**	**53,35,013**	**65,03,199**	**62,55,859**

(Note to be given as to cost of assets on hire purchase basis included above)

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

(राशि रु. में)

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 9 - निर्धारित / इनडोवमेंट फंडों से निवेश			
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-		-
2. अन्य अनूमोदित प्रतिभूतियां	-		-
3. शेयर	-		-
4. डिबेंचर्स और बॉन्ड्स	-		-
5. सब्सिडियरिज एवं संयुक्त उद्यम	-		-
6. आई डी बी आई का वीसीएफ (परिसम्पत्तियाँ)	-		-
निवेश			
(1) ऋण	8,98,30,840		11,07,99,071
घटा : प्रावधान	19,12,293	8,79,18,547	
(2) इक्विटी	1,02,25,000		1,02,25,000
घटा : प्रावधान		1,02,25,000	
प्राप्तियाँ			
(1) ब्याज	31,85,09,559		31,66,14,643
(2) एफ आई एल डी	2,15,98,55,480		1,82,26,22,663
	2,47,83,65,039		
घटा : प्रावधान	1,68,50,02,439	79,33,62,600	
आई डी बी आई के साथ नकद		7,798	(31,59,900)
कुल		**89,15,13,945**	**2,25,71,01,477**

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule Forming Part of Balance Sheet

As on 31st March, 2013

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 9 - INVESTMENTS FROM EARMARKED/ ENDOWMENT FUNDS			
	Current Year		Previous Year
1. In Government Securities	-		-
2. Other approved Securities	-		-
3. Shares	-		-
4. Debentures and Bonds	-		-
5. Subsidiaries and Joint Ventures	-		-
6. VCF of IDBI (Assets)	-		-
Investment			
(ι) Loan	8,98,30,840		11,07,99,071
Less: Provisions	19,12,293	8,79,18,547	
(ιι) Equity Less: Provisions	1,02,25,000 -	1,02,25,000	1,02,25,000
Receivables			
(ι) Interest	31,85,09,559		31,66,14,643
(ιι) FILD	2,15,98,55,480		1,82,26,22,663
	2,47,83,65,039		
Less: Provisions	**1,68,50,02,439**	**79,33,62,600**	
Cash with IDBI		7,798	(31,59,900)
Total		**89,15,13,945**	**2,25,71,01,477**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

				(राशि रु. में)
		वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 10 - निवेश - अन्य				
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		-	-	-
2. अन्य अनूमोदित प्रतिभूतियां		-	-	-
3. शेयर - इक्विटी भागीदारी		34,36,72,726	34,36,72,726	31,62,18,000
4. डिबेंचर्स और बॉन्ड्स		-	-	-
5. सब्सिडियरिज एवं संयुक्त उद्यम		-	-	-
6. वेन्चर फंड				
क) आई टी वी यू एस यू टी आई		25,00,000		25,00,000
ख) यूटीआई एसेंट इंडिया फंड	36,27,72,887			
घटा : विमोचन	(2,74,11,203)	33,53,61,684		36,27,72,887
ग) ए पी आई डी सी वेन्चर फंड		30,00,00,000		30,00,00,000
घ) वेन्चर ईस्ट टीनेट फंड	11,41,99,200			
जमा : वितरण	54,03,000			
घटा : विमोचन	(18,60,309)	11,77,41,891		11,41,99,200
ड) जी वी एफ एल		14,36,25,000		11,62,50,000
च) आर वी सी एफ	7,71,81,624			
जमा : वितरण	4,50,00,000			
घटा : विमोचन	(8,96,866)	12,12,84,758		7,71,81,624
छ) एसआईडीबीआई वी सी एफ		3,29,80,359		1,00,00,000
ज) आईवीकेप वेंचर ट्रस्ट फंड-1		5,00,00,000		
झ) मल्टी सेक्टर सीड केपिटल फंड		9,70,00,000		
ण) सीफ इडिया अग्रीबिजनैस फंड		11,40,46,085		
7. जी आई टी ए	49,00,000			
जमा : वितरण	1,44,11,000	1,93,11,000	1,33,38,50,777	49,00,000
कुल			**1,67,75,23,503**	**1,30,40,21,711**

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule Forming Part of Balance Sheet
As on 31st March, 2013

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 10 - INVESTMENTS - OTHERS				
		Current Year		Previous Year
1. In Government Securities		-	-	-
2. Other approved Securities		-	-	-
3. Shares-Equity participation		34,36,72,726	34,36,72,726	31,62,18,000
4. Debentures and Bonds		-	-	-
5. Subsidiaries and Joint Ventures		-	-	-
6. Venture Funds				
a) UTI ITVUS		25,00,000		25,00,000
b) UTI Ascent India Fund	36,27,72,887			
Less : Redemption	(2,74,11,203)	33,53,61,684		36,27,72,887
c) APIDC Venture Funds		30,00,00,000		30,00,00,000
d) VentureastTeNet Fund	11,41,99,200			
Add: Disbursement	54,03,000			
Less : Redemption	(18,60,309)	11,77,41,891		11,41,99,200
e) GVFL		14,36,25,000		11,62,50,000
f) RVCF	7,71,81,624			
Add: Disbursement	4,50,00,000			
Less: Redemption	(8,96,866)	12,12,84,758		7,71,81,624
h) SIDBI VCF		3,29,80,359		1,00,00,000
i) IvyCap Venture Trust Fund-1		5,00,00,000		
j) Multi Sector Seed Capital Fund		9,70,00,000		
k) SEAF India Agribusiness Fund		11,40,46,085		
7. GITA	49,00,000			
Add: Disbursement	1,44,11,000	1,93,11,000	1,33,38,50,777	49,00,000
TOTAL			**1,67,75,23,503**	**1,30,40,21,711**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

(राशि रु. में)

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 11 - चालू परिसम्पत्ति, ऋण, अग्रिम इत्यादि			
क. चालू परिसम्पत्ति			
1. सामान्य सूची			
क) स्टोर्स एवं स्पेयर्स			
ख) लूज टूल्स			
ग) स्टॉक इन ट्रेड			
i) समाप्त माल			
ii) चल रहा कार्य			
iii) कच्ची सामग्री	-	-	-
2. विविध देनदार			
क) छ: महीनों से अधिक अवधि से लंबित			
ख) अन्य			-
3. हाथ में नकद शेष (चैक / ड्राफ्ट और अग्रदाय सहित)	38,378	38,378	97,126
4. बैंक शेष			
क) सूचीगत बैंकों के साथ			
- चालू खाते पर			
- जमा खाते पर (मार्जिन राशि सहित)	54,75,00,000		1,00,00,00,000
- बचत खातों पर	21,05,74,406		8,20,49,756
- फ्लैक्सी खातों पर	79,33,110	76,60,07,516	73,32,604
ख) गैर-सूचीगत बैंकों के साथ			
- चालू खाते पर	-		-
- जमा खाते पर (मार्जिन राशि सहित)	-		-
- बचत खातों पर	-		-
5. डाक घर - बचत खाता			
कुल (क)		**76,60,45,894**	**1,08,94,79,486**

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule Forming Part of Balance Sheet
As on 31st March, 2013

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 11- CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC.

	Current Year		Previous Year
A. CURRENT ASSETS:			
1. Inventories:			
a) Stores and Spares			
b) Loose Tools			
c) Stock-in- trade			
i) Finished Goods			
ii) Work-in-progress			
iii) Raw Material	-	-	-
2. Sundry Debtors			
a) Debts Outstanding for a period exceeding six months			
b) Others			-
3. Cash balance in hand (including cheques/drafts and imprest)	38,378	38,378	97,126
4. Bank Balances:			
a) With Scheduled Banks:			
-On Current Accounts			
- On Deposit Accounts (includes margin money)	54,75,00,000		1,00,00,00,000
- On Savings Accounts	21,05,74,406		8,20,49,756
- On Flexi Account	79,33,110	76,60,07,516	73,32,604
b) With non- Scheduled Banks:			
- On Current Accounts	-		-
- On Deposit Accounts	-		-
- On Savings Accounts	-		-
5. Post Office- Savings Accounts			
TOTAL (A)		**76,60,45,894**	**1,08,94,79,486**

(राशि रु. में)

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 11 - चालू परिसम्पत्तियां, ऋण, अग्रिम इत्यादि (जारी है)			
क. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसम्पत्तियां			
1. ऋण			
क) स्टाफ			
ख) अन्य संस्थाऐं जो उनसे मिलती जुलती संस्थाओं की गतिविधियों / उद्देश्यों में सम्मिलित	-	-	-
ग) ऋण : शुरु हुए औद्योगिक इकाईयों को सहायता	3,40,03,96,054		3,50,95,81,728
जमा : वर्ष के दौरान	62,89,00,000		32,26,94,000
घटा : ऋण की अदायगी	(40,77,86,917)		(39,93,79,674)
घटा : ऋण का इक्विटी में परिवर्तन	(2,00,00,000)		(3,25,00,000)
घटा : ऋण माफी	(2,59,54,000)		
घटा : ऋण माफी	(56,60,636)	3,56,98,94,501	
2. नकद, अग्रिम एवं अन्य राशि की अथवा वस्तु अथवा उसक कीमत में वसूली			
क) कर्मचारियों को अग्रिम	57,000		1,51,100
ख) अन्य सरकारी विभागों से वसूली	-		-
ग) अन्य - प्रतिभूति जमा	1,23,000		13,64,270
घ) अन्य	7,680	1,87,680	7,680
3. प्राप्त आय			
क) निर्धारित / इनडोवमेंट फंड से निवेश पर			
ख) अन्य निवेश पर	1,25,52,232		3,25,74,446
ग) ऋण एवं अग्रिम पर	1,87,05,12,183		1,32,58,20,435
घटा : ऋण माफी			
घटा : इक्विटी में परिवर्तन	-		
		1,88,30,64,415	
4. वसूलीयोग्य दावा	-	-	-
कुल (ख)		5,45,31,46,596	4,76,03,13,985
कुल (क + ख)		**6,21,91,92,490**	**5,84,97,93,471**

			(Amount in Rupees)
SCHEDULE 11-CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC. (Contd.)			
	Current Year		**Previous Year**
B. LOANS,ADVANCES AND OTHER ASSETS:			
1. Loans:			
a) Staff			
b) Other Entities engaged in activities/ objectives similar to that of the entity	-	-	-
c) Loan : Assistance to industrial concerns			
Opening	3,40,03,96,054		3,50,95,81,728
Add: During the year	62,89,00,000		32,26,94,000
Less: Repayment of loan	(40,77,86,917)		(39,93,79,674)
Less: loan converted into equity	(2,00,00,000)		(3,25,00,000)
Less: Written Off	(2,59,54,000)		
Less: Prior Period Adjustment	(56,60,636)	3,56,98,94,501	
2. Advances and other amounts recoverable in cash or in kind or of value to be received			
a) Advance to staff members	57,000		1,51,100
b) Recov. from other Govt. deptts	-		-
c) Others - Security Deposit	1,23,000		13,64,270
d) Others	7,680	1,87,680	7,680
3. Income Accrued:			
a) On Investments from Earmarked/Endow. Funds			
b) On Investments - Others	1,25,52,232		3,25,74,446
c) On Loans and Advances	1,87,05,12,183		1,32,58,20,435
Less: written off			
Less: Converted into equity	-		
		1,88,30,64,415	
4. Claims Receivable	-	-	-
TOTAL (B)		5,45,31,46,596	4,76,03,13,985
TOTAL (A +B)		**6,21,91,92,490**	**5,84,97,93,471**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

(राशि रु. में)

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 12 - बिक्री / सेवाओं से आय			
1. बिक्री से आय			
क) तैयार माल की बिक्री			
ख) कच्चे सामग्री की बिक्री			
ग) कबाड़ की बिक्री	-	-	-
2. सेवाओं से आय			
क) श्रम एवं संसाधित प्रभार			
ख) व्यावसायित / परामर्शी सेवाएं			
ग) एजेंसी कमीशन और दलाली			
घ) रखरखाव सेवाएं (उपस्कर / संपत्ति)			
ड) अन्य (निर्दिष्ट करें)			-
कुल			

(राशि रु. में)

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 13 - अनुदान / सब्सिडी (गैर वसूलीयोग्य अनुदान एवं वसूली गई सब्सिडी)			
1) केन्द्र सरकार	22,50,00,000		
2) राज्य सरकार (रें)			
3) सरकारी एजेंसियां			
4) संस्थान / कल्याण बोर्ड	-	-	-
5) अंतर्राष्ट्रीय संगठन			
6) अन्य (निर्दिष्ट करें)			
कुल	**22,50,00,000**		

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule Forming Part of Income and Expenditure

For The Year Ended 31st March, 2013

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 12 - INCOME FROM SALES/SERVICES

	Current Year		Previous Year
1. Income from Sales			
a) Sales of Finished Goods			
b) Sale of Raw Material			
c) Sale of Scraps	-	-	-
2. Income from Services			
a) Labour and Processing Charges			
b) Professional/Consultancy Services			
c) Agency Commission and Brokerage			
d) Maintenance Services (Equipment/Property)			
e) Others (Specify)			-
TOTAL			

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 13–GRANTS/SUBSIDIES
(Irrevocable Grants & Subsidies Received)

	Current Year		Previous Year
1) Central Government	22,50,00,000		-
2) State Government (s)			
3) Government Agencies			
4) Institutions / Welfare Bodies	-	-	-
5) International Organizations			
6) Others (Specify)			
TOTAL	**22,50,00,000**	**-**	**-**

(राशि रु. में)

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 14 - शुल्क /अंशदान			
1) प्रवेश शुल्क	-	-	-
2) वार्षिक शुल्क / अंशदान			
3) सेमिनार / कार्यक्रम शुल्क	-	-	-
4) परामर्शी शुल्क	-	-	-
कुल			

टिप्पणी : प्रत्येक मद की बताई जाने वाली लेखा नीतियों का निर्धारित फंड से निवेश

(राशि रु. में)

	निर्धारित फंड से निवेश		अन्य निवेश
	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	वर्तमान वर्ष
अनुसूची 15 - निवेश से आय (फंड में हस्तांतरित किया गया निर्धारित / इनडोवमेंट फंड से निवेश पर आय)			
1. ब्याज			
कऋ सरकारी प्रतिभूति पर			
खऋ अन्य बॉन्ड्स / डिबेन्चर			
2. लाभांस			
क) शेयर पर			
ख) म्यूचूअल फंड प्रतिभूति पर			
3. किराए	.		.
4. अन्य (निर्दिष्ट करें)	.		.
कुल			
निर्धारित / इनडोवमेंट फंड में हस्तांतरित			

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 14 - FEES/SUBSCRIPTINS			
	Current Year		Previous Year
1) Entrance Fees	-	-	-
2) Annual Fees/Subscriptions			
3) Seminar/Program Fees	-	-	-
4) Consultancy Fees	-	-	-
TOTAL	-	-	-

Note: Accounting Policies towards each item are to be disclosed

(Amount in rupees)

SCHEDULE 15- INCOME FROM INVESTMENTS (Income on Invest. From Earmarked/Endowment Funds transferred to Funds)			
	Investment from Earmarked Fund		Investment - Others
	Current Year	Previous Year	Current Year
1) Interest			
a) On Govt. Securities			
b) Other Bonds/Debentures			
2) Dividends			
a) On Shares			
b) On Mutual Fund Securities			
3) Rents	-	-	-
4) Other (Specify)	-	-	-
TOTAL			
TRANSFERRED TO EARMARKED/ ENDOWMENT FUNDS			

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

(राशि रु. में)

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 16 - राजस्व, प्रकाशन इत्यादि से आय			
1) राजस्व से आय	-	22,16,468	8,32,016
2) उपार्जित राजस्व		3,07,51,018	-
घटाः राजस्व माफी			
3) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-
कुल		**3,29,67,486**	**8,32,016**

(राशि रु. में)

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज			
1. आवधिक जमा पर			
क) सूचीगत बैंकों के साथ	7,00,56,885		9,49,62,351
ख) गैर -सूचीगत बैंकों के साथ	-		-
ग) संस्थाओं के साथ	-		-
घ) अन्य	-	7,00,56,885	-
2. बचत खातों पर			
क) सूचीगत बैंकों के साथ	63,90,596		46,82,182
ख) गैर -सूचीगत बैंकों के साथ	-		-
ग) डाक घर बचत खाता	-		-
घ) अन्य	-	63,90,596	-
3. ऋण पर			
क) कर्मचारी / स्टाफ			
ख) औद्योगिक इकाई को ऋण सहायता		42,31,95,032	20,82,11,683
4. राजस्व पर ब्याज		19,44,275	1,868
5. अनुदान पर ब्याज		11,55,516	44,08,060
कुल		**50,27,42,304**	**31,22,66,144**
टिप्पणी : स्त्रोत पर कर कटौती को दर्शाया गया है।			

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule Forming Part of Income and Expenditure

For The Year Ended 31st March, 2013

			(Amount in Rupees)
SCHEDULE 16 – INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATION ETC.			
	Current Year		**Previous Year**
1) Income from Royalty		22,16,468	8,32,016
2) Royalty Accrued		3,07,51,018	-
Less: Royalty written off			
3) Others (Specify)			
TOTAL		**3,29,67,486**	**8,32,016**

			(Amount in rupees)
SCHEDULE 17- INTEREST EARNED			
	Current Year		**Previous Year**
1) On Term Deposits:			
a) With Scheduled Banks	7,00,56,885		9,49,62,351
b) With Non- Scheduled Banks	-		-
c) With Institutions	-		-
d) Others	-	7,00,56,885	-
2) On Savings Accounts:			
a) With Scheduled Banks	63,90,596		46,82,182
b) With Non- Scheduled Banks	-		-
c) Post Office Savings Accounts	-		-
d) Others	-	63,90,596	-
3) On Loans:			
a) Employees/Staff			
b) Loans assistance to industrial concerns		42,31,95,032	20,82,11,683
4) Interest on royalty		19,44,275	1,868
5) Interest on grants		11,55,516	44,08,060
TOTAL		**50,27,42,304**	**31,22,66,144**
Note - Tax Deducted as source to be indicated			

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

(राशि रु. में)

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 18 - अन्य आय			
1. संपत्तियों की बिक्री / निपटान से लाभ	-	-	-
क) प्राप्त संपत्ति- यूटीआई की यूनिटें			
ख) अनुदान से प्राप्त अथवा नि:शुल्क प्राप्त संपत्ति			
2. यूनिटों के विमोचन से लाभ		1,76,06,262	
3. लाभांश	-	1,19,262	4,385
4. विविध आय	-	2,02,267	18,493
5. विविध सेवाओं का आय			
6. दान			9,999
7. वेन्चर फंड से आय		11,66,073	21,53,531
कुल		**1,90,93,864**	**21,86,408**

(राशि रु. में)

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 19 - तैयार माल और चल रहे कार्य की वृा) / घटाव			
क) बंद स्टॉक			
- तैयार माल			
- चल रहा कार्य			
ख) घटा : ओपनिंग स्टॉक			
- तैयार माल			
- चल रहा कार्य			
निवल वृद्धि / (घटाव) (क - ख)			

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule Forming Part of Income and Expenditure

For The Year Ended 31st March, 2013

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 18–OTHER INCOME			
	Current Year		Previous Year
1) Profit on Sale/disposal of Assets:	-	-	-
α) Owned assets - UTI			
β) Assets acquired out of grants or received free of cost			
2) Profits on redemption of units		1,76,06,262	
3) Dividend		1,19,262	4,385
4) Miscellaneous Income		2,02,267	18,493
5) Fees of Miscellaneous Services			
6) Donations		-	9,999
7) Income from Venture Fund		11,66,073	21,53,531
TOTAL		**1,90,93,864**	**21,86,408**

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 19 – INCREASE/(DECREASE) STOCK OF FINISHED GOODS & WOKR IN PROGRESS			
	Current Year		Previous Year
a) Closing Stock:			
- Finished Goods			
- Work – in - progress			
b) Less: Opening Stock			
- Finished Goods			
- Work – in - progress			
NET INCREASE / (DECREASE) [a-b]			

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

(राशि रु. में)

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 20 - स्थापना व्यय			
क) वेतन और मजदूरी	1,29,20,018		1,10,86,437
ख) भत्ता और बोनस	9,365		16,229
ग) भविष्य निधि में अंशदान	6,63,671		5,90,782
घ) अन्य फंड में अंशदान			
ड) कर्मचारी कल्याण खर्च	21,000		21,000
च) कर्मचारियों के सेवानिवृद्धि और आवधिक लाभों पर व्यय	3,99,806		3,23,089
छ) चिकित्सा प्रभारों की प्रतिपूर्ति	60,830		1,40,614
ज) ग्रेच्यूटी	43,834		49,807
कुल		**1,41,18,524**	**1,22,27,958**

(राशि रु. में)

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय इत्यादि			
क) राष्ट्रीय पुरस्कार	20,00,000		20,00,000
ख) विधि प्रभार	20,25,350		32,43,693
ग) संपत्ति प्रबंधन शुल्क	3,56,17,481		81,73,420
घ) संपत्ति माफी	2,66,036		
ड) टी. डी. एस. पर ब्याज / दंड	31,743		
च) वेंचर फंड की बिक्री पर हानि	6,21,828		
छ) टूट फूट और रख - रखाव	4,04,543		3,75,934
ज) डाक एवं टिकट	1,02,131		1,11,779
झ) प्रौद्योगिकी दिवस व्यय	8,33,169		
ञ) वाहन चालन और रखरखाव	88,383		1,12,085
ट) टेलीफोन और संचार प्रभार	4,04,396		3,69,175

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule Forming Part of Income and Expenditure

For The Year Ended 31st March, 2013

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 20–ESTABLISHMENT EXPENSES			
	Current Year		Previous Year
a) Salaries and Wages	1,29,20,018		110,86,437
b) Allowances and Bonus	9,365		16,229
c) Contribution to Provident Fund	6,63,671		5,90,782
d) Contribution to Other Fund			
e) Staff Welfare Expenses	21,000		21,000
f) Expenses on Employees' Retir. and terminal Benefits	3,99,806		3,23,089
g) Reimbursement of medical charges	60,830		1,40,614
h) Gratuity	43,834		49,807
TOTAL		**1,41,18,524**	**1,22,27,958**

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 21 – OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC.		
	Current Year	Previous Year
a) National Award	20,00,000	20,00,000
b) Legal charges	20,25,350	32,43,693
c) Assets Management Fees	3,56,17,481	81,73,420
d) Assets written off	2,66,036	-
e) Interest / penalty on TDS	31,743	-
f) Loss on sale of Venture Fund	6,21,828	-
g) Repairs and maintenance	4,04,543	3,75,934
h) Postage & stamps	1,02,131	1,11,779
i) Technology Day Expenditure	8,33,169	-
j) Vehicles Running and Maintenance	88,383	1,12,085
k) Telephone and Communication Charges	4,04,396	3,69,175

ठ) प्रिंटिंग, स्टेशनरी एवं उपभोज्य	6,54,434		15,59,034
ड) यात्र और वाहन भत्ता			
क. घरेलु 37,34,402			
ख. विदेश 46,314			
ग. विशेषज्ञ 19,86,983	57,67,699		58,58,318
ढ) पुस्तकालय की किताबें एवं आवधिक	10,420		10,922
ण) बोर्ड सदस्यों को टीए/डीए/शूल्क	1,576		3,200
त) लेखा परीक्षा शुल्क	80,000		1,13,945
थ) आवभगत व्यय	1,52,767		30,55,550
द) बेठकों पर व्यय	31,52,873		
ध) व्यवसायिक प्रभार	15,32,000		13,62,169
न) क) ब्याज की माफी	13,86,92,279		
ख) राजस्व की माफी	3,07,51,018		
ग) ऋण की माफी	2,59,54,000		
न) सरकार की और से देय राशि की माफी			1,59,18,288
प) विविध व्यय	19,29,838		13,02,923
फ) अखबार एवं पत्रिका	8,649		11,269
ब) विज्ञापन एवं प्रचार	11,44,341		1,04,96,049
भ) बोर्ड के खर्चे	95,561		91,306
कुल	**25,23,22,515**		**5,41,69,059**

l) Printing, Stationary & Consumables	6,54,434	15,59,034
m) Travelling and Conveyance Expenses		
a) Domestic 37,34,402		
b) Abroad 46,314		
c) Experts 19,86,983	57,67,699	58,58,318
n) Library books and periodical	10,420	10,922
o) TA / DA / fee to Board members	1,576	3,200
p) Auditors Remuneration	80,000	1,13,945
q) Hospitality Expenses	1,52,767	30,55,550
r) Meeting Expenses	31,52,873	-
s) Professional Charges	15,32,000	13,62,169
t) a) Interest written off	13,86,92,279	-
b) Royalty written off	3,07,51,018	-
c) Loan written off	2,59,54,000	-
u) amount due from Govt. written off	-	1,59,18,288
v) Misc. Expenses	19,29,838	13,02,923
w) Newspaper & Magazine	8,649	11,269
x) Advertisement and Publicity	11,44,341	1,04,96,049
y) Board Expenses	95,561	91,306
TOTAL	**25,23,22,515**	**5,41,69,059**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

(राशि रु. में)

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 22 - अनुदान पर व्यय			
1)संस्थानों / संगठनों को दिया गया अनुदान	-		
i) इन्क्यूबेटर्स			
ii) अन्य एजेंसियां	16,25,00,000		10,40,00,000
2) संस्थानों / संगठनों को दी गई सब्सिडी			
कुल	**16,25,00,000**		**10,40,00,000**
नोटः संस्थाओं के नाम, उनकी गतिविधियों के साथ अनुदान/ सब्सिडी का खुलासा			

(राशि रु. में)

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 23 - ब्याज			
क) अचल ऋण पर			
ख) अन्य ऋण पर (बैंक प्रभार सहित)			
ग) अन्य (निर्दिष्ट करें)			
कुल			

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule Forming Part of Income and Expenditure

For The Year Ended 31st March, 2013

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 22 – EXPENDITURE ON GRANTS

	Current Year	Previous Year
1) Grants given to Institutions / Organizations	-	
(i) Incubators		
(ii) Other agencies	16,25,00,000	10,40,00,000
2) Subsidies given to Institutions / Organizations		
TOTAL	**16,25,00,000**	**10,40,00,000**

Note: Name of the Entities, their Activities along with the amount of Grants/Subsidies are to be disclosed

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 23 – INTEREST

	Current Year		Previous Year
a) On Fixed Loans			
b) On Other Loans (including Bank Charges)			
c) Others (Specify)			
TOTAL			

अनुसूची - 24

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

लेखा संबंधी प्रमुख नीतियां एवं लेखाओं पर टिप्पण - 2012-13

क. महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. प्राप्तियों एवं भूगतानों से संबंधित लेखा को नकद प्राप्ति जर्नल से तैयार किया जाता है और यह विभिन्न शाीर्षों के अंतर्गत नकद लेन-देन का एक सारांश है। इसमें पूंजी तथा राजस्व दोनों प्रकार की आवतियों और भूगतानों का रिकॉर्ड रखा जाता है।

2. आय एवं व्यय लेखा वर्ष में हुए आय और व्यय का सारांश है। यह नकद तथा उपार्जन दोनों आधर पर तैयार किया जाता है। यह केवल राजस्व प्रकृति के आय एवं व्यय का रिकॉर्ड रखता है। संवितरित ऋण राशि पर उपार्जित ब्याज का लेखा, जिस वर्ष ऋण की किस्त जारी की जाती है, के लिए रखा जाता है तथापि ब्याज को वास्तव में तब प्राप्त किया जा सकता है जब परियोजना संबंधित ऋण करारों की शर्तों एवं निबंधनों के अनुसार पूरी कर ली गई है। खातों में, साल के लिए स्टाफ के बकाया और लेखापरीक्षा शुल्क के अलावा, बकाया परन्तु भुगतान नही किये गये खर्चों के लिए प्रावधन नही किया गया।

3. मूल्यह्रास मात्रा का निर्धारण, अवमूल्यन बैलेंस प्रणाली पर वित्तीय वर्ष की शुरुआत में निर्धरित परिसंपत्तियों के आरंभिक जमा पर 10 प्रतिशत की दर से निर्धरित किया जाता है, केवल कार्यालय परिसर के आंतरिक कार्य को छोड़कर जिसमें कि 25 प्रतिशत लागत मूल्य पर मूल्यह्रास प्रदान किया गया है। निर्धरित परिसंपत्तियों को अभिग्रहण की लागत पर लिया जाता है।

4. राजस्व संबंधी भुगतान आवती एवं भुगतान लेखा और तुलन पत्र (बैलेंस सीट) में प्राप्ति के आधर पर लिए जाते हैं।

5. सरकारी अनुदानों को आवती आधर पर मान्यता दी जाती है। व्यय नहीं की गई राशि को भारत सरकार को वापस नहीं किया जाता क्योंकि सरकार द्वारा जारी अनुदानों को प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 की धरा 9 (1) (क) के अनुसार प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग हेतू निधि में जमा कर दिया जाता है और इस प्रकार किसी प्रकार की वापसी की कोई आवश्यकता नहीं है। अत: भारत सरकार को वापस करने हेतू कोई राशि बकाया नहीं है।

6. प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 की धरा (1) के अनुसार प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग हेतू निधि द्वारा प्रदत्त राशियों की अधिवसूली, ऋणों पर ब्याज की प्राप्तियों, राजस्व, अनुदानों और किसी अन्य स्त्रोत से प्राप्त राशि को इस निधि में जमा कर दिया जाता है। इस प्रावधन को ध्यान में रखकर तुलन पत्र (बैलेंस सीट) तैयार किया गया है।

7. आईडीबीआई द्वारा अनुरक्षित निर्धरित / स्थायी निधियों (उद्यम पूंजी निधि) के तुलन पत्र ने निम्नलिखित को दर्शाया है :-

   (क) राजस्व, प्रबंधन शुल्क और उस पर पैनल ब्याज के संबंध में आय/ परिव्यय जिन्हें वास्तविक प्राप्तियों / भुगतान के रुप में माना गया है को छोड़कर तुलन पत्र को प्रोदभवन आधर पर तैयार किया गया है।

   (ख) अप्रयुक्त, नकद और बैंक बैलेंस, आईडीबीआई के पास रखी अप्रयुक्त निधियों, जो लेखा समाधन के अधीन है, तुलन - पत्र में दर्शित हैं।

Schedule – 24

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Significant Accounting Policies and Notes on Accounts-2012-13

A. Significant Accounting Policies

1. Receipts and Payments Account is prepared from the cash receipt journal and is a summary of cash transactions under various heads. It records receipts and payments of both capital and revenue nature.

2. Income and Expenditure Account is the summary of incomes and expenditures of the year. It is prepared both on cash and on accrual basis. It records income and expenditure of revenue nature only. The accrued interest earned on the loan amount disbursed is accounted for in the year in which the loan installment is released; however, the interest is actually receivable after the projects have been completed in accordance with the terms and conditions of the respective loan agreements. Provision of expenses due but not paid are not make in the accounts for the year except for Staff Dues and Audit Fess.

3. Depreciation is quantified at the rate of 10 per cent on the opening balance of Fixed Assets as on the beginning of the financial year on diminishing balance method except the interior work undertaken in the office premises wherein the deprecation has been provided at the rate of 25% on the cost prize. Fixed Assets are taken at the cost of acquisition.

4. Royalty payments are taken on receipt basis in Receipts and Payments Account and Balance Sheet.

5. Government grants are recognized on receipt basis. Unspent balances are not to be refunded to the Government of India as the grants released by the Government are credited to the Fund for Technology Development and Application in terms of section 9(1)(a) of the Technology Development Board Act, 1995 and thus there is no such requirement of refund. No amount is, therefore, due for refund to the Government of India.

6. In terms of section 9(1) of the Technology Development Board Act, 1995, recoveries made of the amounts granted from the Fund for Technology Development and Application, receipt of interest on loans, royalty, donations and sums received from any other source are credited to the Fund. Keeping this provision in view, the Balance Sheet has been prepared.

7. The balance sheet of Earmarked/ Endowment funds (Venture Capital Funds) maintained by IDBI has indicated the following:-

   a) The balance sheet is prepared on accrual basis except for income/expenditure in respect royalty, management fee and penal interest thereon, which are recognized on actual receipt/ payment.

   b) Cash and bank balance in the balance sheet represents unutilized funds lying with IDBI.

8. निधि की राशियों को राष्ट्रीयकृत बैंकों में अल्पावधि जमा योजना में रखा जाता है अल्पावधि जमा पर ब्याज को प्राप्ती एवं भुगतान, लेखों और तुलन पत्र में दर्शाया गया है।

9. उधरकर्ता के द्वारा पुनर्ननिर्धरण के शर्तो के उल्लंघन के मामले में, पुनर्ननिर्धरण करार को अलग रखकर मूल करार के तहत खाते में बकाया राशि को वापस ले लिया जाता है। मूल करार पर वापस जाने के परिणामस्वरुप उधरकर्ता के बकाया राशि में वृद्धि होती है।

10. अगर उधरकर्ता ऋण करार के शर्तो के तहत ऋण/ब्याज की राशि का भुगतान करने में अक्षम है और वसूली का मालमा विवाचन को निर्दिष्ट किया गया है तो बकाया ऋण राशि, दंडविषयक ब्याज के साथ ब्याज को मामले को विवाचन को निर्दिष्ट करने के तारीख पर रोक दिया जाता है। पुरस्कार शर्तो के अनुसार पारित पुरस्कार के प्राप्त हाने के बाद ही बकाया ब्याज का प्रावधन या समायोजन किया जाता है।

11. अगर उधरकर्ता ने ऋण करार के शर्तो के तहत ऋण/ब्याज की राशि का भुगतान करने में डिफॉल्ट किया है और उचित कानूनी प्रक्रिया में गये बिना ही परिसमापन में चला गया है तो परिसमापन की तारीख तक ब्याज लगाया जायेगा। चूंकि वसूली की तारीख तक ब्याज की वसूली का अधिकार टीडीबी के पास है अत: खारिज करने के लिए अंतिम प्रावधन आधिकारिक परिसमापक से मूलधन एवं ब्याज के अंतिम भुगतान की प्राप्ति के बाद ही किया जाता है।

12. कंपनियों में किए गए निवेश लागत मूल्य में वर्णित किए गए हैं।

13. भंडार का सत्यापन वार्षिक आधर पर किया जाता है।

14. आंकड़ों को निकटतम रुपए में पूर्वांकित किया जाता है।

8. Fund balances are kept in short term deposits in nationalized banks. Interest on short term deposits is reflected in the Receipts and Payments Account and Balance Sheet.

9. In the case of default of the terms of he re-scheduling by the borrowers, the rescheduling agreement is set aside and balances in account are reverted back on the basis of the original agreement. This may result in increase of outstanding amount of the borrower due to reverting back to the original agreement.

10. In the case of borrower is unable to pay the loan / interest amount as per the terms of loan agreement and the recovery matter is referred to arbitration, the outstanding amounts of loan, interest including penal interest is frozen as on the date of referral to arbitration. Further provisioning or adjustment in the outstanding interest is only made after the award is passed in accordance with the award conditions.

11. In the case where the borrower has defaulted in repayment of its loan and interest as per loan agreement and has since gone into liquidation without going through the due legal process, booking of interest has not been restricted to the date of liquidation. Final provision for write off is made for principal and interest after receipt of final payment form the Official Liquidator since the right to claim interest up to the date of recovery is maintained by TDB.

12. The investments in companies are stated at cost price

13. Stock verification is done on annual basis.

14. Figures are rounded off to the nearest rupee.

अनुसूची - 25

लेखाओं पर टिप्पणी

1. वित्तीय वर्ष 2012-13 के दौरान टीडीबी को अनुदान के रुप में 2250.00 लाख (पिछले वर्ष कुछ नही) प्राप्त हुआ ।

2. प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के पास 31 मार्च, 2013 तक 17,029.79 लाख (पिछले वर्ष 11,254.95 लाख) की अतिदेय ऋण की राशि (राशि देय पर प्राप्त नही)। इसके अतिरिक्त, 4,275.45 लाख (पिछले वर्ष 2318.05 लाख) का साधरण ब्याज, 10,429.93 लाख (पिछले वर्ष 6363.15 लाख) के बराबर ऋण पर आधरित अतिरिक्त ब्याज और साधरण ब्याज पर अतिरिक्त ब्याज के रुप में 1,634.68 लाख रु. (पिछले वर्ष 1027.79 लाख रु.) भी देय है।

(i) यूटीआई उद्यम पूंजी प्रबंधन कम्पनी लिमिटेड (यूटीआईवीएफ), बैंगलोर द्वारा प्रशासित भारत प्रौद्योगिकी उद्यम यूनिट स्कीम (आईटीवीयूएस) में बकाया निवेश 31 मार्च, 2013 तक 25.00 लाख रु. है। निधि का लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च 2013 तक 100/- रु. पर 1454.75 रु. प्रति यूनिट था।

(ii) यूटीआई उद्यम पूंजी प्रबंधन कम्पनी लिमिटेड (यूटीआईवीएफ), बैंगलोर द्वारा प्रशासित एसेंट इंडिया फंड (एआ. ईएफ) में बकाया निवेश 31.03.2013 तक 3,354.00 लाख रु. है। यूटीआई - एसेंट इंडिया फंड की यूनिटों के विमोचन से 274.00 लाख रु. की राशि प्राप्त हुई। निधि की लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च, 2013 तक 100/- रु. पर 59.63 रु. प्रति यूनिट थी।

(iii) वेंचर ईस्ट फंड एडवाजरर्स प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई द्वारा संचालित वेंचरइस्ट टीनेट फंड ग्न, चेन्नई में बकाया निवेश 31.03.2013 तक 1177.42 लाख रु. है। निधि की लेखा परीक्षित एन ए वी 31 मार्च, 2013 तक 845. 00 रु. प्रति यूनिट थी (अंकित मूल्य 1000/- रु. प्रति यूनिट)।

(iv) टीडीबी ने दिनांक 16.08.2004 के सह-निवेश करार के अनुसार एपीआईडीसी वेंचर कैपिटल लिमिटेड, हैद. राबाद द्वारा प्रशासित एवं प्रबंधित ए पी आई डी सी के साथ 'टीडीबी ट्रस्ट' (जैव प्रौद्योगिकी उद्यम निधि के साथ सह-निवेश स्कीम) में दिनांक 31.03.2013 तक 3000 लाख रु. (1,00,000/- प्रति यूनिट मूल्य की पूर्व रुप से भुगतान की गई 3000 यूनिटें) निवेश किए हैं। निधि की लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च, 2013 तक 100000/- रु. पर 119239/- रु. प्रति यूनिट थी।

(v) मैसर्स गुजरात वेंचर फिनांस लिमिटेड (जीवीएफएल), अहमदाबाद एसएमई टेक्नोलॉजी वेंचर फंड में बकाया निवेश 31.03.2013 तक 1436.25 लाख रु. है। निधि की लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च, 2013 तक 1,05,032/- रु. प्रति यूनिट थी (वास्तवित वैल्यू 1,00,000/- रु. प्रति यूनिट)।

(vi) मेसर्स राजस्थान वेंचर कैपिटल फंड (आरवीसीएफ), जयपुर ''एसएमई टेक्नोलॉजी वेंचर फंड'' में बकाया निवेश 31.03.2013 तक 1213 लाख रु. है। इस वर्ष यूनिटों के विमोचन से 9 लाख रु. की राशि प्राप्त हुई। निधि की लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च, 2013 तक 100/- रु. पर 114.16 रु. प्रति यूनिट थी।

(vii) मेसर्स एसआईडीबीआई ट्रस्टी कम्पनी लिमिटेड में बकाया निवेश 31.03.2013 तक 330 लाख रु. है। निधि की लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च, 2013 तक 789.74 रु. प्रति यूनिट थी (वास्तवित वैल्यू 1000/- रु. प्रति यूनिट)।

(viii) मेसर्स सीफ इंडिया एग्रीबिजनेस फंड में बकाया निवेश 31.03.2013 तक 1140 लाख रु. है। निधि की लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च, 2013 तक 4,12,857 रु. प्रति यूनिट थी (वास्तवित वैल्यू 5,00,000 रु. प्रति यूनिट)।

Schedule – 25

Notes on Accounts

1. TDB received 2250 lakhs (P.Y. Rs. nil) as grant during the financial year 2012-13.

2. Technology Development Board has an overdue loan repayment (amount due but not received) amounting to Rs.17, 029.79 lakhs (P.Y. Rs. 11,254.95 lakhs) as on 31st March, 2013. In addition, simple interest of Rs. 4,275.45 lakhs (P.Y. 2318.05 Rs. lakhs), additional interest on loan amounting to Rs. 10,429.93 lakhs (P.Y. Rs.6,363.15 lakhs) and Rs. 1,634.68 lakhs (P.Y. Rs. 1,027.79 lakhs) as additional interest on simple interest, were also due.

   (i) The outstanding investment in the India Technology Venture Unit Scheme (ITVUS) administered by the UTI Venture Funds Management Company Limited, (UTIVF) Bangalore is Rs 25 lakhs as on 31st March 2013. The audited NAV of the fund was Rs 1454.75 per unit of Rs 100/- on 31st March 2013.

   (ii) The outstanding investment in the Ascent India Fund (AIF) administered by the UTI Venture Funds Management Company Private Limited (UTIVF), Bangalore is Rs 3,354 lakhs as on 31.03.2013. An amount of Rs 274 lakhs have been received towards redemption of units of UTI-Ascent India Fund during the year. The audited NAV of the fund was Rs 59.63/- per unit of Rs. 100/- on 31st March 2013.

   (iii) The outstanding investment in the Ventureast Tenet Fund II, Chennai operated by Venture East Fund Advisors Pvt. Ltd., Chennai is Rs 1177.42 lakhs up to 31.3.2013. The audited NAV of the fund was Rs 845/- per unit (face value of Rs 1000/- per unit) on 31st March 2013.

   (iv) TDB has invested Rs 3000 lakhs (3000 fully paid units of Face Rs 1, 00,000/- per units) up to 31.3.2013 in "TDB trust" (Co-Investment Scheme with Biotechnology Venture fund) with APIDC administered and managed by APIDC Venture Capital Limited, Hyderabad as per co-investment agreement dated 16.08.2004. The audited NAV of the fund was Rs. 119239/- per unit of Rs. 100000/-as 31st March 2013.

   (v) The outstanding investment in M/s Gujarat Venture Finance Limited (GVFL), Ahmedabad SME Technology Venture Fund is Rs 1436.25 lakhs up to 31st March 2013. The audited NAV of the fund was Rs 1, 05,032/- per unit (face value 1, 00,000) as on 31st March 2013.

   (vi) The outstanding investment in M/s Rajasthan Venture Capital Fund (RVCF), Jaipur "SME Technology Venture Fund" is Rs 1213 lakhs as on 31.03.2013. An amount of Rs 9 lakhs have been received towards redemption of units during the year. The audited NAV of fund was Rs 114.16 per unit of Rs. 100/- as on 31st March 2013.

   (vii) The outstanding investment in M/s SIDBI Trustee Company Limited is Rs. 330 lakhs as on 31.3.2013. The audited NAV of the fund was Rs. 789.74 per unit (face value Rs. 1000) as on 31st March 2013.

   (viii) The outstanding investment in M/s SEAF India Agribusiness Fund is Rs. 1140 lakhs as on 31.3.2013. The audited NAV of the fund was Rs. 4, 12,857 (face value Rs. 5, 00,000) as on 31st March 2013.

(ix) मेसर्स मल्टी सेक्टर सीड कैपिटल फंड में बकाया निवेश 31.03.2013 तक 970 लाख रु. है। निधि की लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च, 2013 तक 10,347 रु. प्रति यूनिट थी।

(x) मेसर्स आइवी कैप वेंचर ट्रस्ट फंड-५ में बकाया निवेश 31.03.2013 तक 500 लाख रु. है। चूंकि पहला निवेश फरवरी, 2013 में किया गया है अत: निधि की लेखा परीक्षित एनएवी निर्धरित नही की गई है (वास्तवित वैल्यू 100000/- रु. प्रति यूनिट)।

4. टीडीबी ने, परिस्थितीकी तंत्र के सभी प्रमुख तत्वों को कवर करने के अधिदेश के साथ, जो इन्डस्ट्री एवं तकनीकी शुरुआतकर्ताओं को लाभान्वित करेगा, डीएसटी एवं अन्य संस्थानों के साथ, सीआईआई के साथ संयुक्त वेंचर में क्रमश: 51:49 की इक्विटी भागीदारी के साथ मेसर्स ग्लोबल इन्नोवेशन एंड टेक्नोलॉजी एलायन्स (जीआईटीए) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किया। टीडीबी का जीआईटीए में इक्विटी भागीदारी 735 लाख रु. की है। 31 मार्च, 2013 तक टीडीबी ने 193.11 लाख रु. जारी किया है।

5. वित्तीय वर्ष के दौरान, निम्नलिखित अनुदान सहायता का वितरण किया गया:

क्रम सं.	कम्पनी का नाम	उद्देश्य	राशि (लाख में)
1.	मेसर्स मिलेनियम अलायंस (फिक्की)	एमए टीडीबी, फिक्की, यूएसएआइडी द्वारा प्रवर्तित किया गया है जो कि एक समावेशी मंच है जिसका लक्ष्य भारतीय सृजनात्मकता, विशेषज्ञता और संसाधनों के स्त्रोत और स्केल नवीनीकरण को सहायता पहुंचाना है जो भारत में विकसित और जांच की जा रही उसका लाभ भारत की पूरी जनसंख्या और विश्व को मिले।	500
2.	मेसर्स इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च सेन्टर फॉर पाउडर मैटेरियल	स्टील और प्लास्टिक के साथ अल्यूमिनियम के शामिल होने की अनुकूलता की तकनीक - मल्टी ज्वाइन	645
3.	मेसर्स इनटच नेचुरल्स प्रा. लि.	स्टेविया निष्कर्षण संयंत्र की स्थापना	50
4.	मेसर्स केआइआइटी टेक्नोलॉजीज	सीड सहायता	40
5.	मेसर्स आईआईटी गुवाहाटी	सीड सहायता	40
6.	मेसर्स बनयान इन्टेलेक्चुअल इनिसिएट्स	सीड सहायता	40
7.	मेसर्स ट्रेक-स्टेप	सीड सहायता	40
8.	मेसर्स आईआईटीएम'एस रुरल टेक्नोलॉजी	सीड सहायता	30
9.	मेसर्स इ-हेल्थ टेक्नोलॉजी	सीड सहायता	60
10.	मेसर्स एन्ट्रप्रिन्योरशिप डिवलपमेंट बोर्ड	सीड सहायता	30
11.	मेसर्स एफआइटीटी	सीड सहायता	30
12.	मेसर्स एकता इन्क्यूबेशन केन्द्र	सीड सहायता	30
13.	मेसर्स आइकेपी नॉलेज पार्क	सीड सहायता	30
14.	मेसर्स पीएसजी कॉलेज	सीड सहायता	30
15	मेसर्स मणिपाल टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेटर	सीड सहायता	30

(ix) The outstanding investment in M/s Multi Sector Seed Capital Fund is Rs. 970 lakhs as on 31.3.2013. The audited NAV of the fund was Rs. 10,347 as on 31st March 2013.

(x) The outstanding investment in M/s Ivy Cap Venture Trust Fund-I is Rs. 500 lakhs as on 31.3.2013. The NAV of the fund is not determined since the first investment has been made in February, 2013 (face value per unit is Rs. 100000).

4. TDB has signed agreement with M/s Global Innovation of Technology Alliance (GITA), in joint venture with CII, in equity contribution of 49:51 respectively with a mandate to cover all key elements of innovation ecosystem that benefit industry and technology start-ups, with DST and other organizations. The equity participation of TDB in GITA is Rs. 735 lakhs. TDB release Rs. 193.11 lakhs up to 31st March 2013.

5. The following grant-in-aid distributed during the financial year.

S. No.	Company's Name	Purpose	Amount (in lakhs)
1.	M/s Millennium Alliance (FICCI)	MA has been promoted by TDB, FICCI USAID which is an inclusive platform to leverage Indian creativity, expertise and resources to identify and scale innovative solutions being developed and tested in India to address development challenges that will benefit base of the pyramid populations across India and the world.	500
2.	M/s International Advanced Research Centre for Powder Materials	Technology for joining and compatibility of Aluminum with Steel and Plastic – Multi Join	645
3.	M/s Intouch Naturals P. Ltd.	Setting up Stevia extraction Plant	50
4.	M/s KIIT Technologies	Seed Support	40
5.	M/s IIT Guwahati	Seed Support	40
6.	M/s Banyan Intellectual Initiates	Seed Support	40
7.	M/s TREC-Step	Seed Support	40
8.	M/s IITM's Rural Technology	Seed Support	30
9.	M/s e-Health Technology	Seed Support	60
10.	M/s Entrepreneurship Development Board	Seed Support	30
11.	M/s FITT	Seed Support	30
12.	M/s EKTA Incubation Centre	Seed Support	30
13.	M/s IKP Knowledge Park	Seed Support	30
14.	M/s PSG college	Seed Support	30
15.	M/s Manipal Technology Business Incubator	Seed Support	30

6. वर्ष के दौरान मेसर्स इनटच नेचुरल्स प्रा. लि. को 65 लाख रु. राशि इक्विटी के लिए जारी की गई।

7. वर्ष के दौरान मेसर्स मोबमी के 200 लाख रु. के बकाया)ण एवं 9.54 लाख रु. के ब्याज को इक्विटी में बदल दिया गया है।

8. वर्ष के दौरान 1953.97 लाख रु. की राशि को पाँच कम्पनियों के लिए खारिज कर दिया गया। मेसर्स नवीन एड्डीटिव्स लि. का 859.87 लाख रु. (259.54 लाख मूल, 74.99 लाख ब्याज, 500.34 लाख ब्याज, मूल एवं राजस्व पर अतिरिक्त ब्याज और 25.00 लाख राजस्व), मेसर्स एटीवी प्रोजेक्ट्स इंडिया लि. का 456.80 लाख रु. (406.80 लाख ब्याज, मूल एवं राजस्व पर अतिरिक्त ब्याज और 50.00 लाख राजस्व), मेसर्स अल्फा एमिंस प्रा. लि. का 472.67 लाख रु. (6.40 लाख ब्याज, 408.66 लाख ब्याज, मूल एवं राजस्व पर अतिरिक्त ब्याज और 57.61 लाख राजस्व), मेसर्स हरियाणा बायोटेक प्रा. लि. का 29.50 लाख रु. (9.50 लाख ब्याज, 20.00 लाख ब्याज एवं मूल पर अतिरिक्त ब्याज) एवं मेसर्स पुष्कर केम लि. का 135.13 लाख रु. (4.09 लाख ब्याज, 115.03 लाख ब्याज, मूल एवं राजस्व पर अतिरिक्त ब्याज और 16.00 लाख राजस्व)।

9. भारत सरकार द्वारा अनुदानों से संबंधित उद्यत पूंजी निधि (वीसीएफ) लेन - देन के मद के भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आईडीबीआई) के दस्तावेजों के बकायें राशियों की प्राप्तियों और देनदारियों को प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 की धरा 10 के अनुसार 1 सितम्बर 1996 को बोर्ड को हस्तांतरित करने की आवश्यकता है। 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए बोर्ड के तुलन-पत्र में शामिल किया गया है। तुलन-पत्र में आईडीबीआई के वीसीएफ से संबंधित पिछले वर्ष के आंकड़ों को भी दर्शाया गया है।

(नीरज केला)	(डा. इन्द्रजीत सिंह)	(प्रो. के. विजयराघवन)
निदेशक	सचिव	अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड	प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड	प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

6. An amount of Rs. 65 lakhs released to M/s Intouch Naturals Private Limited and towards the equity during the year.

7. An amount of Rs. 200 lakhs outstanding loan & Rs. 9.54 lakhs of interest of M/s MobME has been converted into equity during the year.

8. An amount of Rs. 1953.97 lakhs has been written off towards the five companies during the year. M/s Naveen Additives Ltd. Rs. 859.87 lakhs (Rs.259.54 lakhs towards principal, Rs. 74.99 lakhs towards interest, Rs. 500.34 lakhs towards additional interest on interest, principal & royalty, & Rs. 25.00 lakhs towards royalty), M/s ATV Projects India Ltd. Rs. 456.80 (Rs. 406.80 lakhs towards additional interest on interest, principal & royalty, & Rs. 50.00 lakhs towards royalty), M/s Alpha Amins Pvt. Ltd. Rs. 472.67 lakhs (Rs. 6.40 lakhs towards interest, Rs. 408.66 lakhs towards additional interest on interest, principal & royalty, & Rs. 57.61 lakhs towards royalty) M/s Haryana Biotech Pvt. Ltd. Rs. 29.50 lakhs (Rs. 9.50 lakhs towards interest & Rs. 20.00 lakhs towards additional interest on interest & principal) & M/s Pushkar Chem Ltd. Rs. 135.13 (Rs. 4.09 lakhs towards interest, Rs. 115.03 lakhs towards additional interest on interest, principal & royalty, & Rs. 16.00 lakhs towards royalty).

9. The transfer of money receipts and liabilities outstanding in the books of the Industrial Development Bank of India (IDBI) on account of Venture Capital Fund (VCF) transactions pertaining to grants released by Government of India are required to be transferred to the Board as on 1st September 1996 in terms of section 10 of the Technology Development Board Act, 1995. The Balance Sheet of Venture Capital Fund of IDBI, vested with the Board, for the year ended 31st March 2013 has been incorporated in this year’s Balance Sheet. The Balance Sheet also reflects previous year’s figures relating to VCF of IDBI.

(Niraj Kela) **Director** **Technology Development Board**	**(Dr. Inder Jit Singh)** **Secretary** **Technology Development Board**	**(Prof. K Vijayraghavan)** **Chairperson** **Technology Development Board**

वर्ष 2012-13 के लिए प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के लेखों की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने 31 मार्च, 2013 को प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी), नई दिल्ली के संलग्न तुलन पत्र (बैलेंस शीट), उसी तिथि को समाप्त आय एवं व्यय लेखा और प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 (1995 की सं. 44) के अनुच्छेद 13(2) के साथ पठित लेखा नियंता एवं महालेखापरीक्षक (दायित्व, शक्तियां एवं सेवा की शर्तें, अधि नियम 1971 के 19(2) के अन्तर्गत लेखा परीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण बोर्ड के प्रबंधन का दायित्व है। हमारा दायित्व, अपनी लेखा परीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय देना है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में भारत के लेखा नियंता एवं महालेखापरीक्षक की वर्गीकरण, उत्तम लेखा नीतियों के सदृश लेखा मानक, प्रकटीकरण मानदंड इत्यादि से संबंधित लेखा प्रतिपादनों पर टिप्पणी शामिल है। वित्तीय लेनदेनों पर विधि अनुपालन सहित लेखा परीक्षा टिप्पणीयाँ, नियम एवं विनियम (औचित्य और नियमितता) और दक्षता - सह निपादन पहलू इत्यादि, यदि कोई है, तो इसे निरीक्षक रिपोर्ट / सीएजी की लेखा परीक्षा के माध्म से रिपोर्ट किया गया।

3. हमने यह लेखा परीक्षा, भारत में सामान्यत: अपनाए गए मानकों के अनुसार किया है। इन मानकों में यह अपेक्षित होता है कि हम लेखा परीक्षा को इस तरह योजनागत और निष्पादित करें कि इस बात का उचित आश्वासन प्राप्त किया जा सके के वित्तीय विवरण सामग्री, गलत विवरणों से मुक्त हो। लेखा परीक्षा में जांच के आधार पर वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत की गई राशियों के समर्थन में प्रमाणों और प्रकटीकरण की जांच शामिल है। लेखा परीक्षा में प्रयोग किए गए लेखा सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा महत्वपूर्ण आकलनों का मूल्यांकन शामिल है। हमारा विश्वास है कि हमारा लेखा परीक्षा विचारों को एक औचित्यपूर्ण आधार प्रदान करेगा।

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर हम यह रिपोर्ट देते हैं कि:

   (i) हमने सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो कि हमारी जानकारी और विश्वास में लेखा परीक्षा के उद्देश्य के लिए अनिवार्य है।

   (ii) इस रिपोर्ट में दिए गए तुलन पत्र और आय एवं व्यय लेखा / प्राप्ति एवं भुगतान लेखा को वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्वीकृत फॉर्मेट में तैयार किया गया है।

   (iii) हमारे विचार से अपेक्षित लेखों की समुचित बहियों और अन्य संबंधित रिकॉर्डो को अनुरक्षित किया गया है जैसा कि हमारी ऐसी बहियों की जांच से पता चलता है।

   (iv) हमने यह भी रिपोर्ट किया कि :

क) लेखा का संशोधन

हमारी लेखा परीक्षा के दौरान, टीडीबी ने 30 सितम्बर, 2014 को वर्ष 2012-13 के लिए अपने लेखों में संशोधन किया। लेखों में संशोधन के परिणामस्वरुप, परिसम्पत्तियां एवं देनदारियाँ 384.78 लाख रु. से बढ़ गयी।

1. परिसम्पत्तियाँ

1.1 महत्वपूर्ण लेखांकन नीति

(i) टीडीबी ने पाँच कम्पनियों[1], जिनके खिलाफ न्यायाधिकणों /न्यायालयों में मामले लम्बित है और जिनके खिलाफ डिक्री पहले ही वर्ष 2001 में जारी की जा चुकी थी, के संदर्भ में दंडविषयक ब्याज के साथ ब्याज की राशि को फ्रीज नहीं किया एवं लगातार इस वर्ष भी इन कंपनियों से 1099.45 लाख रु. की ब्याज/एफआईएलडी प्रभारित किया। यह लेखांकन नीति संख्या 10 का पालन नही था।

(ii) आठ कंपनियों, औद्योगिक विकास बैंक के द्वारा नियोजित निर्धारित/अक्षय निधि - उद्यम पूंजी निधि द्वारा वित्तपोषित, से प्रोदभवन आधार पर 2368.94 लाख रु. के दंडविषयक ब्याज की भी पहचान हुई, जो कि पुनः लेखांकन नीति संख्या 7 के खिलाफ था। यद्यपि 2368.94 लाख रु. का प्रावधान किया गया है जो कि स्वयं की लेखांकन नीति का अनुपालन नही था।

परिणास्वरूप, टीडीबी ने अपनी मौजूदा परिसम्पत्तियों (अर्जित ब्याज/एफआईएलडी) एवं आय (ब्याज/एफआईएलडी) प्रत्येक को 3468.39 लाख रु. अधिक दिखाया।

1.2 निवेश

1.2.1 इक्विटी

अनुसूची 9 : निर्धारित/अक्षय निधि से निवेश - 8915.14 लाख रु.

सात कंपनियों में 'इक्विटी' के रूप में निवेशित 102.25 लाख रु. को उचित बाजार मूल्य पर दिखाये जाने की जरुरत थी, चूंकि दो कंपनियों (9.00 लाख रु.) के खिलाफ मुकदमा न्यायालय/ऋण वसूली अधिकरण में लंबित थे एवं एक कंपनी[2] (17.26 लाख रु.) के खिलाफ प्रारंभिक डिक्री का आदेश पहले ही सितम्बर, 2001 में जारी किया जा चुका था। इनके मूल्य में लगातार गिरावट के बावजूद इन निवेशों को लगातार मूल्य लागत पर दिखाया जा रहा था। पिछले वर्ष की रिपोर्ट में भी इस पर टिप्पणी की गई थी।

हालांकि, यह देखा गया है कि टीडीबी ने किसी गिरावट/कमी के आधार पर निवेश के मूल्य का पुनर्मूल्यांकन नही किया एवं इनको इस साल भी अपने लेखा बहियों में लागत मूल्य पर हीं दिखाया।

1.3 अनुसूची 10 : अन्य निवेश - 16775.24 लाख

अनुसूची 10 में 16775.24 लाख रु. की राशि : 'अन्य निवेश' में दिखाया गया जिसको टीडीबी के 2012-13 के तुलन पत्र के साथ 'इक्विटी/उद्यम पूंजी निधि (वीसीएफएस)' के रुप में विभिन्न कंपनियों में निवेश की तरह संलग्न किया गया है।

---

1 चार कम्पनियाँ जिनके खिलाफ ऋण वसूली अधिकरण/न्यायालय में मामले लंबित हैं : मेसर्स केस्यू ऑयल एंड रेसिन्स प्रा. लि., यूरेका वायर्स प्रा. लि., मल्टीमाबाईल्स एंड मशीनरी प्रा. लि., शाइनवेल ग्रेनाइट्स एंड केमिकल्स प्रा. लि. एवं एक कंपनी जिसके खिलाफ प्रारंभिक डिक्री सितम्बर, 2001 में पहले ही जारी की जा चुकी है : मेसर्स बायो टिसूज लैब्स प्रा. लि.

2 मेसर्स बायो टिसूज लैब्स प्रा. लि.

यह देखा गया है कि दो[3] वीसीएफएस के परिसम्पत्ति के मूल्य में पिछले तीन वर्षो से लगातार गिरावट आ रही है एवं वहन राशि में कमी और इस तरह की कमी के किसी भी उत्क्रमण को लाभ एवं हानि खाते में प्रभारित या जमा किये जाने की जरुरत थी। हालांकि, पिछले वर्ष की पृथक लेखा रिपोर्ट में उल्लेख किये जाने के बावजूद, टीडीबी ने इनको उचित बाजार मूल्य पर पुनर्मूल्यांकन नही किया।

(B) अनुदान सहायता

टीडीबी को भारत सरकार द्वारा तकनीकि के आयात पर पाँच प्रतिशत की दर से भुगतान किये गये आरएंडडी सेस उगाही एवं संग्रहण के अन्तर्गत, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से अनुदान प्राप्त होता है। टीडीबी को वर्ष 2012-13 के दौरान विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से 2250.00 लाख रु. का अनुदान प्राप्त हुआ।

10894.79 लाख रु. के नकद/बैंक जमा के आद्य शेष (ओपनिंग बैलेंस) के अतिरिक्त टीडीबी को 6850.83 लाख रु. की राशि लघु अवधि जमाओं के ब्याज /ऋणों /राजस्व /अनुदान, ऋणों के पुनर्भूगतान, उद्यम निधियों से आय, गारंटी आदि से 2012-13 में प्राप्त हुई। निवेशों, स्थापना/कार्यालय के खर्चो और ऋण /अनुदान वितरण आदि के लिए 12335.17 लाख रु. का भुगतान किये जाने के बाद, 31 मार्च, 2013 को 7660.76 लाख रु. खर्च न हुई राशि के रुप में दर्शाये गये।

(v) पूर्ववर्ती पैराग्राफों में दिये गये हमारे प्रेक्षणों के आधार पर हम रिपोर्ट देते हैं कि तुलनपत्र, आय एवं व्यय लेखा उपं प्राप्ति एवं भुगतान लेखा, लेखा बहियों से मेल खाते हैं।

(vi) हमारी राय एवं हमें प्राप्त सूचना और स्पष्टीकरणों के आधार पर, उपरोक्त वित्तीय विवरण के साथ पठित लेखांकन नीतियां एवं लेखा पर टिप्पणियां एवं ऊपर उल्लेखित मामले और लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुलग्नक में वर्णित मामले, भारत में सामान्यत: स्वीकृत लेखांकन सिद्धान्तों के साथ समरुपता में सत्य एवं सही दृश्य प्रस्तुत करते हैं।

क) अब तक यह 31 मार्च, 2013 को प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के तुलनपत्र और मामलों से सम्बंधित है। और

ख) अब तक यह इसी तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय के अधिशेष से सम्बंधित है।

भारत के लेखानियंता एवं महालेखाकार के लिए और उनकी ओर से

स्थान: **मुख्य लेखा परीक्षा निदेशक**

दिनांक: **वैज्ञानिक विभाग**

3 (i) एसेंट इंडिया फंड (प्रति यूनिट 100 रु. के अंकित मूल्य) का एनएवी (प्रति यूनिट) मार्च 31, 2011, 2012, 2013 को क्रमश: 97.89 रु., 77.09 रु. एवं 59.63 रु. था। (i) वेंचर टिनेट फंड-II (प्रति यूनिट 1000 रु. के अंकित मूल्य) का एनएवी (प्रति यूनिट) मार्च 31, 2011, 2012, 2013 को क्रमश: 761.00 रु., 772.93 रु. एवं 845.00 रु. था।

लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुलग्नक-1

आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली

1. आन्तरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की उपयुक्तता

वर्ष 2012-13 के लिए टीडीबी का आन्तरिक लेखापरीक्षण किया गया और उसे उपयुक्त पाया गया।

2. आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली की उपयुक्तता

टीडीबी के लेखापरीक्षण के दौरान, आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली में निम्नलिखित कमियां पाई गयीं :

क) उचित मूल्य पर निवेशों का मूल्यांकन न होना

पिछले वर्ष की पृथक लेखापरीक्षा में उल्लेख करने के बावजूद टीडीबी ने उचित बाजार मूल्य पर 16775.24 लाख रु. के निवेशों के मूल्य की रिपोर्ट नहीं की और अपनी लेखा बहियों में उन्हें लागत मूल्य पर हीं दर्शाया।

ख) अनुदान सहायता रजिस्टर का रखरखाव न करना

सामान्य वित्त नियमावली के नियम 212 (40) के अनुसार, टीडीबी को निर्धारित प्रपत्र में अनुदान सहायता के रजिस्टर को रखरखाव करने की आवश्यकता थी। टीडीबी ने इस रजिस्टर को नही बनाया। यहां यह उल्लेख करना उचित होगा कि वर्ष 2011-12 और 2012-13 में अनुदान सहायता के रूप में विभिन्न संगठनों को अकेले 2665.00 लाख रूपये की राशि जारी की गयी।

(ग) बकाया उपयोगिता प्रमाणपत्र

सामान्य वित्त नियमावली के नियम 212 (i) के अनुसार प्रत्येक अनुदान प्राप्तकर्ता संस्थान को वित्तीय वर्ष के समापन पर 12 महीनों के भीतर उपयोगिता प्रमाणपत्र देना पड़ता है जिसमें दर्शाया जाता है कि जिस प्रयोजन के लिए अनुदान मंजूर हुआ था, उसका उपयोग हो गया है। जैसा कि पहले ही कहा जा चुका है कि टीडीबी ने प्राथमिक अभिलेख जैसे अनुदान रजिस्टर तैयार नही किया है जबकि लेखापरीक्षा ने स्पश्ट किया है कि 31 मार्च, 2014 को 31 मामलों में 3830.58 लाख रु. के उपयोगिता प्रमाणपत्र बकाया थे।

3. अचल परिसम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

वर्ष 2012-13 के लिए अचल परिसम्पत्तियों का भौतिक सत्यापन किया गया। कोई कमी नही पायी गयी।

4. सामान सूचियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

वर्ष 2012-13 के लिए सामान सूचियों का भौतिक सत्यापन किया गया। कोई कमी नही पायी गयी।

5. सांविधिक देयों के भुगतान में नियमितता

यह पाया गया कि टीडीबी ने टीडीएस जैसे सांविधिक देयों का आयकर विभाग को भुगतान नही किया है। इसके बावजूद कि वर्ष 2012-13 में सेवा प्रदाताओं को किये गये भुगतान से टीडीएस की सही राशि नही काटी गयी। इसके परिणामस्वरुप, सेवा प्रदाताओं की ओर से, टीडीबी को अपने स्त्रोतों से आयकर विभाग को 0.10 लाख रु. का बचाया जा सकने वाला जुर्माना एवं 0.22 लाख रु. के टीडीएस का भुगतान करना पड़ा।

उप निदेशक (निरीक्षण)